डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली

वार्षिक प्रतिवेदन

2017–18

विषय–सूची

1. विश्वविद्यालय **4**

2. विश्वविद्यालय के स्कूल **16**

2.1. व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल 16
2.2. सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल 23
2.3. डिजाइन स्कूल 30
2.4. विकास अध्ययन स्कूल 35
2.5. शैक्षिक अध्ययन स्कूल 39
2.6. मानव पारिस्थितिकी स्कूल 47
2.7. मानव अध्ययन स्कूल 55
2.8. कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल 69
2.9. लेटर्स स्कूल 72
2.10. लिबरल अध्ययन स्कूल 82
2.11. स्नातक अध्ययन स्कूल 95
2.12. वोकेशनल स्टडीज स्कूल 100

3. विश्वविद्यालय के केंद्र **103**

3.1. सामुदायिक ज्ञान केंद्र 103
3.2. विकास प्रैक्टिस केंद्र 107
3.3. प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र 110
3.4. अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र 115
3.5. एयूडी उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र 117
3.6. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र 120
3.7. प्रकाशन केंद्र 125
3.8. सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र 127
3.9. शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र 130

4. प्रकाशन **133**

5. अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ **150**

6. अनुसंधान परियोजनाएँ **153**

7. विश्वविद्यालय के प्रभाग **157**

7.1. पुस्तकालय सेवाएँ 157
7.2. सूचना एवं तकनीकी सेवाएँ 162
7.3. छात्र सेवा प्रभाग 165
7.4. आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति 188
7.5. शैक्षिक सेवा प्रभाग 191
7.6. मानव संसाधन प्रभाग 193
7.7. योजना प्रभाग 200
7.8. अभिशासन प्रभाग 202
7.9. परिसर विकास प्रभाग 203
7.10. प्रशासन प्रभाग 206
7.11. सम्पदा प्रभाग 210
7.12. वित्त प्रभाग 214
7.13 अभियांत्रिकी एवं रखरखाव इकाई 216
7.14 प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास प्रकोष्ठ 217

8. यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति **218**

9. शिकायत निवारण समिति **220**

10. परिशिष्ट **221**

1. विश्वविद्यालय

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) की स्थापना वर्ष 2007 में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा विधानमंडल के एक अधिनियम के माध्यम से की गई और इसे जुलाई, 2008 में अधिसूचित किया गया। सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी में शोध तथा अध्यापन पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए अधिदिष्ट यह संस्थान, तथा समता व न्याय की उत्कृष्टता से समन्वय के डॉ. अम्बेडकर की विचारधारा द्वारा प्रेरित, यह विश्वविद्यालय इसे उच्च शिक्षा तक पहुँच और सफलता के बीच स्थायी और प्रभावी संबंध बनाने के लिए अपना लक्ष्य मानता है। वर्तमान में यह विश्वविद्यालय तीन परिसरों में कार्यशील है जो कि कश्मीरी गेट, करमपुरा तथा लोधी रोड स्थित हैं।

उच्चतर शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा विश्वविद्यालय हेतु अतिरिक्त परिसरों की स्थापना के लिए दो भूखंड आवंटित किए गए हैं– एक रोहिणी, सेक्टर 3 (7.02 हेक्टेयर) में तथा दूसरा धीरपुर, फेज 1 (20 हेक्टेयर) में। दोनों ही स्थानों में निर्माण कार्य आरंभ करने की तैयारी प्रगति पर है।

कश्मीरी गेट परिसर लोथियन रोड पर स्थित है और यह कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन से नजदीक है। यह परिसर को इंदिरा गाँधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय के साथ साझा करता है। करमपुरा परिसर, जिसमें 6. 5 एकड़ की भूमि और भवन स्थित हैं, शिवाजी मार्ग, करमपुरा में स्थित है। यह परिसर मोती नगर मेट्रो स्टेशन (ब्लू लाइन), इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन (रेड लाइन) तथा करमपुरा बस टर्मिनल के समीप स्थित है।

लोधी रोड परिसर अपने 1.97 एकड़ क्षेत्र के साथ बीके दत्त कॉलोनी, अलीगंज के पुराने स्कूल परिसर में स्थित है। एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा अप्रैल, 2017 में इसे विश्वविद्यालय को सौंपे जाने के उपरान्त इस परिसर की निचली मंजिल का पूर्ण नवीनीकरण किया गया है जिससे कि यह शहर की शिक्षकीय शिक्षा विकास की जरूरतों को पूरा कर सके। शैक्षिक स्कूल (स्कूल ऑफ एजुकेशन (एसईएस)) के छात्रों, संकाय तथा कर्मचारियों को अगस्त, 2017 में यहाँ स्थानांतरित किया गया। भविष्य में यह परिसर प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सेंटर फॉर अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन एंड डेवलपमेंट (सीईसीईडी)) एवं अन्य केंद्रों के लिए घर होगा जो दिल्ली में स्कूली शिक्षा के बेहतरीकरण के लिए कार्य कर रहे हैं।

विश्वविद्यालय में सभी अकादमिक गतिविधियों के लिए स्कूल और केंद्रों के साथ एक विकेंद्रीकृत संरचना है। इसने अपने स्कूल, केंद्रों एवं उसके कार्यक्रमों की कल्पना नई–नई संभावनाओं को तलाशने के लिए किया है और इन संभावनाओं को आकार दने के लिए ऐसा प्रारूप अपनाया गया है जो अंतर्विषयक पद्धतियों के साथ अनिवार्य रूप से कार्य करे। स्कूलों की संकल्पना अपेक्षाकृत सुसंरचित अंतर्विषयी स्थानों पर निहित है जिनके भीतर कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। दूसरी ओर अध्ययन केंद्र तथा अनुसंधान को शोध परियोजना, नीतियों की वकालत, प्रशिक्षण, नेटवर्किंग एवं गृह–कार्य समाशोधन के अनुरूप की गई है ताकि समकालीन महत्व के महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अधिक बढ़ावा मिल सके।

दृष्टिकोण

विश्वविद्यालय उदारवादी शिक्षा, मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर ध्यान देने के साथ–साथ उच्चतर शिक्षा में अध्ययन, शोध और विस्तार कार्य को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह सामाजिक स्थिरता के साथ–साथ सामाजिक असंतुलन में योगदान करने वाले कारकों का विश्लेषण करते हुए पता लगाना चाहता है कि सामाजिक विकास किस प्रकार ऐसे समाज का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिसमें लोग अपनी पूर्ण मानवीय क्षमता प्राप्त कर सकें।

दर्शन

समानता, सामाजिक न्याय और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता विश्वविद्यालय के दर्शन और मूल्यों का आधार है। एक सार्वजनिक संस्थान के रूप में, विश्वविद्यालय स्वयं को सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखता है और नागरिक समाज तथा राज्य की अन्तः क्रिया हेतु सामाजिक क्रियाकलाप पर ध्यान केंद्रित करता है।

लक्ष्य

विश्वविद्यालय सामाजिक विज्ञान और मानविकी विषयों की उच्चतर शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु प्रयासरत है। विश्वविद्यालय का मुख्य लक्ष्य उच्च शिक्षा में पहुँच और सफलता के बीच स्थायी और प्रभावी संबंध का निर्माण करना है। यह एक ऐसी संस्थागत संस्कृति के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें मानवतावाद, गैर–श्रेणीबद्ध और विकेंद्रीकृत कार्यकलाप के साथ ही साथ सामूहिक कार्य और रचनात्मकता का पोषण शामिल है।

उद्देश्य

विश्वविद्यालय को उदार शिक्षा, मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करने के साथ–साथ उत्कृष्ट व्यापक उच्चतर शिक्षा को विकसित करने और प्रदान करने का कार्य सौंपा गया है। इसे दूरस्थ और सतत शिक्षा, दोनों में संलग्न किए जाने हेतु जनादेशित किया गया है। उत्कृष्टता का अनुसरण करने वाले किसी भी अन्य विश्वविद्यालय की तरह, यह उन्नत अध्ययनों का आयोजन करने और शोध को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है, ताकि व्याख्यान, परिसंवादों, संगोष्ठी, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन करके ज्ञान तथा प्रक्रियाओं का प्रसार किया जा सके और भारत तथा विदेशों में उच्च शिक्षा एवं शोध संस्थानों के साथ संपर्क स्थापित किया जा सके। विश्वविद्यालय शोध, विनिबंधों, ग्रंथों, पुस्तकों, प्रतिवेदनों एवं पत्रिकाओं को प्रकाशित करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है। इन उद्देश्यों को आगे बढ़ाते हुए, यह सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों को भी बढ़ावा देता है।

शैक्षणिक संरचना

विश्वविद्यालय के पास ऐसी संकाय संरचना है जो पूर्णकालिक, नियमित, मुख्य संकाय और अशंकालिक, संबद्ध, अतिथि तथा अवकाश प्राप्त (एमेरिटस) संकाय के लिए भी अनुमति देता है। विस्तारित संकाय में वरिष्ठ स्नातकोत्तर और शोध छात्र भी शामिल हैं, जो शिक्षण सहायक के रूप में वहाँ कार्य करते हैं। विश्वविद्यालय की शिक्षा कार्मिक नीति को कई भारतीय विश्वविद्यालयों की संरचनाओं और प्रक्रियाओं की तुलना में दृष्टि वक्तव्य में सन्निहित कथनों को और अधिक प्रभावी ढंग से दर्शाने के लिए तैयार किया गया है। यह सुनिश्चित करना विश्वविद्यालय का प्रयास होगा कि इसके कार्यों को पारदर्शी, क्रमबद्ध, समुचित और न्यायसंगत तरीके से संचालित किया जाए, ताकि इसके सभी कार्मिकों के बीच साझा शासन की भावना को प्रोत्साहित किया जा सके और एक नई कार्य संस्कृति विकसित कर सकें जो विश्वविद्यालय के प्रमुख मूल्यों और दर्शन को बल व स्थायित्व प्रदान करती हो। आरक्षण के लिए सभी संवैधानिक रूप से अनिवार्य प्रावधानों का पालन करते हुए, यह सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा और विशेष रूप से एक सक्रिय जेंडर–संवेदनशीलता की नीति को अपनी भर्तियों में लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

विश्वविद्यालय का संचालन

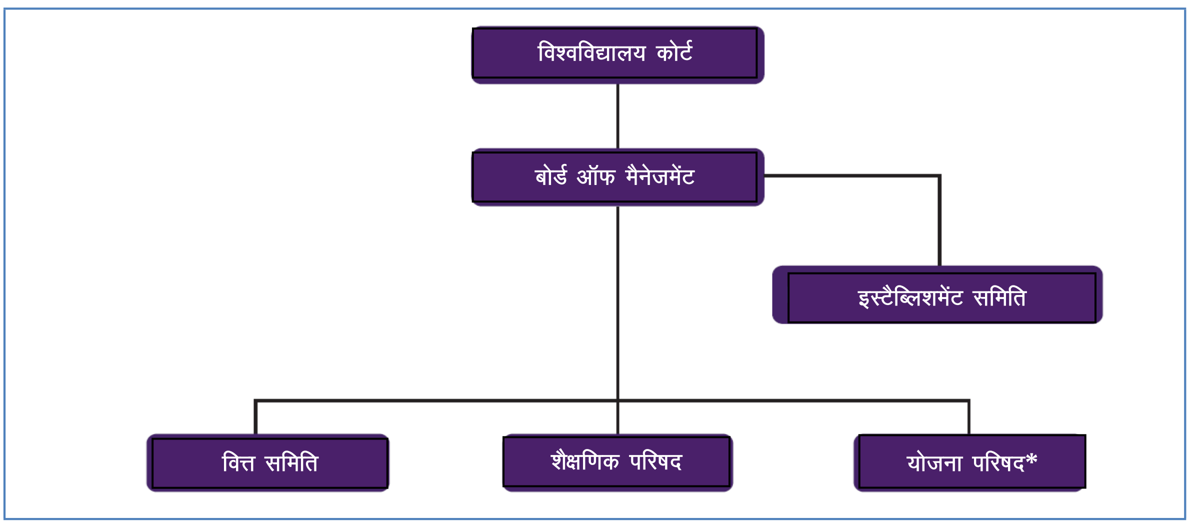

*** सक्रिय करने का प्रयास**

विश्वविद्यालय कोर्ट

श्री अनिल बैजल, कुलाधिपति (अध्यक्ष)

प्रोफेसर श्याम बी. मेनन (कुलपति)

जस्टिस लीला सेठ (जीएनसीटीडी द्वारा नामित) (04–05–2017 तक)

डॉ. बिमल जालान (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)

श्री श्याम शरण (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)

प्रोफेसर ए.के. जलालुद्दीन (जीएनसीटीडीद्वारा नामित)

प्रोफेसर एस.आर. हाशिम (जीएनसीटीडीद्वारा नामित)
प्रमुख सचिव, वित्त, जीएनसीटीडी
सचिव, उच्च शिक्षा, जीएनसीटीडी
सचिव, कला और संस्कृति, जीएनसीटीडी
प्रोफेसर नीरा चंडोक (यूजीसी की प्रतिनिधि)
कुलसचिव, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुलसचिव (सचिव) (31–08–2017 तक)
प्रोफेसर अस्मिता काबरा, कुलसचिव (कार्यवाहक) (सचिव) (31–08–2017 से)

विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढाँचा

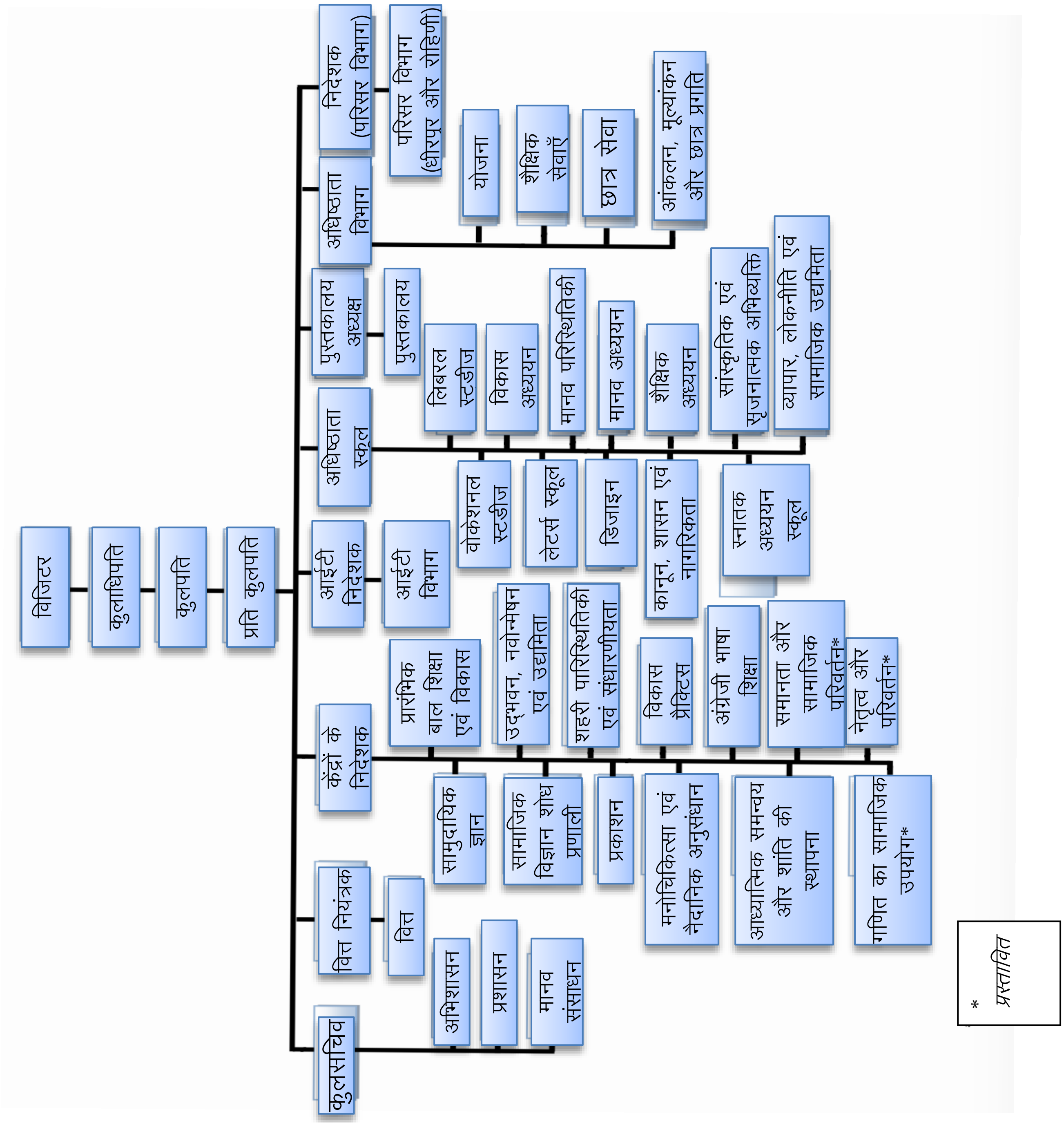

विश्वविद्यालय के अधिकारी संस्थान

बोर्ड ऑफ मैनजमेंट

श्याम बी. मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
माधव मेनन, एन.आर. (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
परशुरामन, एस. (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
किरण दातार (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
अशोक नागपाल (कुलाधिपति द्वारा नामित), अधिष्ठाता (डीन), मानव अध्ययन स्कूल (01–09–2017 तक)
जतिन भट्ट (कुलाधिपति द्वारा नामित), अधिष्ठाता, डिजाइन स्कूल
सलिल मिश्रा (कुलाधिपति द्वारा नामित), लिबरल अध्ययन स्कूल
हनी ओबेरॉय वहाली (कुलाधिपति द्वारा नामित), मानव अध्ययन स्कूल (19–09–2017 से)
प्रमुख सचिव, वित्त, जीएनसीटीडी
सचिव, उच्च शिक्षा, जीएनसीटीडी
डॉ. एम. ए. सिकंदर, कुलसचिव (सचिव) (31–08–2017 तक)
प्रोफेसर अस्मिता काबरा, कुलसचिव (कार्यवाहक) (सचिव) (31–08–2017 से)

शैक्षणिक परिषद

श्याम बी. मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
के. रामचंद्रन (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
फरीदा ए. खान (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
माधवन के. पलाट (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
मिहिर शाह (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
सब्यसाची भट्टाचार्य (जीएनसीटीडी द्वारा नामित)
शर्मा, ए. के. (यूजीसी द्वारा नामित)
अधिष्ठाता (डीन), व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, विकास अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, डिजाइन स्कूल
अधिष्ठाता, शैक्षिक अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, मानव पारिस्थितिकी स्कूल
अधिष्ठाता, मानव अध्ययन स्कूल

अधिष्ठाता, लिबरल अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, स्नातक अध्ययन स्कूल
अधिष्ठाता, कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल
अधिष्ठाता, लेटर्स स्कूल
अधिष्ठाता, वोकेशनल स्टडीज स्कूल
सलिल मिश्रा, लिबरल अध्ययन स्कूल (कुलपति द्वारा नामित)
हनी ओबेरॉय वहाली, मानव अध्ययन स्कूल (कुलपति द्वारा नामित)
गीता वेंकटरमन, लिबरल अध्ययन स्कूल (कुलपति द्वारा नामित)
चंदन मुखर्जी, लिबरल अध्ययन स्कूल (कुलपति द्वारा नामित)
राधारानी चक्रवर्ती, लिबरल अध्ययन स्कूल (कुलपति द्वारा नामित)
ओइनम हेमलता देवी, मानव पारिस्थितिकी स्कूल (कुलपति द्वारा नामित)
सिकंदर, एम. ए., कुलसचिव (सचिव) (31–08–2017 तक)
अस्मिता काबरा, कुलसचिव (कार्यवाहक) (31–08–2017 से)

वित्त समिति

श्याम बी. मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, जीएनसीटीडी
प्रधान सचिव, वित्त विभाग, जीएनसीटीडी
किरण दातार (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट द्वारा नामित)
जतिन भट्ट (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट द्वारा नामित)
एर्नेस्ट सैम्यूएल रतनाकुमार, जे., वित्त नियंत्रक (सचिव)

बोर्ड्स ऑफ स्टडी

विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित स्कूलों के लिए बोर्ड्स ऑफ स्टडी का गठन किया है:
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल (एसबीपीपीएसई)
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल (एससीसीई)
डिजाइन स्कूल (एसडीज)
विकास अध्ययन स्कूल (एसडीएस)
शैक्षिक अध्ययन स्कूल (एसईएस)
मानव पारिस्थितिकी स्कूल (एसएचई)
मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस)
लिबरल अध्ययन स्कूल (एसएलएस)
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (एसएलजीसी)
लेटर्स स्कूल (एसओएल)

स्नातक अध्ययन स्कूल (एसयूएस)
वोकेशनल स्टडीज स्कूल (एसवीएस)

इस्टैब्लिशमेंट समिति

श्याम बी. मेनन, कुलपति (अध्यक्ष)
किरण दातार (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट द्वारा नामित)
अशोक नागपाल (कुलपति द्वारा नामित) (01–09–2017 तक)
जतिन भट्ट (कुलपति द्वारा नामित)
सिकंदर,एम. ए., कुलसचिव (सदस्य सचिव) (31–08–2017 तक)
अस्मिता काबरा, कुलसचिव (कार्यवाहक) (सदस्य सचिव) (31–08–2017 से)

विश्वविद्यालय के अधिकारी गण

कुलपति	श्याम बी. मेनन
प्रति कुलपति	जतिन भट्ट (02–08–2017 से) सलिल मिश्रा (02–08–2017 से)

अधिष्ठाता (डीन), स्कूल

व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल	कार्तिक दवे
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल	राजन कृष्णन
डिजाइन स्कूल	जतिन भट्ट (04–08–2017 तक) सुचित्रा बालासुब्रह्मण्यन (05–08–17 से)
विकास अध्ययन स्कूल	सुमंगला दामोदरन
शैक्षिक अध्ययन स्कूल	श्याम बी. मेनन (04–08–2017 तक) सलिल मिश्रा (05–08–17 से 31–01–2018 तक) सुनीता सिंह (01–02–2018 से)
मानव पारिस्थितिकी स्कूल	अस्मिता काबरा
मानव अध्ययन स्कूल	अशोक नागपाल (01–09–2017 तक) कृष्णा मेनन (02–09–2017 से)
लिबरल अध्ययन स्कूल	डेनिस पी लेटन (31–07–2017 तक) धीरेंद्र दत्त डंगवाल (01–08–2017 से)

स्नातक अध्ययन स्कूल	रचना जौहरी (21–08–2017 तक)
	तनुजा कोठियाल (22–08–2017 से)
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल	लॉरेंस लिआंग (12–03–2018 तक)
	सलिल मिश्रा (13–3–18 से)
लेटर्स स्कूल	राधारानी चक्रवर्ती
वोकेशनल स्टडीज स्कूल	आखा काइहरि माओ

अधिष्ठाता (डीन), प्रभाग

शैक्षिक सेवा प्रभाग	श्याम बी. मेनन (02–04–2017 तक) सलिल मिश्रा (03–04–2017 से 17–08–2018 तक) अरिंदम बनर्जी (18–08–2017 से)
छात्र सेवा प्रभाग	संजय कुमार शर्मा
आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति	गीता वेंकटरमन
योजना प्रभाग	प्रवीण सिंह
कुलसचिव	सिकंदर, एम. ए. (31–08–17 तक)
	अस्मिता काबरा (01–09–2017 से)
वित्त नियंत्रक	एर्नेस्ट सैम्यूएल रतनाकुमार, जे.

अन्य अधिकारी गण

पुस्तकालय अध्यक्ष	देबल सी. कर
निदेशक, आईटी सेवा	चंदन मुखर्जी
निदेशक, परिसर विकास	जतिन भट्ट
विशेष कार्य अधिकारी, कश्मीरी गेट परिसर	सत्यकेतु सांकृत (23–08–2017 से)
विशेष कार्य अधिकारी, करमपुरा परिसर 22–08–2017)	सत्यकेतु सांकृत (25–05–2016 से
	लॉरेंस लिआंग (23–08–2017 से 12–03–2018)
	आखा काइहरि माओ (13–03–2018 से)

विशेष कार्य अधिकारी, लोधी रोड परिसर	मनीष जैन (14–09–2017 से)

केंद्र के निदेशक

सामुदायिक ज्ञान केंद्र	संजय कुमार शर्मा (27–12–2017 तक) डेनिस पी लेटन (28–12–2017 से)
विकास प्रैक्टिस केंद्र	अनूप कुमार धर
प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र	सुनीता सिंह (03–10–2017 तक) वृंदा दत्ता (04–10–2017 से)
मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र	हनी ओबेरॉय वहाली
प्रकाशन केंद्र	राधारानी चक्रवर्ती
सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र	चंदन मुखर्जी
शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र	सुरेश बाबू
एयूडी उद्‌भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र	एम.एस. फरूकी
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र	सलिल मिश्रा (08–09–17 तक) प्रवीण सिंह (08–09–17 से 26–02–18) अमोल पदवाड (27–02–18 से)

विश्वविद्यालय के स्कूल एवं केंद्र

मुख्य रूप से विश्वविद्यालय अपने स्कूल एवं केंद्रों के माध्यम से कार्य करता है। यह मुख्य रूप से व्यावसायिक विशेषज्ञता एवं ज्ञान संबन्धित क्षेत्रों पर आधारित है जो आज के दौर में काफी प्रासंगिक हैं, बावजूद इसके देश के इस हिस्सों के अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

वर्तमान में विश्वविद्यालय में बारह स्कूल हैं जो सामाजिक विज्ञान, कला, मानविकी, गणितीय विज्ञान एवं लिबरल अध्ययन में स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अनुसंधान कार्यक्रम चला रहे हैं। ये स्कूल इस प्रकार हैंः

व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल
डिजाइन स्कूल
विकास अध्ययन स्कूल
शैक्षिक अध्ययन स्कूल
मानव पारिस्थितिकी स्कूल
मानव अध्ययन स्कूल
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल
लेटर्स स्कूल
लिबरल अध्ययन स्कूल
स्नातक अध्ययन स्कूल
वोकेशनल स्टडीज स्कूल

विश्वविद्यालय ने हाशिये के या उपेक्षित क्षेत्रों में शोध एवं ज्ञान प्रसार की सुविधा के लिए कई केंद्र स्थापित किए हैं। विश्वविद्यालय के केंद्र परियोजना–आधारित अनुसंधान, नीति प्रतिपालन, क्षमता–निर्माण और समुदायों के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए विशिष्ट रूप से पहचाने जाते हैं। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में निम्नलिखित केंद्र संचालित हो रहे हैंः

सामुदायिक ज्ञान केंद्र
विकास प्रैक्टिस केंद्र
प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र
अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र
एयूडी उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र
मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र
प्रकाशन केंद्र
सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र
शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र

विश्वविद्यालय के प्रभाग

विश्वविद्यालय की संरचना में कई प्रभाग शामिल हैं जो विभिन्न कार्य करते हैं। वे इस प्रकार हैं:

पुस्तकालय सेवाएँ	योजना
सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएँ	परिसर विकास
छात्र सेवा	प्रशासन
आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति	सम्पदा
शैक्षिक सेवाएँ	वित्त
मानव संसाधन	अभिशासन
अभियांत्रिकी एवं रखरखाव इकाई	

2. विश्वविद्यालय के स्कूल

2.1. व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल

व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल की स्थापना शोध को बढ़ावा देने और प्रबंधन, सार्वजनिक नीति तथा सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया गया। स्कूल का प्रयास समाज व अर्थव्यवस्था के बृहत्तर संदर्भ के भीतर, व्यवसाय एवं लाभ की सर्वांगीण पद्धति विकसित करना है। स्कूल पेशेवरों की बढ़ती जरूरतों के प्रत्युत्तर में, वर्ष 2012 से व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर के रूप में दो वर्षीय (पूर्णकालिक) कार्यक्रम संचालित कर रहा है।

एमबीए कार्यक्रम एक अंतःविषयी वातावरण को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जिसमें शिक्षा संरचनाओं और अभ्यास की दुनिया के बीच कृत्रिम विभाजनों को दूर करते हुए, ज्ञान संरचनाओं में विचारों के परस्पर हस्तक्षेप को बढ़ाने की क्षमता है। पाठ्यक्रम को महत्वपूर्ण विचारों को बढ़ावा देने और छात्रों के बीच तर्कसंगत जाँच की भावना पैदा करने के लिए वैचारिक विश्लेषण और आत्मनिरीक्षण का माहौल विकसित करने हेतु डिजाइन किया गया है। नवीनतम तकनीकों सहित शैक्षणिक संसाधनों का सबसे अच्छा उपयोग पाठ्यक्रम के संचालन में किया जाता है, छात्रों को ऐसे संबंधित कौशल प्रदान किए जाते हैं, जो विश्व स्तर पर उत्कृष्टता के स्वीकृत मानकों के अनुरूप होते हैं। स्कूल समकालीन प्रासंगिकता के क्षेत्रों में नए ज्ञान के निर्माण में ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा जैसे गैर–पारंपरिक मॉडल का उपयोग करके पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।

व्यवसाय प्रबंधन स्नातकोत्तर

दो वर्षीय एमबीए कार्यक्रम, विपणन, वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार और संचालन शोध के कार्यात्मक क्षेत्रों में आधुनिक प्रबंधन की आवश्यक अवधारणाओं और सिद्धांतों को प्रदान करता है, यह छात्रों को सार्वजनिक नीति और सामाजिक प्रबंधन के मुद्दों को भी सिखाता है। यह पाठ्यक्रम सीखने के कई तरीकों पर आधारित है, जैसे कि केस–स्टडी, सिमुलेशन, रोल–प्ले, कक्षा आधारित व्याख्यान और अनुभवात्मक अधिगम आदि। नियमित आधार पर चिकित्सकों द्वारा क्षेत्र–आधारित सीखने और अनुभव साझा करना भी इस पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग हैं। इस स्कूल में, प्रबंधन स्नातकों को तैयार करने और उन्हें ऐसे मार्गदर्शक, उद्यमी और प्रबंधक बनाने का प्रयास किया जाता है, जो अपने संबंधित प्रयासों में विभिन्न जिम्मेदारियों का समर्थन करने के लिए तैयार रहते हैं। संकाय के साथ साथ चिकित्सकों, नीति निर्माताओं, प्रबंधन पेशेवरों और अन्य डोमेन विशेषज्ञ के एक समूह को लगातार छात्रों को शिक्षण, प्रशिक्षण और सलाह देने में नियुक्त किया गया है और उनके द्वारा अंतर–अनुशासनात्मक सीख पर जोर दिया गया है।

शोध परियोजनाएं

कंवल अनिल, डिजिटल फाइनैंस इन्क्लूशन इन इंडियाः एन इनिशिएशन टूवर्ड्स रिस्पॉन्सिबल फाइनैंस, जो कि अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा सीड मनी अनुदान के तहत संकाय अनुसंधान योजना हेतु वित्तपोषित (एसएमजीएफई) था। (रु. 100,000; जारी)।

कार्तिक दवे, इम्प्लाएबिलिटी ऑफ ग्रेजुएट्स एंड पोस्ट ग्रेजुएट्स इन रिस्पेक्ट टू रीटेल इंडस्ट्रीः (रिटेल उद्योग के संबंध में स्नातक और स्नातकोत्तर की नियोजनीयता): उत्तर भारत के चुनिंदा राज्यों का एक अध्ययन, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित, । (रु. 900,000; जारी)।

ऋचा अवस्थी, ए क्वालिटेटिव स्टडी ऑफ इंडियन कल्चरः वर्ल्ड व्यू ऑफ इंडियंस; टू कैप्चर लिवड–इन एक्सपीरिएंसेस ऑफ इंडियंस एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंटरपर्सनल रिलेशन्स; तथा केस स्टडी ऑफ ए हाइब्रिड आर्गेनाइजेशनः पब्लिक–प्राइवेट मॉडल। (जारी)।

वैलेंटिना के., संकाय अनुसंधान योजना के लिए सीड मनी अनुदान (एसएमजीएफई) के तहत अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्त पोषित कनफ्लिक्टिंग रोल ऑफ ए कस्टोडियन एण्ड वॉयलेटर ऑफ ह्यूमैन राईट्स ऑफ आदिवासीसः एन एंपेरिकल स्टडी ऑफ द सिंगरेनी कोलियरीज लिमिटेड (एससीसीएल) इन तेलंगाना। (रु. 100,000; जारी)

प्रस्तुतियाँ

अंशु गुप्ता ने 12 दिसंबर, 2017 को आईआईएम, बैंगलोर में डेटा सेंटर एण्ड एनालिटिक्स लैब (डीसीएएल) द्वारा आयोजित बिजनेस एनालिटिक्स और इंटेलिजेंस (आईसीबीएआई) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'क्वालिटी मैनेजमेंट इन पाउडर कोटिंग प्रोसेसः ए सिक्स सिग्मा एप्रोच' और 'एप्रोच टू एवेल्यूएट द एफिसिएंसी ऑफ रिटेलर्स यूजिंग डीईए' विषय पर अपने दो शोध–पत्र प्रस्तुत किये।

_______ ने 29 दिसंबर, 2017 को गणित विभाग, आईआईटी, रुड़की, द्वारा आयोजित रीसेंट ट्रेंड्स इन ऑपरेशंस रिसर्च एंड स्टैटिस्टिक्स (आरटीओआरएस–2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए डिजाइन ऑफ एक्सपेरीमेंट एप्रोच फॉर ऑप्टीमाइजेशन ऑफ पाउडर कोटिंग प्रोसेसः ए केस स्टडी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कंवल अनिल द्वारा एक शोध पत्र, डि–ग्लोबलाइजेशन एंड द इम्पैक्ट ऑफ ब्रेक्सिट इन द ग्लोबल इकॉनोमी एंड सार्क नेशंन्स, एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, जो कि एक अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप, दक्षिण एशिया में अभिशासन, मानव अधिकार एंव क्षेत्रीय सहयोगः वैश्वीकरण की अवसर एवं चुनौतियां विषय पर था। इसका आयोजन यूजीसी–मानव संसाधन विकास केंद्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और यूएमआईकेएस, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, दिल्ली में कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा दिनाँक 20 अप्रैल, 2017 को किया गया।

—— ने 17 मई, 2017 को सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित व्यवसाय, अर्थशास्त्र, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पीयर टू पीयर लेंडिंग द वे फोर्वर्ड इन फाईनेंशियल इंक्लूजनः द

इंडियन एक्सपीरियंस' और 'फाईनेंशियल हैल्थ एंड सस्टेनेबिलिटी ऑफ माइक्रो–फाइनेंस इन इंडिया' विषय पर अपने दो शोध–पत्र प्रस्तुत किये।

—— ने 8 दिसंबर, 2017 को ईग्रेड बिजनेस स्कूल, मेक्सिको के सहयोग से आईएमएई भुवनेश्वर, द्वारा आयोजित ड्रिफ्ट्स इन बिजनेस, गवर्नेंस एण्ड सोसाईटल वेल्यूज : कंफलिक्ट्स एण्ड चेलेंजेस पर तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पीयरलेंडः प्रोवाइडिंग पीयर टू पीयर लेंडिंग सॉल्यूशन्स इन इंडिया' एक केस प्रस्तुत किया।

—— ने 16 दिसंबर, 2017 को ग्रेटर नोएडा एक्सटेंशन सेंटर में शेफील्ड बिजनेस स्कूल, यूनाइटेड किंगडम एण्ड वाइकाटो मैनेजमेंट स्कूल, न्यूजीलैंड, के सहयोग से प्रबंधन अध्ययन विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की द्वारा आयोजित अनुसंधान और व्यवसाय स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'करंट स्टेटस एण्ड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स ऑफ बैंकासुन्स इन इंडियाः द लैंडर्स पर्सपेक्टिव' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 19 दिसंबर, 2017 को बरगंडी स्कूल ऑफ बिजनेस, डायजन, फ्रांस के सहयोग से फॉर्च्यून इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंक्लूसिव ग्रोथ गुड गर्वनेंस एंड ग्रीन फ्यूचर' पर तीसरी अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन सम्मेलन में 'द इंडियन फैब्रिक ऑफ पीर टू पीर लेंडिंगः डिस्कवरिंग थ्री डिफरेंट वीव्स थ्रू केसेस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 23 फरवरी, 2018 को डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस और सस्टेनेबिलिटी, टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बिजनेस, इकोनॉमिक्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईसीबीईएसडी, 2018), पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिजिटल फाइनेंनशियल इक्लूशन इन इंडियाः एन इनिशिएशन टूवर्ड्स रेस्पोंसिबल फाइनेंस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वार्षणेय, डी.के.एस. और **कंवल अनिल** ने 22 मार्च, 2018 को शिक्षा विभाग, स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक द्वारा आयोजित एक आईसीएसएसआर प्रायोजित संगोष्ठीं, शिक्षण शिक्षा में उभरते हुए रुझान और नवाचार में 'टीचिंग इनेवेशन्स एण्ड इमर्जिंग ट्रेन्डस इन हायर एजुकेशन, द वे फोर्वर्डः एन इंटरव्यू रिपोर्ट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कृतिका माथुर ने 3 जनवरी, 2018 को टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज, नई दिल्ली में, एग्रीबिजनेस इन एमरजिंग इकॉनामिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एन इन–डेप्थ स्टडी ऑफ द इंडियन वियरहाउसिंग इंडस्ट्री विद स्पेशल रीफ्रेंस टू स्टोरेज फैसिलिटीज ऑफ एग्री–कमोडिटीज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ऋचा अवस्थी ने 3 जुलाई, 2017 को दुबई में एआईबी 2017 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'कनफ्लिक्ट इन ग्लोबल वर्चुअल स्टूडेंट टीम्स – ए स्टडी फ्रॉम द एक्स–कल्चर एक्सपीरियंस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 18 दिसंबर, 2017 को आईआईएम–इंदौर द्वारा आयोजित पाँचवीं द्विवार्षिक भारतीय प्रबंधन अकादमी (आईएनडीएएम) में 'इनविजनिंग इंडियन साइकोलॉजी इन द नेक्स्ट क्वार्टर सेंचुरीः ए रिफ्लेक्टिव एंड क्रिटिकल

वर्कशॉप' कार्यशाला में 'लिव्ड इन एक्सपीरिएंसः लज्जा एंड सोशल इंटरैक्शन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 23 दिसंबर, 2017 को आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित एनएओपी के 27वें वार्षिक सम्मेलन में एडवांसेज इन इंडियन साइकोलॉजीः थ्योरी, मैथड, एंड प्रैक्टिस विचार–गोष्ठी में 'ए क्वालिटेटिव स्टडी ऑफ इंडियन कल्चरः गो विद द फ्लो ऑर समर्पण' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वैलेंटिना, के. ने 11 नवंबर, 2017 को संचार और पत्रकारिता विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय और जनसंचार विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित एक सम्मेलन, रिइनवेंटिंग नेशनलिज्म, सेक्यूलरिज्म एण्ड प्लूअरलिज्मः मीडिया डिस्कोर्स एण्ड डिस्कोर्स में 'द एंटीनेशनल जेएनयू स्टूडेंटः पॉपुलर डिस्कोर्स इन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 26 नवंबर, 2017 को भारतीय सामाजिक संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल कंसलटेशन ऑफ लैंड रीफॉर्म्स (भूमि सुधार के राष्ट्रीय परामर्श) पर 'डेवलपमेंट एंड ट्राइबल राइट्सः एन इम्पीरिकल स्टडी ऑफ तेलंगाना' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अंशु गुप्ता ने 4–5 अगस्त, 2017 को एमबीए यूनिवर्स द्वारा आयोजित आईआईएम लखनऊ, नोएडा परिसर में भारतीय प्रबंधन सम्मेलन में भाग लिया।

—— ने 16–20 सितंबर, 2017 को कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, इंदिरा गाँधी दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'फजी लॉजिक रिसर्च एप्लीकेशन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

कंवल अनिल ने 17 मई, 2017 को रेडगेस कैंपरडाउन, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया, सिडनी में आयोजित बिजनेस, इकोनॉमिक्स, सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज के दसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

—— ने 5 से 9 सितंबर, 2017 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में द डेवलपमेंट ऑफ माइक्रोफाइनेंस पर एक सप्ताह का एमएचआरडी जीआईएन कार्यक्रम संपूर्ण किया।

—— ने 13 सितंबर, 2017 को ताज पैलेस होटल, नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र, भारत द्वारा आयोजित फाइनेंशियल इंक्लूजन पर सम्मेलन में भाग लिया।

—— ने 14–15 सितंबर, 2017 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में रीइनवेंटिंग इक्लूसिव फाइनेंस इन द डिजिटल एरा पर सा–धन राष्ट्रीय सम्मेलन 2017 में विशेष आमंत्रित थे।

—— ने 11–12 सितंबर, 2017 को होटल अशोक, नई दिल्ली में एसीसीईएसएस द्वारा आयोजित दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 'समावेशी वित्त भारत शिखर सम्मेलन 2017' में भाग लिया।

—— ने 23 फरवरी, 2018 को डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस और सस्टेनेबिलिटी, टेरी स्कूल ऑफ एडवांस स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बिजनेस, इकोनॉमिक्स एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट (आईसीबीईएसडी, 2018) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

कार्तिक दवे ने 4–5 अगस्त, 2017 को एमबीए यूनिवर्स द्वारा आयोजित आईआईएम लखनऊ, नोएडा परिसर में भारतीय प्रबंधन सम्मेलन में भाग लिया।

—— ने 20–21 फरवरी, 2018 को होटल रेनेसंस में रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कस्टमर सेंट्रिसिटीः रिडिफाइनिंग वैल्यूज एंड वैल्यूएशन, मुंबई, रिटेल नेतृत्व शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

—— ने 17 मार्च, 2018 को एशियन बिजनेस स्कूल, नोएडा द्वारा आयोजित ग्लोबलाइजेशन एंड गवर्नेंसः ए मैनेजमेंट पर्सपेक्टिव एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'डिजिटलाइजेशन एंड गवर्नेंस एट द बॉटम ऑफ द पिरामिड' पर वार्ता प्रस्तुत की तथा मार्केटिंग ट्रैक के लिए एक सत्र की अध्यक्षता की।

निधि केकर ने 31 जुलाई से 9 अगस्त, 2017 तक नेशनल चुंग चेंग यूनिवर्सिटी चिया–यी, ताइवान में एशिया पैसिफिक हायर एजुकेशन रिसर्च पार्टनरशिप द्वारा आयोजित लीडरशिप इंस्टीट्यूट 2017 में भाग लिया।

ऋचा अवस्थी ने 30 अगस्त, 2017 को व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल, एयूडी द्वारा आयोजित कॉन्फ्लुएंस का हिस्से के रूप में 'चेंजिंग रोल ऑफ एचआर इन वीयूसीए ईरा के एक पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।

वेलेंटीना के. ने 8 मार्च, 2018 को तुडुमदेबा, आदिलाबाद जिला, तेलंगाना द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'इफैक्ट ऑफ डिसप्लेसमेंट डयू टू माइनिंग ऑन आदिवासी वूमैन' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 22 मार्च, 2018 को ओएनजीसी लिमिटेड, वसंत कुंज, नई दिल्ली में ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क, इंडिया द्वारा आयोजित विश्व जल विकास रिपोर्ट (2018) और औद्योगिक जल सूचकांक के शुभारंभ में भाग लिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

ऋचा अवस्थी और अंशु गुप्ता ने 30 अगस्त, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट में एक पैनल चर्चा श्रृंखला के भाग के रूप में एक दिन के कार्यक्रम *'कंफ्लुएंस'* का आयोजन किया।

छात्रों ने 4 अक्टूबर, 2017 को कश्मीरी गेट परिसर में माइक्रो इंश्योरेंस एकेडेमी से अतनु मजूमदार (निदेशक, सोशल रे प्रा. लि.) के सहयोग से 'इनसाइट्स अबाउट माइक्रोइन्श्योरेंस' माइक्रोइन्श्योरेंस कार्यशाला का आयोजन किया।

परिसर में 10 अक्टूबर, 2017 को भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया तथा एनजीओ जमघट द्वारा एक स्टाल लगाया गया।

छात्रों ने 11 अक्टूबर, 2017 को 'ईयररिंग एंड टस्सेल–मेकिंग वर्कशॉप अलोंग विथ ए पॉटरी' कार्यशाला का आयोजन किया।

छात्रों ने 14 अक्टूबर, 2017 को आईजीडीटीयूडब्ल्यू मैदान में वार्षिक स्कूल स्तरीय खेल दिवस का आयोजन किया।

ऋचा अवस्थी ने 8 नवंबर, 2017 को 'रिगौर एंड रेलेवंस इशू इन मैनेजमेंट रिसर्च' पर एक विचार–गोष्ठी का आयोजन किया।

छात्रों ने 14 जनवरी, 2018 को पूर्व छात्र समिति (एयूडीबीएए) के साथ एक खेल कार्यक्रम एयूडीबीएए सीयूपी का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय में सहायक कर्मचारियों के लिए रंगोली बनाने की प्रतियोगिता, तंबोला और मिठाई वितरण के समावेश से दिवाली मनाई गई। परिसर में क्रिसमस का आयोजन भी किया गया।

क्षेत्र–अध्ययन

दूसरे वर्ष के छात्रों ने 7 नवंबर, 2017 को अपने वैकल्पिक पाठ्यक्रम कुल गुणवत्ता प्रबंधन *(टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट)* के भाग के रूप में गुणवत्ता प्रबंधन व्यवहारों का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए ग्राम अकबरपुर बरोटा, सोनीपत (हरियाणा) और अलीपुर रोड पर बुद्धपुर में अवस्थित टीवीएस लॉजिस्टिक्स सर्विसेज लिमिटेड द्वारा अनुरक्षित दो गोदामों का दौरा किया।

प्रथम वर्ष के छात्रों ने 9 फरवरी, 2018 को ऑपरेशंस प्रबंधन पाठ्यक्रम के भाग के रूप में नेमराना, अलवर, राजस्थान में पार्ले बिस्कुट प्राइवेट लिमिटेड की विनिर्माण सुविधा का औद्योगिक दौरा किया।

20 अगस्त, 2017 को विश्वविद्यालय परिसर में स्कूल ने पूर्व छात्र बैठक आयोजित की।

नियोजन सहायता

छात्रों के विकास को संपोषित करने के हिस्से के रूप में, संकाय प्लेसमेंट सलाहकारों ने वर्षभर छात्रों को उनके संचार कौशल और व्यक्तित्व विकास पर व्यापक परामर्श दिया। जीवनवृत्त तैयार करने के लिए

कार्यशालाओं सहित विभिन्न प्रकार की कार्यशालाएँ आयोजित की गईं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र साक्षात्कार देने के लिए भलीभांति तैयार हों।

छात्रों के लिए प्लेसमेंट टीम ने पैनल चर्चा, समूह चर्चा और अतिथि व्याख्यान सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए प्रथम वर्ष के सभी छात्रों को विभिन्न संगठनों में सफलतापूर्वक रखा गया था और विभिन्न संगठनों से कुछ स्नातक छात्रों को प्लेसमेंट के प्रस्ताव भी मिले थे।

विद्यार्थी उपलब्धियाँ

प्रस्तुतियाँ

दीपांशु त्रेहन ने एमिटी स्कूल ऑफ बिजनेस द्वारा 2 नवंबर, 2017 को आयोजित एन इंटरनेशनल कान्फ्रेन्स ऑन ग्लोबल बिजनेस स्ट्रैटेजीज फॉर सस्टेनेबिलिटी (ग्लोबस–2017) में 'वे टू सस्टेनेबल ऑनलाइन ग्रॉसरी बिजनेसः एन एमसीडीएम एप्रोच' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। ।

2.2. सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल

सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल फिल्म अध्ययन, साहित्य कला: सृजनात्मक लेखन, प्रदर्शन कला अध्ययन तथा दृश्य कला में एम.ए. कार्यक्रम एवं दृश्य कला, साहित्य कला तथा फिल्म अध्ययन में पीएचडी कार्यक्रम उपलब्ध कराता है। इन कार्यक्रमों में ऐतिहासिक और सैद्धांतिक शिक्षा प्रदान करते हुए शोध उन्मुखी एवं प्रायोगिक अभ्यासों पर विशेष ध्यान दिया जाता है, जिनमें विवेचनात्मक अध्ययन–पठन और अभ्यास अनिवार्य होते हैं। इनमें सृजनात्मकता से संबद्ध क्षेत्रों में भी शिक्षा और कौशल प्रदान किए जाते हैं।

एम.ए. फिल्म अध्ययन

यह कार्यक्रम भारत में सिनेमा का अध्ययन करने के लिए सुरुचिपूर्ण, श्रेष्ठता और कलात्मक उत्कृष्टता के किसी भी पूर्व निर्धारित पदानुक्रम के बिना वैश्विक तुलनात्मक विधा में सभी किस्मों को अपनाने की कोशिश करता है। बेंजामिन, क्रैकाउर और डेलेजे की समृद्ध सैद्धांतिक विरासत के माध्यम से बड़े पैमाने पर मीडिया की भूमिका को समझने के लिए यह एक कला के रूप में फिल्म की दार्शनिक समझ और सांस्कृतिक अध्ययन के बीच के अंतराल को पाटना चाहता है। यह कार्यक्रम मानता है कि भारत में बहु–स्तरीय फिल्म निर्माण पर विशेष ध्यान देने के लिए बॉलीवुड के अध्ययन पर अतिरिक्त जोर नहीं देना चाहिए, जिससे कि भारत में फिल्म संस्कृति की बहुलता को ग्रहण किया जा सके। यह कार्यक्रम सिनेमा के ऐतिहासिक, मनोवैज्ञानिक तथा शास्त्रीय विश्लेषण की अंतर्निहित प्रकृति के लिए देश के सामाजिक एवं राजनीतिक इतिहास पर ध्यान केंद्रित करता है।

एम.ए. साहित्य कला: सृजनात्मक लेखन

इस कार्यक्रम ने भारत में सृजनात्मक लेखन के अध्यापन की शुरूआत की है, विशेष तौर पर यह कार्यक्रम छात्रों में व्यवहारिक तथा साहित्यिक लेखन दोनों के सिद्धांतों पर ध्यान केन्द्रित करता है। यह लेखक की व्यक्तिगत साहित्यिक प्रकृति पर गहराई से प्रभाव डालते हुए उसके ऐतिहासिक, सामाजिक और अस्तित्व संबंधी ज्ञान की सीमा को कल्पनात्मक रूप प्रदान करने की कोशिश करता है। यह सिर्फ अंग्रेजी भाषा में दक्ष छात्रों को तैयार करने की जगह उन्हें पूरक कौशल के रूप में उप–महाद्वीप और यूरोप की कई भाषाओं की साहित्यिक जानकारी देकर शिक्षित करता है। यह कार्यक्रम छात्रों की रचना पद्धति, मीडिया (नृत्य, फिल्म, रंगमंच, दृश्य कला) एवं ऐतिहासिक और भौगोलिक सीमाओं को व्यापकता तथा नवीनता प्रदान करने के लिए प्रयासरत है।

एम.ए. प्रदर्शन कला अध्ययन

एम.ए. प्रदर्शन कला अध्ययन कार्यक्रम भारत का एक अनूठा कार्यक्रम है। यह न सिर्फ प्रदर्शन कला की व्यापकता पर केंद्रित है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का एक केंद्रीय तत्व भी है, जिसमें रंगमंच और नृत्य ही शामिल नहीं हैं, बल्कि रोजमर्रा के रीति–रिवाज व प्रथाएँ अग्रगामी अभिनय कला, लोकप्रिय मनोरंजन, खेल, राजनीतिक अभिव्यक्ति एवं संभावित रूप से भावपूर्ण व्यवहार या सांस्कृतिक अधिनियमन की

कोई भी प्रेरणा शामिल हो सकती हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की संस्कृति एवं विरासत में मौजूद समृद्ध और विविध अनुभवों को ध्यान में रखकर उसमें मौजूद संभावनाओं के क्षेत्र में छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना है।

एम.ए. दृश्य कला

दृश्य कला कार्यक्रम फाइन आर्टस के शिक्षण में आ रही समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करता है और इसलिए नए शैक्षणिक मॉडल की आवश्यकता पर जोर देता है। यह कार्यक्रम अंतर्विषयक प्रकृति के विभिन्न अवदानों को कौशल, पद्धतिगत ढांचे, वैचारिक सोच, सैद्धांतिक और ऐतिहासिक ज्ञान, सामाजिक–राजनीतिक जागरूकता और नैतिक अखंडता के साथ एकीकृत करने का कार्य करता है।

पीएच.डी. कार्यक्रम

यह स्कूल भारत में पहली बार दृश्य कला,साहित्य कला तथा फिल्म अध्ययन में प्रैक्टिस–लेड पीएच.डी. कार्यक्रम उपलब्ध करा रहा है।

प्रस्तुतियाँ

अनीता ई. चेरियन ने 16 मार्च, 2018 को स्कूल ऑफ ड्रामा एंड फाइन आर्ट, कालीकट विश्वविद्यालय, त्रिशूर, केरल, भारत में 'थिएटर प्रैक्टिसः चेंजिंग ट्रैडीशन' अंतर्राष्ट्रीय थिएटर सम्मेलन में 'द इंस्टीट्यूशनल कॉनटेक्ट्स ऑफ फॉर्म : एन इन्वेस्टीगेशन ऑफ मैथड' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बेनिल बिस्वास ने 17 अप्रैल, 2017 को बैरकपुर रस्तगुरु सुरेंद्रनाथ कॉलेज, बैरकपुर, पश्चिम बंगाल में शिक्षण साहित्य में 'एक्सपीरेंसिंग लिटरेचर एलाइवः टूवर्ड्स ए परफोर्मेटिव एप्रोच' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 17 मार्च, 2018 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे में पर्फार्मेंस मेकिंग एंड द आर्काइव राष्ट्रीय सम्मेलन में 'आर्कीटेक्टोनिक्स ऑफ एन आर्काइवः प्रीपेरेशन टू पर्फार्मेंस एंड बियांड इन कलाक्षेत्र मणिपुर्स समनद्रबा ममी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दीपन शिवरामन ने 24 जनवरी, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच समारोह केरल (आईटीएफओके), केरल संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित सामूहिक परिचर्चा में 'ऑन स्पेक्टेटरशिप' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 26 फरवरी, 2018 को एनएसडी केंद्र, बैंगलोर में थिएटर ओलम्पिक फेस्टीवल कमेटी द्वारा आयोजित 'इन सर्च ऑफ न्यू थिएटर लैंग्वेज' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्पेस एंड मटेरियलिटी इन पोस्टमॉडर्न परफॉर्मेंस डिजाइन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 23 मार्च, 2018 को नंदन थिएटर, कोलकाता में संस्कृति संगोष्ठी में 'स्केनोग्राफिक लैंग्वेज इन इंडियन थिएटर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राजन कृष्णन ने 16 मई, 2017 को शिकागो विश्वविद्यालय, इलिनोइस, यूएसए में शिकागो तमिल मंच की वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में 'सिग्निफाइंग तमिलः डीएमके रहेटोरिक, सिनेमा एंड द डबल अर्टिकुलेशन ऑफ सोवरजिनटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 3 जनवरी, 2018 को आईआईसी, दिल्ली में आयोजित एयूडी तथा अशोका विश्वविद्यालय द्वारा द्रविड़वाद, राष्ट्रवाद, संघवाद पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'डबल अर्टीकुलेशन ऑफ सोवरजिनटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संतोष सदानंदन ने 18 दिसंबर, 2017 को गोएथ इंस्टीट्यूट, मैक्स मुलर भवन, नई दिल्ली में सराय–सीएसडीएस द्वारा आयोजित व्हाट टाइम इज इट? टेक्नॉलॉजीस ऑफ लाइफ इन द कंटेम्पोरेरी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द कंटेम्परेरी एज ए डिसेंसुअल पैराडिम' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अखिल कात्याल ने 26 जनवरी, 2018 को जयपुर साहित्य महोत्सव, जयपुर में अखिल कात्याल, गौरव सोलंकी, गुरमेहर कौर, हांसदा सोवेंद्र, शेखर, प्रशांत झा और प्रयाग अकबर के साथ वार्ता में 'ड्रीम्र्सः लुकिंग एट यंग इंडियाः स्निग्धा पूनम' परिचर्चा में भाग लिया।

—— ने 26 जनवरी, 2018 को जयपुर साहित्य महोत्सव, जयपुर में मोहिनी गुप्ता द्वारा संचालित 'पोएट्री हॉवर 7×7ः कविता निरंतरः अखिल कात्याल, एट अल' कविता पाठ में एक कवि के रूप में भाग लिया।

—— ने 28 जनवरी, 2018 को जयपुर साहित्य महोत्सव, जयपुर में मानसी सुब्रमण्यम के साथ वार्ता में 'ट्रांसलेटिंग द अनट्रांसलेटेबलः अखिल कात्याल, गैलिना लाजेरेवा, मिनी कृष्णन और राधा चक्रवती' परिचर्चा में भाग लिया।

—— ने 31 जनवरी, 2018 को मुशायरा, हिंदू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में कविता पाठ, डिसेंट की कविता, के एक पैनल में कवि के रूप में भाग लिया।

—— ने 11 फरवरी, 2018 को दक, द ओडबर्ड थिएटर, नई दिल्ली में कविता पढ़ने के एक पैनल अक्रॉस इंडिया से लव पोयम्स में, कवि के रूप में भाग लिया।

—— ने 20 फरवरी, 2018 को, राइटर्स पैनल डिस्कशनः अखिल कात्याल, एट अल, राइटर्स फेस्टिवल 2018 में, अंग्रेजी विभाग, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एक पैनल चर्चा में भाग लिया ।

_______ ने 9 मार्च, 2018 को इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ह्ययूमैन सेटलमेंट्स एण्ड गोथे इंस्टिट्यूट, मैक्स मुलर भवन, नई दिल्ली, में 'सिटी स्क्रिप्ट्सः एन अर्बन राइटिंग फेस्टिवल' में 'दी सिटी एज रिटेन / लिखा हुआ शहर' में पठन पैनल में कवि के रूप में भाग लिया।

—— ने 10 मार्च, 2018 को अर्थशास्त्र विभाग और विकीरा, दयाल सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एक दिवसीय 'ए इवनिंग विद प्राइड 2.0' कार्यक्रम में हमारे विशेष स्थान प्राप्त कवि अखिल कात्याल के साथ एक कविता पठन में भाग लिया।

—— ने 17 मार्च, 2018 को इंग्लिश लिटरेरी सोसाइटी, अंग्रेजी विभाग, रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित संगोष्ठी 'पर्सेप्शन एंड पोर्ट्राइल्स' में 'सिटी एंड लव' में एक पैनलिस्ट और कवि के रूप में भाग लिया।

—— ने 26 मार्च, 2018 को द पोएट्री सोसाइटी, श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'एक दोपहर अखिल कात्याल के साथः हिन्दी और अंग्रेजी में कविता पठन' कार्यक्रम में एक कविता पाठ में भाग लिया।

अनीता ई. चेरियन ने 5 दिसंबर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली एवं एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के बीच आयोजित टीचिंग फेमिनिज्म, ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स, एक यूजीसी यूकेआईईआरआई सहयोगी परियोजना की एक गोलमेज चर्चा 'फेमिनिस्ट पेडागोजी' में भाग लिया।

—— ने 1 फरवरी, 2018 को करमपुरा परिसर में, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सहयोग से, प्रो हेल्वेटिया द्वारा आयोजित, एक गोलमेज चर्चा, 'क्रिटिकल कंडीशंस—परफॉर्मिंग पॉलिटिक्स' का आयोजन किया।

बेनिल बिस्वास ने 31 जुलाई और 3 अगस्त, 2017 को श्री राम सेंटर फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, मंडी हाउस में 'थ्योरीज ऑफ थिएटर एण्ड परफोर्मेंसः ए ब्रीफ ओवरव्यू' में व्याख्यानों की एक श्रृंखला प्रस्तुत की।

_______ ने 26 सितंबर, 2017 को जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'थिएटर एंड जेंडरः कंटेम्पोरेरी एक्सप्लोरेशन्स इन इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

_______ ने 27 अक्टूबर, 2017 को श्री राम सेंटर ऑडिटोरियम में उर्दू अकादमी दिल्ली द्वारा आयोजित 29वें उर्दू ड्रामा फेस्टिवल के भाग रूप में राजेश सिंह द्वारा निर्देशित नाटक *'आदमी नामा'* में प्रदर्शन किया।

_______ ने 9 फरवरी, 2018 को उस्मानिया यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर इंटरनेशनल प्रोग्राम्स और इंडियन सोसायटी फॉर कॉमनवेल्थ स्टडीज द्वारा आयोजित प्रमुख लेखक और साहित्य आंदोलनः वैश्वीकरण के विगत तीन दशकों का अन्वेषण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हेर्मेनेयुटिक्स ऑफ फ्रेगमेंटेड आईडेन्टिटि इन ए ग्लोबलाईज्ड वर्ल्डः एन एक्सप्लिकेशन एबाउट बंगाली, चांदेल, दलित, इंडियन एण्ड नामसुद्र आईडेंटिटीज थ्रू ऑटोबायोग्राफिकल लिटरेचर फ्रॉम बंगाल' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 21 मार्च, 2018 को अंग्रेजी साहित्यिक एसोसिएशन, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मैपिंग स्पेस, क्रॉसिंग बॉर्डर्सः (डी) कंस्ट्रक्टिंग वर्ल्ड लिटरेचर्स' राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ऑल द वर्ल्ड ए स्टेजः टूवर्ड ए परफोर्मेटिव अप्रोच टू स्टडी वर्ल्ड लिटरेचर' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 17 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय कार्यशाला टीचिंग लिटरेचरः गोइंग बियोंड लेक्चर्स, बैरकपुर रस्तरागुरु सुरेंद्रनाथ कॉलेज, बैरकपुर, पश्चिम बंगाल, में थिएटर इन एजुकेशन' (टीआईई) कार्यशाला का नेतृत्व किया।

—— ने उन्हें 22 फरवरी, 2018 को एनेब्लिंग यूनिट के सहयोग से सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सोशल सर्विस लीग द्वारा दृष्टिकोणः विकलांग छात्रों के लिए दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के 10वें संस्करण में वन एक्ट प्ले प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में आमंत्रित किया गया।

दीपन शिवरामन ने 9 मार्च, 2018 को समकालीन भारतीय रंगमंच में नई भाषाओं, कृति साहित्य कला महोत्सव, कोच्चि, केरल, के एक भाग के रूप में आयोजित किया एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

—— ने 10 मार्च, 2018 को स्टूडियो तमाशा, मुंबई में पोस्ट एवं—ड्रामेटिक टर्न इन इंडियन थिएटर पर मुख्य भाषण दिया।

—— ने 11 मार्च, 2018 को स्टूडियो तमाशा, मुंबई द्वारा टुवर्ड्स द लैंग्वेज ऑफ थिएटर ऑफ स्केनोग्राफी, विथ प्रैक्टिशनर्स फ्रॉम मुंबई, कार्यशाला आयोजित की।

राजन कृष्णन ने 3 जनवरी से 4 जनवरी, 2018 तक इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में, अशोक विश्वविद्यालय के रवींद्रन श्रीरामचंद्रन के साथ मिलकर 'द्रविड़वाद, राष्ट्रवाद, संघवाद पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी' का आयोजन किया।

शेफाली जैन ने 17 अप्रैल, 2017 से 7 मई, 2017 को सी—13, पम्पोश एन्कलेव, नई दिल्ली में 'द फाउंडेशन फॉर इंडियन कंटेम्परेरी आर्ट द्वारा आयोजित और विद्या शिवदास द्वारा क्यूरेट की गयी ए एक्जिबीशन : ए प्रापजिशन | ए प्लेग्राउंड | ए हाउस, कार्यक्रम में अपने कार्य का प्रदर्शन किया।

—— ने 2 अक्टूबर, 2017 को वाईएमसीए, मुंबई में आयोजित 'इंडी कॉमिक्स फेस्ट' में भाग लिया और प्रदर्शन किया।

—— ने 10 फरवरी, 2018 से 10 मार्च, 2018 तक अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट परिसर, में लैंडस्केप और फॉल नामक एक अधिष्ठान प्रस्तुत किया गया, यह अधिष्ठान सीड मनी ग्रांट फॉर फैकल्टी रिसर्च (एसएमजीएफआर), एयूडी की सहायता से पूरा किया गया।

—— ने 15 फरवरी, 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली के कला एवं सौंदर्य स्कूल में प्रोफेसर शुक्ला सावंत द्वारा उनके कलात्मक अभ्यास और अनुसंधान, लैंडस्केप और फॉल को प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

दिनांक 25 अगस्त, 2017 को डिपार्टमेन्ट ऑफ कम्परेटिव लिटरेचर, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता की सहायक प्रोफेसर इप्सिता हालदार ने 'मीडिया एण्ड मोबलाईजेशनः डिजिटल मीडिया एण्ड शिया पब्लिक स्फेयर इन वेस्ट बंगाल' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

कलाकार पुष्पमाला एन. ने 15 सितंबर, 2017 को 'द बॉडी पॉलिटिक' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

थिएटर निदेशक अभिलाष पिल्लई ने 22 सितंबर, 2017 को सर्कस थिएटर प्रोजेक्ट, 'तलातुम' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

बॉम्बे अंडरग्राउंड, ए कलेक्टिव के संस्थापक, जो पढ़ने के स्थान (रीडिंग स्पेस) और पुस्तकालय चलाते हैं, हिमांशु एस. ने 13 अक्टूबर, 2017 को 'जेड इज ऑलसो फॉर जिन्स' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

कलाकार, सुशांत मंडल ने 27 अक्टूबर, 2017 को 'इट्स डजन्ट बाइट' अपने कार्य को प्रस्तुत किया।

कलाकार और शिक्षाविद सलीमा हाशमी ने 3 नवंबर, 2017 को 'पेडागॉजी एंड आर्ट' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

एमए परफोर्मेंस स्टडीज इलेक्टिव कोर्स, मैटेरियलिटी एवं परफोर्मेंस आर्ट्स के विद्यार्थियों, जिन्हें प्रोफेसर अनुराधा कपूर और दीपन शिवरमन ने मेन्टॉर किया गया था, ने 16 नवंबर, 2017 को शॉर्टप्रोटेस्ट परफोर्मेंस एक्शंस की एक सीरीज का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन कला अध्ययन वैकल्पिक पाठ्यक्रम के एमए के छात्रों स्पेस एंड स्पेक्टेटरशिप, मेड ए थिएटर परफॉरमेंस, वर्क इन प्रोग्रेस, 18-19 जनवरी, 2018

करमपुरा कैंपस, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली में 1 फरवरी, 2018 को स्विस कला परिषद, दिल्ली के प्रो. हेल्वेटिया के साथ मिलकर स्कूल ने चर्चा और विचार–विमर्श करने के लिए एक गोलमेज बैठक, 'क्रिटिकल कंडीशंस–परफॉर्मिंग पॉलिटिक्स' का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य राजनीति और कला की उत्पत्ति एवं प्रस्तुतीकरण से संबंधित विवादों का समाधान करना था।

स्कूल द्वारा विश्वविद्यालय में शेफाली जैन के इंस्टालेशन 'लैंडस्केप एंड फॉल' द्वारा एक पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। 16 फरवरी, 2018 को इसमें प्रोफेसर शुक्ला सावंत (एसएए, जेएनयू) द्वारा आर्टिस्ट के साथ बातचीत का आयोजन किया गया।

स्कूल के छात्रों ने 21 फरवरी, 2018 को पुष्पा रावत द्वारा फिल्म *'मॉड (द टर्न)'* की एक स्क्रीनिंग का आयोजन किया।

दिनांक 14 मार्च, 2018 को एम्मा डावसन वर्गीज, विजिटिंग स्कॉलर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (सोशियोलॉजी) ने 'इनॉस्पिशस सीइंगः पोस्ट मिलेनियल इंडियन ग्राफिक नैरटिव्स एण्ड पब्लिक कल्चर' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उपन्यासकार डाला, जेड.पी. ने 16 मार्च, 2018 को अपने उपन्यास, '*द आर्किटेक्चर ऑफ लॉस* (पैगाससः 2017)' को पढ़ा और चर्चा की।

क्षेत्र–अध्ययन

बेनिल बिस्वास ने 16-18 फरवरी, 2018 को जोधपुर, राजस्थान और अरना झरनाः थार डेजर्ट म्यूजियम के पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए *यूसेस ऑफ ट्रेडिशन (एस) एंड क्रिटिकल परस्पेक्टिव ऑन क्रिएटिव एक्सप्लोरशंस* का आयोजन और नेतृत्व किया।

2.3. डिजाइन स्कूल

डिजाइन स्कूल (एसडीज) की कल्पना डिजाइन शिक्षा को स्नातक स्तर पर परा–स्नातक एवं डॉक्टोरल स्तर तक पहुँचाने के लिए अभ्यास एवं शोध आधारित स्कूल दोनों के रूप में की जाती है। इस स्कूल को विश्वविद्यालय में विशिष्ट स्थान प्रदान किया गया है जो मानविकी और सामाजिक विज्ञान पर केन्द्रित है। इसलिए ऐसे एक सेटिंग में डिजाइन के अध्ययन और अभ्यास को समानता और पारिस्थितिकी की चिंता के साथ, डिजाइन के स्वरूप, क्रिया और सौन्दर्यबोध पर बल देने की पारंपरिक विशेषताओं को एक साथ लाने पर इस प्रकार से केन्द्रित किया जाता है जिससे प्रतिभागात्मक एवं सहयोगात्मक डिजाइन पद्धतियों के माध्यम से अधिक सुगम्य, समावेशी एवं दीर्घस्थायी सार्वजनिक सेवाओं का निर्माण किया जा सके।

डिजाइन स्कूल के संकाय के सदस्यगण औद्योगिक डिजाइन, दृश्य संचार, वास्तुशास्त्र, शहरी डिजाइन, कला एवं डिजाइन का इतिहास, दृश्य मानव विज्ञान और चलचित्र निर्माण सहित, विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञता का योगदान देते हैं। संकाय के सहायक सदस्यगण सेवा डिजाइन, प्रणालियों की सोच, स्थिरता, पारिस्थितिकी, डाटा का दृश्यकरण और नागरिकता में विभिन्न दक्षता को सम्मिलित करते हैं।

डिजाइन स्कूल ने सामाजिक प्रासंगिकता के उभरते हुए क्षेत्रों में प्रभावशीलता और डिजाइन के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए प्रायोजित एवं स्वयं आरंभ किये गये परियोजनाओं का भार उठाने के लिए एक फ्यूचर्स लैब की भी स्थापना की है। यह प्रयोगशाला वर्तमान में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा अनुदानित डिजाइन इनोवेशन सेंटर के एक भाग के रूप में 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' और 'अर्बन फार्मिंग' पर दो परियोजनाओं में संलग्न है।

एम.ए. डिजाइन (मास्टर ऑफ डिजाइन) (एमडीज)

मास्टर ऑफ डिजाइन (सामाजिक डिजाइन) जिसका शुभारंभ जुलाई 2013 में किया गया था, एक ढाई वर्षीय, पूर्णकालिक और अभ्यास आधारित कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में 16 सप्ताहों के पाँच सत्रों के दौरान 100 दायित्व (क्रेडिट) सम्मिलित होते हैं। विद्याथियों को प्रतिभागात्मक एवं सहयोगात्मक प्रक्रियाओं के माध्यम से जटिल सामाजिक समस्याओं को रचनात्मक रूप से समाधान करने के लिए उन सामाजिक विज्ञानों के साथ डिजाइन शाखाओं की पद्धतियों, साधनों और प्रक्रियाओ द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है।

केंद्र बिंदु के क्षेत्र हैं, सार्वजनिक सेवाएँ और प्रणालियाँ (जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, अपशिष्ट, शासन अंतर्फलक), समुदाय के तंत्र और जीविकाएँ (शिल्प, अनौपचारिक अर्थव्यवस्था, निर्मित एवं अमूर्त विरासत, शहरी एवं ग्रामीण सामान्य नागरिकों से सम्बन्धित) और डिजीटल प्रौद्योगिकियाँ (सामजिक मीडिया, उपयोगकर्ता के अंतर्फलक एवं अनुभव, गोपनीयता)। विद्यार्थियों को अपने उद्यमो को स्थापित करने में सहयोग देने के लिए स्थापित संगठनों में प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करते समय भी उद्यमशील क्षमताओं और नेतृत्व से भी परिचित कराया जाता है।

शैक्षणिक कार्य में सिखाये गये पाठ्यक्रम, स्टूडियो की परियोजनाएँ, शोध और एक शोध निबंध में परिणत होने वाले स्व–अध्ययन और एक वास्तविक जीवन के संक्षिप्त डिजाइन पर शोध प्रबंध सम्मिलित हैं। प्रशिक्षण और क्षेत्र सम्बन्धित अध्ययन ग्रामीण एवं शहरी समायोजनों, दोनों में समुदायों एवं संगठनों के साथ जुड़ाव के माध्यम से ज्ञान के एक अटूट भाग का निर्माण करता है। अभी तक, विद्यार्थियों ने एक्शन एड, हैदराबाद अर्बन लैब, थॉटशॉप, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया, हुनरशाला, क्वीकसैंड और सेंटर ऑफ नॉलेज सोसाइटीज जैसे, संगठनों के पास प्रशिक्षण लिया है।

इस कार्यक्रम के स्नातकों को स्वास्थ्य, वन्यजीव संरक्षण, डिजाइन शिक्षा, डिजिटल गोपनीयता और अपशिष्ट प्रबंधन सेवाओं जैसे भिन्न क्षेत्रों में सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च, नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी और यूएनडीपी जैसे संगठनों में नियुक्त किया जाता है।

सहकार्यता (सहयोग)

इस स्कूल को संकाय विनिमय कदमों के माध्यम से रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट (लंदन) और ग्लास्गो स्कूल ऑफ आर्ट (ग्लास्गो एंड फोरेस) के साथ संबद्ध किया गया है और इस स्कूल ने अन्य संस्थानों के साथ अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय रूप से भविष्य में सहयोग की संभावना का पता लगाना जारी रखा है। प्रतिवेदन की इस अवधि में, इस स्कूल ने इरासमास प्लस द्वारा अनुदानित ग्लास्गो स्कूल ऑफ आर्ट के साथ दो वर्षीय संकाय विनिमय कार्यक्रम (2016–18) का समापन किया है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

सुचित्रा बालासुब्रह्मण्यन वर्ष 2019 में बॉहाउस डिजाइन स्कूल (स्टालिचेस बॉहाउस–वीमर–डेसाऊ–बर्लिन 1919–33) के शताब्दी समारोह को मनाने के लिए बॉहाउस इमेजिनिस्ता की प्रदर्शनी (अध्याय–मूविंग अवेः द इम्पैक्ट ऑफ द बॉहहाउस इन एशिया) की प्रबन्धकीय शोधकर्ता रही हैं। इस परियोजना के लिए बॉहाउस कॉर्पोरेशन द्वारा धन प्रदान किया गया है (€ 2000; जारी)।

—— ने नवम्बर 2017 में एमएचआरडी के स्वयं प्लैटफॉर्म पर मुक्त डिजाइन स्कूल के लिए आईआईटी, पोवई, मुंबई में स्थित इन्डस्ट्रीयल डिजाइन केंद्र द्वारा विकसित एक ऑनलाइन पाठ्यक्रम; अंडरस्टैन्डिंग डिजाइन के लिए डिजाइन के इतिहास पर एक मापांक विकसित किया जिसे आईआईटी, पोवई द्वारा धन प्रदत्त किया गया (रु. 20,000; समापन)।

उपलब्धियाँ / सम्मान / पुरस्कार

दिव्या चोपड़ा आईएसओसीएआरपी स्टूडेंट अवार्ड 2017 के निर्णायक मण्डल में शामिल हुईं।

—— को यंग प्लानिंग प्रोफेशनल्स (वाईपीपी) कार्यक्रम समिति, आईएसओसीएआरपी का सदस्यनियुक्त किया गया है। (मार्च, 2018 से आज तक)।

प्रस्तुतियाँ

अबीर गुप्ता ने 5–6 दिसंबर, 2017 को विद्याशिल्प एकेडमी, बैंगलोर में आयोजित विरासत टीचिंग हिस्ट्री पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'हेरिटेज, कन्सेर्वटिव एंड पेडागॉजीः इनसाइट्स फ्रॉम लदाख, इन द आईडिया ऑफ इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 10 मार्च, 2018 को फोरम लोपेज डिजाइन, नई दिल्ली, तथा 4 मई, 2017 को बेदेल्वो, पोलैंड में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ लद्दाख स्टडीज के 18वें सामूहिक परिचर्चा में 'आर्किटेक्चर, इस्लाम एंड वेस्टर्न हिमालया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन ने 10 अप्रैल, 2017 को ब्राइटन के एशिया सम्मेलन में मॉडर्न लिविंग पर मेकिंग इट कंक्रीटः इमेजिंग एंड रिलाइजिंग ए 'स्टैण्डर्ड' ऑफ 'लिविंग' इन इंडिया आफ्टर इंडिपेंडेंस' विषय पर (वाया स्काइप) शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 6 जनवरी, 2018 को फोरम लोपेज डिजाइन, नई दिल्ली में 'टू कल्चर ऑफ डिजाइन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 23 जनवरी, 2018 को हाइलैंड्स एंड आइसलैंड कैम्पस, फोरस में द इनोवेशन स्कूल ऑफ ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट द्वारा आयोजित 'अल्टरनेटिव वैल्यूज/न्यू इकॉनॉमीज़' विषय पर विंटर स्कूल में 'कल्चर्स ऑफ द सिटीः एयूडी नेबरहुड म्यूजियम इन दिल्ली' पर केस स्टडी प्रस्तुति की।

वेणुगोपाल माद्दीपटी ने 10 मई, 2017 को बर्लिन के हंबोल विश्वविद्यालय में 'फेथ इन जियोलॉजीः 19 सेन्चुरी कोलोनियल डिस्टींक्शन्स बिटवीन नेचुरल एंड ह्यूमन हिस्टोरिएस इन द डेक्कन रीजन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 13 अक्टूबर, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित एफएसीएसएपीपी (फैकल्टी सेमिनार एंड पेपर प्रेजेंटेशन) में 'अर्बनाइजिंग फिनीट्यूडः चार्ल्स कोर्रा एंड द डेथ ऑफ ए वेर्नाकुलर आर्किटेक्चर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 22 फरवरी, 2018 को कॉलेज ऑफ आर्ट एसोसिएशन, लॉस एंजिल्स में 'इम्मनेन्स बिफोर ट्रांसेंडेंसः मेकिंग सेंस ऑफ विस्तारः द आर्किटेक्चर ऑफ इंडिया (1983–1992) विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान/उपलब्धियाँ

अबीर गुप्ता ने 4 दिसंबर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली कॉमिक आर्ट्स फेस्टिवल में 'इज कॉमिक्स समथिंग यू कैन टीच?' एक सत्र का संचालन किया।

—— ने 7 मार्च, 2018 को टाटा ट्रस्ट्स द्वारा समर्थित मैक्स मुलर भवन/गोएथे इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित 'ओल्ड रूट्स/न्यू जर्नी' सम्मेलन में 'री–प्रेजेंटिंग हिस्टरीजः न्यू नेरेटिव्स फ्रॉम म्यूजियम कलेक्शंस' एक परिचर्चा में भाग लिया।

सुचित्रा बालासुब्रमण्यन ने 7 मार्च, 2018 को टाटा ट्रस्ट्स द्वारा समर्थित मैक्स मुलर भवन/गोएथे इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित ओल्ड रूट्स/न्यू जर्नी सम्मेलन में 'री–प्रेजेंटिंग हिस्टरीजः न्यू नेरेटिव्स फ्रॉम म्यूजियम कलेक्शंस' एक परिचर्चा में भाग लिया।

कार्यक्रम/गतिविधियाँ

ग्लास्गो स्कूल ऑफ आर्ट्स इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन इनोवेशन के प्रोफेसर, इयन रीड ने 16–23 अप्रैल, 2017 के बीच सर्विस डिजाइन स्टूडियो में शिक्षा प्रदान की। प्रो. रीड का आगमन यूरोपियन यूनियन के इरास्मस + ग्रांट द्वारा समर्थित ग्लास्गो स्कूल ऑफ आर्ट और स्कूल ऑफ डिजाइन के बीच जारी सहयोग का एक भाग था। उसी सहयोग के एक भाग के रूप में, जतिन भट्ट और दिव्या चोपड़ा ने 25–30 मई, 2018 के बीच ग्लास्गो स्कूल ऑफ आर्ट का दौरा किया जहाँ पर उन्होंने डिजाइन शिक्षा पर आयोजित एक सत्र अंत के पाठ्यक्रम की समीक्षा और विचार–विमर्श में भाग लिया।

क्षेत्र–दौरे

विद्यार्थियों (2016 के बैच) ने 'एक्जामिनिंग रूरल एंड अर्बन' पाठ्यक्रम के लिए कंडबारी, पालमपुर का दौरा किया। इस दौरे का आयोजन संभावना इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक पॉलिसी एंड पॉलिटिक्स, कंडबाड़ी, पालमपुर के साथ एक सहयोगात्मक अभ्यास के रूप में किया गया। वे गाँव के ढाँचागत संरचना, सेवाओं और प्रणालियों के क्षेत्र आधारित मापन में संलग्न हो गये ताकि एक सम्बन्धित क्षेत्र जो इन तत्वों को घेरे रहता है, का खाका बनाया जा सके। 1–8 अक्टूबर, 2017।

विद्यार्थियों ने एसोसिएशन ऑफ डिजाइनर्स ऑफ इंडिया (एडीआई) द्वारा आयोजित पुणे डिजाइन फेस्ट 2018 में भाग लिया। आकाश ठाकुर को 2019 में उत्सव में भाग लेने के लिए 16–17 फरवरी, 2018 के दौरान आयोजित सत्रों में से एक के दौरान अपने महत्वपूर्ण जुड़ाव को मान्यता प्रदान करने हेतु, एक पंजीकरण अधित्याग पत्र प्रदान किया गया।

छात्रों की उपलब्धियाँ

अनीस अब्राहम, भाबेश संसनवाल और शिवांगी काले ने 7 मई 2017 को शहरी नागरिक जेन जैकब से प्रेरित नागरिक–प्रमुख चहलकदमी सैर के 'जेन वॉक फेस्टिवल' के रूप में 'कहानी करमपुरा की' नामक सैर का आयोजन किया।

भावेश संसाँवल, शाकिब वाजीह और अनीश पी. अब्राहम ने ईवीई; बालिका शिक्षा पर जागरूकता का निर्माण करने में संलग्न एक स्वयंसेवी संगठन के स्वयंसेवकों के साथ, 'अफज़ाना' नामक एक चलचित्र के निर्माण में कार्य किया और इसमें सहायता प्रदान की। अफज़ाना एक लड़की की शिक्षा के प्रति लगन के बारे में निर्मित

एक चलचित्र है और इसका प्रदर्शन 28 जनवरी, 2017 को सेंट पॉल्स स्कूल के सभागार, हौज खास, दिल्ली में किया गया।

एड्रिना टी. न्युटन ने अपने शोध निबंध परियोजना के आधार पर क्रमशः 19, 20 जनवरी, 2018 और 19 मार्च, 2018 को दो शोध–पत्र प्रस्तुत किये; (क) जातिगत भेदभाव का समाधान करते हुए विविधता, महिलाओं के अधिकार और लोकतंत्र को सुदृढ़ करना एवं संघर्षरत क्षेत्रों में यौन हिंसा पर विशेष बल देने के साथ लिंग आधारित हिंसा और (ख) अंतर्राष्ट्रीय जातीगत भेदभाव उन्मूलन दिवस को चिन्हित करती हुई जातीयता की दौड़ और संस्कृति।

गोविंद सिवान ने एयूडी प्रेस के लिए लोगो तैयार किया।

केएडीके द रॉयल डेनिश एकेडमी ऑफ फाइन आर्ट्स से गिउलिओ सेसरे ने स्कूल में इंटर्न किया और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में शहरी खेती परियोजना पर काम किया।

उस्मा चकमा ने चकमा भाषा और पटकथा के पुनरूत्थान पर अपनी परियोजना के शोध प्रबंध (थेसिस) पर कार्य किया जिसके दौरान, वह दिल्ली में भाषा और पटकथा को सीखने में संलग्न एक बहुत सक्रिय समुदाय की रचना करने में सफल हुई। उनके शोध कार्य को मान्यता प्रदान करने हेतु, उनको सियोल के निकट स्थित गिम्पो शहर में 25 जून से 13 अगस्त, 2017 तक एक प्रतिभागी के रूप में एक माह लंबी अल्पसंख्यक भाषा शैक्षणिक ग्रीष्म कार्यशाला और चकमा भाषा के लिए एक अतिथि व्याख्यान आयोजित करने के लिए गिम्पो फॉरेन सिटीजन सपोर्ट सेंटर, दक्षिण कोरिया द्वारा आमंत्रित किया गया था।

2.4. विकास अध्ययन स्कूल

विकास अध्ययन स्कूल (एसडीएस) का उद्देश्य समाजशास्त्र, नृविज्ञान, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र के विषयों के आधार पर अंतर्विषयक पद्धतियों के जरिए सामाज विज्ञान की शिक्षा एवं शोध की व्यवस्था को सशक्त करना है। विश्वविद्यालय की विस्तृत और बहुविषयक उच्चतर शिक्षा को प्रोत्साहन की समग्र संकल्पना से स्कूल का विशेष संबंध है, जिसका समाज की आवश्यकताओं से गहरा संबंध है। यह इस समझ के अनुरूप चलता है कि विकास सिद्धांत, विकास के अनुभव, अस्मिता एवं भेदभाव के सरोकारों, पर्यावरण के सरोकारों और विकास प्रबंध के अन्य स्वरूपों का वर्तमान के संदर्भ में, संचालन एवं अंतर्विषयक पद्धति से अधिक प्रभावशाली ढंग से किया जा सकता है। स्कूल का लक्ष्य संकटग्रस्त, उपेक्षित और वंचित समूहों को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक मुद्दों, क्रियाकलापों और यथार्थताओं के क्षेत्र में नवोन्मेषी एवं उच्च शोध को प्रोत्साहन देना है।

एम.ए. विकास अध्ययन

2009 से यह स्कूल स्नातकोत्तर कार्यक्रम के माध्यम से, अपने संकाय एवं शैक्षिक दुनिया के विशेषज्ञों की सहायता से विद्यार्थियों की अंतर्विषयक दृष्टि को विकसित करने के उद्देश्य से अध्यापन का कार्य किया जाता है। यह पाठ्यक्रम अनुसंधान के माध्यम से स्नातकोत्तर स्तर पर क्षेत्र आधारित शिक्षा के साथ–साथ सैद्धांतिक और वैचारिक समझ को निर्मित करने का कार्य करता है। अंतर्विषयक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करते समय यह छात्रों को इच्छानुसार अन्य विषयों के विशेष अनुशासनात्मक दृष्टिकोणों पर भी अधिक ध्यान केंद्रित करने की अनुमति देता है, यदि वे अन्य विषयों के दृष्टिकोण से सूचित करते हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

बाबू पी. रमेश, प्रधान अन्वेषक। चेंजिंग डाइमेंशन्स ऑफ लेबर एंड एम्प्लॉयमेंट इन मीडियाः ए स्टडी ऑफ प्रिंट जर्नलिस्ट्स। आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित। (रु. 800,000; जारी)

पार्था साहा, प्रधान अन्वेषक, ए स्टडी ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनिजेशन एंड प्रोडक्शन रिलेशन इन रूरल पंजाब। एयूडी की सीड मनी ग्रांट स्कीम द्वारा वित्तपोषित। (रु. 100,000; जारी)।

सुमंगला दामोदरन, प्रधान अन्वेषक रीसेंटरिंग एफ्रो–एशियाः म्यूजिकल एंड ह्यूमन माइग्रेशन्स, 700–1500 एडी. । ए.डब्ल्यू. मेलन फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित। (रु. 500,000; जारी)।

सुमंगला दामोदरन, शोध दल की सदस्य। टीचिंग फेमिनिसंस, ट्रांसफॉर्मिंग लिव्स। एयूडी और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय के बीच यूजीसी–यूकेआईईआरआई परियोजना। (जारी)।

—— सहयोगी (अमृता छाछी के साथ)। एजिंगः ए कम्पेटिव स्टडी ऑफ दिल्ली एंड द हेग। सामाजिक अध्ययन संस्थान, हेग द्वारा द्वारा वित्तपोषित। (जारी)।

प्रस्तुतियाँ

दीपिता चक्रवर्ती ने 24 मई, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय विकास अध्ययन और सामाजिक नीति, नई दिल्ली, भारत में एक कार्यशाला, तुलनात्मक और सामाजिक नीतिगत सिद्धांत और विधियांः अनुसंधान और व्यवहार में प्रगति में 'एंप्लायमेंट चेलेंजेस इन इंडिया एण्ड यूज ऑफ डेटा' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

_______ ने 8 जुलाई, 2017 को भारत में बाल विवाहः एक तुलनात्मक विश्लेषण, इतिहास विभाग, पश्चिम बंगाल महिला विश्वविद्यालय, डायमंड हार्बर, पश्चिम बंगाल में, विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

_______ ने 16 जून, 2017 को आईडीएसके, कोलकता, में आर्थिक अवसरों की कमी और पश्चिम बंगाल में सतत बाल विवाह विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

_______ ने 29 जुलाई, 2017 को आईएलओ, दिल्ली में प्रोफेसर बीना अग्रवाल के नेतृत्व में एफईएसडीआईजी की बैठक में, भारत में बाल विवाहः माध्यमिक डाटा का विश्लेषण विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

_______ ने स्कूल ऑफ वुमेन स्टडीज, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में 28 फरवरी 2017 को भारत में बाल विवाह पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें भारत में बाल विवाह पर अतिरिक्त डेटा का प्रारंभिक विश्लेषण विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मोगालन भारती ने 11 अगस्त, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली–इंडियाना विश्वविद्यालय संयुक्त संगोष्ठी सह कार्यशाला में 'द प्राब्लमैटिक ऑफ गुड लाइफः अन्डरस्टेन्डिंग इन्डिजनस पीपल ऑफ बोलीविया एण्ड दलित्स इन द हिस्टरी ऑफ ग्लोबल कैपिटल' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बाबू पी. रेमेश ने 3 अगस्त, 2017 को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय, बैंकॉक में अनएक्सेप्टेबल फार्म्स ऑफ वर्क्स पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'लेजिस्लेटिस इंटरवेंशन्स फॉर इम्प्रूविंग लेबर स्टैंडर्डः दी केवल ऑफ मथाडी वर्कर्स इन महाराष्ट्र, इंडिया' एक केस स्टडी प्रस्तुत की।

—— ने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई और यूनिवर्सिटी ऑफ सिडनी, ऑस्ट्रेलिया द्वारा टीआईएसएस, मुंबई में 12 फरवरी, 2018 को आयोजित 21वीं सदी के भारत में स्वास्थ्य और समाज कल्याण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'स्मार्ट कार्ड–स्वास्थ्य कार्ड–बीमारी कार्ड::भारत में आरएसबीवाई का मूल्यांकन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुमंगला दामोदरन ने 15 अप्रैल, 2017 को साइप्रस, निकोसिया विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला लेबर्र'स पावर्स एंड क्वेस्चन ऑफ फ्रीडम, इन वर्कशॉप, स्क्रिप्ट्स ऑफ डेफिएंस विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 23 फरवरी, 2018. को यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग में टिचिंग फेमिनिज्म, ट्रांसफोर्मिंग लाईव्स पर यूजीसी–यूकेआईईआरआई कार्यशाला में इंटेरोगेटिंग दी सेल्फ एण्ड कैटेगराईजिंग द अदरः ए फेमिनिज्म लैंस टू अंडरस्टेंडिंग परफार्मेन्स एण्ड सोशल लोकेशन, विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अनिरबान सेनगुप्ता ने सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र, एयूडी द्वारा 6 अक्टूबर, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के एम.फिल. एवं पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए मानविकी दर्शन और सामाजिक विज्ञान शोध पर आयोजित कार्यशाला में रचनात्मकता पर एक व्याख्यान दिया।

बाबू पी, रमेश, 16 फरवरी, 2017 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में राष्ट्रीय संगोष्ठी, विकास और सामाजिक न्याय में समावेश और बहिष्कार के मुद्दे, सत्र में मुख्य वक्ता थे।

—— ने 11 अक्टूबर, 2017 को, स्थायी रूप से अस्थायी? लोकश्रया फाउंडेशन, नई दिल्ली में औपचारिक क्षेत्र में अनौपचारिक नौकरियां, विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की ।

—— ने 5 फरवरी, 2018 को अनौपचारिक क्षेत्र की नीतियाँ, योजनाएँ, हस्तक्षेपों: राष्ट्रीय कार्यशाला में गंभीर विश्लेषण, जीएसटी लैंडस्केप में अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में पारगमनः चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, हैदराबाद द्वारा आयाजित एक सत्र के एक पैनलिस्ट थे।

—— ने 23 फरवरी, 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में सैम मोमो मेमोरियल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस, लैंड एंड लेबर क्वेशचन इन द ग्लोबल साउथ, तकनीकी सत्र सं. 9 की अध्यक्षता।

दीपिता चक्रवर्ती ने 19 अगस्त, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में जेंडर स्टडीज ग्रुप के लिए साप्ताहिक संगोष्ठी में 'लैक ऑफ इकोनॉमिक ऑपचुर्निटीज एंड द पर्सिसटेंस ऑफ चाइल्ड मैरिज इन वेस्ट बंगाल' पर एक व्याख्यान दिया।

—— ने 12 दिसंबर, 2017 को संयुक्त राष्ट्र महिला, दिल्ली द्वारा लिंग अनुपात पर रिपोर्ट में हिस्सा लिया।

मोग्गल्लन भारती ने 23 जनवरी, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग में 'न्यू फेज इन दलित पॉलिटिक्स इन इंडियन डेमोक्रेसी' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

सुमंगला दामोदरन 21 जून, 2017 को दिल्ली के मानव विकास संस्थान में गेर्री रोजर्स द्वारा *'पैटर्न ऑफ इनइक्विटी इन इंडिया'* पुस्तक की चर्चा में हिस्सा लिया।

—— ने 12 सितंबर, 2017 को अशोक रानाडे मेमोरियल ट्रस्ट, मुंबई में 'म्यूजिक एंड द रेडिकल इम्पल्स – द आईपीटीए ट्रेडिशन एंड बियॉन्ड' पर अशोक रानाडे व्याख्यान दिया।

—— ने 15 सितंबर, 2017 को केप टाउन विश्वविद्यालय में 'रीसेंटरिंग एफ्रो–एशियाः म्यूजिकल एंड ह्यूमन माइग्रेशन' पर एक कार्यशाला में 'रीसर्चिंग एफ्रो–एशियन कनेक्शन इन इंडिया' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

—— ने 26 सितंबर, 2017 को दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन विश्वविद्यालय में 'इन्सुरेक्टेशन्स एनसेंबल, सेंटर फॉर अफ्रीकन स्टडीज गैलरी' के साथ प्रदर्शन किया।

—— ने 17 दिसंबर, 2017 को तिरुवनंतपुरम में इंडियन सोसाइटी ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स के वार्षिक सम्मेलन में 'डेमोग्राफिक ट्रांस्जिशन एंड जेंडरेड इम्प्लामेंट' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 24 फरवरी, 2018 को एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में 'टीचिंग फेमिनिज्म, ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स' पर यूजीसी–यूकेआईईआरआई कार्यशाला की गोलमेज में पैनलिस्ट थे।

—— ने 15 से 22 दिसंबर, 2017 तक सेरेन्डिपिटी कला महोत्सव, गोवा में 'पीपुल्स म्यूजिक' में ध्वनि संचालन किया।

—— ने 26 जनवरी, 2018 को सर्वोदय इंटरनेशनल में 'सिंगिंग रेसिस्टेंस' नामक एक प्रदर्शन दिया।

—— ने 25 फरवरी, 2018 को एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में 'अंडरस्टैंडिंग द म्यूजिक ऑफ रेसिस्टेंस' शीर्षक पर व्याख्यान–सह–प्रदर्शन दिया।

2.5. शैक्षिक अध्ययन स्कूल

शैक्षिक अध्ययन स्कूल का दृष्टिकोण पेशेवरों एवं विद्वानों को एक समुदाय के रूप में शामिल करना है, जो छात्रवृत्ति एवं अभ्यास के माध्यम से शिक्षा के ऐतिहासिक और पारंपरिक संदर्भों को समझने के लिए प्रयासरत हैं। स्कूल का लक्ष्य अपनी विभिन्न अवस्थितियों में शिक्षा के सिद्धांत और अभ्यास के बीच के अंतर को दूर करना है– इस हेतु यह एक सामाजिक अभिप्राय के रूप में शिक्षा के अध्ययन एवं व्यावसायिक शिक्षकों की तैयारी के बीच वृहत्तर योजना स्थल के विकास का प्रयास करता है। अपनी संकल्पना के अनुरूप स्कूल ने वर्ष 2012 में अपना पहला अकादमिक कार्यक्रम, एमए शिक्षाशास्त्र से शुरू किया। प्रारम्भिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी) के सहयोग से तथा सर रत्न टाटा ट्रस्ट के शुरूआती सहयोग से स्कूल ने 2014 में एमए शिक्षा (प्रारम्भिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा) की शुरूआत की। निकट भविष्य में यह स्कूल शिक्षा में एम. फिल./पीएच.डी., पूर्व सेवा अध्यापक शिक्षा और सर्टिफिकेट/डिप्लोमा कार्यक्रम शुरू करना चाहता है।

एमए शिक्षाशास्त्र

स्नातकोत्तर शिक्षा कार्यक्रम में शिक्षा में स्नातकोत्तर डिग्री के उदार और पेशेवर आयामों पर फोकस किया गया है। इस कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में मूलभूत पाठ्यक्रम के रूप में वर्तमान वाद–विवादों, सिद्धांतों और आधारभूत परिप्रेक्ष्यों का प्रस्ताव किया गया है। इस कार्यक्रम में छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रमों के माध्यम से शैक्षिक अनुसंधान, पाठ्यक्रम अध्ययन, नीतिगत अध्ययन और शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञता का अवसर प्रदान किया गया है। क्षेत्र के साथ भागीदारी को ग्रीष्मकालीन और तृतीय सत्र के दौरान विभिन्न शैक्षिक साइटों में आयोजित क्षेत्र के अनुलग्नक घटकों के माध्यम से संरचित किया गया है। क्षेत्र के इस एक्सपोजर से साईटों को एक निमज्जन मोड में अनुभव करने का अवसर मिलता है। इससे विभिन्न संगठनों के काम के साथ एक महत्वपूर्ण जुड़ाव में सुविधा होती है और व्यावसायिक विकास के अवसर मिलते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा सलाहकारों, पाठ्यक्रम विकासकर्ताओं, सामाजिक उद्यमियों और शिक्षक शिक्षकों की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

एमए शिक्षाशास्त्र (प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा)

स्नातकोत्तर शिक्षा (ईसीसीई) कार्यक्रम से कई विषयों–बाल विकास, समाजशास्त्र, इतिहास, मनोविश्लेषणात्मक ढांचें, मानव विज्ञान और महत्वपूर्ण शिक्षाशास्त्र के माध्यम से प्रारंभिक बाल देखभाल और शिक्षा की गहन समझ मिलती है। इस बहु–विषयक एप्रोच और साथ ही प्री–स्कूली साइटों पर निरंतर क्षेत्र के लगाव और गैर–स्कूल साइटों पर ग्रीष्मकालीन अध्येतावृत्ति से छात्रों के लिए व्यावसायिक विकास का एक अद्वितीय अवसर मिलता है। इस कार्यक्रम में छात्र, अपने शोध प्रबंध घटक के माध्यम से ईसीसीई के क्षेत्र में अनुसंधान को आगे बढ़ाते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य ईसीईसीई के क्षेत्र में पाठ्यक्रम विकासकर्ताओं, सामाजिक उद्यमियों की बढ़ती मांग को पूरा करना है, और शिक्षक अध्यापकों और विद्वानों एवं शोधकर्ताओं की मांग को पूरा करना है जो ईसीसीई में ज्ञान के स्वदेशी निकाय में योगदान कर सकते हैं।

सहकार्यता (सहयोग)

लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन (एलयूई) के साथ इरासमस+ और बीडब्ल्यूएस+ अनुदान

स्कूल में इरासमस+ और बीडब्ल्यूएस+ अनुदानों के लिए लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन (एलयूई), जर्मनी के साथ दो संयुक्त एप्लीकेशन हैं। इन अनुदानों को प्रदान किए जाने के बाद, विश्वविद्यालय ने (क) कार्यकमों से संस्थानों और इरासमस+ के लिए साझेदार देशों के बीच अंतर–संस्थागत समझौता और (ख) बीडब्ल्यूएस+ के लिए लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन (जर्मनी) के साथ एक समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। 20 माह की अवधि के इरासमस+ अनुदानों से दोनों संस्थानों के छात्र, संकाय और कर्मचारी सम्मेलन में भागीदारी और संकाय सदस्यों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान में भागीदारी कर सकेंगे। बीडब्ल्यूएस+ की 3–वर्ष की परियोजना अवधि के दौरान, लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन और विश्वविद्यालय, संयुक्त रूप से पढ़ाए जाने वाली संगोष्ठियाँ (ऑनलाइन), कार्यशाला/संगोष्ठी, ग्रीष्मकालीन स्कूल और अल्पकालिक कार्यक्रमों में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए शिक्षकों के आदान–प्रदान कर धीरे–धीरे साझेदारी स्थापित करेगा। डॉ. मनीष जैन और डॉ. सुनीता सिंह कार्यक्रम के समन्वयकर्ता हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

मनीष जैन, परियोजना साझेदार, 'एजकेशन ऑफ गर्ल्स इन हरियाणा' फेयरचांस फांउडेशन, यूनीवर्सिटी ऑफ वारविक द्वारा वित्त पोषित। (यूरो 250,000; जारी)।

_______ शैलजा मेनन एवं राहुल मुखोपाध्याय के साथ शैक्षिक संयोजक। अर्ली लैग्वेंज एंड लिटरेसी एजुकेशन इन कोलोनियल इंडियाः ए सोशियो–हिस्टोरीकल स्टडी, इन अर्ली लिटरेसी इनीशिएटिव प्रोजेक्ट। टीआईएसएस–हैदराबाद द्वारा वित्तपोषित। (रु. 2,618,600; जारी)।

मोनीमलिका डे, प्रधान अन्वेषक। अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट एंड प्री–स्कूल प्रोग्राम्स इन ओडिशा, इंडिया। येल विश्वविद्यालय द्वारा वित्तपोषित (रु. 4,903,346; जारी)।

—— प्रधान अन्वेषक। टेक्नीकल एसिसटेंस टू ईसीई इन द स्टेट ऑफ वेस्ट बंगाल। यूनिसेफ, पश्चिम बंगाल द्वारा वित्त पोषित। (रु. 7,886,333; अगस्त, 2016 से फरवरी 2019 तक; जारी)।

शिवानी नाग, प्रधान अन्वेषक, अभिश्वेता झा, सह–प्रधान अन्वेषक। 'डेवलपिंग ए ट्रेनिंग मॉड्यूल फॉर द 'मदर टंग–बेस्ड अर्ली लीनिंग एंड पैरेंट प्लस (एमटीईएलपी) प्रोग्राम' ओडिशा सरकार की पहल। बर्नार्ड वान लीर फाउंडेशन (बीवीएलएफ)–दिशा द्वारा वित्तपोषित (रु. 3,852,800; 1 वर्ष; पूर्ण)।

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक। डवलपिंग अर्ली लर्निंग एंड डेवलपमेंट स्टैंडर्ड्स (ईएलडीएस) फॉर चिल्ड्रन फ्राम बर्थ टू एट इयर्स इन इंडियन कॉनटेक्स्ट। यूनिसेफ, द्वारा वित्तपोषित। (रु. 1,449,338; 3वर्ष; पूर्ण)

—— प्रधान अन्वेषक। स्ट्रेंग्थनिंग क्वालिटी इन अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ईसीसीई): इन सपोर्ट ऑफ अचीविंग सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स। यूनिसेफ द्वारा वित्तपोषित। (रु. 29,796,759; 9 माह; पूर्ण)

—— प्रधान अन्वेषक। अर्ली लर्निंग इनिशिएटिव्स (ईएलआई)। टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, हैदराबाद द्वारा वित्तपोषित (रु. 2,021,000; जारी)।

—— सह–प्रधान अन्वेषक। दिल्ली में प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा केंद्र का विकास। उच्च शिक्षा निदेशालय (डीएचई), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीटी) दिल्ली सरकार द्वारा वित्त पोषित (रु. 40,000,000; जारी)

—— प्रधान अन्वेषक। इम्पैक्ट ऑफ द रीड टू किड्स (आर2के) इंटरवेंशन ऑन केयरगिवर्स' बिहेवियर्स एंड एटीट्यूड्स। रिजल्ट्स फॉर डेवलपमेंट (आर4डी) वाशिंगटन डीसी, यूएसए द्वारा वित्तपोषित, (रु. 3,599,001; पूर्ण)।

उपलब्धियाँ / सम्मान / पुरस्कार

वर्ष 2017–18 में आनंदिनी दर को एयूडी–इंडियाना यूनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन साझेदारी के तहत फैकल्टी एक्सचेंज कार्यक्रम के लिए निर्वाचित किया गया।

_______ चाइल्डहुड, सेज प्रकाशन (2014 से) तथा चिल्ड्रन्स ज्योग्राफी, टेलर एवं फ्रांसिस प्रकाशन में रेफरी के रूप में अपनी सेवा प्रदान कर रही है।

_______ Exploring_childhood_studieslistserve, चलाती हैं https://email.rutgers.edu/mailman/listinfo/exploring_childhood_studies, बाल्यावस्था अध्ययन के क्षेत्र में सूचना और चर्चा के आदान–प्रदान के लिए एक ऑनलाइन सूची।

गुंजन शर्मा ने अगस्त, 2016 से मई, 2017 तक ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी में 'पॉलिसी इंप्लीकेशन्स ऑफ एकेडमिक प्रोडक्टिविटी रिक्वायमेंट्स एंड कोलेबोरेशन नेटवर्क्स अमंग टीचर एजुकेशन फैकल्टी इन द यूएस' विषय पर शोध करने हेतु नेहरू पोस्टडॉक्टोरल छात्रवृत्ति प्राप्त की।

मनीष जैन सितंबर, 2016 से अगस्त, 2017 तक शिक्षा अध्ययन केंद्र, वारविक विश्वविद्यालय, यूके के विजिटिंग फेलो थे।

प्रस्तुतियाँ

गुंजन शर्मा ने 27 मार्च, 2018 को भारतीय राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, बेंगलुरु द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 'क्वालिटी एंड इक्विटी इश्यूज इन राईट टू एजुकेशन इन द नेशनल डिस्कशन मीट ऑन इम्पिलिटेशन ऑफ द राईट टू एजुकेशन एक्टः प्रोग्रेस, इश्यूज एंड चेलेंजेस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मानसी थपलियाल नवानी और पी. सिंह ने 23 मई, 2017 को झेजियांग विश्वविद्यालय, हांग्जो, चीन में उद्यमिता एवं नवोन्मेष विश्वविद्यालय का असमंजस पर एशिया प्रशांत उच्चतर शिक्षा अनुसंधान साझेदारी (एपीएचईआरपी)

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली से भारतीय उच्चतर शिक्षा में नवोन्मेष एवं उद्यमिताः अनुभव और अंतर्दृष्टि शीर्षक पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए) और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित 23 फरवरी, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता में 'क्वालिटी एश्योरेंस एज ए साईट ऑफ कान्टेस्टेशन्स एंड निगोशिएशन्सः इनसाईट्स फ्रोम ए केस स्टडी ऑफ रिफार्म्स इन ए यूनिवर्सिटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मनीष जैन ने 9 दिसंबर, 2017 को राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनिक नीति पहलू' संगोष्ठी में सार्वजनिक, निजी, गुणवत्ता और शिक्षाशास्त्र विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रभात राय ने इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कल्चरल–हिस्टोरिकल एक्टिविटि रिसर्च, क्यूबेक, कनाडा में 01 सितंबर, 2017 को आयोजित एक संगोष्ठी, अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक–एतिहासिक गतिविधि अनुसंधान सोसायटी में प्रो. एनी एडवर्ड्स द्वारा अनुपस्थिति में 'बिल्डिंग एंड यूजिंग कॉमन नॉलेज फॉर एंगेजिंग विद कम्यूनिटिः ए कल्चरल–हिस्टोरिकल एनोलिसिस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 25 नवंबर, 2017 को एनसीईआरटी, दिल्ली में एडू–अड्डा डिस्कशन फोरम द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में 'ट्रांसफॉर्मिंग टीचर एजुकेशनः फिलोसॉफिकल पर्सपेक्टिव्स एंड प्रैक्टिसेज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिवानी नाग ने 23 मई, 2017 को एयूडी में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय और अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित स्कूली शिक्षा के बदलते परिदृश्य में अध्यापन कर्म की रूपरेखा *(द फ्रेमवर्क ऑफ टीचर्स वर्क इन द चेजिंग कान्टेक्स्ट ऑफ स्कूल एजूकेशन)* पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में कक्षा में बच्चों की भाषाओं को शामिल करने का महत्व और उसकी उपयुक्त प्रक्रिया *(द सिग्नीफिकेंस ऑफ इंक्यूडिंग चिल्ड्रन्स लैग्वेंज इन क्लासरूम एंड इट्स एप्रोप्रिएट प्रोसस)* विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिवानी नाग ने 12 जुलाई, 2017 को आरएआई कन्वेंशन सेंटर, एम्सटर्डम में 15वीं यूरोपीय कांग्रेस ऑफ साईकोलॉजी में 'इंपेक्ट ऑफ जेन्डर्ड नॉर्म्स इन एजुकेशनल स्पेसेस ऑन द एमरजिंग आईडेंटिटि ऑफ फीमेल स्टूडेंट्स एज मेंबर्स ऑफ एकेडमिक कम्यूनिटिज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

_______ ने 14 दिसंबर, 2017 को हैदराबाद के अर्ली लिटरेसी इनिशिएटिव, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साईंस के सहयोग से प्रारंभिक बाल शिक्षा और विकास केंद्र द्वारा आयोजित अर्ली लैंग्वेज एंड लिटरेसी राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मल्टीलिंगुअल एजुकेशन मॉडल्स इन इंडिया एंड द पोसिबिलिटिज ऑफ डेमोक्रेटिक क्लासरूम्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 27 जुलाई, 2017 को इंस्टीट्यूट ऑफ टाउन प्लानर्स विज्ञान भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'फ्यूचर ऑफ सिटीजः ओप्पोर्चुनिटीज एंड चैलेंजेस' में 'चाइल्ड–फ्रेंडली सिटीज ऑफ टुमारो' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 17 नवंबर, 2017 को 'इग्निटिंग यंग माइंडसः स्टेट लेवल डायलॉग ऑन ईसीसीई, भुबनेश्वर, ओडिशा' सम्मेलन में 'एक्जामिनिंग द कॉन्टेक्स्ट्स ऑफ लर्निंग' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 22 नवंबर, 2017 को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परामर्श बैठक सस्टेनेबिलिटी इन कॉन्टेक्स्ट ऑफ अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन में 'आइडेंटिटीज, स्कूलिंग एंड कम्युनिटी लिटरेसीज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुनीता सिंह और एस. मेनन ने 14 दिसंबर, 2017 को अर्ली लिटरेसी इनिशिएटिव, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'अली लेंग्वेज एंड लिटरेसी' के लिए अर्ली लेंग्वेज एंड लिटरेसी पोजीशन पेपर' कंसेप्ट नोट प्रस्तुत किया।

सुनीता सिंह एवं ए. भारगढ़ ने 14 दिसम्बर 2017 को अर्ली लिटरेसी इनिशिएटिव, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, हैदराबाद के सहयोग से प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'अली लेंग्वेज एंड लिटरेसी' में 'एक्जामिनिंग द कंटीन्यूयम ऑफ अर्ली लिट्रेसी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुनीता सिंह ने 21 फरवरी, 2018 को शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल में लेखनः प्रक्रियाएं, अभ्यास और लेखक में 'एंगेजिंग चिल्ड्रन इन कोलेबोरेटिव राईटिंग इन ए किंडरगार्टेन क्लासरूम' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

आनंदिनी दर ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और फिनलैंड द्वारा 09–13 अक्टूबर, 2017 को आयोजित 'एडुटेक–फ्यूचर ऑफ एजुकेशन 'पर एक संयुक्त कार्यक्रम में भाग लिया।

_______ ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा 22 और 23 फरवरी, 2018 को आयोजित आईसीएसएसआर कार्यशाला, गुणात्मक अनुसंधान और नृविज्ञान में 'क्वालिटेटिव इंटरव्यूइंगः आर्ट ऑफ डाटा कलेक्शन' और 'ऑब्जर्वेशन्स एज ए रिसर्च मेथड इन क्वालिटेटिव एंड एथनोग्राफिक रिसर्च' विषय पर दो व्याख्यान प्रस्तुत किए।

गुंजन शर्मा ने 2 अप्रैल, 2017 को सोशल एंड कोलेबोरेशन कमेटी, एजुकेशन लीडरशिप एंड फाउंडेशन्स डिपार्टमेंट, ब्रिघम यंग विश्वविद्यालय, प्रोवो, यूटा, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयोजित 'इंडियाज राईट टू एजुकेशन एक्ट एंड द प्रोपोज्ड नेशनल पॉलिसी ऑन एजुकेशनः पॉलिसी प्रोसेसेस एंड पोलिटिक्स' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

—— ने 13 अप्रैल, 2017 को वूमेन्स स्टडीज, डेविड एम. कैनेडी सेंटर और डेविड ओ. मैके स्कूल ऑफ एजुकेशन, ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी, प्रोवो, यूटा, संयुक्त राज्य अमेरीका द्वारा आयोजित 'जेंडर एंड एजुकेशनल एस्पिरेशन्स इन ए स्लम स्कूल इन डेल्हीः इंप्लिकेशन्स फॉर एजुकेशन पॉलिसी' पर एक व्याख्यान दिया।

मानसी थपलियाल नवानी ने 8, 9 मार्च, 2018 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईईपीए), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पॉलिसी डेलिबरेशन, एंगेजिंग विद पब्लिक यूनिवर्सिटीज इन इंडियाः ऑटोनोमी एज एन आईडिया एंड इट्स प्रैक्टिस' राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

मोनीमलिका डे ने 26 अक्तूबर 2017 को वर्ल्ड रीडर एंड रीड अलाइंस, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ईसीई और इनोवेशन में आशाजनक कार्य प्रक्रियाओं पर गोलमेज सम्मेलन में 'सेटिंग दि स्टेजः एन ओवरव्यू ऑफ द करंट स्टेट्स ऑफ ईसीई इन इंडिया' पर एक व्याख्यान दिया।

—— ने 13 दिसंबर, 2017 को विश्व बैंक, नई दिल्ली में अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट ऑफ द पुअरः इवैलुएटिंग द इम्पैक्ट विषय पर एक व्याख्यान दिया।

शिवानी नाग ने 6–8 अक्टूबर, 2017 को बैंगलोर में एक्जिसटेंशियल नॉलेज फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'फ्रॉम लर्निंग द वर्ड टू लर्निंग द वर्ल्ड' पर कार्यशाला में भाग लिया।

—— ने 27 दिसंबर, 2017 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी), बागेश्वर, उत्तराखंड द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'प्रारंभिक शिक्षा की चिंता और चुनौतियाँ' में शिक्षण में बच्चों की भाषा और उनके सांस्कृतिक–सामाजिक परिवेश की भूमिका' विषय पर मुख्य भाषण दिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

स्कूली शिक्षा के बदलते परिदृश्य में अध्यापन कर्म की रूपरेखा (द फ्रेमवर्क ऑफ टीचर्स' वर्क इन द चेंजिंग कॉन्टेक्स्ट ऑफ स्कूल एजुकेशन), विषय पर 23–25 मई, 2017 के दौरान एयूडी स्थित अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के सहयोग से एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय–स्तर विचार–गोष्ठी का आयोजन किया गया। लगभग 120 अध्यापकों और फील्ड प्रेक्टिशनर्स ने इसमें भाग लिया और प्रस्तुत शोध पत्रों का दो हिन्दी भाषा की पुस्तकों के रूप में संकलन किया जा रहा है।

पीटर सुटोरिस ने 13 सितंबर, 2017 को 'एनवायर्नमेंटल एजुकेशन इन ए कम्पेरेटिव पर्सपेक्टिवः द केस स्टडी ऑफ पशुलोक, उत्तराखंड, इंडिया एंड साउथ डरबन इंडस्ट्रियल बेसिन, साउथ अफ्रीका' विषय पर पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की आरती श्रीप्रकाश ने 7 फरवरी, 2018 को 'डवलपिंग द चाइल्ड, द नेशन एंड द वर्ल्डः 'न्यू ह्यूनिज्म' एंड द यूनेस्को टेंनशन्स प्रोजेक्ट इन इंडिया 1944–55' विषय पर पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

गौहर रजा ने 28 फरवरी, 2018 को 'डू वी अंडरस्टैंड साइंटिफिक टेम्पर' विषय पर पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

कीर्ति जयराम (ओईएनपी) ने 21 मार्च, 2018 को 'अर्ली लर्निंग इंटरवेंशन्स विद चिल्ड्रन फ्राम लिटरेट एंड डायवर्स सोशल बैकग्राउंडस–एक्सपीरिएंस, रिफ्लेक्शन्स एंड क्वेशचन्स' विषय पर पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

लोधी रोड परिसर में 31 जनवरी, 2018 को महिला सुरक्षा, संघर्ष प्रबंधन और शांति (डब्ल्यूआईएससीओएमपी) द्वारा जेंडर टॉकः इंप्रिंटिंग पेडागोजी पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

जिनान, के. बी. ने 13–15 मार्च, 2018 को बीइंग, लर्निंग एंड एजुकेशन पर एक कार्यशाला आयोजित की।

एसईएस पूर्व छात्र समिति ने 13 जनवरी, 2018 को दूसरी एसईएस पूर्व छात्रों की बैठक और पहली एसईएस पूर्व छात्र अनुसंधान संगोष्ठी का आयोजन किया।

क्षेत्र–दौरे

एमए शिक्षा (प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा), बैच 2017–19 के छात्रों ने ब्लूबेल्स इंटरनेशनल स्कूल; हेरिटेज स्कूल, वसंत कुंज एवं रोहिणी; प्रकृति स्कूल, नोएडा; सलवान मोंटेसरी स्कूल; सलवान पब्लिक स्कूल, मयूर विहार; एसडीएमसी स्कूल, हौज खास; सांता मारिया स्कूल; सेंट मैरी स्कूल उनके फील्ड अटैचमेंट (1 – 2) के हिस्से के रूप में दौरा किया।

विद्यार्थियों ने फील्ड अटैचमेंट के रूप में सेंटर फॉर लर्निंग रिसोर्सेस, रायपुर; अजीम प्रेमजीफाउंडेशन, सिरोही; सेंटर फॉर इक्विटी स्टडीज, दिल्ली; बटरफ्लाइज, दिल्ली; बुद्ध शिक्षा समिति, जयपुर; विद्या भवन सोसायटी, उदयपुर का दौरा किया।

तीसरे सेमेस्टर के छात्रों ने नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड–दिल्ली शाखा का; अक्षय प्रतिष्ठान; तम्मना स्पेशल स्कूल; अमर ज्योति चौरिटेबल ट्रस्ट, का फील्ड अटैचमेंट के एक भाग के रूप में दौरा किया।

नियोजन सहायता

स्कूल की प्लेसमेंट कमेटी ने अजीम प्रेमजी फाउंडेशन, गांधी फैलोशिप, विकल्प, हेरिटेज स्कूल और आईरॉकिट जैसे संगठनों के साथ अनेक प्लेसमेंट इंटरएक्शन किए। चार विद्यार्थियों को प्लेसमेंट दी गई और कई अन्य आगे चयन प्रक्रिया के लिए चुने गए हैं।

2.6. मानव पारिस्थितिकी स्कूल

मानव पारिस्थितिकी स्कूल (एसएचई) की स्थापना 2009 में पारिस्थितिकी और समाज के इंटरफेस पर मुद्दों पर शिक्षण और अनुसंधान के एक जनादेश के साथ की गई थी। स्कूल का लक्ष्य सामाजिक और प्राकृतिक विज्ञानों के परिदृश्यों से युक्त पर्यावरण सरोकारों के एक गहरे एवं बहुआयामी ज्ञान का विकास करना है। स्कूल मानव समाज के आपसी सरोकारों और ग्लोबल साउथ के अनुभवों में निहित परिदृश्यों के साथ–साथ जैवभौतिक पर्यावरण के अंतर्विषयक शिक्षण, शिक्षा एवं शोध को बढ़ावा देता है। रिवाजों और सामाजिक न्याय की निरंतरता के सिद्धांत को जोड़े रखने के लिए स्कूल स्तर पर अध्यापन और अनुसंधान को बल देना। स्कूल द्वारा अपने विद्यार्थियों से आशा की जाती है कि वे ज्ञान और कौशल के साथ स्नातक होंगे ताकि वे सामाजिक समानता और भूविज्ञान की संपोषणीयता के संदर्भ में पर्यावरणीय चिंताओं का कड़ाई से विश्लेषण करें और उन्हें हल करें।

एमए पर्यावरण और विकास एवं पीएच.डी. मानव पारिस्थितिकी

पर्यावरण एवं विकास में एम.ए. (एमएईडी) एवं मानव पारिस्थितिकी में पीएच.डी. कार्यक्रम स्कूल के सबसे प्रमुख कार्यक्रम हैं। यह कार्यक्रम, भारत में अपनी नीति और अभिप्राय, दोनों ही मामले में अनन्य है और इस शिक्षा का मार्गदर्शन इस सोच से होता है कि पारिस्थितिकी चुनौतियाँ जैसे प्रदूषण, संसाधनों कि क्षीणता और उसके साथ आने वाले पर्यावरण और जैव विविधता पर खतरनाक असर एक प्रकार की जटिल सामाजिक और राजनैतिक अन्योन्यक्रिया का नतीजा हैं। स्कूल की शिक्षा नीति अंतर्विषयक है और क्षेत्र से प्रभावित अध्ययन होने के कारण अनन्य है, कोर्स छात्रों के गहन मार्गदर्शन और विशेषज्ञों द्वारा सलाह पर आधारित नियमित अद्यतनीकरण पर आधारित है।

सहकार्यता (सहयोग)

इस स्कूल को दिल्ली में सार्वजनिक प्रयोजन वाली परियोजनाओं के लिए सभी भूमि अधिग्रहण के लिए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन (एसआईए) करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के साथ पैनलबद्ध तीन राज्य इकाइयों में से एक के रूप में चुना गया। इस सहयोग के एक भाग के रूप में, स्कूल बोली में सफल रहा और उसने नए राष्ट्रीय भूमि अधिग्रहण कानून के तहत दिल्ली का अब तक का प्रथम एसआईए का निष्पादन किया। यह एसआईए ''एलिवेटेड कॉरीडोर ओवर द बारापुल्ला नाला फेज III के लिए आयोजित किया गया था।

अनुसंधान परियोजनाएँ

पुलक दास, प्रधान अन्वेषक। रिमोट सेंसिंग बेस्ट स्टडी ऑफ बिल्ट–अप एरिया डायलामिक्स एज मेजर ऑफ अर्बन एक्सपैन्शन, इन दिल्ली एंड एनसीआर। एयूडी लघु अनुदान योजना द्वारा वित्त पोषित (रु. 100,000; जारी)।

रोहित नेगी, प्रधान अन्वेषक। अबर्न फ्यूचर इन द इंडियन हिमालय। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, रिसर्च अनुदान (2016—17) द्वारा वित्त पोषित। (रु. 3.94 लाख; जारी)।

सुरेश बाबू (समन्वयक); अस्मिता काबरा एवं रोहित नेगी (सदस्य)। ई—क्वेलः इनहांसिंग अडरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया (ब्रिटिश काउंसिल के साथ भागीदारी में अंतः—विश्वविद्यालय समन्वयक परियोजना)। द यूरोपियन यूनियन द्वारा वित्तपोषित (रु. 132.6 लाख, पूर्ण; वित्तीय लेखापरीक्षा जारी है)।

उपलब्धियाँ / सम्मान / पुरस्कार

अस्मिता काबरा ने वर्ष 2017—18 का जीएनसीटी दिल्ली का मेधावी शिक्षक पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रवीण सिंह को 30 सितंबर से 14 अक्टूबर, 2017 तक यूएसए में नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर्स संगोष्ठी में 2017 छात्रवृत्ति के लिए चुना गया।

पुलक दास ने 1 मार्च से 30 सितंबर, 2018 तक शास्त्री इंडो—कैनेडियन इंस्टीट्यूट (एसआईसीआई) द्वारा शास्त्री फैकल्टी ट्रेनिंग एंड इंटरनेशनलाइजेशन ग्रांट (एसएफटीआईजी) 2017—18 प्राप्त की।

प्रस्तुतियाँ

अस्मिता काबरा ने 9 नवंबर, 2017 को केरल इंस्टीट्यूट फॉर लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, थ्रिस्सूर में इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई) के द्विवार्षिक सम्मेलन में 'कंजर्वेशन—डिस्प्लेसमेंट एण्ड लैंड—बेस्ड रिहेबिलिटेशनः एक्सेसिंग द इंपेक्ट ऑफ अल्टरनेट लेंड डिस्ट्रिब्यूशन स्कीम्स ऑन लिवलीहुड ट्राजेक्ट्रीज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——— ने 15 मार्च, 2018 को सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, नई दिल्ली में भूमि अधिकारों की पहल के लिए चौथी वार्षिक संगोष्ठी में सोशल इम्पैक्ट असेसमेंटः लर्निंग फ्राम दिल्ली'ज फर्स्ट एसआईए फॉर एन अर्बन लैंड ऐक्विजिशन अंडर द एलएआरआर 2013' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सामाजिक प्रभाव का आकलन रू शहरी भूमि अधिग्रहण के लिए दिल्ली के प्रथम एसआईए से सीख पर आयोजितएक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ओइनम हेमलता देवी ने 22 जुलाई, 2017 को चियांगमाई, थाईलैंड स्थित चियांगमाई एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में 10वें कन्वेंशन ऑफ एशिया स्कॉलर्स (आईसीएएस10) में 'नेचर, कल्चर एंड साइंसः एंटोमोफागी इन नॉर्थ—ईस्टर्न इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रवीण सिंह और मानसी थपलियाल नवानी ने 23 मई, 2017 को झेजियांग विश्वविद्यालय, हांग्जो, चीन में, एशिया पैसिफिक हायर एजुकेशन रिसर्च पार्टनरशिप (एपीएचईआरपी) द्वारा आयोजित संगोष्ठी, उद्यमिता और नवाचार विश्वविद्यालय की कशमकश में 'एंगेजिंग विद इनोवेशन एंड आंत्रप्रेन्योरशिप इन इंडियन हायर एजुकेशनः एक्सपीरियंसेस एंड इनसाईट फ्रॉम एयूडी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रवीण सिंह ने 27 फरवरी, 2018 को प्राइड प्लाजा होटल, एयरोसिटी, नई दिल्ली में एनआईईपीए द्वारा आयोजित, कार्यशाला, विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्चतर शिक्षा में नेतृत्व विकास में सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक पैनल में 'टेक्नोलॉजी एनेबल्ड मैनेजमेंट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पुलक दास ने 11 अगस्त, 2017 को नई दिल्ली में, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली और इंडियाना विश्वविद्यालय (ब्लूमिंगटन, इंडियाना, यूएसए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक विचारगोष्ठी सह कार्यशाला में 'जीआईएस एण्ड एनवायरमेंटः मॉनीटरिंग अर्बन एग्रोइकोसिस्टम्स इन डायनेमिक रिवर सैंडबार्स इन यमुना इन डेल्ही' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 27 जनवरी, 2018 को सीएसआईआर–नेशनल बोटेनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, लखनऊ में राष्ट्रीय सम्मेलन 'करंट डेवलपमेंट एंड नेक्स्ट जेनेरेशन लाइकेनलॉजी' में लाइकेन, पीपल एंड सोशियो–इकॉनॉमी–कुमाऊं हिमालय में नायकीना ग्राम में अध्ययन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रोहित नेगी ने 9 नवंबर, 2017 को केरल इंस्टीट्यूट फॉर लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, थ्रिस्सूर में इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई) के सम्मेलन में, एक पैनल, मार्जिनल इकोलॉजिस एग्जामिनिंग सस्टेनेबिलिटी ऑन द मार्जिन्स ऑफ नेचर एण्ड सोसायटी में 'ऑपर्चुनिटीज, मार्जिनेलिटीज एण्ड रिस्कः एग्जामिनिंग अर्बन चेंज इन द हिमालियाज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 13 जनवरी, 2018 को एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, अनौपचारिक योजना, अनौपचारिकता के लिए योजना में बाई–सिटी बाईएनुअल ऑन अर्बनिज्म/एग्रीकल्चर, शेनजेन, चीन के भाग के रूप में 'ब्रीथिंग इन डेल्हीः इनफोर्मेलिटी, एयर एण्ड रिजनल फीचर्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान/उपलब्धियाँ

अस्मिता काबरा ने कन्र्जवेशन एंड सोसाइटी एंड डेवलपमेंट इन प्रैक्टिस पत्रिकाओं की पांडुलिपियों की समीक्षा की।

—— पीएच.डी. शोध विषयों के लिए बाहरी परीक्षक थे, डिस्टर्बेन्स प्रीसिडिंग प्लेसमेंटः डेवलपमेंट प्रेक्टिस इन प्रीपेरेशन फॉर माईनिंग एण्ड रिसेटलमेंट फ्रॉम द यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया, एण्ड पॉलिसी डेवलपमेंट एण्ड प्रोमोशन ऑफ रिस्पांसिबल रिसेटलमेंट आउटकम्सः ए कंपेरेटिव अफ्रीकन–एशियन एक्सप्लोरेशन फ्रॉम रोड्स यूनिवर्सिटी, दक्षिण अफ्रीका।

—— ने 1 जुलाई, 2017 को लोकश्रय फाउंडेशन, दिल्ली में चल रही पावर्टी डिसकोर्सेस श्रृंखला में एक भाग के रूप में 'इज गुड पॉलिसी एनफ? एक्सप्लोरिंग द मिसिंग लिंक्स बिटवीन पॉलिसी, प्रैक्टिस एंड आउटकम्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 7 सितंबर, 2017 को एनवायरनमेंटल सोसाइटी, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'डीबेटिंग फॉरट्रेस कन्जर्वेशन' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 27 सितंबर, 2017 को कैरल यूनिवर्सिटी, कनाडा में डेवलपमेंट एथिक्स में पीएच.डी. कार्यक्रम में शोधार्थियों को स्काइप के माध्यम से 'द एथिक्स एंड पॉलीटिक्स ऑफ डेवलपमेंट–डिसप्लेसमेंट' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने एमए सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रेक्टिसिस (एसडीपी) के विद्यार्थियों के लिए, टेरी विश्वविद्यालय में, *'ग्लोबल क्लासरूमः इंटीग्रेटिड एप्रोचेस टू सस्टेनेबल डेवलपमेंट प्रेक्टिस'* के एक पाठ्यक्रम के शीर्ष के भाग के रूप में पर्यावरणीय संरक्षण–भूमंडलीय सीमाएं विषय पर व्याख्यान दिया, इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से द अर्थ इंस्टीट्यूट, कोलंबिया यूनिवर्सिटी और टेरी विश्वविद्यालय द्वारा 4 अक्तूबर, 2017 को किया गया।

—— ने 27 नवंबर, 2017 को नई दिल्ली में सामाजिक विकास परिषद में प्रशिक्षण कार्यशाला, पुनर्वास और पुनर्वास में 'बेस्ट प्रैक्टिसेज इन लैंड–बेस्ड रीसेटलमेंट' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 20 दिसंबर, 2017 को टेरी, इंडिया हैबिटेट सेंटर में 'सोशल इम्पैक्ट असैसमेंट एंड आरएंडआर' कार्यशाला में 'कंजर्वेशन डिसप्लेसमेंट एंड आरएंडआर' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 23 दिसंबर, 2017 को कलिंग नगर, जाजपुर, ओडिशा में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कलिंग नगर महोत्सव 2017 में 'इंडस्ट्रियल डिस्प्लेसमेंट एंड रिहैबिलिटेशन' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 20 मार्च, 2018 को अशोक विश्वविद्यालय, सोनीपत में 'मेक वे! द मल्टीप्ल डिलेम्स ऑफ कन्जर्वेशन डिस्प्लेसमेंट' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 28 मार्च, 2018 को स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, नई दिल्ली में 'लैंड एक्वीजीशन इन दिल्ली अंडर द आरएफसीटीएलएआरआर 2013' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 8 नवंबर, 2017 को केरला इंस्टीट्यूट फॉर लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, त्रिशूर में इंडियन सोसायटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई) की द्विवार्षिक संगोष्ठी में 'नेचुरल रीसोर्सेस एंड लीवलीहुड्स इन मार्जिनल इकोलॉजीस' विषय पर एक सम्मेलन पैनल सत्र का आयोजन और अध्यक्षता की।

ओइनम हेमलता देवी ने 17 मार्च, 2017 को सोसायटी फॉर इंडियन मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी (एसआईएमए), मैसूर और स्कूल ऑफ स्टडीज इन एंथ्रोपोलॉजी, पं. रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'रिलीवेंस ऑफ मेडिकल एंथ्रोपोलॉजी एण्ड ट्राइबल हेल्थकेयर सिस्टम्स इन ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड', में एडेप्टेशन टू द चेलेंजेस ऑफ एनवायरमेंट एंड ह्यूमैन हैल्थ थ्रू इंटर/मल्टीडिसिप्लीनरी एप्रोचेस पर मुख्य भाषण दिया।

प्रवीण सिंह ने 17 अक्टूबर, 2017 को वैश्विक अध्ययन पर संभावित सहयोग पर चर्चा के लिए वैश्विक अध्ययन विभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा का दौरा किया।

—— विकास अध्ययन स्कूल, एयूडी से एम.फिल. शोध प्रबंध 'प्रेजेंट, एब्सेंट ऑर ट्रांसफोर्मिंगः अंडरस्टेंडिंग ज्वाइंट फोरेस्ट मैनेजमेंट थ्रू कम्यूनिटी पार्टिसिपेशन एट लेपेसिया विपेज इन हजारीबाग, झारखण्ड' के लिए बाह्य परीक्षक थे।

—— ने एक सत्र की अध्यक्षता की और 23 मई, 2017 को झेजियांग विश्वविद्यालय, हांग्जो, चीन में, एशिया पैसिफिक हायर एजुकेशन रिसर्च पार्टनरशिप (एपीएचईआरपी) द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी, उद्यमिता और नवाचार विश्वविद्यालय की कशमकश में एक शोध–पत्र 'द मेकिंग ऑफ एन एंटरप्रेनियल यूनिवर्सिटीः द मलेशियन एक्सपीरियंस' के लिए मुख्य डिस्कसेंट थे।

पुलक दास ने *इकोलॉजिकल इंडीकेटर्स एंड ह्यूमन इकोलॉजी* पत्रिकाओं के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की।

—— ने नवंबर, 2017 में एनुअल वर्ड बैंक कांफ्रेंस ऑन लैंड एण्ड पावर्टी – लैंड गर्वनेन्स इन ए इंटरकनेक्टेड वर्ड के लिए पाँच तत्वों की समीक्षा की – वाशिंगटन डीसी, (19–23 मार्च, 2018)।

—— ने दिनांक 27 जनवरी, 2018 को कौंसिल ऑफ सांइटिफिक एण्ड इंडस्ट्रीयल रिसर्च (सी.एस.आई.आर.) –नेशनल बॉटनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'करन्ट डेवलपमेंट एंड नेक्स्ट जेनरेशन लिचेनोलॉजी पर आमंत्रित व्याख्यान' के लिए सह–अध्यक्षता की।

सुरेश बाबू ने *ह्यूमन इकोलॉजी एंड करंट साइंस* पत्रिकाओं के लिए पांडुलिपियों की समीक्षा की।

—— ने दिनांक 16 मार्च, 2018 को ऊर्जा और संसाधन संस्थान (टीईआरआई) स्कूल ऑफ़ एडवांस स्टडीज़, नई दिल्ली में, राष्ट्रीय सांख्यिकी और आर्थिक अध्ययन संस्थान (आईएनएसईई) द्वारा आयोजित, बेसिक स्पेशल डेटा एनालिसिस इन आर एज पार्ट ऑफ वर्कशाप ऑन आर फॉर इकोलॉजी इकोनॉमिक्स पर एक सत्र आयोजित किया।

—— दिनांक 23, 24 मार्च, 2018 को कोच्चि, केरल में आयोजित मैरीटाइम ट्रडिशंस ऑफ द इंडियन एण्ड पैसिफिक ओशियन्स, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के एक सत्र का संचालन किया और आयोजक सदस्य भी रहे।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

निम्नलिखित वक्ताओं ने एसएचई अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के तहत छात्रों, शोधकर्ताओं और संकाय को व्याख्यान दियाः

आईआईटी–दिल्ली के पंकज सेक्सरिया ने 1 फरवरी, 2018 को 'आइसलैंड इन फ्लक्सः द अंडमान एंड निकोबार स्टोरी' पर व्याख्यान दिया।

अरुंधति विरमानी–बाउटियर, प्रोफेसर, ईएचईएसएस, मार्सेल्स, ने 15 फरवरी, 2018 को 'पोस्टकोलोनियल अर्बन प्लानिंगः क्रिएटिंग ए कालोनी फॉर पंजाबी रिफ्यूजी इन दिल्ली 1947–1990ज' विषय पर व्याख्यान दिया।

शिबानी घोष, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, ने 28 मार्च, 2018 को 'द ग्रीन कोर्टः रिफ्लेक्शंस ऑन द नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल्स रोल इन इंडिया'स इनवार्यनमेंटल गर्वनेंस' विषय पर व्याख्यान दिया।

क्षेत्र–दौरे

कुनो वन्यजीव अभयारण्य और गाँव अगारा, श्योपुर, मध्य प्रदेश में 13–17 अक्टूबर, 2017 को एमए पर्यावरण एवं विकास और एमए विकास अध्ययन के पहले और तीसरे सेमेस्टर के छात्रों द्वारा पांच दिवसीय यात्रा।

महरौली में 4 नवंबर, 2017 को, पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में शहरी विकास एवं पर्यावरण की एक दिन की यात्रा।

पर्यावरण प्रभाव आकलन पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में 11 एवं 18 नवंबर, 2017 को ओखला बैराज और दिल्ली मेट्रो निर्माण स्थलों का दौरा किया।

आसन बैराज और टिमली रिजर्व फॉरेस्ट में 1 से 6 दिसंबर, 2017 तक पारिस्थितिक विधियों और सामुदायिक पारिस्थितिकी में कार्य करने के लिए एक छह दिवसीय यात्रा।

पुनर्स्थापना पारिस्थितिकी के पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में 6–11 मार्च, 2018 को देहरादून के पास लामिदर खदान और जीर्णोद्धार स्थलों की पाँच दिवसीय यात्रा।

14 मार्च, 2018 को दिल्ली के मजनू का टीला में इंडियाना विश्वविद्यालय, ब्लूमिंगटन के सहयोग से सार्वजनिक स्वास्थ्य के मुद्दों का अध्ययन करने के लिए एक दिन की यात्रा।

विद्यार्थी उपलब्धियाँ

बुधादित्य दास, बर्षा पोरीचा एवं प्रकाश त्रिपाठी को पीएच.डी. से सम्मानित किया गया।

—— ने 18 नवंबर, 2017 को अशोका विश्वविद्यालय, सोनीपत, हरियाणा में आयोजित पर्यावरण अध्ययन संगोष्ठी में 'स्टेट, आदिवासीज एण्ड टैक्नोलॉजी ऑफ गवर्न्मेन्टः फॉरेस्ट विलेजज इन सैंट्रल इंडिया विषय पर एक व्याख्यान दिया।

—— ने 29 नवंबर, 2017 को सामाजिक विकास पुनर्वास कार्यशाला में 'सोशल इम्पैक्ट असेसमैंटः ऑपचुर्निटीज एंड चैंलेज अंडर आरएफसीटीएलएआरआर अधिनियम (2013)' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

रश्मि सिंह को 1 दिसंबर, 2017 को पीएच.डी. फील्डवर्क करने के लिए 'द रफर्ड फाउंडेशन स्मॉल रिसर्च ग्रांट (डॉलर 7061.45) से सम्मानित किया गया।

—— अनुसंधान विद्वान को 25 जनवरी से 25 फरवरी, 2018 तक एशिया में एक माह के एक्सचेंज कार्यक्रम, वाईल्ड एण्ड वाईज इंटर्नशिप प्रोग्राम– इंटर्नशिप प्रोग्राम फॉर ट्रांस डिसिप्लिनरी एण्ड ट्रांस– रीजनल प्रॉब्लम

ओरिएंटेड रिसर्च में भाग लेने के लिए ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन एरिया स्टडीज (एएसएएफएएस), क्योटो यूनिवर्सिटी द्वारा एक पूर्ण बर्सरी प्रदान की गई।

प्रकाशन

सहगल, एस. (2017)। 'ए लैंड ऑफ ब्यूटीफुल कंट्रास्टस'। पी. त्रिवेदी, सी. मिश्रा एवं आर. आर्थर (सं.)। *'हार्वेस्ट इन द हिमालयाः पर्सनल जर्नीस एंड रेफ्लेक्शंस फ्रॉम स्पीति वैली;* (50—53)। नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन एवं स्नो लेपर्ड ट्रस्ट, बैंगलोर।

सिंह, आर. 2017 'लिविंग विद लाइवस्टॉक' इन. पी. त्रिवेदी, सी. मिश्रा और आर. आर्थर (सं.), हार्वेस्ट इन हिमालयाः पर्सनल जर्नी एण्ड रिफ्लेक्शन्स फ्रॉम स्पिटी वेली, (54—59) नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन एण्ड स्नो लेपर्ड ट्रस्ट, बैंगलोर।

प्रस्तुतियाँ

बुधादित्य दास ने 19—23 जून, 2017 को पेन स्टेट यूनिवर्सिटी (पीएसयू), पेंसिल्वेनिया, यूएसए में 'मार्जिनल लाइव्सः आदीवासिस एंड फारेस्ट विलेजस इन अपलैंड सेंट्रल इंडिया, एशियन स्टडीज समर इंस्टीट्यूट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने दिनांक 7 सितंबर, 2017 को यूनाइटेड किंगडम के ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित डेवेलपमेन्ट स्टडीज एसोसिएशन एन्युअल कॉन्फरेन्स में 'फॉरेस्ट टेन्यर रिर्फोमः एथनोग्राफिक इनसाइट्स फ्रॉम अपलैंड सैंट्रल इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कैमेलिया बिस्वास ने नवंबर, 2017 में ओस्लो, नॉर्वे में पर्यावरणीय एशिया सम्मेलन में अपना इंटर्नशिप कार्य, 'ईडीबल इनसेक्ट्स इन नॉर्थईस्ट इंडिया' प्रस्तुत किया।

नवीन कुमार ने 3 मई, 2018 को नेपाल राष्ट्रीय सिंचाई और जल निकासी समिति (एनईएनसीआईडी) और अंतर्राष्ट्रीय सिंचाई और जल निकासी पर आयोग (आईसीआईडी), काठमांडू, नेपाल, द्वारा हरित क्रांति के समर्थन में 8वें एशियाई सिंचाई क्षेत्रीय सम्मेलन में 'सोशल कॉम्पलेक्सिटी ऑफ पार्टिसिपेटरी इरिगेशन मैनेजमेंट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रश्मि सिंह ने 13 फरवरी, 2018 को ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन एरिया स्टडीज (एएसएएफएएस), क्योटो यूनिवर्सिटी, क्योटो, जापान, में एक पैनल चर्चा, अंडरस्टेंडिंग एग्रीकल्वर/पेस्टोरल ट्रांजिशन्स इन हिमालयाज में 'मूविंग माउंटेन्सः चेंजेस एण्ड कन्टिन्यूटी इन द एग्री—पेस्टोरल ऑफ वेस्टर्न हिमालयाज, इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया। ।

—— ने 23 फरवरी, 2018 को ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एशियन एंड अफ्रीकन एरिया स्टडीज (एएसएएफएएस), क्योटो यूनिवर्सिटी, क्योटो, जापान, द्वारा केआईएनडीएएस में आयोजित युवा शोधार्थियों की अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

में 'घोस्ट्स ऑफ पास्टः अंडरस्टेंडिंग ह्यूमैन–एलीफेंट रिलेशनशिप्स एण्ड एक्सेसमेंट ऑफ द इफेक्टिवनेस ऑफ कॉन्फिलिक्ट माईटिगेशन मेजर्स इन वैलपराई, तमिलनाडु, भारत' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शाइना सहगल ने 20 अक्टूबर, 2017 को मैकगिल विश्वविद्यालय, मॉन्ट्रियल, कनाडा में इंडियन ओशन वर्ल्ड हिस्ट्री ऐट इंडियन ओशन वर्ल्ड सेंटर (आईओडब्ल्यूसी) पर स्नातक सम्मेलन में ट्रेड इन इकोलॉजिकल प्रोड्यूस इन द निकोबार आईलैंड (17वीं–18वीं शताब्दी ईस्वी) विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 8–10 नवंबर, 2017 को केरल इंस्टीट्यूट फॉर लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, त्रिशूर, केरल, भारत में इंडियन सोसायटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक (आईएनएसईई) सस्टेनेबिलिटी, इंस्टिट्यूशन्स, इनसेंटिव्सः वॉयसेस, पॉलिसिज एण्ड कमिटमेंट्स के नौवें द्विवार्षिक सम्मेलन में 'इंटरलिंक्ड एण्ड डायवर्सिफाईड स्ट्रेटिजिस ऑफ ए ट्रांस हिमालयन विपेज एट सोशियो इकोनॉमिक, पॉलिटिकल एण्ड इकोलॉजिकल मार्जिन्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शाइना सहगल ने 22–24 अप्रैल, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मेरिटाईम ट्रेडिशन्स ऑफ द इंडियन एण्ड पेसिफिक, कोची, केरल, भारत में 'कॉन्टिजेंसी एण्ड कॉन्जंक्चर इन द एमर्जिंग ऑफ ट्रेड इन द निकोबार आईलैंड्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सोनम महलवाल ने 8–10 नवंबर, 2017 को केरल इंस्टिट्यूट फॉर लोकल एडमिनिस्ट्रेशन, थ्रिस्सूर, केरल, भारत में इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलोजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई) के नौवें द्विवार्षिक सम्मेलन में 'डायवर्सिफिकेशन एण्ड डिपेंडेंसः लिवलिहुड स्टडी ऑफ एन आदीवासी कोहार्ट इन ड्राईलैंड सेन्ट्रल इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

2.7. मानव अध्ययन स्कूल

मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस) ने अंतर्विषय समूह को एक साथ लाकर भारतीय शिक्षा के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान अर्जित किया है जिसमें मानव जीवन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों से विद्वान शामिल हैं। यहाँ, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक मानवविज्ञानी, समाजशास्त्री, राजनीति वैज्ञानिक, नारीवादी विद्वान और दार्शनिक इसकी सभी जटिलता में 'मानव' का अध्ययन करने के लिए अपनी विशेषज्ञता विकसित करते हैं और समर्पित करते हैं, चाहे इससे इस प्रकार प्राप्त ज्ञान को स्थायीवत व्यवहारों में अंतरित होता है जिससे मानव जीवन समृद्ध होता है। इस प्रकार की भागीदारी में अभी तक परिवार के विषयों, समुदाय, बदलती जीवन शैली, रिश्ते, कामुकता, कार्यस्थलों के बदलते चरित्र, जीवन के चरणों (विशेष रूप से बुढ़ापा) आदि को शामिल किया गया है।

स्कूल हमारे समय की विशेष वास्तविकताओं के साथ सोच–समझकर और महत्वपूर्ण भागीदारी को संपोषित करना चाहता है क्योंकि वे ''मानव अनुभव'' का रूप ले लेते हैं। ये वास्तविकताएं न केवल मानव सोच की जानकारी प्रदान करती हैं वरन बल्कि 'ड्रीमिंग' नामक विचार का विशेष मोड भी प्रस्तुत करती हैं। यदि इसे उचित माध्यम दिया जाए तो इससे एक प्रकार की मानव अंतक्रिया उत्पन्न करने की अपार संभावनाएं हैं, जिससे हमारे समय की वास्तविकताओं की जानकारी बढ़ सकती हैं और हमें रूपांतर करने में मदद मिलती है जिससे उनके अलगाव के पहलू बदल जाते हैं।

'मानव' शब्द के अर्थ पर चिंतन करने से हमें अंतर्दृष्टि का गहन अनुभव मिलता है जिससे हमें नई भावना पैदा करने के लिए लगभग अवैयक्तिक इतिहास का उपयोग करने में मदद मिलती है और वर्तमान उसका घटक है जिससे हमारा अकेले और सामूहिक तौर पर नियमित तौर पर पुनर्गठन होता है। यह शब्द कभी भी नवीकृत किया जा सकता है और इसीलिए, इसकी क्षमता का केवल उन एप्रोचों के जरिए उपयोग किया जा सकता है जिनके लिए बहुवचन 'अध्ययन' का उपयोग अनिवार्य हो। इस प्रकार, स्कूल ने वैचारिक ध्रुवों और सहबद्ध व्यवहारों के सेट की परिकल्पना की है, जिससे इसकी प्रोग्रामिंग के साथ–साथ सोसायटी में व्यवहार के क्षेत्रों में शिक्षण, मेंटरशिप, मूल्यांकन, अनुसंधान और भागीदारी पर बल दिए जाने की जानकारी मिलती है। वर्तमान में, स्कूल मानव जीवन और जीवन गाथाओं संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों पर एम.ए. मनोविज्ञान (साइकोसोशल क्लिनिकल स्टडीज), एम.फिल. मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा, एम.ए. जेंडर अध्ययन, एम.फिल./पीएच.डी. महिला और जेंडर अध्ययन, पीएच.डी. मनोविज्ञान और एम.फिल. डेवलपमेंट प्रैक्टिस का प्रस्ताव करता है जिनमें गंभीरता के साथ–साथ मौज–मस्ती होती है, जो एक ऐसा मेल है जो आमतौर पर उच्चतर शिक्षा में नहीं होता। इसके अलावा, एसएचएस विकास प्रैक्टिस केंद्र, सेंटर ऑफ साइकोथेरेपी और क्लिनिकल रिसर्च और एहसास, एक मनोचिकित्सा और परामर्श क्लिनिक के साथ मिलकर काम करता है।

एम.फिल. मनोविश्लेषणात्मक मनोचिकित्सा

यह तीन वर्षीय कार्यक्रम है जो प्रशिक्षित मनोविश्लेषक मनोचिकित्सकों और नैदानिक शोधकर्ताओं को तैयार करने के लिए समर्पित है जो देश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सकारात्मक योगदान देने के लिए भलीभांति सुसज्जित हैं। इसका मुख्य कार्य मानसिक स्वास्थ्य अध्यवसायियों को तैयार करना है जो संवेदनशील, सक्षम

एवं खुले मन के साथ ही संस्कृति, इतिहास तथा राजनीति के भी जानकार हो, इसके अलावा वे परामर्शकर्ता के रूप में भी कार्य कर सकें। लक्षणों को किसी व्यक्ति अथवा परिवार के जीवन इतिवृत्त से जोड़ते हुए, मानव द्वंदों एवं एक सुस्पष्ट अवस्थिति से संघर्षों के उतार–चढ़ावों को समझने पर बल दिया जाता है। सिद्धांत की गहन शिक्षा, सर्वेक्षित नैदानिक कार्य, चिकित्सक की व्यक्तिगत चिकित्सा और नैदानिक शोध कार्य समेत इससे नैदानिक दृष्टि से चिंतन करने की क्षमता को मजबूत करने की अपेक्षा की जाती है, जिसमें मानसिक अवस्थाओं की पहचान, निरूपण एवं अभिव्यक्ति शामिल है। इस लयात्मक प्रक्रिया को अपनाने तथा इसके मनन से चिकित्सा और तदन्तर शोध के प्रति एक प्रवृत्ति को बल मिलता है। मनोचिकित्सा में एम. फिल कार्यक्रम को पीएच.डी. कार्यक्रम से सीधे जोड़ा गया है, इसके लिए स्थानों की संख्या सीमित है।

एम.ए. मनोविज्ञान

एमए मनोविज्ञान (मनोसामाजिक नैदानिक अध्ययन) स्कूल का एक प्रमुख कार्यक्रम है। इसमें अंतःविषय मूलभूत पाठ्यक्रम के साथ मनोविज्ञान पाठ्यक्रमों के संतुलन के साथ एक अनूठी संरचना है। यह कार्यक्रम नैदानिक एवं निर्णायक विचार पर टिका हुआ है जो उपेक्षा, गरीबी, मनोचिकित्सा, सामान्य स्थिति के विघटन, फ्रायडियन और पोस्ट–फ्रायडियन मनोविश्लेषणात्मक नैदानिक कार्य जैसे प्रमुख विषयों को छूता है।

एम.ए. जेंडर अध्ययन

जेंडर अध्ययन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम की विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और मानविकी से जेंडर विश्लेषण के आधार पर एक गहन अंतःविषय पाठ्यक्रम के रूप में परिकल्पना की गई है। इससे छात्र किसीएक व्यक्ति की एक परिवार, समाज, संस्कृति, राष्ट्र–राज्य और वैश्विक राजनीति के भीतर 'स्थिति' को समझ सकेंगे। पाठ्यक्रम में सिद्धांत, विधि और समकालीन संदर्भों का संयोजन है जिससे व्यापक क्षेत्रों में जेंडर प्रभाव के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो। इससे छात्रों को अत्यधिक अध्ययन और उत्तेजक अनुभवों से कई स्तरों पर लिंग के कार्य संचालन के बारे में सोचने की चुनौती मिलती है। अधिगम अनुभव को समृद्ध और सुखद बनाने के लिए वैकल्पिक शैक्षणिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है।

एम.फिल. विकास प्रैक्टिस

यह एम.फिल. कार्यक्रम आशा करता है कि कक्षा एवं क्षेत्र (फील्ड) दोनों ही से विकास के बारे में उत्पन्न समीक्षा पर आधारित अधिगम–प्रक्रम को बढ़ावा दिया जाए। उम्मीद यह है कि ज्ञान, संबंध और कार्यकलापों, तीनों में जो आमूमन तौर पर विकास के संदर्भ में गहरा अलगाव है, उनमें एक संवाद हो पाये। इसके लिए यह कार्यक्रम एक वर्ष के समय के लिए मध्य भारत में आदिवासी और दलित जीवन की परिस्थितियों में छात्रों को क्षेत्र में ही रह कर तन्मय अनुभव करने के लिए भेजता है और एक 'एक्शन रिसर्च' पर आधारित शिक्षा पद्दति पर जोर देता है।

ज्ञान का प्रक्रम यहाँ विकास की स्थापित प्रणाली के साथ एक आलोचनात्मक, विश्लेषक, और चिंतनशील रिश्ते को प्रथम सेमेस्टर कोर्स जैसे 'फिलोसॉफी ऑफ डेवलपमेंट प्रैक्टिस' और 'अंडरस्टैंडिंग द रूरल' द्वारा अंतर्निविष्ट करवाता है। यही शैली और प्रणाली दूसरे सेमेस्ट में 'इक्वालिटी डिस्कृमिनेशन मार्जिनलाइजेशन' 'एनवायर्नमेंट

नेचुरल रिसोर्सेज डेवलपमेंट' तथा 'जेंडर एंड डेवलपमेंट और तीसरे सेमेस्टर में 'फिलॉसफी ऑफ जस्टिस', 'डिस्कोर्सेस ऑन वेल–बीइंग' तथा 'पॉलिटिक्स रेसिस्टेंट ट्रांसफॉर्मेशन' जैसे विषयों में भी इस शिक्षा का आधार है। ये सिखाये गये पाठ्यक्रम छात्रों को मात्रात्मक, टॉप–डाउन और स्टेटिस्ट दृष्टिकोण से अतिरिक्त विकास की कल्पना करने में सक्षम बनाता है, और उन्हें अधिक मानवीय–केंद्रित, संबंधपरक या मनोवैज्ञानिक संदर्भ में ले जाता है। यह उन्हें ग्रामीण और वन समाजों में 'गलत क्या है' की समझ से आगे बढ़ने में मदद करता है और साथ ही दूसरे सेमेस्टर में भी विकास के अभ्यासों में 'गलत तरीके से सही' कैसे कर सकते हैं, तीसरे सेमेस्टर में (न्याय और वेल बीइंग पर पाठ्यक्रम उन्हें 'गलत में सही' के निर्देशांक और उन्हें समझ बनाने में मदद करता है)।

यह कार्यक्रम अंतर्विषयक फैकल्टी और डेवलपमेंट सैक्टर से जुड़े पेशेवरों को प्राध्यापक के रूप में एक ही स्तर पर ले कर आता है। 'प्रादन' (PRADAN) ने 29 क्षेत्र विशेषज्ञों को छात्रों को निरीक्षण के लिए सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। छात्रों को संयुक्त रूप से फील्ड फैकल्टी (इस मामले में, प्रादन (PRADAN) के पेशेवरों) द्वारा निरीक्षण और सीडीपी (सेंटर फॉर डेवलपमेंट प्रैक्टिस), एसएचएस (स्कूल ऑफ ह्यूमन स्टडीज), एसएलएस (स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज) और एसडीएस (स्कूल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज) के संकाय सदस्य भी सुलभ हैं।

एम.फिल./पीएच.डी. महिला एवं जेंडर अध्ययन

महिला एवं जेंडर अध्ययन कार्यक्रम में एम.फिल./पीएच.डी. का आयोजन महिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूडीएस), दिल्ली के सहयोग से दो संस्थानों के बीच सहयोग के रूप में किया जाता है। कार्यक्रम में महिला अधीनता के कारणों, संदर्भों और परिणामों के अतिरिक्त जांच की एक वस्तु के रूप में जेंडर (संबंध) के महत्व एवं शक्ति की वाहिकाओं तथा विन्यास के अध्ययन की आवश्यकता के विश्लेषणात्मक ज्ञान को शामिल किया जाता है। एम.फिल. कार्यक्रम जेंडर के चारों ओर स्थित निस्तब्धता पर प्रश्न उठाने के लिए एक रिक्त स्थान का निर्माण करता है जो समकालीन एवं ऐतिहासिक समाजों और सामाजिक विज्ञानों में जाति, वर्ग और समुदाय के कार्यों का परिचालन करता है।

पीएच.डी. मनोविज्ञान

इस कार्यक्रम से मनोवैज्ञानिक खोज की एक स्व–विवेचित व्याख्या का संवर्धन करने की अपेक्षा की जाती है। अंतर्विषयक शक्ति (संयोजन) और स्व–चिंतनशील परिप्रेक्ष्य से प्रेरित शोध का यह मनोवैज्ञानिक ढांचा ज्ञान एवं शक्ति दोनों के प्रति अविरत जिज्ञासा बनाए रखने का प्रयास करता है और इसके अलावा तदनंतर एक मनोवैज्ञानिक मानव विज्ञान अपनाने की इच्छा रखता है जो सांस्कृतिक स्तर पर संवेनशील, उपनिवेशी मनोदशा से मुक्त और सामाजिक–राजनैतिक दृष्टि से विवेकशील हो। यह एक अंतर–विषयक शोध संवेदनशीलता को केंद्र में रखने का प्रयास करता है, जिसके भीतर जीवन को चेतन और अचेतन धाराओं, अनुभूतियों तथा घटना–क्रमिक प्रवाह को प्रमुखता दी जाये। जीवन और उसके संघर्षों के लिए कार्य करते एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य, जिसमें सतत सहभागिता को स्थान व शोधकर्ता एवं शोध के स्व में रुपांतरकारी क्षमताओं का प्रसार

किया जाता है, पर ध्यान देते हुए, पाठ्यक्रम मनोवैज्ञानिक गतिशीलन की दृष्टि से प्रवण (प्रवृत), विवेचनात्मक, सहभागी और संवाद–संचार उन्मुखी कार्य आरंभ करने के इच्छुक भविष्य के शोधकर्ताओं के लिए आधारशिला प्रस्तुत करता है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

कृष्णा मेनन, प्रधान अन्वेषक, रचना जौहरी, सुमंगला दामोदरन, रुक्मिणी सेन एवं बिन्दु के.सी., टीचिंग फेमिनिज्म ट्रांसफोर्मिंग लाइव्सः क्वेश्चन्स ऑफ आइडेंटिटी, पैडागौजी एंड वायलेन्स इन इंडिया एंड द यूके, यूजीसी–यूकेआईईआरआई द्वारा वित्तपोषित (रु. 49,000,000; दो वर्ष; जारी)।

शाहिरोसे सदरुद्दीन प्रेमजी, प्रधान समन्वयक (नर्सिंग संकाय, कैलगरी विश्वविद्यालय) के साथ रचना जौहरी, ब्रिजिंग द ह्यूमैन रिसोर्सेस गैपः डवलपिंग ए ले–काउंसलर वर्कफोर्स टू एडरेस पेरिनियल मेंटल हैल्थ इन रूरल राजस्थान, भारत। शास्त्री इंस्टीट्यूशनल कोलैबोरेटिव रिसर्च ग्रांट (एसआईसीआरजी) द्वारा वित्त पोषित 2017–18 (रु. 1,00,000; जारी)।

प्रस्तुतियाँ

बिंदू के. सी. ने 20 अप्रैल, 2017 को सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई, मनोआ, हवाई, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक संगोष्ठी, शिक्षाशास्त्र और सामुदायिक भवन में 'क्रिटिकल वर्सेस वोकेशनल? चेलेंजेस ऑफ पीडागोगी एण्ड कम्यूनिटी एजुकेशन इन द कांटेम्परेरी इंडियन यूनिवर्सिटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 5 दिसंबर, 2017 को आईआईसी दिल्ली में यूजीसी यूकेआईईआरआई–एयूडी और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा दी गई संयुक्त अनुसंधान परियोजना के हिस्से के रूप में 'द फ्रेमिंग ऑफ जेंडर्ड वॉयलेंस इन नियोलिबरल टाईम्सः चेलेन्जेस ऑफ फेमिनिस्ट पेडागॉजी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 21 फरवरी, 2018 को एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग, ब्रिटेन में एक कार्यशाला, टिचिंग फेमिनिज्म्स, ट्रांसफोर्मिंग लाईव्सः क्वेश्चन ऑफ आईडेंटिटी, पेडागॉजी एण्ड वॉयलेंस इन इंडिया एण्ड यूके, में 'द फ्रेमिंग ऑफ जेंडर्ड वॉयलेंस इन नियोलिबरल टाईम्सः चेलेन्जेस ऑफ फेमिनिस्ट पेडागॉजी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हनी ओबेरॉय वहाली ने 24 मार्च, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में गोथे इंस्टिट्यूट और मैक्स मुलर भवन द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ट्रामा एण्ड रिकॉन्सिलिएशन, टू रिमेम्बर ऑर फॉरगेट में 'ट्रामा ऑफ एग्जाईलः दी जनरेशन स्ट्राईचिंग ऑफ एग्जाईल्ड टिब्टन्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

लोवितोली जिमो ने 8 मार्च, 2018 को भारतीय विश्वविद्यालय संघ और नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में वूमैन एज क्रिटिकल पार्टनर्स इन एन एग्लिटेरियन सोसायटीः एन इवेल्यूएशन ऑफ द करंट स्टेटस इन इंडिया में 'वूमैन राईट्स, कस्टमरी लॉज एंड ट्रेडिशन्सः डिबेट्स इन कंटेंपररी नागालैंड' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 2 अक्टूबर, 2017 को मानव विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी, पूर्वोत्तर भारत में पर्यावरण, सतत विकास और भविष्य के परिप्रेक्ष्यः एमिक और एटिक डायनेमिक्स में 'कल्चर ऑन माई प्लेटरः ए क्रीटिक ऑफ दी हॉर्नबिल फेस्टिवल ऑफ नागालैण्ड' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कृष्णा मेनन ने 3 अप्रैल, 2017 को अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को विश्वविद्यालय में इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वैन वीमेन स्टडी विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।।

—— ने दिनांक 7 मार्च, 2018 को गुरुग्राम, हरियाणा में महिला दिवस के अवसर पर ब्रह्मा कुमारी रिट्रीट सेंटर ऑन वीमेन एंड स्पिरिचुअलिटी के सहयोग से भारत में कोस्टा रिका के दूतावास द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 11 अप्रैल, 2017 को साउथ एशियन यूनिवर्सिटी एंड इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ पॉलिटिक्स, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'द वॉकिंग द टॉकः फेमिनिस्ट रिफ्लेक्शंस ऑन इंटरनैशनल प्रैक्टिस' में 'द पेडीगॉजी ऑफ फेमिनिज्म एंड द नेशन–स्टेट विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 5 दिसंबर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, दिल्ली में और 19 फरवरी, 2018 को यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग में यूजीसी यूकेआईईआरआईएक–एयूडी और यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग द्वारा दी गई संयुक्त अनुसंधान परियोजना के भाग के रूप में 'टूवर्ड्स इक्वेलिटी एण्ड फ्रीडमः वीमैन्स एजुकेशन इन इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 9 मार्च, 2018 को एनआईईपीए (एनयूईपीए) में आयोजित टू बी और नॉट टू बीः ऑटोनोमी इन क्वेश्चन, इन ए नेशनल कॉफ्रेंस, हायर एजुकेशन एंड द क्वेश्चन ऑफ ऑटोनोमी विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 28 जून, 2017 को राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित यूजीसी–सीएएस–एसएपी राष्ट्रीय संगोष्ठी समकालीन भारत में लोकतंत्र, सामाजिक बहिष्कार और अधिकार में संगीत का अधिकारः दक्षिण भारत में लोकतंत्र और शास्त्रीय संगीत, विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 28 अगस्त, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में आयोजित यूजीसी–सीएएस–एसएपी सेमिनार कानून और राज्य के साथ नारीवादी जुड़ाव पर अनुसंधान नेटवर्क में 'डिसैबलिंग फेमनस्ट थ्यौरीः प्राब्लमैटाइजिंग सक्शूऐलिटी एण्ड वॉयलेंस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नीतू सरीन ने 3 नवंबर, 2017 को जीसस एंड मैरी कॉलेज, नई दिल्ली में 'ऑन ड्रीमिंग, एट केथारिस, एनुअल साइकोलॉजी फेस्टिवल' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रचना चौधरी ने 7 अप्रैल, 2017 को नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में नेशनल स्कूल ऑफ लॉ यूनिवर्सिटी ऑफ वारविक, यूके के सहयोग से नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, क्रिटिकल थ्योरी एण्ड क्रिमिनल जस्टिस में 'अपहोल्डिंग लॉ एण्ड होल्डिंग ऑन टू दी रिटोरिंग ऑफ चेंज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 6 जनवरी, 2018 को स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर एनआरसी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, दक्षिण एशिया में पुलिसिंगः शासन की कशमकश और सहभागी समुदायों का सृजन में 'पॉलिसिंग दी पुलिसः कॉन्फिगरिंग राईट्स एण्ड पावर विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 1 अप्रैल, 2017 को विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज और दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन, भारत में उपेक्षित समूहों की सुरक्षा'' में 'प्रोस्टिट्यूशन/सेक्स वर्कः मूविंग बियोंड दी लिगजाईजेशन और डिस्क्रिमिलाईजेशन डिबेट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 30 अप्रैल, 2017 को सेंटर फॉर पब्लिक लॉ एंड ज्यूरिस्प्रुडेंस, जिंदल ग्लोबल लॉ स्कूल द्वारा आयोजित अकादमिक सामूहिक परिचचर्चा, तर्क और न्यायिक व्यवहारः भारत के सर्वोच्च न्यायालय का एक अध्ययन में 'ल्यूमिनेलिटी ऑफ डेविएंस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 24 अगस्त, 2017 को रिसर्च नेटवर्क ऑन फेमिनिस्ट एंगेजमेंट्स विद लॉ एण्ड दी स्टेट (एफएएलएस), राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक यूजीसी सीएएस–एसएपी राष्ट्रीय संगोष्ठी, प्रोब्लमटाईजिंग सेक्सुएलिटी एण्ड वॉयलेंसः डिकंस्ट्रक्टिंग इंस्टिट्यूशन्स, नॉर्म्स एण्ड नेरेटिव्स इन इंडिया में 'फाईन्डिंग 'मार्जिनलाइज्ड' मैन इन दी स्टेट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शेली पांडे ने 1 नवंबर, 2017 को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जेंडरः एक्सप्लोरिंग जेंडर, मार्जिनलाईजेशन एण्ड इक्विटी इन अर्बन स्पेसेस इन दी एषिया–पेसिफिक में 'अफगान सिख रेफ्यूजिस निगोशिएटिंग मॉडर्निटी इन डेल्ही सिटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 9 मार्च, 2018 को नॉर्थकैप विश्वविद्यालय, गुरूग्राम, हरियाणा में राष्ट्रीय संगोष्ठी, वीमैन एज क्रिटिकल पार्टनर्स इन एन एगलेटेरियर सोसायटीः एन इवेल्यूएशन ऑफ करंट स्टेटस इन इंडिया में 'लोकेटिंग लाईव्स ऑफ यंग मिडिल क्लास वीमैन इन ग्लोब्लाईज्ड वर्क वर्ल्ड' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिफा हक ने 21 अप्रैल, 2017 को दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली में, 'लिटरेरी एस्थेटिक्स एंड कॉनफ्लिक्ट्स' राष्ट्रीय सम्मेलन में द आर्ट ऑफ मॉर्निंग थ्रू इट्स फेलिर्यस विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 4 मई 2017 को रीजेंट होटल, ताइपे में आयोजित इंटरनेशनल साइकोएनालिटिक एसोसिएशन एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस 'एशियन ओडिपस' में डिस्कशनः बीईंग अ वुमन इन एशिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 27 जून, 2017 को कॉलेज ऑफ साईकोएनालिस्ट्स, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इस्लामिक साइकोएनालिसिस/साइकोएनालिटिक इस्लाम, में साहा सिद्दीकी के साथ 'बिट्विन न्यूट्रेलिटी एंड डिएवावल– बीइंग मुस्लिम थेरापीस्ट इन इंडिया' शोध पत्र का सह–लेख प्रस्तुत किया।

—— ने 12 जनवरी, 2018 को आईआईसी, नई दिल्ली में पाँचवे अंतर्राष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन, साइकोएनालिटिक एक्सप्लोरेशन ऑफ डार्कनेस इन कल्चर एंड क्लीनिक में 'द इनविजिबल एण्ड द मिस्टिरियज–रिस्पांस टू कॉसिमो साईनिया एण्ड मेरियाओ हार्सेन्स्टाईन, द ज्योग्राफी ऑफ साईकोएनालिटिक ग्रुप' एक प्रतिक्रिया प्रस्तुत की।

व्याख्यान/उपलब्धियाँ

बिन्दु के.सी. ने 28 जून, 2017 को, एमए विकास अध्ययन, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई के छात्रों के लिए टुवर्ड्स राइटिंगः हाओ टू हैंडल पोस्ट फील्डवर्क मैटीरियल?, एक कार्यशाला का आयोजन किया।

—— ने 29 जून, 2017 को टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई में महिला लेखनः टुवर्ड्स द एमेर्जेंस ऑफ ए केटेगरी, ऐट द एडवांस्ड सेंटर फॉर वीमेन'स स्टडीज विषय पर व्याख्यान दिया।

—— 20, 21 और 22 फरवरी, 2018 को टिचिंग एण्ड टेक्लिंग वॉयलेंस अगेन्स्ट वीमैनः पर्सपेक्टिव फ्रॉम इंडिया एण्ड दी यूके, पैनल चर्चा मे पैनलिस्ट और कंचन रूवनपुरा द्वारा टaब्लिंग/टaबल–इन अकेडमियाः (अन)– डूइंग डायवर्सिटी बाई इटरेटिव एण्ड इरिटेंट फेमिनिस्ट अकाडमिक्स में चर्चा करने वाले और यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग, यूके में एक कार्यशाला, टिचिंग फेमिनिज्म्स, टaंसफोर्मिंग लाईव्सः क्वेश्चन्स ऑफ आईडेंटीटी, पेडागॉजी एण्ड वॉयलेंस इन इंडिया एण्ड यूके में काम्य चौधरी द्वार 'बेइंग' ब्राउनः एन इंटरसेक्शनल अकाउंट ऑफ आईडेंटिटी एण्ड दी पोस्ट ग्रेजुएट एक्सपीरियंस इन दी यूके में पैनल मे चर्चा करने वाले थे।

हनी ओबेरॉय वहाली कम्युनिटी कॉन्सेप्ट, 2017 में साइकोएनालिसिस पर अमेरिकन साइकोएनालिटिक सोसायटी के उपसमिति के सदस्य थे।

—— एड्वॉरी बोर्ड, साइकोएनालिटिकएंड सीरीज ऑन चाइल्डहुड एंड यूथ, यूएसए, 2017 के सदस्य थे।

—— 30–31 जनवरी, 2017 को नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेस, बैंगलोर, भारत में थेरेपी रूम में मनोविश्लेषणात्मक अवधारणाओं का उपयोग करते हुए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

—— ने दिनांक 10 मई 2017 को साइकोअनैलसस इंडिया, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित रिड्रीमिंग फ्रायड इन्टरप्टिड ड्रीमः साइकोअनैलसस एज अ वकेशन नामक चौथा फ्रायड मेमोरियल लेक्चर दिया।

कृष्णा मेनन इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ़ पॉलिटिक्स http://www.ifjpjournal.org/, 2017 के एसोसिएट एडिटर रहे और इंटरनेशनल फेमिनिस्ट जर्नल ऑफ़ पॉलिटिक्स, 2018 के सहकर्मी समीक्षक भी रहे।

—— ने दिनांक 10 अप्रैल, 2017 को यूजीसी—यूकेआईईआरआई परियोजना के भाग के रूप में एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में मेडियम्स ऑफ नॉलेज प्रोडक्शन सत्र अध्यक्षता की।

—— दिनांक 16 मई 2017 को नई दिल्ली में प्राइमरी प्रीवेन्शन ऑफ वॉयलन्स अगैन्स्ट वुमन ऑफ एथ्निक माइनर्टी कम्न्युटीज पर प्रज्ञा (यून ट्रस्ट फण्ड) द्वारा आयोजित परामर्श कार्यशाला में मुख्य अतिथि और अध्यक्ष रहे।

—— ने 1 जून, 2017 को राष्ट्रीय महिला आयोग, नई दिल्ली के नए अनुसंधान निदेर्शों की कार्यसूची तैयार के लिए परामर्शी बैठक में भाग लिया।

—— ने 9, 10 अक्टूबर, 2017 को लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी में 92वें फाउंडेशन कोर्स में 'ग्रामर ऑफ डेमोक्रेसी' पर व्याख्यान की एक श्रृंखला प्रस्तुत की।

—— ने 24 नवंबर, 2017 को सेंट टेरेसा कॉलेज (स्वायत्त), एर्नाकुलम, केरल में दक्षिण एशियाई नारीवाद पर विशेष ध्यान देने के लिए 'ट्रांसनेशनल फेमिनिज्म' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— 29 नवंबर, 2017 को 'इंडियन डिफेंसेस फोर्स—जेंडर एंड पीसकीपिंग ऑपरेशन्स' पर एक परियोजना के लिए रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान, डीआरडीओ में विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए।

—— ने 14 दिसंबर, 2017 को नई दिल्ली में वर्ष 2018—19 की अनुसंधान परियोजनाओं पर सलाह देने के लिए लैगिक अध्ययन विभाग, एनसीईआरटी की विभागीय सलाहकार बैठक में भाग लिया।

—— ने 18 दिसंबर, 2017 को कॉमनवेल्थ ऑफ यूनिवर्सिटीज एसोसिएशन, नई दिल्ली के सहयोग से डब्ल्यूएसडीसी दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशाला, जेंडर मेनस्ट्रीमिंग एण्ड रिसर्च ऑन वीमैन्स इश्यूज में संसाधन व्यक्ति के तौर पर 'व्हाट इज फेमिनिस्ट थ्योरी' प्रस्तुत की।

—— ने 19 जनवरी, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, में ईयू द्वारा समर्थित मार्ग, के सहायोग में सीएएफआई, मणिपुर गन सर्वाइवर्स नेटवर्क, नॉर्थईस्ट इंडिया इनिशिएटिव फॉर पीस द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन डीपनिंग डायवर्सिटी, वीमैन्स राईट्स एण्ड डेमोक्रेसी में 'डेमोक्रेसी एंड डायवर्सिटी' मुख्य संबोधन किया।

—— दिनांक 19 जनवरी, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दिल्ली मैटर्स, श्रृंखला के एक भाग के रूप में 'पुलिसः सुरक्षा, अपराध और दिल्ली में महिला सुरक्षा' एक पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट रहे।

—— 25 जनवरी, 2018 को इतिहास विभाग, लेडी श्री राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक कार्यशाला 'मेकिंग एन आरगोमेंट' में वक्ता थे।

—— ने 20 फरवरी, 2018 को एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में 'फेमिनिस्ट एक्सप्लोरेशंस ऑफ कंटेम्परारी साउथ एशिया' पर क्रिसिटल मैकमिलन व्याख्यान दिया।

—— ने 19 मार्च, 2018 को आईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध वीआईपीएस में कानून के छात्रों के लिए 'नारीवाद का इतिहास' विषय पर व्याख्यान दिया।

लोवितोली जिमो ने 4 सितंबर, 2017 को सीएसएसएस/एसएसएस, जेएनयू, नई दिल्ली में पाठ्यक्रम 'ट्राइब्स इन इंडिया' के लिए 'अंडरस्टैंडिंग द ट्राइब्स इन नॉर्थईस्ट इंडिया' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 27 अक्टूबर, 2017 को मासिक संगोष्ठी श्रृंखला, नॉर्थ ईस्ट इंडिया स्टडीज प्रोग्राम (एनईआईएसपी), जेएनयू, नई दिल्ली में 'जेंडर स्ट्रेटेजीजः मैरिज विदइन एंड द एक्रास बॉर्डर्स' परएक वार्ता प्रस्तुत की।

नीतू सरीन ने 23 से 24 अप्रैल और 26–28 मई, 2018 को क्रिएटिव मूवमेंट थेरेपी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में 'थेरेप्यूटिक स्किलस इन डांस मूवमेंट थैरेपी' में एक सत्र का आयोजन किया।

रचना चौधरी *'सेज ओपन'* की लेख संपादिका थीं।

_______ ने 23 जनवरी, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज में इतिहास विभाग द्वारा आयोजित 'रीसर्चिंग द सैक्सुअल सब्जेक्ट ऑफ जुरिडिकल डिस्कोर्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

शेली पांडे ने 11 जनवरी, 2018 को शोधार्थियों के लिए आयोजित एक सर्टिफिकेट कोर्स में महिला अध्ययन एवं विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'राइटिंग इन रिसर्च' विषय पर व्याख्यान दिया।

शिफा हक ने 5–24 जनवरी, 2018 को नई दिल्ली में कालंबिया ग्रुप फोर चिल्डªन इन एडवर्सिटी एण्ड द वार टªामा फाउंडेशन द्वारा आयोजित द काबुल यूनिवर्सिटी – हेरत यूनिवर्सिटी काउंसलिंग डिग्री पार्टनरशिप में प्रतिभागियों के लिए एक कार्यशाला, माउर्निंग इन दी कान्टेक्स्ट ऑफ मिलिटराईजेशन, का आयोजन किया।

—— ने 18–20 दिसंबर, 2017 को अलबर्ग यूनिवर्सिटी और सिगमंड फ्रायड यूनिवर्सिटी, वियना में सेंटर फॉर कल्चरल साइकोलॉजी द्वारा आयोजित सेकंड इंटरनेशनल विंटर स्कूल ऑन दी मेथड ऑफ इमेजिनेशन, हिडन प्रीजेंट एण्ड विजिबल एब्सेंट में भाग लिया।

कार्यक्रम/गतिविधियाँ

नील ऑल्टमैन, रिलेशनल साइकोएनालिस्ट एवं एडजंक क्लिनिकल प्रोफेसर, पोस्टडॉक्टोरल प्रोग्राम इन साइकोथेरेपी एंड साइकोएनालिसिस, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय ने 25–28 अगस्त, 2017 को नैदानिक कार्यशालाओं का आयोजन किया।

जिलियन स्टाइल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट ने 28 अगस्त, 2017 को 'द ट्रीटमेंट फेल्ड बट द पेशेंट गॉट बैटर' विषय पर व्याख्यान दिया।

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र ने 9, 10 अम्टूबर 2017 को 'मेंटल हेल्थ एंड डिसएबिल्टी' विषय पर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम – आवाज 2017 के भाग के रूप में दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया।

साराह नेटलटन, साइकोएनालिस्ट, ब्रिटिश साइकोएनालिटिक सोसाइटी, ने 30, 31 अक्टूबर, 2017 को 'क्रिस्टोफर बोलस'स वर्क्स' पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

हनी ओबेरॉय वहाली, प्रोफेसर, मानव अध्ययन स्कूल, ने 23 नवंबर, 2017 को सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के लिए एक कार्यशाला, मनोविश्लेषणात्मक अनुसंधान विधि का आयोजन किया।

मनोचिकित्सा और नैदानिक अनुसंधान केंद्र एवं और मानव अध्ययन स्कूल ने 12–15 जनवरी, 2018 को आईआईसी, नई दिल्ली में पाँचवे अंतर्राष्ट्रीय साइकोएनालिटिक सम्मेलन, साइकोएनालटिक एक्सप्लोरेशंस ऑफ डार्कनेस इन कल्चर एंड क्लिनिकः एन इंडो–इटैलियन कन्वर्सेशन' का आयोजन किया।

एंथोनी मल्लिनो, मनोविश्लेषक ने 16 जनवरी, 2018 को 'मनोविश्लेषण और बौद्ध धर्म' विषय पर व्याख्यान दिया।

डोमिनिक मिहालिट्स, सिगमंड फ्रायड विश्वविद्यालय, वियना ने 25 जनवरी, 2018 को 'ओडिपस मीट्स गणेश' विषय पर व्याख्यान दिया।

बिन्दु के. सी. ने प्रत्येक शुक्रवार को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में 2 अगस्त, 2017 को ए स्टडी स्किल्स वर्कशाप फॉर फर्स्ट सेमेस्टर स्टूडेंटस ऑफ एम ए जेंडर स्टडीज; 4 अगस्त, 2017 को ए रीडिंग–राईटिंग वर्कशाप फॉर थर्ड सेमेस्टर स्टूडेंटस ऑफ एम ए जेंडर स्टडीज; 9 अगस्त, 2017 को ए रीडिंग–राईटिंग वर्कशाप फॉर एम.फिल. जेंडर स्टडीज स्कॉलर्स ऑफ 2017–2019 बैच; राईटिंग वर्कशॉप्स फॉर रिसर्च स्कॉलर्स, में सहयोग किया।

क्षेत्र–दौरे

मानव अध्ययन स्कूल एवं मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र ने 20–23 जनवरी, 2018 को प्रथम सेमेस्टर एम.फिल. मनोवैज्ञानिक चिकित्सा छात्रों के लिए राजस्थान के मेहंदीपुर में बालाजी के मंदिर में स्थित आस्था उपचार के स्थान पर एक क्षेत्र अध्ययन का आयोजन किया।

विद्यार्थी उपलब्धियाँ

प्रकाशन

डांग, ए., एवं सहगल, ए. सेक्सुअल हैरेस्मेंट एट वर्कप्लेसः एक्सपीरिएंसेस ऑफ वुमैन मैनेजर्स एंड ऑर्गेनाइजेशंस। *इकॉनोमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 52* (22), 49–57।

गरिमा। मदरहुड एक्सपीरियंस ऑफ डिसेबल्ड चाइल्ड। *जनकृतिः एन इंटरनेशनल मैगजीन, 3 (27)।*

बिल्खु, ए. के. (2018)। {पुस्तक की समीक्षा 'रिलिजन, जेंडर एंड सिटीजनशिपः वुमैन ऑफ फेथ, जेंडर इक्वलिटी एंड फेमिनिसंबी' एल. नयाहागेन एवं बी. हालसा}। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमनिस्टिक आइडियोलॉजी,*8 (1), 159–161.

मिश्रा, आई (2018, 29 जनवरी)। फाइंडिंग द लॉस्ट रिचनेस एंड हिस्ट्री ऑफ द नर्मदा। https://www.youthkiawaaz.com/2018/01/finding-the-lost-richness-and-history-of-the-narmada-underlying-inadequacies-of-the-state/#.Wm3-Jlhce-g.facebook से लिया गया।

दास, एस. बी. एवं यादव, आई. (2017)। *द एक्सोडस ऑफ बीइंगः रिफ्लेक्शंस ऑन ए शिपरेक्ड लाइफ।* दिल्लीः आकार बुक्स।

वर्मा, एन. के. मार्केटिंग इंडियन चिक–लिट् एंड द कंटेम्परारी फेमिनिस्ट सब्जेक्ट। *लेपीस लाजुली–एन इंटरनेशनल लिटरेरी जर्नल, 7*(2), 205–212.

यादव, एन. कंस्ट्रक्शन ऑफ बोंडा आइडेंटिटीः मैनिफेस्टेशन ऑफ रामकथा वीदिन इंडिजीनस बोंडा मिथ्स। *लोकरत्न, XI.*

प्रस्तुतियाँ

अब्दुल रहमान केसी ने 11 से 12 अक्टूबर, 2017 को कालीकट विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी 'जेंडर आईडेंटिटी इन ओरल ट्रेडीशन' में डिजायर एंड लवः वूमैन एंड मैन इन लेटर सांग्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 19–22 फरवरी, 2018 के दौरान ब्रिटेन के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में टीचिंग फेमनिजम, ट्रांस्फार्मिंग लाइफ, एक कार्यशाला में 'आईडेन्टीफाई ऑफ मेल स्टूडेन्ट डूइंग वुमेन स्टडीजः सम पेडगाजिकल रिफलैक्शंस, विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 26 मार्च से 27 मार्च, 2018 के दौरान सेंट स्टीफेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यशाला, 'एन रूटः माइग्रेशन हिस्ट्री, नरेटिव्स एण्ड टैक्नोलॉजी' में थ्रेटनिंग वाइफ एण्ड सब्जगैटिड हसबैंडः दुबई काठुपट्टू एंड द रीप्रेजेन्टेशन ऑफ एस्ट्रेंज्ड वूमैन एंड माग्रेंट मेन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनु रानी ने 18–22 2017 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक कार्यशाला, डेमोक्रेटाईजिंग स्पेस, नॉर्म्स एण्ड वैल्यूजः अंडरस्टैंडिंग फेमिनिस्ट मैथडोलॉजी में 'ए केस स्टडी ऑफ वीमैन बस कंडक्टर्स इन डेल्ही' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अश्मीत कौर बिलखू ने 17–18 फरवरी, 2017 को आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, राजनीति विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित, राष्ट्रीय संगोष्ठी, रीमैजिनिंग साउथ एशियाः एन एक्स्प्लोरेशन इनटू द हिस्टª्री ऑफ आईडियाज तथा मैंटोः सोशल एण्ड पॉल्टिकल कॉन्शियसनेस इन शॉर्ट स्टोरीज में 'फेमिनिस्ट फ्रिक्शन ऑफ इस्मत चुगताई' विषय पर दो शोध पत्र प्रस्तुत किए।

गरिमा ने 20–21 अप्रैल, 2017 को अंग्रेजी विभाग, दयाल सिंह संध्या कॉलेज द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, साहित्यिक सौंदर्यशास्त्र और संघर्ष अध्ययन, में 'सिनेमेटिक एनालिसिस ऑफ सेक्सुअल डिजायर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 6, 7 सितंबर, 2017 को मोतीलाल नेहरू कॉलेज (संध्या), में यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, आज का भारतः संस्कृति, समाज, राज्य और अर्थव्यवस्था में, 'इंडिविजुअलाईजेशन ऑफ वीमैन–सब्जेक्ट एण्ड नियो–लिबरल इकॉनोमिक पॉलिसीजः टªाजेक्टªी ऑफ कंटेंपररी वीमैन–सेंटिªक 'अल्टरनेटिव– कमर्शियल' हिन्दी सिनेमा ऑफटर 1991 और 18–22 सितंबर, 2017 को राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यूजीसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला, डेमोक्रेटिकिंज स्पेस, नॉर्म्स एण्ड वेल्यूजः अंडरस्टेंडिंग फेमिनिस्ट मैथ्डोलॉजी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 11–12 अक्टूबर, 2017 को जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय दलित साहित्य और स्त्री–चेतना' सम्मेलन में 'स्त्री–व्यक्तित्व का वैयक्तिककरणः समकालीन 'स्त्री–केन्द्रित वैकल्पिक–व्यवसायिक' हिन्दी सिनेमा का सफर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ईशा यादव ने अगस्त, 2017 को कैफे ग्रीनर, नई दिल्ली, में 'दिल्ली आर्ट स्लमः स्लम#4 55 अंडरग्राउंड आर्टिस्ट' प्रदर्शनी का आयोजन किया।

—— ने 4 नवंबर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित *'रीबोक इंडिया'* द्वारा उनके *'फिट टू फाइट टॉक्स'* मानसिक स्वास्थ्य पर एक वार्ता प्रस्तुत की और अभियान का नेतृत्व किया।

—— ने 20, 21 मार्च, 2018 को जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में दसवीं वार्षिक देवरूप बाल राष्ट्रीय छात्र संगोष्ठी में स्ट्रीट आर्टः आर्ट एंड एक्टिविज्म ऑन द वॉल' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कुंजंग अंग्मो ने 3 मार्च, 2018 को ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत में इंटर–डिसिप्लिनरी स्टूडेंट वर्कशॉप ऑन डेवलपमेंट स्टडीज (आईएसडीएस) में 'जेंडर इनइक्वैलिटी एंड मार्डनाइजेशन इन लद्दाख' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ममता देवी जी. एस. ने 26–28 मार्च, 2018 को वी.वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन द फ्यूचर ऑफ वर्क इन द मिरर ऑफ पास्ट में मूविंग बियॉन्ड लुडिडिज़्मः ऑटोमेशन इन इंश्योरेंस इंडस्ट्री एण्ड द रेस्पॉन्स ऑफ एआईआईईएः रिजिस्टन्स एण्ड रेग्युलेशन, विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नैंसी यादव ने 4–8 दिसंबर, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में आयोजित 'टीचिंग फेमिनिसंस ट्रांसफॉर्मिंग' कार्यशाला में विचारात्मक निबंध प्रस्तुत किया।

—— ने 19–23 फरवरी, 2018 को एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, यूके, में 'टीचिंग फेमिनिसंस ट्रांसफॉर्मिंग' कार्यशाला में 'इंगेजिंग विथ फेमिनिसंस, लिटरेचर एंड एथनोग्राफीः रेफ्लेक्शंस अक्रॉस डिसिप्लिन्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

नेहा वर्मा ने 24–25 जनवरी, 2018 को ओपी जिंदल विश्वविद्यालय, सोनीपत में इंग्लिश लिटरेसी सोसाइटी द्वारा आयोजित चौथे जेजीयू अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता सम्मेलन में टॉल्स्टॉय 'अन्ना केरेनीना' और मैक्सिम गोर्की 'मदर' के विशेष संदर्भ में 'चेंजिंग कॉन्सेप्टेशन ऑफ मदरहुड इन रशियन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रथा गार्कोटी ने 12 दिसंबर, 2017 को हरियाणा, भारत में एक सम्मेलन 'ए फेयर चांस फॉर एजुकेशनः जेंडर्ड पाथवेज टू एजुकेशनल सक्सस' में 'इंटरसेक्शनलिटी एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शैली ने 4 से 6 मई, 2017 को कोलंबो में 'बिल्डिंग रेसिलिएंसः डॉयलाग, कोलेबोरेशन एंड पार्टनरशिप्स अक्रॉस आवर डिफरेंस' सम्मेलन में 'सोशल कन्सट्रक्शन ऑफ बॉयहुड इन स्कूलः थर्ड वर्ल्ड वूमैन स्टडीज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 4 से 8 दिसंबर, 2017 के दौरान इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में 'टीचिंग फेमिनिज्म, लाइफ ट्रांसफॉर्मिंग' कार्यशाला में एक गोलमेज सत्र के दौरान 'फेमिनिस्ट पेडैगॉजी–चैलेन्ज एण्ड आपचुर्निटी, विचारात्मक निबंध प्रस्तुत किया।

—— ने 19 से 22 फरवरी, 2018 में ब्रिटेन के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में रिफलैक्शन ऑन टीचिंग टीचर्स–क्वेस्चन ऑफ जेंडर इन इंडियन क्लासरूम्स, टीचिंग फेमिनिज्म, लाइफ ट्रांसफॉर्मिंग, कार्यशाला में एक शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

सुतनुका भट्टाचार्य ने 15–17 सितंबर, 2017 को जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में सफ्फो फॉर इक्वेलिटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय क्वीअर कॉन्फ्रेंस, प्रैक्सिस, पॉलिटिक्स, पासिबिलिटिज में 'ऑफ आईडेंटिटिज, राइटस एण्ड सब्जेक्टिविटीजः अंडरस्टेंडिग एवरीडे पॉलिटिक्स ऑफ ट्रांस–मैस्कुलीन इंडिविजुएल्स इन वेस्ट बंगालविषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वर्निका तनवानी ने 30 अक्टूबर, 2017 को इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर विमेन दिल्ली विश्वविद्यालय में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, द फ्रेग्मेंटेड सेल्फः एन इंटरडिसिप्लीन एक्स्प्लोरेशन इनटू द नोशन्स ऑफ सेल्फ एण्ड आईडेंटिटी इन कंटेंपररी लाईफ में 'द साइक्लिकल प्रोसेस ऑफ इमिटेशनः हाउ सेट सिस्टम्स ऑफ वेलिडेशन इन माडर्न एज आर लीडिंग टू द लॉस ऑफ इंडिविजुएलिस्टिक आईडेंटिटी विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 9 फरवरी, 2018 को सेंट जेवियर्स कॉलेज (स्वायत्त), में सार्वजनिक नीति विभाग, नीति–संवाद के वार्षिक शैक्षिक सम्मेलन में अंतर–धार्मिक संबंधों में सत्ता, पदानुक्रम और प्रमुखता की राजनीति विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 19 मार्च, 2018 को राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी, द चेंजिंग कल्चरल नेरेटिव ऑफ डेल्ही में 'री–रीडिंग द कल्चरल ऑफ हिन्दू सिंधीजः ट्रैसिंग द ट्राजेक्टरी ऑफ दी चेंजेस इन दी लैंग्वेज एण्ड क्लॉथिंग ऑफ दी माईग्रेन्ट कम्यूनिटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

विकास सिंह ने 17–18 फरवरी, 2018 को स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, वाराणसी में छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एल्कैमी ऑफ लीडरशिप फॉर इनोवेशन एण्ड सस्टेनेबिलिटी में 'लीडरशिप एण्ड वीमैनः एन एनॉलिसिस ऑफ द वर्क आफ अश्विनी अय्यर तिवारी विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

2.8. कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल

कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (एसएलजीसी) का उद्देश्य कानून, संस्कृति, राजनीति और सामाजिक संरचनाओं के गहन और जटिल बातचीत पर एक अन्तर्विषयक दृष्टिकोण प्रदान करना है। कानून को कानूनी अभ्यास के एक क्षेत्र के रूप में या वकील और कानूनी विद्वानों के लिए आरक्षित ज्ञान के रूप में कानून के प्रशोधन के बजाय, स्कूल कानून को एक रचनात्मक और सहयोगी अभ्यास के रूप में मानता है। स्कूल ने 2017—18 में अपना पहला एमए कार्यक्रम (एमए इन लॉ, पॉलिटिक्स एंड सोसाइटी) शुरू किया, जिसमें विविध विषयी पृष्ठभूमि के 34 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया था।

एम.ए. कानून, राजनीति एवं समाज

हमारा पहला कार्यक्रम कानून, राजनीति एवं समाज विषय में स्नातकोत्तर है। यह कार्यक्रम इस आधार पर बनाया गया है कि आधुनिक भारत की बेहतर समझ को आकार देने के लिए कानून एवं राजनीति के प्रतिच्छेदन पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय की अंतर्विषयक छात्रवृत्ति के लिए प्रतिबद्धता पर विचार करते हुए, स्नातकोत्तर कार्यक्रम में विधि को केवल एक विधिक विषय के रूप में ही नहीं अपितु सामाजिक विज्ञान और मानविकी के एक भाग के रूप में शिक्षण के नए तरीके तलाश करने का प्रयास किया जा रहा है। लेकिन प्रमुख कानूनी, साहित्यिक विद्वान स्टैनली फिश की भावनाओं ''अंतर्विषयक होना बहुत ही कठिन काम है'' को मुखरित करने के लिए, यह विशेष रूप से तब सच है, जब दोनों छात्र समूह के साथ—साथ संकाय एक या दो नहीं बल्कि 5 से अधिक 6 विषयों से आएं। अतः कार्यक्रम का पहला वर्ष संकाय और विद्यार्थियों के लिए भी सीखने का एक अविश्वसनीय अनुभव रहा है और इससे स्कूल के सदस्यों को वर्ष के अंत में यह महसूस करने की अपार संतुष्टि मिलती है कि वे एक प्रयोग के लिए सामूहिक रूप से जिम्मेदार है जिससे संभवतः देश में उन्नत कानूनी अध्ययन के नए मानक स्थापित होंगे।

उपलब्धियाँ / सम्मान / पुरस्कार

लॉरेंस लियांग को सामाजिक विज्ञान 2017 के लिए इन्फोसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रस्तुतियाँ

अनुज भुवानिया ने 15 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक लोकतंत्र में, (उच्चतर शिक्षा में भारत—जर्मन भागीदारी के तहत यूजीसी द्वारा प्रायोजित) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'इंडियाज ऑथोरिटेरियल पॉल्यूज़्म एण्ड इट्स ट्रांसफोर्मेटिव कंस्टिट्यलिज्म' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अनुष्का सिंह ने 15 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक लोकतंत्र में, (उच्चतर शिक्षा में भारत—जर्मन भागीदारी के तहत यूजीसी द्वारा प्रायोजित) जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 'इंडियाज मीनिंग्स, इटरेशन्स एण्ड कान्सेक्वेंसेसः ए स्टडी ऑफ लॉज ट्रावेल्स इन द प्रोसेस ऑफ इट्स एनफोर्समेंट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पूजा सतयोगी ने 6 जनवरी, 2018 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में दक्षिण एशिया में पॉलिसी निर्माणः शासन की कशमकश और प्रतिभागी समुदाय बनाना संबंधी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फिक्सिंग नेम एंड ब्लेमः ए केस फॉर ए हाईटेंड इंडिविजुएशन ऑफ रेस्पांसिबिलिटी इन डेल्ही पुलिस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 01 फरवरी, 2018 को आईआईटी हैदराबाद में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एग्जामिनिंग द 'न्यू' इन किनशिप एंड फैमली इन साउथ एशिया' में इंनीमेट सीक्रेट ऑफ लव द डिस्क्लोज नैरेटिव्स ऑफ एक्सपीरिएंसः एवीडेंन्टरी प्रोटोकॉल्स इन द कम्पोजीशन ऑफ क्रिमिनल केसेज ऑफ 'डोमेस्टिक क्रूएलिटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 9 मार्च, 2018 को भारतीय विधि संस्थान, दिल्ली में 'लॉ, पुलिस एंड 'डोमेस्टिक क्रुएल्टी': रीमैटरियलाइजिंग रिटन कम्प्लेंट्स फ्रॉम ओरल नैरेटिव्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सौम्या उमा ने 16 जनवरी, 2018 को मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में आयोजित सम्मेलन 'अंडरस्टैंडिंग इक्वल ऑपचुर्निटीज–कॉन्सेप्ट्स एंड प्रैक्टिस' में इक्वल ऑपचुर्निटी फॉर वूमैन एट द वर्कप्लेसः इश्यूज एंड चैलेंज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सिद्धार्थ नरेन ने 23 अक्टूबर, 2017 को द सॉलिडैरिटी फाउंडेशन और निम्हंस, बेंगलुरु द्वारा आयोजित संगोष्ठी में 'इंटरसेक्स राइट एंड द लॉ' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 22 फरवरी, 2018 को आर्काइव कान्स्टलेशन, 13वें फोरम एक्सपेंडेड, बर्लिन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'कामराः क्वीर आर्काइव एंड विजुअल ज्यूरिसप्रूडेंस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने दिनांक 16 मार्च, 2018 को सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटीज, दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन, 'इंटरसेशियन कन्वर्सेशनः इंटरसेशियन कन्वर्सेशनः मीडिया एंड पॉलिटिक्स इन इंडिया एंड टर्की' में 'मीडिया सर्कुलेशन, पॉलिटिकल मॉबलाइजेशन एण्ड वॉयलन्सः द लीगल रेग्युलेशन ऑफ ऑनलाइन स्पीच इन इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अनुष्का सिंह 23 फरवरी, 2018 को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में राष्ट्रीय संगोष्ठी 'लॉ, जुडीशरी एंड आईडिया ऑफ सोशल जस्टिसः रेलेवंस एंड चैलेंजेज' में संसाधन व्यक्ति थीं।

सिद्धार्थ नरेन ने 22 मार्च, 2018 को सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के अकादमिक सम्मेलन द वेब एंड द वर्ल्डः लाइफ इन द एज ऑफ इंटरनेट' में, सोशल मीडिया, लॉ एंड टेक्नॉलाजीः कन्टेम्पोरेरी कनसर्न' पर मुख्य संबोधन दिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

स्कूल ने एक नियमित सामूहिक परिचर्चा श्रृंखला शुरू की जिसमें इसने प्रमुख कानूनी विद्वानों, सामाजिक वैज्ञानिकों, कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों कों वार्ता के लिए एवं साथ ही साथ छात्रों के साथ बातचीत करने हेतु आमंत्रित किया। वर्ष 2017–18 में आयोजित वार्ता की सूची निम्नलिखित हैः

अरविंद नरेन, जिनेवा निदेशक, एआरसी इंटरनेशनल, ने 8 अगस्त, 2017 को 'रेडिकल कॉस्टीट्यूशनलिस्मः टूवर्ड्स एन अम्बेडकरीते ज्यूरीसप्रूडेंस' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

क्रिस्टन सेलर्स, विधि संकाय, द चाइनीज यूनिवर्सिटी ऑफ हॉन्गकॉन्ग ने 24 अगस्त, 2017 को 'वेजिंग वार अगेंस्ट द किंगः होब्बेसियन थीम्स एट द रेड फोर्ट ट्रायल' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

मयूर सुरेश, व्याख्याता, एसओएएस, लंदन ने 29 अगस्त, 2017 को 'ए डेडली इम्ब्रेसः द प्लेस ऑफ द पुलिस इन ए टेरेरिज्म ट्रायल' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

पवन सिंह, डीकिंग यूनिवर्सिटी, द ऑस्ट्रेलिया–इंडिया इंस्टीट्यूट, मेलबर्न ने 5 सितंबर, 2017 को 'प्राइवेसी इन इंडियाः ए ब्रीफ सोशल हिस्ट्री ऑफ ए लीगल कॉन्सेप्ट' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

लॉरेंस सुरेन्द्र, विजिटिंग प्रोफेसर, चूलॉन्गकोर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक ने 15 सितंबर, 2017 को 'फेलियर ऑफ गवर्नेंस एंड इकोलॉजिकल चैलेंजेजः आर वी रनिंग अवे?' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

अदिति सराफ, इंस्टीट्यूट फॉर सोशल एंड कल्चरल एंथ्रोपोलॉजी, लुडविग–मैक्सिमिलियंस यूनिवर्सिटी, म्यूनिख ने 30 जनवरी, 2018 को फ्रंटियर्स सिग्नेचरः ट्रेड एंड टेरीटरी इन कश्मीर' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

अनुष्का सिंह द्वारा 13 फरवरी, 2018 को 'सेडीशन ऑन लिबरल डेमोक्राइसेस' पुस्तक चर्चा में अरुद्र बूरा, आईआईटी दिल्ली, अपर्णा चंद्रा, एनएलयूडी, सिद्धार्थ नरेन, एयूडी, अनुष्का सिंह, एयूडी पैनलिस्ट थे।

शेफाली मल्होत्रा, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी, और शिवांगी त्यागी, एडवोकेट, ने 6 मार्च, 2018 को 'द मनी बिल्स कॉन्डम' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

रीता मनचंदा, साउथ एशिया फोरम फॉर ह्यूमन राइट्स, ने 20 मार्च, 2018 को 'इक्वल' सिटीजनशिप एंड बिलॉन्गिग' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

उषा रमानाथन, स्वतंत्र शोधकर्ता, ने 28 मार्च, 2018 को यूआईडी परियोजना की कई महत्वाकांक्षाओं के बारे में एक वार्ता प्रस्तुत की।

2.9. लेटर्स स्कूल

लेटर्स स्कूल (एसओएल) की शुरूआत 2017 में हुई। यह स्कूल मानविकी साहित्य से संबंधित व्यापक अंतर्विषयक पाठ्यक्रम एवं कार्यक्रम की सुविधा प्रदान करता है जो साहित्य, संस्कृति, भाषा और मानविकी के ऐतिहासिक एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अर्थों का समर्थन, प्रोत्साहित और पुनः परिभाषित करता है।'लेटर्स' साहित्य को दर्शाता है, लेकिन इस उदाहरण में, मौखिकता, लेखन, पठन, सुनना और संवाद स्थापित करना, अर्थात् जीवित गतिविधियों और न केवल ग्रंथों और उनकी व्याख्याओं के संग्रह को आमंत्रित करना है। शब्द 'लेटर्स' मौखिकता और लेखन, व्यक्ति और सामूहिक के बीच कई संबंधों का द्योतक है। यह मानविकी के विचार के लिए एक मौलिक प्रासंगिकता की मांग करता है, जो एक तरह से दार्शनिक और ऐतिहासिक रूप से जागरूक हो और जो कि व्यक्तिवाद के सवाल को संबोधित करने के लिए हो।

यह स्कूल एक खुले मंच के रूप में खुद को प्रस्तुत करता है जहाँ समाज एवं इसके अवयवों के साथ लगातार संवाद की स्थिति बनी रह सकती है। स्कूल यह आशा करता है कि साहित्य का अध्ययन सदैव समाज के परिप्रेक्ष्य में किया जाएगा जो संशयवाद को प्रोत्साहित करेगा जिससे विचार एवं विमर्श का एक बेहतर माहौल निर्मित होगा। यह अपनी पहुँच को विस्तृत एवं नवीन रखने का लक्ष्य लेकर चलता है जो मुख्यधारा के साहित्य को भी नए नजरिए से और व्यापक परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित कर सकेगा। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम जिंदगी के सभी पक्षों को व्यापक एवं नवीन दृष्टि से देखने को प्रेरित करता है। अंग्रेजी, हिन्दी तथा तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन, अनुशासनात्मक धाराओं के रूप में मोटे तौर पर हमें अपने समय और हमारी आधुनिकता को समझने की दिशा में निर्देशित किर सकते हैं, क्योंकि हम इसे विशेष रूप से भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के भीतर अपने शैक्षणिक और 'सांसारिक' कार्यों में शामिल करते हैं। अलग–अलग विषयों में निहित रहने के दौरान, स्कूल का लक्ष्य एक स्थान के रूप में कार्य करना है, जहाँ सहयोगी और एकीकृत दृष्टिकोण अंतर–अनुशासनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं और उन्हें सक्षम करते हैं।

एम.फिल. एवं पीएच.डी.: तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन

इस शोध कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य साहित्य को एक भिन्न अनुभव के रूप में देखना है जिसमें संस्कृति, राष्ट्र एवं अस्मिता मूलक बोध का अनुभव किया जा सके। जहाँ मूल पाठ के अध्ययन से पाठ के मुख्य पहलुओं का पता चलता है, वहीं हमारे शोधार्थी से यह आशा की जाती है कि वह साहित्य एवं समाज विज्ञान के मूल पाठ के अनुवाद एवं मूल पाठ का तुलनात्मक अध्ययन कर एक बेहतर निष्कर्ष पर पहुँच सके। यह कार्यक्रम अनुवाद कार्य को प्रोत्साहित करेगा तथा इसके महत्व को समझाने की भी कोशिश करेगा जिससे साहित्य के ज्यादा से ज्यादा भाषाओं में विस्तार एवं पाठ उपलब्ध कराया जा सके, यह मुख्य रूप से भारतीय तथा दक्षिण एशियाई साहित्य के अनुवाद पर केन्द्रित रहेगा।

पीएच.डी. अंग्रेजी

अंग्रेजी में पीएच.डी. कार्यक्रम में शोधार्थियों को अंतर्विषयक प्रणाली में प्रशिक्षित करने की कोशिश करता है तथा शोध कार्यों में प्रवृत रखता है। अनुसंधानकर्ता से अपेक्षा की जाती है कि वह अपने अनुसंधान से संबंधित आलोचनात्मक, पाठात्मक एवं दार्शनिक अवधारणा की पूर्ण जानकारी प्राप्त करेगा। प्रखर विवेचनात्मक विचारशीलता और अध्ययन कौशल विकसित करने के अलावा, यह कार्यक्रम शैक्षिक लेखन की सुविधा देगा और साहित्यिक तथा सांस्कृतिक विकास की एक व्यापक श्रृंखला के विभिन्न दृष्टिकोण विकसित करेगा। चूंकि कार्यक्रम का दृष्टिकोण पाठ के एक व्यापक और स्पष्ट समझऔर स्वयं साहित्य पर टिका है, इस कार्यक्रम से पढ़ने, प्रश्न करने, विश्लेषण और सांस्कृतिक उत्पत्तियों और इन उत्पत्तियों के पीछे होने वाली प्रक्रियाओं पर किसी की प्रतिक्रियाओं को मौलिक लाभ मिलेगा।

एम.फिल. एवं पीएच.डी. हिन्दी

अकादमिक वर्ष 2017 से हिन्दी साहित्य में एम.फिल. एवं पीएच.डी. कार्यक्रम का संचालन लेटर्स स्कूल के अंतर्गत किया जा रहा है।

एमए अंग्रेजी

अंग्रेजी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम अनुवाद में साहित्य सहित ब्रिटिश साहित्य एवं अंग्रेजी में अन्य साहित्य के बीच पदानुक्रम की समाप्ति को प्रस्तावित करता है। यह साहित्य के उस महत्व को ध्यान में लाना चाहता है, जो कम ज्ञात भाषाओं और क्षेत्रों से संबंधित है। विश्वविद्यालय के समग्र दृष्टिकोण को मजबूत करते हुए, यह कार्यक्रम छात्रों को संलग्न करने की ओर और उन्हें चिंतनशील शोधगतिविधियों की ओर उन्मुख करने की अपेक्षा करता है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

सत्यकेतु सांकृत, प्रधान अन्वेषक। (20वीं शताब्दी के अंतिम दशक से लेकर 21वीं सदी के आरंभिक दशकों के विशेष संदर्भ) में परिसर जीवन का चित्रण पर हिन्दी उपन्यास। एयूडी, एसएमजीएफआर स्कीम द्वारा वित्त पोषित (रु. 100,000; 8 महीने; जारी)।

शाद नवेद, प्रधान अन्वेषक। द इंडू–इस्लामिक मिलेनियमः फ्राम मनुस्क्रिप्ट टू टीचिंग टूल। एयूडी द्वारा वित्तपोषित (रु. 650,000; 2 वर्ष; जारी)।

सम्मान / उपलब्धियाँ / पुरस्कार

निर्णायक मंडल की सदस्य राधारानी चक्रवर्ती को साहित्य अकादमी अनुवाद पुरस्कार, 2017 मिला।

_______ 2017 से आज तक केंद्र समिति, सीईएस, एसएलएलसीएस, जेएनयू की सदस्य हैं।

_______ भाषा और साहित्य में ज्ञान पाठ्यक्रम में सलाहकार हैं।

सत्यकेतु सांकृत को 17 जनवरी, 2018 को कथा, यूके लंदन द्वारा प्रवासी साहित्य अलोचक सम्मान से सम्मानित किया गया।

_______ 9–13 अक्टूबर, 2017 को भाषा शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी में हिन्दी पाठ्य पुस्तकों के लिए ई–सामग्री की कथानक (स्क्रिप्ट) को विकसित करने और वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए एक विशेष सदस्य थे।

_______ 9, 10 नवंबर, 2017 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली में एनईटी विषयः हिन्दी के पाठ्यक्रम (सिलेबस) के संशोधन में एक विशेष सदस्य थे।

प्रस्तुतियाँ

बोध प्रकाश ने 23 अगस्त, 2017 को साओ पाउलो विश्वविद्यालय, ब्राजील द्वारा आयोजित गोलमेज 'हिस्टोरिकल कंटीन्यूटीज एंड डिसकंटीन्यूटीज' में 'नेशन, आडेंटिटी एंड क्रिएटिव रीप्रेजेंटेशन्स ऑफ पार्टीशन इन इंडिया एंड आयरलैंड' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 3 जनवरी, 2018 को आईआईटी खड़गपुर में इंडिया@70 राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लुकिंग होम इन पाकिस्तानः द मुहाजिर डिलेमा' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डायमंड ओबेरॉय वहाली ने 21 अप्रैल, 2017 को दयाल सिंह (संध्याकालीन) महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय में इसके अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंतिजार हुसैन के *'द सिटी ऑफ सॉरो'* के विश्लेषण के साथ 'साहित्यिक सौंदर्यशास्त्र और संघर्ष के अध्ययन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 30 अक्टूबर, 2017 को मनोविज्ञान विभाग, इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द फ्रैग्मेंटेड सेल्फः एक इंटरडिसिप्लिनरी एक्स्प्लोरेशन इन्टू द नोशन्स ऑफ सेल्फ एंड आईडेन्टिटी इन द कंटेम्पोररी लाइफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बिट्रेयल एंड इरोशन ऑफ सेल्फः रीडिंग रित्विक घटक्स मेघे ढाके तारा विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 'बिटवीन डार्कनेस एंड लाइटः एन इमर्जेंस; रीडिंग काया तरण' विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया, जो कि सिक्खों के खिलाफ वर्ष 1984 के दंगों पर बनी एक फिल्म पर आधारित था, जिसे 5वें अंतर्राष्ट्रीय साइकोएनालिटिक कॉन्फ्रेंस, साइकोएनालिटिक एक्स्प्लोरेशन ऑफ डार्कनेस इन कल्चर एंड क्लिनिकः एक इंडो–इटालियन संवाद के तहत प्रस्तुत किया गया और इसे मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र एवं मानव अध्ययन स्कूल, एयूडी द्वारा इटैलियन साइकोएनालिटिक सोसाइटी, द इंडियन चौप्टर ऑफ इंडियन साइकोएनालिटिक सोसाइटी और साइकोएनालिसिस इंडिया, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 13 जनवरी, 2018 को आयोजित किया गया।

—— ने 10 फरवरी, 2018 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित सहिष्णुता और कट्टरताः अंग्रेजी में भारतीय साहित्य में प्रतियोगी, आईएसीएलएएलएस के अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में

'वॉइलेंस, ह्यूमिलिएशन एंड डिस्अपियरेंसः एन एनालिसिस ऑफ पंजाब 1984' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 22 मार्च, 2018 को अंग्रेजी विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय उपमहाद्वीप के/भारतीय उप–महाद्वीप में साहित्यिक और सिनेमाई रीमेक/पुनःप्रस्तुतिकरण के माध्यम से सिंध पर विशेष फोकस के साथ' में 'द एंग्स्ट ऑफ एक्साइलः रित्विक घटक एंड बेंगाल पार्टिशन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

गुंजीत अरोड़ा ने 'रोल्स ऑफ कन्फर्मिटी एंड ट्रांसग्रेशनः एक्स्प्लोरिंग द कॉम्प्लेक्सिटीस ऑफ फीमेल आइडेंटीटी इन शिव कुमार बताल्वीस लूना' विषय पर अपना शोध–पत्र प्रस्तुत किया, जिसे पैनल के हिस्से के रूप में द मल्टीपल लोकेशन्स ऑफ मार्डन पंजाबी लिटरेचर, एसोसिएशन ऑफ एशियन स्टडीज वार्षिक सम्मेलन के दौरान दिनांक 18 मार्च, 2017 को द शेराटॉन सेंटर टोरंटो होटल, टोरंटो, ओंटारियों, कनाडा में आयोजित किया गया।

—— ने 18 अगस्त, 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकूवर, कनाडा में भाई वीर सिंह (1872–1957): रिथिंकिंग लिटररी माडर्निटी इन कॉलोनियल पंजाब पर कार्यशाला/सम्मेलन में 'भाई वीर सिंह एंड माडर्न पंजाबी ड्रामाः एन एनालिसिस ऑफ द प्ले राजा लखदाता विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

राधारानी चक्रवर्ती ने 22 फरवरी, 2018 को बंगला अकादमी, ढाका, बांग्लादेश द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ट्रांसलेशन एंड साउथ एशियन लिटरेचर टूडे' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 28 फरवरी, 2018 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी, साहित्य और राजनीति में 'वॉयलेंट वर्ल्ड्सः ट्रांसलेशन, लिटरेचर एंड पॉलीटिक्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 16 मार्च, 2018 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वर्ल्ड लिटरेयरः पोस्टकोलोनिकल पर्सपेक्टिव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वर्ल्ड लिटरेयरः ट्रांसलेशन इन ए कन्टेंम्पोरेरी फ्रेम' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संजू थॉमस ने 6 जुलाई, 2017 को एसओएएस, लंदन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एशियन ट्रांसलेशन ट्रेडिशन सम्मेलन 8 (एटीटी8) में मार्केटिंग चेम्मेनः ए स्टोरी ऑफ टू ट्रांसलेशन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 8 मार्च, 2018 को राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, मैसूर द्वारा आयोजित ट्रांसलेशन एंड नॉलेज सोसाइटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द राइटर एज ट्रांसलेटरः सेल्फ–ट्रांसलेशन इन ओ.वी. विजयन्स द लेजेंड ऑफ खसक' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शाद नवेद ने 23 दिसंबर, 2017 को स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रिकन स्टडीस तथा दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में कंपेरिज़न एज रिलेशनःमल्टिलिंगुअल लिटररी रिजन्स एंड कंपेरेटीव कोलोनियलिस्म पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'गज़ल एज लिरिक्सः टूवर्ड्स अ वर्ल्ड लिटररी हिस्ट्री ऑफ द ओरिएंट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 15 मार्च, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजित वर्ल्ड लिटरेचरः पोस्ट कॉलोनियल पर्सपेक्टिव के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द इंडो–स्लामिक एरोटिकः ए व्यू फ्रॉम द ग्लोबल क्लासरूम' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शेलमी सांखिल ने 23 जुलाई, 2017 को चियांगमाई, थाईलैंड में एशिया विद्वानों के दसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'टूवड्र्स एन इंडीजीनियस पोएटिक्स ऑफ नार्थईस्ट इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 2 अक्टूबर, 2017 को एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, विषय पर किया गया जो कि नृविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर भारत में पर्यावरण, सतत विकास एवं भावी दृष्टिकोणः एमिक एवं एटिक डायनामिक्स पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रीकॉन्सेप्चुएलाइसिंग कल्चर एंड आईडेंटिटी फॉर एन इन्क्लूसिव डेवलपमेंट इन मणिपुरः एन ऑटोएथनोग्राफिक पर्सपेक्टिव' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

डायमंड ओबेरॉय वहाली ने एक सत्र 'नैरेटिव्स इन ब्लाइन्डस्पॉट' की अध्यक्षता की जो रीडिंग माइग्रेशन्सः फ्रैक्चर्ड हिस्टोरीस, फोर्जड नैरेटिव्स विषय पर तीसरे राष्ट्रीय अंतरविषयी सम्मेलन के दौरान अंग्रेजी विभाग, महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 20 और 21 मार्च, 2017 को आयोजित किया गया।

—— ने 20 फरवरी से 1 मार्च, 2018 को सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित कार्यशाला 'रिसर्च मेथड्स' में 'लाइफ राइटिंग एंड मेमोरी स्टडीज' सत्र का आयोजन किया।

गुंजीत अरोड़ा 23 फरवरी, 2018 को विश्वविद्यालय में आयोजित युवा अनुसंधानकर्ताओं के सम्मेलन 'बियॉन्ड द आइकॉनः अम्बेडकर्स लीगेसी फॉर अवर टाइम्स' में सम्मेलन समन्वयक थीं।

राधारानी चक्रवर्ती ने 16 मार्च, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय फिल्म कांग्रेस में 'द फैमिलियर एंड द एक्जाटिक' सत्र की अध्यक्षता की।

—— ने 5 मई, 2017 को साहित्य अकादमी, दिल्ली में टैगोर की वर्षगाँठ के व्याख्यान में 'ए हंड्रेड डिफरेंट लैम्प्सः रबीन्द्रनाथ टैगोर द पोलीमठ' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 27 जनवरी, 2018 को जयपुर साहित्य महोत्सव में 'रीडिंग फ्राम सिक्स कॉन्टिनेंट्स' पैनल चर्चा का संचालन किया।

—— 28 जनवरी, 2018 को जयपुर बुकमार्क, जयपुर साहित्य महोत्सव में 'ट्रांसलेटिंग द अनट्रांसलेटेबल' पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट थे।

—— ने 8 फरवरी, 2018 को सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'ट्रांसलेशन इन टूडे'ज वर्ल्ड' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 24 फरवरी, 2018 को विश्व भारती, शांति निकेतन में 'ट्रांस्फॉर्मेटिव प्रैक्टिसेजः टैगोर एंड ट्रांसलेशन टूडे' एक पूर्ण व्याख्यान दिया तथा 'टैगोर एंड ट्रांसलेशन' सम्मेलन में कार्यशाला का आयोजन किया।

—— 19 मार्च, 2018 को लिथुआनिया दूतावास, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित 'श्लोमिथ फ्लैम और शांतिनिकेतन' पुस्तक चर्चा में पैनलिस्ट थे।

संदीप सिंह ने 1, 2 सितंबर, 2017 को डेजी फोरम ऑफ इंडिया जीबीएम ऑन एक्सेसिबल बुक प्रोडक्शन एंड हायर एजुकेशन' में भाग लिया।

सत्यकेतु सांकृत ने 29 मार्च, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिन्दी भाषा, साहित्य, मीडिया एवं रचनात्मकता विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 27 अप्रैल, 2017 को महादेवी श्रीजन पीठ, कुमाऊं में राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अप्रतिम गद्य शिल्पीः अमृत लाल नागर' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 29–31 अगस्त, 2017 को सीबीएसई, नई दिल्ली की एक गोपनीय बैठक में भाग लिया।

—— ने 26 सितंबर, 2017 को हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कुंवर नारायणः व्यकितव और कृतित्व' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 24 दिसंबर, 2017 को मध्य भारतीय हिंदी सभा, ग्वालियर में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्यिक पत्रिकाओं का योगदान' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 19 जनवरी, 2018 को शिवाजी महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सीबीसीएस 'पाठ्यक्रम अध्ययन के संदर्भ एवं पद्धतियां' पर संकाय विकास कार्यक्रम के तौर पर 'आधुनिक हिन्दी कविताः परंपरा और आधुनिकता के नए संदर्भ' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 31 जनवरी, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रसाद का गद्य साहित्यः इतिहस और यर्थार्थ के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 20 फरवरी, 2018 को महिला महाविद्यालय, काशी हिन्दू विश्व विद्यालय, वाराणसी में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिवपूजन सहाय एवं राहुल संस्क्रियायनः हिन्दी नवजागरण के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 24 फरवरी, 2018 को पटना में समीक्षा पत्रिका के स्वर्ण जयंती समारोह में मुख्य भाषण दिया।

सायनदेब चौधरी ने 17–18 जनवरी, 2018 को उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में 'रिफ्रेशर कोर्स इन इंगलिश रीडिंग लिटरेचर' विषय पर व्याख्यान दिया।

शाद नवेद ने 3 मार्च, 2018 को ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत में साहित्य अध्ययन कार्यक्रम के लिए 'गजलः सम फॉर्मल प्राब्लम्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

शेलमी सांखिल ने रुक्मिणी सेन के साथ 1 सितंबर, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित रिसर्च स्कॉलर्स कार्यशाला में 'हर्मेनटिक्स' एक सत्र किया।

—— ने 30 अक्टूबर, 2017 को सेंट स्टीफन्स कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय में 'नार्थईस्ट लिटरेरी कल्चर्स' पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

एसओएल के छात्रों और संकाय के लिए शोधकर्ताओं की सामूहिक परिचर्चा का गठन किया गया।

2 से 8 नवंबर, 2017 को टोरंटो विश्वविद्यालय से प्रो. ब्रेंडा बेक द्वारा 'इंडियन फोक एपिक्सः ए साउथ इंडियन पर्सपेक्टिव' शीर्षक नामक ज्ञान कोर्स का संचालन किया गया।

ब्रेंडा बेक, प्रोफेसर, टोरंटो विश्वविद्यालय ने लोक महाकाव्यों पर एक सप्ताह तक चलने वाली प्रदर्शनी का डिजाइन और विकास किया, जिन्होंने तमिलनाडु के अद्भुत मौखिक लोक महाकाव्य का संग्रह और दस्तावेज किया है और जिसे *'द लेजेन्ड ऑफ पोन्निवाला'* के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम ने राजस्थान के भोपा द्वारा *'द एपिक ऑफ पाबूजी'* के प्रदर्शन के माध्यम से एक और लोक परंपरा का भी जश्न मनाया, जिस पर पद्मश्री डॉ. चंद्र प्रकाश देवल द्वारा विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया गया था।

'बियॉन्ड द आइकॉनः अम्बेडकर्स लीगेसी फॉर अवर टाइम्स' शीर्षक से एक युवा शोधकर्ता सम्मेलन में शोधकर्ताओं के संघ, लेटर्स स्कूल और दसवीं अम्बेडकर मेमोरियल लेक्चर ऑर्गेनाइजिंग कमेटी द्वारा एक परिचयात्मक प्रस्तुति के रूप में संयुक्त रूप से 10वीं एएमएल के दौरान 23 फरवरी, 2018 को आयोजित किया गया।

विद्यार्थी उपलब्धियाँ

प्रकाशन

मिश्रा, अच्युतानंद (2018)। *बाजार का अरण्य में* । आधार प्रकाशनः पंचकुला।

—— (2017)। एक शम्मा है दलीले सहर (मुक्तीबोध की कविता पर), *पहल,* खंड 108। जबलपुल

—— (2017)। कविता मनुष्यता के स्पंदन का जीवित इतिहास है (कविता की परंपरा पर) *पहल,* खंड 109। जबलपुर।

—— (2017)। आजादी के बाद भारत, *पल प्रतिपल* खंड 81।

नेमिराकप्म, हेमचंद्र (2018)। ए रीडिंग ऑन हेनरिक इबसेनः द रिलक्टेंट फेमिनिस्ट। *बोधि पत्रिकाएँ,* 2 (6), 4–7।

प्रभाकर, आशुतोष कांत (2018)। रिओपनिंग द अबसर्डः सिसफस एंड द क्वेश्चन ऑफ द बींग। *बोधि पत्रिकाएँ (2),* 122–126।

स्वाति (2018)। ओरिजिन्स एंड ओरिजिन मिथ्सः रीडिंग नैरेटिव्स ऑफ द पीपल ऑफ द नॉर्थईस्ट। सोनिया मेहता एवं अन्ना सेनुरंग (सं.)। नॉर्थ ईस्ट इंडियाः द अनटैप्ड टूरिज्म इंडस्ट्री; क्रीति संस्कृति प्रकाशन।

वाग्मिता, वीक्षा (2018)। फेमिनिस्ट टेक्स्ट्स इन 'फेमिनाइन' गार्बः बुक कवर्स एज काउंटर–नैरेटिव्स। *मीडिया, कल्चर एंड एथिक्स,* मैकमिलन एजुकेशन, 28–35।

प्रस्तुतियाँ

अच्युतानंद मिश्रा ने फरवरी, 2018 को साहित्य अकादमी में 'राइटिंग पैशन ऑर प्रोफेशन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

आशुतोष कांत प्रभाकर ने फरवरी, 2018 को इंग्लिश डिविजन, स्कूल ऑफ साइन्स एंड ह्यूमैनिटीज, करूण्या इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइन्सेस द्वारा आयोजित अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिओपनिंग द अबसर्डः सिसफस एंड द क्वेश्चन ऑफ द बींग' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

हेमचंद्र नमैराक्पम ने फरवरी, 2018 को ने फरवरी, 2018 को इंग्लिश डिविजन, स्कूल ऑफ साइन्स एंड ह्यूमैनिटीज, करूण्या इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइन्सेस द्वारा आयोजित अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए रीडिंग ऑन हेनरिक इब्सेनः द रिलक्टेंट फेमिनिस्ट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने फरवरी, 2018 को शोधकर्ताओं के संघ, लेटर्स स्कूल और दसवीं अम्बेडकर मेमोरियल लेक्चर ऑर्गेनाइजिंग कमेटी अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित 'बियॉन्ड द आइकॉनः अम्बेडकर्स लीगेसी फॉर अवर टाइम्स' युवा शोधकर्ता सम्मेलन में 'अंबेडकर्स रिप्लाइ टू द महात्मा', इन द यंग रिसर्चर्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने मार्च, 2018 को दयाल सिंह सांध्य कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित 'लिम्बले'स *द आउटकास्ट* एंड दलित रजिसटेंस' राष्ट्रीय सम्मेलन में रिक्लेमिंग एंड अंडरस्टैंडिंग द दलित वॉइसेस थ्रू इट्स ऑटोबायोग्राफी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

तमन्ना चंदेल ने अमेरिकन फोकलोर सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन में 'वेन्यू, डेट, मंथ 2017' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

श्रुति एम. ने मार्च, 2018 को अंग्रेजी विभाग, दयाल सिंह संध्याकालीन महाविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित सम्मेलन शारानुमार लिम्बाले का 'द आउटकास्ट एंड दलित रेसिस्टेंस' में 'साइट्स ऑफ लिबरेशन ऑर री–फैशन्ड कास्टः ए स्टडी ऑफ द सिटी इन दलित लाइफ–नैरेटिव्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्वाति ने 28 फरवरी, 2018 को जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज (एम), दिल्ली विश्वविद्यालय में 'नेरेटिव्स बियांड द सेंटरः मार्जिनल कैरेक्टर्स इन वर्ल्ड एपिक्स' संगोष्ठी में लोकेटिंग द लॉस्ट वूमैन ऑफ रामायणः स्टडिंग मार्जिनलाइजेशन एंड साइलेंस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 15, 16 मार्च, 2018 को दौलराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित सम्मेलन 'नॉर्थ ईस्ट इंडियाः द अनटैप्पड टूरिज्म इंडस्ट्री' में ओरिजिन्स एंड ओरिजिन मिथ्सः रीडिंग नैरेटिव्स ऑफ द पीपल्स ऑफ नॉर्थईस्ट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

वीक्षा वाग्मिता ने फरवरी, 2018 को मानविकी एंव सामाजिक विज्ञान विभाग, बिट्स, पिलानी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'मीडिया, कल्चर एंड एथिक्स' में 'फेमिनिस्ट टेक्स्ट्स इन 'फेमिनाइन' गार्बः बुक कवर्स एज काउंटर–नैरेटिव्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

अच्युतानंद मिश्र को 'कविता, 2017' के लिए भारत भूषण अग्रवाल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

काव्या वाही ने 12 जनवरी से 10 मार्च, 2018 को लक्ष्मी मित्तल साउथ एशिया इंस्टीट्यूट, हार्वर्ड विश्वविद्यालय की अनुसंधान परियोजना *'लुकिंग बैक, इनफोर्मिंग द फ्यूचरः 1947 पार्टिशन ऑफ ब्रिटिश इंडिया,* में एक राजदूत के रूप में काम किया।

काव्या वाही ने 13 जनवरी, 2018 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एलआईएच) वेब–आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, *प्रोटेक्टिंग ह्यूमन रिसर्च पार्टिसिपेंट्स'* को पूर्ण किया।

काव्या वाही ने 1 दिसंबर, 2017 को फिक्की द्वारा आयोजित पब्लीकॉन 2017 में *'वर्कशॉप ऑन कैरियर इन पब्लिशिंग'* में भाग लिया।

स्वाति ने 23 फरवरी, 2018 को इंटरडिसिप्लिनरी यंग रिसर्चर्स सम्मेलन (बियॉन्ड द आइकॉनः अम्बेडकर्स लीगेसी फॉर अवर टाइम्स) में भाग लिया।

संगीता जावला ने 21 जुलाई, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के छात्रों द्वारा आयोजित, सफदर स्टूडियो में *'जट भाषा का जमाना'* नाटक में प्रदर्शन किया।

2.10. लिबरल अध्ययन स्कूल

लिबरल अध्ययन स्कूल (एसएलएस) ने अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास और समाजशास्त्र में चार एमए कार्यक्रमों और एम.फिल. और हिन्दी और इतिहास में पीएच.डी. कार्यक्रम आयोजित किए हैं। ये कार्यक्रम अत्यधिक अंतर–विषयक प्रकृति के हैं। वे अभिनव अंतर–विषयी पाठ्यक्रमों, इंटरैक्टिव शिक्षाशास्त्र और अधिगम के माध्यम से उदार कला शिक्षा में सहायक हैं, प्रोत्साहित और पुनर्परिभाषित करते हैं जिनका दायरा कक्षा से बाहर है। कार्यक्रम सामाजिक संवेदनशील अनुसंधान विकसित करने के लिए बनाए गए हैं जिनमें संबंधित ज्ञान क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ–साथ विभिन्न विषयों में संवाद करने की क्षमता हो। दिसंबर, 2017 तक, छः सौ से अधिक छात्रों ने उपरोक्त उल्लिखित स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम से अपनी शिक्षा हासिल कर ली थी। इनमें से कई स्नातक आगे के अध्ययन के लिए आए हैं, कई रोजगार में हैं, और कई स्वैच्छिक और सामाजिक कार्यों में लगे हुए हैं। वर्ष 2011 के बाद से साठ से अधिक शोधार्थियों ने उपरोक्त एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में दाखिला लिया है और उनमें से बीस से अधिक ने अपने कार्यक्रमों को पूरा किया है और उन्हें डिग्री प्रदान की गई है। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा प्रदान की गई पहली डॉक्टरल डिग्री दिसंबर, 2016 में कुमारी ज्योति गुप्ता (पीएच.डी. हिन्दी कार्यक्रम) को उनकी थीसिस 'हिन्दी लेखिकाओं की आत्मकथाओं में चित्रित स्त्री जीवन का यथार्थ' के लिए प्रदान की गई थी।

वर्ष 2017–18 में, गणित और समाजशास्त्र में नए एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू किए गए थे। वर्ष 2017 में अंग्रेजी और हिन्दी में एमए कार्यक्रम नव स्थापित लेटर्स स्कूल को प्रदान किया गया है, लेकिन ऐसे एम.फिल. और पीएच.डी. शोधार्थी, जिन्हें 2017 से पहले नामांकित किया गया, लेटर्स स्कूल के साथ बने रहेंगे। स्कूल वर्ष 2018–19 शैक्षणिक सत्र से अर्थशास्त्र में पीएच.डी. शुरू करने की भी योजना बना रहा है।

एमए अर्थशास्त्र

एमए अर्थशास्त्र कार्यक्रम का केंद्र बिन्दु आर्थिक विश्लेषण में विद्यार्थियों को दृढ़ एवं गहराई से उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करना है, जबकि यह कार्यक्रम विकासशील देशों जैसे– भारत के समकालीन आर्थिक मुद्दों को समझने हेतु छात्रों को विभिन्न कौशलों से निपुण भी करना चाहता है।

एमए इतिहास

एमए इतिहास कार्यक्रम ऐतिहासिक घटनाओं एवं प्रक्रियाओं के साथ–साथ ऐतिहासिक विश्लेषण संबंधित कौशलों अन्य विषयों संबंधित व्याख्यात्मक तकनीक और आलोचनात्मक नजरिए को जानने हेतु तैयार किया गया है। इससे विद्यार्थियों को शिक्षा के अलावा अन्य क्षेत्रों को भी समझने में मदद मिलेगी।

एमए समाजशास्त्र

ज्ञान और कौशल द्वारा विद्यार्थियों की समालोचनात्मक सोच एवं प्रतिक्रियात्मक जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु एमए समाजशास्त्र कार्यक्रम तैयार किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विषय एवं संदर्भ स्वयं तथा समाज और अतीत व वर्तमान के बीच संबंधों की ओर छात्रों का ध्यान आकर्षित करना है। इससे विद्यार्थी सामाजिक न्याय सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध होकर सक्रिय शिक्षार्थियों के रूप में विकसित हो सकेंगे।

एम.फिल. एवं पीएच.डी. इतिहास

ऐतिहासिक कार्यप्रणालियों और पद्धतियों में दृढ़ एवं केंद्रित प्रशिक्षण की व्यवस्था करने के क्रम में अनुसंधान विद्वानों की शोध सबंधी विशिष्ट आवश्यकताओं के साथ तालमेल करते हुए अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया है, ताकि स्वतंत्र रूप से रिसर्च करने के लिए उनकी क्षमता को मजबूत किया जा सके।

एम.फिल. एवं पीएच.डी. गणित

एम.फिल. कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पहले से ही शोध के मूल क्षेत्रों के साथ–साथ मूल अनुसंधान से परिचित कराना है। साथ ही पीएच.डी. कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से परिचित कराना है, और विद्वानों को अपने मूल शोध के माध्यम से अध्ययन के अपने क्षेत्रों में योगदान करने की आवश्यकता है। सभी शोधार्थियों को गणित के शैक्षणिक पहलुओं के साथ परिचितता सुनिश्चित करने के लिए, स्नातक स्तर पर अध्यापन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

पीएच.डी. समाजशास्त्र

समाजशास्त्र में पीएच.डी. कार्यक्रम अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के बड़े संशोधन के साथ प्रतिध्वनित होता है, जो समानता, सामाजिक न्याय और महत्वपूर्ण सोच के आदर्शों के बीच एक संवाद को दर्शाता है। यह क्षेत्र–आधारित अनुसंधान, और ज्ञान के नए मोर्चे की खोज पर ध्यान केंद्रित करता है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

उरफत अंजुम मीर, प्रधान अन्वेषक। इम्पैक्ट ऑफ प्रोट्रेक्टेड कनफ्लिक्ट सिचुएशन एंड वायलेंस ऑन मेन्टल हेल्थ ऑफ एडोलैसैंट्स इन जम्मू एंड कश्मीरः एन एथनोग्राफिक स्टडी। आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित (रु. 650,000; 2वर्ष; जारी)।

रुक्मणी सेन, सह–अन्वेषक, फेमिनिस्ट तालीमः टीचिंग फेमिनिज्म, ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स। यूजीसी–यूकेईआरआई द्वारा वित्त पोषित (रु. 9,703,651; तीन वर्ष; जारी)।

सम्मान / उपलब्धियाँ / पुरस्कार

डेनिस पी. लेटन ने प्रोजेक्ट इक्वल (भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, पहुँच और शासन, वर्ष 2013–2017) के अंतिम (चौथे) वर्ष की परियोजना कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया, जो किंग्स कॉलेज लंदन, यूके में 5 से 7 अप्रैल, 2017 तथा 10 और 11 अप्रैल, 2017 को इटली के बोलोग्ना विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया।

—— ने 11 मई, 2017 को द क्लैरिज, नई दिल्ली में ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में आईसीटी के माध्यम से नीति संवाद / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया जो गुणवत्ता और पहुँच पर आधारित था।

दीपा सिन्हा, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) में खाद्य प्रणालियों और पोषण पर रिपोर्ट हेतु विशेषज्ञों के उच्च स्तरीय पैनल की प्रोजेक्ट टीम (2016–17) की सदस्य रहीं।

गीता वेंकटरमन राष्ट्रीय उच्च गणित परिषद, डीएई, भारत सरकार द्वारा सम्मानित इंडियन वूमैन एंड मैथमेटिक्स प्रोजेक्ट की कार्यकारी समिति की सदस्य (2016–2019) रहीं।

—— मैथमेटिक्स, सीलिक्स इनिशिएटिव, टीआईएसएस, मुंबई की सलाहकार समिति की सदस्य (2016 से) हैं।

—— टेक्नालॉजी विज़न 2035–एजुकेशन सेक्टर (आईएफएसी, भारत सरकार) की सलाहकार समिति की सदस्य (2012 से) हैं।

गीता वेंकटरमन, लिटिल मैथमेटिकल ट्रेजरीज, रामानुजन मैथमेटिक्स सोसायटी (2012 से) के संपादकीय बोर्ड की सदस्य हैं।

—— एडिटोरियल बोर्ड ऑफ रेजोनेंस–जर्नल ऑफ साइंस एजुकेशन, भारतीय विज्ञान अकादमी एवं स्प्रिंगर की सदस्य रहीं। (जनवरी 2015–दिसंबर 2017)।

—— रामानुजन मैथेमेटिकल सोसाइटी की कार्यपालक समिति की सदस्य रहीं (1 अप्रैल, 2016 से 31 मार्च, 2019)।

—— 12 से 15 अक्टूबर, 2017 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल में वैज्ञानिक समिति, सिम्पोजियम फॉर साउथ एशियाई वीमेन इन मैथमेटिक्स की सदस्य रहीं।

प्रस्तुतियाँ

अनिरबान बिस्वास ने 11 अक्टूबर, 2017 को ग्रीस के औद्योगिक और ऊर्जा अर्थशास्त्र, राष्ट्रीय तकनीकी विश्वविद्यालय की प्रयोगशाला द्वारा आयोजित 15वीं ग्लोबलिक्स अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'टेक्नोलॉजिकल कैपेबिल्टी इन इंडियन मैन्युफैक्चरिंग फर्म्सः ए स्टडी ऑफ द डेटर्मिनेन्ट्स ऑफ आरएंडडी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अरिंदम बनर्जी ने 12 अक्टूबर, 2017 को लिस्बन विश्वविद्यालय में सीईएसए/आईएसईजी द्वारा आयोजित 'द पॉलिटिकल इकॉनमी ऑफ द क्राइसिस एंड इकनोमिक रिस्ट्रक्चरिंगः हिस्ट्री, डायनामिक्स, इम्प्लिकेशन्स एंड लेसंस पर आयोजित सम्मेलन में 'अंडरस्टैंडिंग द रूट्स ऑफ द ग्लोबल फूड क्राइसिस' एफए पोलिटिकल इकॉनमी एनालिसिस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——ने 21 फरवरी, 2018 को सीआईएसएलएस, जेएनयू नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'लैंड एंड लेबर क्वेशचन्स इन द ग्लोबल साउथ' सैम मोयो स्मारक सम्मेलन में 'द लॉन्गर फूड क्राइसिस एंड कॉनसेकुएंसेस फॉर इकनोमिक थ्योरी एंड पालिसी इन द साउथ' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डेनिस पी. लेटन ने 23 अगस्त, 2017 को अंग्रेजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'क्रासिंग बॉर्डर्स एक्सप्लोरिंग न्यू पैराडिगम्स ऑफ इंटरडिस्प्लिनैरिटी एंड ट्रांसनेशनलिस्म' सम्मेलन में 'सेरेंडिपिशस इंटरडिस्प्लिनैरिटी विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

धरित्री नारजरी ने 23 जुलाई, 2017 को चियांगमई, थाइलैंड में आईसीएएस–10 सम्मेलन में 'बथो एंड द नोशन ऑफ नेशनहुड अमंग द मॉडर्न बोडोस ऑफ असम' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

धीरज कुमार नाइट ने 11 दिसंबर, 2017 को सेंटर फॉर कोलोनियल एंड पोस्टकोलोनियल स्ट्डीज, लिनियस यूनिवर्सिटी, स्वीडन में ''लेबर प्रैक्टिस, वेज एंड वेलफेयर रेशियोः द कंस्ट्रक्शन वर्कर इन इंडिया (महाराष्ट्र), 1860–68'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

दीपा सिन्हा ने 29 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य संसाधन नेटवर्क, जन स्वास्थ्य आंदोलन, जन स्वास्थ्य अभियान और विश्व सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण संघ द्वारा आयोजित ''कुपोषण के दोहरे बोझ और दक्षिण और दक्षिण–पूर्व एशिया में बदलते खाद्य पर्यावरण के गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भुखमरी की राजनीतिः कुपोषण और समानता'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

निहारिका बनर्जी ने 14 मार्च, 2018 को कल्याणी विश्वविद्यालय में 'क्वीर टेम्पोरैलिटीजः जियोग्राफिकल इमेजिनेशन ऑफ द अदर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रियांशा कौल ने 25 फरवरी, 2017 को पुणे की फ्लमे विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'ग्लोबलाइजेशन, कल्चर एंड आइडेंटिटीः चैलेंजेज एंड प्रॉस्पेक्ट्स' में ःटॉकिंग डायस्पोराः लुकिंग लंदन, टॉकिंग टोक्यो' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——ने 22 मार्च, 2017 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली में आयोजित ''माइग्रेशन एंड डायस्पोराजः इमर्जिंग डाइवर्सिटीज एंड डेवलपमेंट चैलेंजेस'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द आइडियल डायस्पोराः स्ट्रेटेजिक कन्संट्रक्शन्स एंड नेशनलिस्ट एम्बीशन्स इन पोस्ट–लिब्रेलाइजेशन इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रीति सम्पत ने 12 अक्टूबर, 2017 को ग्रेजुएट सेंटर, क्यूएनवाई, यूएसए में आयोजित 'फेड अप!ः एंग्री पब्लिक्स, न्यू पॉलिटिक्स' नामक कार्यशाला में नेशनलिस्म, ग्लोबल कैपिटल एंड जाबलेस ग्रोथ, इन ए वर्कशॉप, फेड उप!ः एंग्री पब्लिक्स, न्यू पॉलिटिक्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 18 नवंबर, 2017 को राजनीतिक अध्ययन केंद्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'द वैल्यू ऑफ लैंड, रेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर इन इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

रुक्मिणी सेन ने 12 अप्रैल, 2017 को टेरी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'वूमैन'स मूवमेंट (स): क्वेशन्स ऑफ इक्वैलिटी एंड डिफरेंस, एट द डाइवर्सिटी, इक्वैलिटी एंड एथिक्स कमेटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 24 अगस्त, 2017 को राजनीतिक विज्ञान विभाग तथा रिसर्च नेटवर्क ऑफ फेमिनिस्ट एंगेजमेंट्स विद लॉ एंड सोसाइटी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'प्रॉब्लमैटाइजिंग सेक्सुएलिटी एंड वॉइलेंसः डिकन्स्ट्रक्टिंग इन्स्टीट्यूशन्स, नॉर्म्स एंड नैरेटिव्स इन इंडिया' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ''सेक्सुअल 'माइनॉरिटीज' एंड द ज्यूरीडिकलः साइट बिटवीन रिक्लेम एंड रिजेक्शन?' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 8 अगस्त, 2017 को महिला अध्ययन केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा रिफ्रेशर कोर्स इन वूमेंस स्टडीज में 'रोल ऑफ लॉ रिफार्म इन वूमेंस मूवमेंट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 30 अगस्त, 2017 को महिला अध्ययन केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित रिसर्च मेथोडोलॉजी कार्यशाला में 'यूज ऑफ ऑटोबायोग्राफी इन सोशल साइंस रिसर्च मेथड्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 21 सितंबर, 2017 को अंग्रेजी विभाग, सेंटर ऑफ एडवांस स्टडीज, जादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता द्वारा आयोजित 'एजिंग, एजुकेशन एंड कल्चर' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फ्रॉम केयर टू मेंटेंनेंसः द एजड इन टाइम्स ऑफ चेंजिंग फैमिलियल जियोग्राफिक्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 30 अक्टूबर, 2017 को गांधीनगर के केंद्रीय विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड डेवलपमेंट द्वारा आयोजित 'रीथिंकिंग जेंडर एंड बॉडी इन टाइम्स ऑफ हेल्थ सेक्टर रीफॉर्म इन इंडिया पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कंस्ट्रक्शंस ऑफ मदरहुड थ्रू मैटरनिटी 'बेनिफिटिस': मैपिंग ए लीगल लैंडस्केप इन इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 18 फरवरी, 2018 को ब्रिटेन के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स, यूजीसी–यूकेईआरआई प्रोजेक्ट टीचिंग फेमिनिज्म के भाग के रूप में 'फ्रॉम पर्सपेक्टिव टू डिसिप्लिनः मैपिंग 40 इयर्स ऑफ वीमेन्स/जेंडर स्टडीज इन इंडिया' और 'बिटवीन डिस्कम्फर्ट एंड नेगोशिएशनः रिफलेक्शन्स ऑन टीचिंग लॉ थ्रू (फेमिनिस्ट) सोशियोलॉजी' विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किए।

—— ने 12 मार्च, 2018 को कोलकाता के डब्ल्यूबी नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जुरिडिकल साइंसेज में जर्नल ऑफ इंडियन लॉ एंड सोसाइटी द्वारा आयोजित 'इंट्रोडक्शन टू इंटर–डिसिप्लिनरी रिसर्च' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 25 मार्च, 2018 को नई दिल्ली में 'सेक्सुएलिटी, सेक्सुअल वॉइलेंस एंड द लॉः अनपैकिंग कॉन्ट्राडिक्शन्स एंड एक्स्पैंडिंग साइट्स ऑफ एक्शन' पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में 'हिस्टोरिकल ओवरव्यू ऑफ रेप लॉ रिफार्म्स एंड चेंजेस इन वोकाब्यूलरी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संजय शर्मा ने 14 अक्टूबर, 2017 को क्रिटिकल एग्रेरियन स्टडीज, मास्को, रूस में ब्रिक्स के पहल के समर्थन में 'न्यू एक्सट्रैविजिज्म, पीसैन्ट्रीज एंड सोशियल डायनामिक्सः क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स एंड डिबेट्स' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फूड सेक्युरिटी विद एग्रेरियन क्राइसिस?ः एक्स्प्लोरिंग हिस्टोरिकल रूट्स ऑफ द पैराडॉक्स इन इंडिया एंड चाइना, सी. 1950–2000' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

संतोष के सिंह ने 22 जनवरी, 2017 को बैंगलोर में कर्नाटक सरकार, द्वारा आयोजित अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'फियर, फेथ एंड फ्यूशन ऑफ कलर्सः व्हेन अम्बेडकर मेट गुरू रविदान एट द घाट्स ऑफ वाराणसी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 22 मार्च, 2018 को आईआईटी दिल्ली में संयुक्त रूप से आईआईटी दिल्ली और यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रोनिंगन, नीदरलैंड्स द्वारा आयोजित 'रिलिजन्स इन इंडियाः ट्रांसफोर्मिंग वैल्यूस, प्रैक्टिसेस एंड इंस्टीट्यूशन' कार्यशाला एवं विंटर स्कूल में 'मेंकिंग ऑफ पिल्ग्रिमेजः आइडेंटिटी पॉलिटिक्स एंड रविदासिया मूवमेंट इन वाराणसी विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शैलजा मेनन ने 18 फरवरी, 2017 को राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रिमेजिनिंग साउथ एशियाः एन एक्सप्लोरेशन इनटू हिस्ट्री ऑफ आइडियास राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पेरियारः फोर्जिंग ए न्यू फिमेल सेल्फ, इन द सेशन, डूईंग हिस्ट्री ऑफ आइडियास इन साउथ एशियाः रिफलेक्शन्स फ्रॉम द टेक्स्ट एंड कॉन्टेक्स्ट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 22 जुलाई, 2017 को कर्नाटक सरकार द्वारा बैंगलोर में आयोजित रिक्लेमिंग सोशल जस्टिसः रिविजिटिंग अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'परफार्मिंग मार्जिनैलिटीः द पुल्लुवन्स इन केरला' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 26 अक्टूबर, 2017 को बी.आर. अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा आयोजित 'डायनामिक्स ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ एंड डेवेलपमेंट इन एशिया विद स्पेशल रेफेरेंस टू इंडिया' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वर्क, वैल्यू एंड द फिमेल बॉडी'' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्मिता तिवारी जस्सल ने 24 अक्टूबर, 2017 को इतिहास विभाग, गार्गी महाविद्यालय में इसके स्वर्णजयंती संगोष्ठी के दौरान आयोजित 'राइटिंग वूमेन्स हिस्ट्रीः लोकेटिंग विजिबिलिटी, वॉयसेस एंड एजेंसी' सम्मेलन में 'जेंडर एंड पावर इन द फोकसॉन्ग आर्काइव' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 8 दिसंबर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 'समकालीन भारत में स्त्रीः संदर्भ और संभावनाए' सीडब्ल्यूडीएस सम्मेलन में कृषि क्षेत्र में महिलाओं का श्रम, परिश्रम और गायकी विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उरफत अंजुम मीर ने 23 मई, 2017 को ज्यवास्काइला विश्वविद्यालय, फिनलैंड के सहयोग से फिनिश एन्थ्रोपोलोजिकल एसोसिएशन द्वारा आयोजित फिन्निश एन्थ्रोपोलोजिकल सोसाइटी 2017 के द्विवार्षिक सम्मेलन में 'ग्रोविंग अप अमिड्स्ट पेलेट गन्स, प्रोटेस्ट कैलेंडर एंड 'हड़ताल्स'ः एन्थ्रोपोलोजिकल नोट्स ऑन चिल्ड्रन लिविंग इन कश्मीर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 29 अक्टूबर, 2017 को पुलमैन होटल, नई दिल्ली, भारत में इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर अडोलसेंट्स हेल्थ द्वारा आयोजित इलेविन्थ वर्ल्ड कांग्रेस ऑन अडोलसेंट्स हेल्थ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मेथोडोलॉजिकल इश्यूस इन असससेसमेंट ऑफ मेंटल हेल्थ ऑफ अडोलसेंट्स इन ए कॉफ्क्टि जोनः ए केस स्टडी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर' विषय पर एक पोस्टर प्रस्तुत किया।

योगेश स्नेही ने 6 जुलाई, 2017 को पैरिस में डयुक्सिमें कांग्रेस डू जीआईएस मोएन–ओरिएन्ट एट मोंडेमुसुल्मन्स में माइकल बोविन (सीईआईएएस–सीएनआरएस) एवं मैनोएल पेनिकाउड (सीएनआरएस–आईडीईएमईसी–एइक्स– मार्सेल्ले यूनिवर्सिटी) द्वारा की गई ख्वाजा खिज्र फ्रॉम द मिडल–इस्ट टू साउथ एशियाः ए प्रिलिमिनरी सर्वे ऑफ अ मल्टी–रिलिजियस फिगर' कार्यशाला 3 में 'स्पेशलाइजिंग ख्वाजा खिज्र (झूले लाल) इन पंजाब' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 18 अगस्त, 2017 को यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकूवेर (कनाडा) में आयोजित भाई वीर सिंह (1872–1957)ः रिथिंकिंग लिटररी मॉडर्निटी इन कॉलोनियन पंजाब सम्मेलन में खालसा समाचार एंड अर्ली ट्वेन्टीएथ सेंचुरी रिलिजस माइल्यू' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 4 जनवरी, 2018 को मानविकी एंव सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी खड़गपुर में आयोजित इंडिया@70ः मेमोरीज एंड हिस्टोरीज सम्मेलन में 'साइट्स ऑफ मेमोरीः पापुलर सूफी श्राइन्स इन पोस्ट–पार्टिशन पंजाब' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

अरिंदम बनर्जी ने 7 एवं 8 जुलाई, 2017 को लिंगनन विश्वविद्यालय, हांगकांग में ग्लोबल यूनिवर्सिटी ऑफ सस्टेनेबिलिटी में 'ट्रांजिशन टू अंडर–डेवलपमेंटः द कॉलोनियल एक्सपीरिएन्स इन इंडिया', द डेवेलपमेंट ट्राजेक्टरी इन पोस्ट–इंडीपेंडेंट इंडियाः चैलेंजेस एंड कान्ट्राडिक्शन्स, तथा नियो–लिबरलिज्म एंड न्यू कान्ट्राडिक्शन्स ऑफ डेवेलपमेंट विषय पर तीन ई–व्याख्यान दिए।

—— ने 4 जुलाई, 2017 को डिपार्टमेंट ऑफ कल्चरल स्टडीज, लिंगनन विश्वविद्यालय, हांगकांग द्वारा आयोजित एशिया इन द ट्वेन्टीएथ सेंचुरीः चैलेंजेस फॉर पीपल एंड मूवमेंट सम्मेलन में 'इंडिया एंड एशिया अफ्रिका ग्रोथ कॉरिडोर' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— 26 जून से 21 जुलाई, 2017 को जेएनयू में सेंटर फॉर एस्केलेशन ऑफ पीस द्वारा आयोजित इंटरनेशनल समर स्कूल में अर्थशास्त्र पाठ्यक्रम के लिए समन्वयक थे।

डेनिस पी. लेटन 20 सितम्बर 2017 को संजय सुब्रह्मण्यम, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूरोप्स इंडियाः वर्ड्स, पीपल, एम्पायर्स, 1500–1800' नामक पुस्तक परिचर्चा में पैनल के सदस्य थे।

—— ने 9 नवंबर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा सह–प्रायोजित इंडिया इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एटीन्थ सेंचुरी स्टडीज में, 'रिइवैल्युएटिंग 'एन्लाइटन्मेंट' थ्रू आईसायाह बर्लिन एंड हिज क्रिटिक्स विषय पर उद्घाटन व्याख्यान दिया।

—— 8 मार्च, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एटीन्थ सेंचुरी स्टडीज, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल जवाहर लाल नेहरू, नई दिल्ली में 'आईडेंटीटीस एंड वर्ल्ड व्यूस इन द एटीन्थ सेंचुरी' सम्मेलन में 'थ्रू द लेंस ऑफ आईडियासः एन्लाइटनमेंट, मॉडर्निटी, एंड सोशल चेंज' पर परिचर्चा/पैनल के अध्यक्ष थे।

—— ने 27 मार्च, 2018 को एसोसिएशन ऑफ इंडियन लेबर हिस्टोरियन्स/वी. वी. गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोएडा द्वारा आयोजित लेबर हिस्ट्री के 12वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में फैब्रिस बेंसिमोन (यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन), ब्रिटिश लेबर एंड माइग्रेशन टू यूरोप ड्यूरिंग इंडस्ट्रीलाइजेशन (1815–1870)ः द केस ऑफ द लेस मेकर्स पर शोध पत्र परिचर्चा में हिस्सा लिया।

धीरज कुमार नाइट ने 13 दिसंबर, 2017 को ह्यूसबाई एस्टेट संग्रहालय, स्वीडन में 'ए फोर्च्यून मेकरः लाइफ एंड बिजनेस ऑफ जोसेफ स्टीफेंस, इंडिया एंड स्कैंडिनेविया 1860–1869 पर एक वार्ता प्रस्तुत की

दीपा सिन्हा 2 जून, 2017 को भारतीय सामाजिक विज्ञान ट्रस्ट (आईएसएसटी), नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सोशल आर्गेनाइजेशन ऑफ केयर, इन द कन्सल्टेशन, बैलेंसिंग अनपेड केयर वर्क एंड पेड वर्कः सक्सेसेस, चैलेंजेस एंड लेसन्स फॉर वुमन्स इकोनॉमिक एम्पावरमेंट पालिसीस एंड प्रोग्राम्स' सत्र में हिस्सा लिया।

—— 11 अगस्त, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, भारत और इंडियाना विश्वविद्यालय (ब्लूमिंगटन, इंडियाना, यूएसए) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक विचार–गोष्ठी में 'श्रम और प्रवास' सत्र की चर्चा में भागीदार थीं।

—— 30 अगस्त, 2017 को सम्बोधि, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इम्पैक्ट कॉन्क्लेव 2017' में 'एंड ऑल फार्म्स ऑफ मलन्यूट्रीशन्सः एचीवेबल ऑर एस्पीरेशनल? पैनल चर्चा में एक वक्ता थीं।

_______ 20 सितंबर, 2017 को पीपल्स बजट इनिशिएटिव, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'पब्लिक प्रोविजिनिंग इन सेक्टर सेक्टर्स, इन द नेशनल कन्वेंशन, सिविल सोसाइटी बजट वर्क एंड गवर्नेंस एकाउंटेबिलिटी इन इंडियाः कन्टीनुएटी एंड चेंज' एक पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट थीं।

_______ 27 अक्टूबर, 2017 को राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग, नई दिल्ली में बच्चों और स्तनपान कराने वाली माताओं और गर्भवती महिलाओं के संबंध में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के कार्यान्वयन के सम्मेलन में मध्याह्न भोजन योजना पर मुख्य भाषण दिया।

—— 30 नवंबर, 2017 को आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा समर्थित महिला विकास अध्ययन केंद्र (सीडब्ल्यूडीएस) द्वारा आयोजित 'अराउंड द थीम, रीजन, रीसोर्सेस एंड जेंडर डेवलपमेंट' पाँच दिवसीय अभिविन्यास पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में 'फूड सिस्टम एंड मलन्यूट्रीशन' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— 22 फरवरी, 2018 को व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल (एसबीपीपीएसई), अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित 'बजट 2018' एक पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट थीं।

धरित्री नारजरी 18 सितंबर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में 'बेस्ड ऑन एक्जीबीशन, ऑब्जेक्ट, आईडेंटिटीज, मीनिंग' एक पैनल चर्चा में पैनलिस्ट थे।

—— ने 25 सितंबर, 2017 को कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'चैलेंजेज ऑफ मल्टीकल्चरलिज्म एंड इश्यूज ऑफ मार्जिनेलिटी' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

—— ने 23 जुलाई, 2017 को दसवें इंटरनेशनल कंवेशन फॉर एशियन स्कॉलर्स, चियांगमाई, थाईलैंड में पोजिशनिंग नॉर्थ ईस्ट इंडिया 1ःमैटीरियल कल्चर, रीप्रेजेंटेशन, जेंडर' पर पैनल सत्र की अध्यक्षता की।

गीता वेंकटरमन अप्रैल, 2014 से अमेरिकन मैथेमेटिकल सोसायटी की *मैथेमेटिकल रिव्यूज* समीक्षक हैं।

—— ने 22–22 मई, 2017 को कलस्टर इनोवेशन सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'गिफ्टेड एजुकेशन प्रोजेक्ट' के भाग के रूप में X–XII ग्रेड के छात्रों को गणितीय विषयों पर व्याख्यान दिया।

—— ने 20 जून, 2017 को सीपीडीएचई, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एलजेब्रा एंड इट्स एप्लीकेशन्स' शीर्षक नामक एक रिफ्रेशर कोर्स के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 'ग्रुप एक्शन एंड एप्लीकेशन्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 13 जुलाई, 2017 को आईआईएससी बेंगलुरु में आईडब्ल्यूएम के वार्षिक सम्मेलन में 'वूमैन इन मैथमेटिक्सः पर्सपेक्टिव्स फ्रॉम साइंस एंड मैथमेटिक्स' पर एक पैनल चर्चा का संचालन किया।

—— 7, 8 अक्टूबर, 2017 को आईआईएसईआर भोपाल, मध्य प्रदेश में आईडब्ल्यूएम (इंडियन वूमैन इन मैथमेटिक्स) क्षेत्रीय कार्यशाला 'रिसर्च एंड ऑपचुर्निटीज' की आयोजन समिति की संयोजक ने 'ग्रुप एनुमेरेशंसः हिस्ट्री एंड बियॉन्ड' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 14 अक्टूबर, 2017 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमांडू, नेपाल में 'साउथ एशिएन वूमैन इन मैथमेटिक्स' संगोष्ठी में 'इनुमेरेशन ऑफ फिनिट ग्रुप्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 17 जनवरी, 2018 को गणित विभाग, मोतीलाल नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'सिमिट्री एंड ग्रुप्स' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 22 मार्च, 2018 को सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'एलजेब्रा एंड इट्स एप्लीकेशन्स' एक विचार–गोष्ठी में 'एलजेब्रा, नंबर थ्योरी एंड क्रिप्टोग्राफी' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— 27 फरवरी, 2018 को एआईसीटीई, नई दिल्ली में प्रसार कार्यशाला 'टीवी2035 रोडमैप ऑन एजुकेशन' में 'इम्पैक्ट ऑफ टेक्नॉलाजिस ऑन एजुकेशन, द एजुकेशन 2035' पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट थे।

—— 23 जनवरी, 2018 को लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'रीड्रेसिंग द जेंडर इम्बैंलेस इन मैथमेटिक्सः स्ट्रेटेजीज एंड आउटकम' पैनल चर्चा में एक पैनलिस्ट थे।

—— ने 11 नवंबर, 2017 को आईआईएसईआर पुणे में एमकेसी1 द्वारा आयोजित एजुकेशन सेक्टर रोडमैप जारी करने के दौरान प्रौद्योगिकी और शिक्षा से संबंधित एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

—— ने 10 अक्टूबर, 2017 को सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर माथुर स्मारक व्याख्यान श्रृंखला 2017 के भाग के रूप में 'द मैथड ऑफ इनफिनिट डिसेंटः ए स्पेशल केस ऑफ फरमात'स लास्ट थ्योरम' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 2 नवंबर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के गार्गी कॉलेज में एक पुस्तक चर्चा कार्यक्रम के दौरान 'मैथमेटिक्स एजुकेशन' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 23 जनवरी, 2018 को स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एक छात्र संगठन कलेक्टिव द्वारा आयोजित विज्ञान और समाज श्रृंखला में 'वूमैन इन मैथमेटिक्सः नंबर्स एंड एक्सपीरिएंस' पर वार्ता प्रस्तुत की।

—— ने 26 मार्च, 2018 को दिल्ली विश्वविद्यालय के दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज में हरीश चंद्र व्याख्यान श्रृंखला के एक भाग के रूप में 'एप्लीकेशन ऑफ ग्रुप थ्योरी इन क्रिप्टोग्राफी' विषय पर व्याख्यान दिया।

निहारिका बनर्जी ने 15 सितंबर, 2017 को साप्पो फॉर इक्वैलिटी, कोलकाता में पाँचवें राष्ट्रीय क्वीर सम्मेलन में 'डिजायर एंड बाउंड्रीज' सत्र की अध्यक्षता की।

प्रीति संपत ने 18 से 22 सितंबर, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयॉर्क के प्रोफेसर मार्क एडेलमैन के साथ 'क्रिटिकल एग्रेरियन स्टडीजः ए हिस्टोरिकल एंड मल्टीडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव' पर जीआईएएन पाठ्यक्रम का सह–समन्वयन कार्य किया।

प्रियांशा कौल मानव अध्ययन स्कूल, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में महिला और जेंडर अध्ययन में एम. फिल. की डिग्री हेतु हेमंतिका सिंह के शोध प्रबंध के लिए समकालीन वृत्तचित्र फिल्म 'प्रैक्टिस इन इंडियाः अनपैकिंग इंटरवेशन्स ऑन द जेंडर क्वेश्चन' की बाह्य परीक्षक थी।

रुक्मिणी सेन, 18 सितंबर, 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित फेमिनिस्ट रिसर्च मेथोडोलॉजी पर कार्यशाला में 'जेंडर एंड माइग्रेशन'पर एक सत्र किया।

—— 8 अक्टूबर, 2017 को नई दिल्ली में 'विक्टिम केयर एंड राइट्सः ए नेगलेक्टेड एरिया ऑफ फोकस, इन द पार्टनर्स ऑफ लॉ एंड डेवलपमेंट प्रोग्राम, रीविसिटिंग रेप लॉ रिफॉर्म'पैनल डिस्कशन में एक पैनलिस्ट थीं।

—— 22 नवंबर, 2017 को टेरी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला 'फेमिनिस्ट रिसर्च मेथोडोलॉजी' के भाग के रूप में 'जेंडर सेंसिटाइजेशन' पैनल में एक पैनलिस्ट थीं।

—— 19 फरवरी, 2018 को एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड, यूके में 'वर्किंग विदइन द एकेडमी ऐज फेमिनिस्टः ए नॉर्थ साउथ डायलॉग' पैनल डिस्कशन में एक पैनलिस्ट थीं।

—— ने 12 मार्च, 2018 को वेस्ट बंगाल नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ जुरिडिकल साइंसेज, कोलकाता में जर्नल ऑफ इंडियन लॉ एंड सोसाइटी द्वारा आयोजित लोटिका सरकार के सम्मान में विशेष मुद्दे, भारतीय नारीवाद, कानून सुधार और भारतीय कानून आयोग के प्रमोचन पैनल के सदस्य रहे।

संजय शर्मा ने 23 जुलाई, 2017 को आईसीएएस 10, चियांग माई, थाईलैंड में आईआईएएस–मेलो द्वारा आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन 'कनेक्टेड यूनीवर्सिटीज, इंगेज्ड क्रीकुला' में भाग लिया।

—— ने सामाजिक विज्ञान संकाय, चियांगमाई विश्वविद्यालय, थाईलैंड के साथ 24 जुलाई, 2017 को पारस्परिक विचार–विमर्श में भाग लिया।

संतोष के. सिंह ने 9 फरवरी, 2018 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में इवैल्यूएशन कम्युनिटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'द रोल ऑफ एकेडमीशंस इन इवैल्यूएशन कल्चर' पर चर्चा के लिए एक पैनलिस्ट थे।

—— ने 26 फरवरी, 2018 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर में वित्त पोषित कार्यशाला 'रिसर्च मैथोलॉजी' में 'नोट्स फ्रॉम फील्डः शेयरिंग ए रिसर्च स्टडी' पर वार्ता दी।

—— ने 17 मार्च, 2018 को केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा, महेंद्रगढ़ में आईसीएसएसआर द्वारा वित्तपोषित 10 दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला 'क्वालिटेटिव रिसर्च मेथड', विषय पर व्याख्यान दिया।

शैलजा मेनन ने 17 फरवरी 2017 को राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी 'रीइमेजिंग साउथ एशियाः एन एक्स्प्लरेशन इनटू द हिस्ट्री ऑफ आइडियाज' में सत्र की अध्यक्षता की।

—— ने 21 सितंबर, 2017 को राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में कार्यशाला 'फेमिनिस्ट पद्धति' में 'जेंडर, स्टेट एंड द लॉ' पर वार्ता दी तथा 'जेंडर सेक्सुएलिटी एंड लॉ' पर सत्र की अध्यक्षता की।

——— ने 22 फरवरी, 2018 को आईसीएसएसआर एवं अम्बेडकर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, डूइंग एथ्नोग्राफिक रिसर्च, इन द वर्कशॉप, रिसर्च मेथड्स विषय पर एक वार्ता।

स्मिता तिवारी जस्सल ने 6 मार्च, 2018 को अवंतीपोरा, कश्मीर में इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आईसीएसएसआर अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में 'एथनोग्राफिक मैथड' तथा 'द कम्पेरेटिव मैथड इन सोशल साइंस रिसर्च एंड द एडवांटेज ऑफ मल्टी–डिसिप्लीनैरिटीः इंडिया एंड टर्की' विषय पर दो सत्रों का आयोजन किया।

उरफत अंजुम मीर ने 16 नवंबर, 2017 को एम्स, नई दिल्ली में आईसीएमआर के सहयोग से एम्स द्वारा आयोजित 'आईसीएमआर नेशनल एथिकल गाइडलाइन्स 2017' के एक दिवसीय प्रचार–प्रसार में भाग लिया।

——— ने 17 नवंबर, 2017 को सीएसई बिल्डिंग, तुगलकाबाद इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली में सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट द्वारा आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 'ग्रीन सेंसः एजुकेशनल कैंपस इन्वेंटरी' में भाग लिया।

—— ने 10 मार्च, 2018 को आईयूएसटी परिसर अवंतीपोरा में सीआईआर, आईयूएसटी के सहयोग से रिनचेन शाह सेंटर फॉर वेस्ट हिमालयन कल्चर्स, इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू और कश्मीर द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान संकाय के लिए दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में 'डूईंग एथनोग्राफी इन ए कॉन्फ्लिक्ट जोन' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने 16 मार्च, 2018 को एसआईएमए मैसूर, आईजीआरएमएस, आईसीएसएसआर, टीआरआई रायपुर तथा एन्थ्रोपोलोजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के सहयोग से रायपुर में पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हाउ फार मेडिकल एन्थ्रोपोलोजी हैज कम? सम रिफलेक्शन्स ऑन मेकिंग सेंस ऑफ मेडिकल प्लूरलिज्म इन इंडियन कान्टेक्स्ट पर प्रमुख व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

अर्थशास्त्र संकाय ने 9 और 10 मार्च, 2018 को 'आर्थिक सिद्धांत और नीति' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन की।

प्रोफेसर अरुंधति विरमानी–बाउटियर ने व्याख्यान दियाः

- ए हिस्टोरिकल एथ्नोग्राफिक एप्रोच टू अर्बन एनालिसिसः फ्राम द शिकागो स्कूल टू फ्रेंच अर्बन स्टडीज, 8 फरवरी, 2018।
- नेशनल कॉनक्वेस्ट ऑफ अर्बन स्पेसः सिम्बल्स इन द सिटी, 9 फरवरी, 2018।
- जेंडर इनक्वॉलिटीज इन लीगल नॉलेज, 17 फरवरी 2018।
- रीएंट्रोडूसिंग हिस्ट्री इन सोशल एनालिसिसः डिबेटिंग द हिस्ट्री मैनिफेस्टो, 22 फरवरी 2018।

2.11. स्नातक अध्ययन स्कूल

स्नातक अध्ययन स्कूल (एसयूएस) अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, इतिहास, गणित, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और सामाजिक विज्ञान तथा मानविकी में विशेष (ऑनर्स) उपाधि प्रदान करता है। इन कार्यक्रमों में से, सभी कश्मीरी गेट परिसर में प्रदान किए जाते हैं जबकि ऑनर्स उपाधि पाठ्यक्रम करमपुरा परिसर में अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, मनोविज्ञान और सामाजिक विज्ञान के लिए प्रदान किए जाते हैं। वर्ष 2017–18 में, दोनों परिसरों में लगभग 900 छात्रों ने स्कूल में प्रवेश लिया था। स्नातक शिक्षा के लिए समर्पित संकाय सदस्यों के अलावा, विश्वविद्यालय में स्कूल के अनेक संकायों द्वारा मानसून और शीतकालीन सेमेस्टर के दौरान लगभग 140 स्नातक पाठ्यक्रमों का अध्यापन कार्य किया गया।

बीए (आनर्स): अर्थशास्त्र यह कार्यक्रम को भारत जैसी विकासशील अर्थव्यवस्था के समक्ष आने वाले मुद्दों पर जोर देने के साथ ही विद्यार्थियों को अर्थव्यवस्था–विश्लेषण का बुनियादी लेकिन दृढ़ प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु बनाया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अनुशासन के अंतर्गत छात्रों के विभिन्न दृष्टिकोणों को उजागर करना है एवं उन्हें अर्थशास्त्र के सामाजिक एवं राजनीतिक आयामों से भी परिचित करवाना भी है।

बीए (आनर्स): अंग्रेजी यह कार्यक्रम साहित्य–अध्ययन से संबंधित सभी पहलुओं से विद्यार्थियों को अवगत कराता है। पाठ्यक्रम अंग्रेजी में लिखित साहित्य के साथ ही भारतीय भाषाओं के अंग्रेजी में अनुवाद एवं विश्व के अन्य सभी महत्वपूर्ण साहित्यिक अनुवादों का एक मजबूत घटक है, जिसे छात्रों द्वारा विश्व को आलोचनात्मक रूप से देखने का इसे प्रवेश बिन्दु माना जा सकता है। कार्यक्रम से आशा है कि यह विद्यार्थियों को सांस्कृतिक एवं भाषाई पद्धति के रूप में साहित्य की व्यापक समझ देगा एवं इसके अलावा यह साहित्यिक व सांस्कृतिक पद्धतियों में कृत्रिम एवं स्वीकृत अनुक्रमों को विघटित करने के उपकरणों को भी साथ लेकर चलेगा।

बीए (आनर्स): इतिहास यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में व्यापक वैश्विक रुझानों के संबंध में भारतीय अतीत की विविधता के प्रति दिलचस्पी उत्पन्न करता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अतीत में प्रवेश करने के विभिन्न तरीकों से अवगत कराना है जो इतिहास–अध्ययन को रोमांचक एवं उपयोगी बनाता है। वे सिनेमा एवं प्रत्यक्ष संस्कृति खोजने और परियोजनाओं द्वारा अपनी आलोचनात्मक समझ तथा विश्लेषणात्मक कौशल विकसित करते हैं। वैकल्पिक पाठ्यक्रम इतिहास के विशिष्ट क्षेत्रों से संबंधित है। पाठ्यक्रम के अंतर्गत ट्यूटोरियल क्षेत्र–यात्राएं, कार्यशालाएं एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं।

बीए (आनर्स): गणित इस कार्यक्रम में अमूर्त बीजगणित, वास्तविक विश्लेषण, संख्यात्मक विश्लेषण, अनुमान और आंकड़े, अंतर समीकरण एवं रेखीय अनुकूलन शामिल है। गणित के वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में व्यापक विविधता जैसे– गणितीय वित्त, बीमांकिक गणित, कंप्यूटर विज्ञान हेतु गणित, असतत गणित, अंक सिद्धांत और कूटलेखन, उन्नत बीजगणित, उन्नत विश्लेषण, गणितीय प्रतिरूपण आदि शामिल हैं। कंप्युटेशनल कौशल एवं प्रोग्रामिंग कौशल को विस्तृत प्रायोगिक उदाहरणों द्वारा पढ़ाया जाता है। निश्चित मापदंड हेतु विद्यार्थी एक मुख्य विषय से दूसरे विषय में भी अंतरण कर सकते हैं। पाठ्यक्रम के अंतर्गत ट्यूटोरियल, प्रयोगशाला–सत्र, कार्यशालाएं एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं।

बीए (आनर्स): मनोविज्ञान मुख्य पाठ्यक्रम इतिहास एवं मनोवैज्ञानिक–पद्धतियों का विद्यार्थियों को अभ्यास करता है। वे संवेदनशीलता, बाल जीवन, तंत्रिका मनोविज्ञान, सामाजिक और असामान्य मनोविज्ञान के बारे में सीखते हैं। एक मनोविज्ञान पाठ्यक्रम, भारतीय संदर्भ से संबंधित भी पढ़ाया जाता है। वैकल्पिक पाठ्यक्रम अधिक अंतर्विषयक हैं एवं परामर्श–सेवा, संगठनात्मक व्यवहार, शिक्षा, लैंगिकता एवं कहानी–वार्ता के क्षेत्रों में मनोवैज्ञानिक समझ कि प्रयोज्यता प्रदर्शित करते है।

बीए (आनर्स): समाजशास्त्र यह कार्यक्रम स्वयं तथा समाज के मध्य संबंधों के प्रति आलोचनात्मक जागरूकता विकसित करने एवं रोजमर्रा की दुनिया से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान के बारे में सवाल पूछने हेतु तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सैद्धांतिक, पद्धतिगत एवं सामयिक विचारों के नवीन पाठ्यक्रम के संयोजन के माध्यम से प्रतिक्रियात्मक अवधारणा को विकसित करना है।

बीए (आनर्स): समाजिक विज्ञान एवं मानविकी (एसएसएच) यह कार्यक्रम ऐसा अनूठा कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को लिबरल कला शिक्षा का अत्यधिक लाभ देते हुए स्कूल के भीतर गहनता द्वारा मानविकी, सामाजिक विज्ञान एवं गणितीय विज्ञान के तीन डोमेन का समन्वेषण करने की अनुमति देता है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

माइकल ल्यूमिंथांग हाओकिप, डी., प्रधान अन्वेषक। 'भारत के पूर्वोत्तर में लोकतंत्र और संघर्ष – मणिपुर फेज', एसएमजीएफआर परियोजना। (रु. 100,000; 10 महीने; पूर्ण)।

अवधेश त्रिपाठी और मृत्युंजय त्रिपाठी (प्रधान अन्वेषक)। 'इंडो–इस्लामिक मिलीनियम में कविता' एयूडी शोध परियोजना।

प्रियांका झा, प्रधान अन्वेषक। 'आधुनिक भारत के बौद्ध विचारक', एसएमजीएफआर परियोजना, एयूडी। (रु. 100,000; एक वर्ष; पूर्ण)।

शिरीन मिर्जा, प्रधान अन्वेषक। जाति और शहरी आधारभूत संरचनाः बंबई शहर के हाशिये पर अपशिष्ट–कार्य और मांस का व्यापार, एसएमजीएफआर परियोजना, एयूडी। (रु. 100,000; 2 वर्ष; पूर्ण)।

सुमना दत्ता, प्रधान अन्वेषक। सामुदायिक वन प्रशासन बनाना और समाप्त करनाः भारत में आरईडीडी+ की एक केस स्टडी, एसएमजीएफआर परियोजना, एयूडी। (रु. 100,000; 10 महीने; पूर्ण)।

प्रस्तुतियाँ

सिबिल विनोदन ने 15 अगस्त, 2018 को बीजिंग में दर्शन के 24वें विश्व कांग्रेस में 'लाइन्स, साउंड्स एंड कलर ऑफ फ्लाइटः म्यूजिक एज मूवमेंट इन कलमेझुथुपट्टू' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

मृत्युंजय त्रिपाठी ने 29 जनवरी, 2018 को जन संस्कृति मंच, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित गोरख पांडेय स्मृति कार्यक्रम में 'गोरख पांडेय की भोजपुरी कविताएँ' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 24 फरवरी, 2018 को आरपीडीटी सरकारी कॉलेज, तालबेहट, ललितपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 'हिन्दी साहित्य के व्यापक परिदृश्य में क्षेत्रीय लोक साहित्य का महत्व' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रियंका झा ने 13 मार्च, 2018 को राजनीति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'बियोन्ड आईडेन्टीटीसः रिफलेक्शन्स फ्रॉम साउथ एशिया इमैजिनरीज ऑफ नेशन एंड यूनिवर्स' राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द सिंहाला सेल्फ एंड द अदर्स इन धर्मपालाज यूनिवर्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 7 मार्च, 2018 को राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आयोजित ह्यूमैन सिक्योरिटीः एमडीजी एंड एसडीजी आउटकम्स इन साउथ एशिया यूजीसी–एसएपी राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी में 'क्वेस्ट फॉर ह्यूमैन जेंडर्ड सिक्योरिटीः कंसर्नस ऑफ डिजास्टर इंडस्ड माइग्रेशन विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 17 फरवरी, 2018 को जेएनयू, नई दिल्ली में स्पेशल सेंटर फॉर डिजास्टर रिसर्च, जेएनयू और कैनेडी स्कूल ऑफ गवर्नेंस, हार्वर्ड यूनीवर्सिटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रेनफोर्सिंग इंस्टीटूशनल डिसीजन मेकिंग इन डिजास्टर प्रीपेयर्डनेस एंड माइटीगेशन अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 'जेन्डर्ड रिस्क्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 10 मार्च, 2018 को देशकाल सोसायटी, बोधगया, बिहार द्वारा आयोजित 'बुद्धिज्म एंड द आइडिया ऑफ इंडियाः मेकिंग ऑफ बोध गया इन बोध गया ग्लोबल डायलॉग्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शिरीन मिर्जा ने 15 सितंबर, 2017 को बिर्कबेक कॉलेज, लंदन (यूके) में आयोजित लॉ एंड द सिटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'एब्सेंशिया, सैनिटरी गवर्नेंस एंड द प्रोडक्शन ऑफ मीट स्लॉटरिंग एस एन इल्लिगैलिटी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 27 अप्रैल, 2018 को इंडिया इस्लामिक कल्चरल सेंटर में बॉम्बे रूरल अर्बन इन्टरटेनमेंट्स इन इंडिया कार्यशाला में 'कन्टीन्यूटीज इन हलालखोर लेबरः कास्ट एंड वेस्ट टेक्नोलॉजी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुमना दत्ता ने 12 जून, 2017 को फस्ट नेशन्स यूनिवर्सिटी ऑफ कनाडा, सस्केचेवान में आयोजित कनेक्टिंग इंडिजेनस पीपल्स इन नॉर्थ अमेरिकाः क्राफ्टिंग ए कम्यूनिटी ऑफ शेयर्ड नॉलेज अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में

'इंटेग्रेटिंग इंडिजेनस वॉइसेस इन्टू डेवलेपमेंट एंड डिसिजन–मेकिंगः ए केस स्टडी फ्रॉम इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

सुमना दत्ता ने कनाडा के रेजिना विश्वविद्यालय में कंसोर्टियम फॉर नॉर्थ अमेरिकन हायर एजुकेशन कोलेबोरेशन (सीओएनईएचईजी), एरिजोना विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'पर्पजफुल इंटरनेशनलाजेशन' पर एक सम्मेलन में भाग लिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

करमपुरा परिसर में 8 सितंबर, 2017 को एनएचआरसी के सहयोग से मानव अधिकारों पर कार्यशाला।

मानव अध्ययन स्कूल के सहयोग से 4 अक्टूबर, 2017 को व्युति डांस कंपनी द्वारा एक प्रारम्भिक भरतनाट्यम प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

कैथरीन एशर, प्रोफेसर, मिनेसोटा विश्वविद्यालय और एक प्रमुख कला इतिहासकार, ने 7 फरवरी, 2018 को 'एम्परर्स ऑफ द वर्ल्डः द आर्ट्स एंड अंडर द मुगल्स, सफाविद्स और ओटोमन्स, और 27 फरवरी, 2018 को 'द कुतुब कॉम्प्लेक्सः एन हिस्टोरिकल एंड हिस्टोग्राफिक व्यू' वार्ता सहित कई छात्र गतिविधियों का आयोजन किया तथा 7 मार्च, 2018 को छात्रों के लिए 'कुतुब कॉम्प्लेक्स' पर गाइडेड वॉक किया।

क्षेत्र–अध्ययन

बेनिल बिस्वास के साथ छात्रों ने 15 से 19 फरवरी, 2018 को छठे सेमेस्टर इलेक्टिव (क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स ऑफ क्रिएटिव एक्सप्रेशंस) के पाठ्यक्रम के हिस्से के तौर पर क्षेत्र–आधारित विसर्जन घटक के रूप में वर्ल्ड सैक्रेड स्पिरीट फेस्टिवल तथा अर्ना झरना संग्रहालय जोधपुर का दौरा किया।

करमपुरा परिसर के छात्रों ने 15 मार्च, 2018 को अतीत को समझते हुए पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली का दौरा किया।

छात्रों (केजी परिसर) ने 9 से 11 मार्च, 2018 को पाठ्यक्रम, पर्यावरणीय मुद्दे और चुनौतियाँ (ईआईसी) के भाग के रूप में राज्य के संरक्षण के प्रयासों को समझने के लिए कॉर्बेट नेशनल पार्क के अंदर और बड़े संरक्षण क्षेत्र में संरक्षण क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने आसपास के गाँवों का भी दौरा किया और मानव–वन्यजीव संघर्ष को समझने के लिए किसानों के साथ बातचीत की, जो कई संरक्षित क्षेत्रों के पास मौजूद हैं।

छात्रों (केजी परिसर) ने 16 से 18 मार्च, 2018 को पाठ्यक्रम, पर्यावरणीय मुद्दे और चुनौतियाँ (ईआईसी) के भाग के रूप में राज्य के संरक्षण के प्रयासों को समझने के लिए कॉर्बेट नेशनल पार्क के अंदर और बड़े

संरक्षण क्षेत्र में संरक्षण क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने आसपास के गाँवों का भी दौरा किया और मानव–वन्यजीव संघर्ष को समझने के लिए किसानों के साथ बातचीत की, जो कई संरक्षित क्षेत्रों के पास मौजूद हैं।

भारतीय कला और वास्तुकला पाठ्यक्रम के छात्रों ने 23–26 मार्च, 2018 को सांची स्तूप, उदयगिरि गुफाएं और ताज–उल–मसजिद, का दौरा किया।

एयूडी इतिहास महोत्सव, एसयूएस छात्रों द्वारा एयूडी इतिहास सोसायटी व इतिहास संकाय के सदस्यों के सहयोग से आरंभ की गई पहल का आयोजन 28 मार्च, 2018 को किया गया। इस आयोजन में शामिल थेः स्वप्ना लिड्डल का 'हाई–स्टोरीज ऑफ कश्मीरी गेट एंड इट्स नेबरहुड', 'नैरेटिव्स इन टाइमः इन्टप्रेटिंग हिस्ट्री' पर यंग स्कॉलर्स कॉन्फ्रेंस, इतिहास, द इंडियन हिस्ट्री क्विज, शाद नवेद के साथ 'नाइन रस ऑफ दक्खिनी पोएट्री' पर परिचर्चा, योगेश स्नेही के साथ सरहिंद की 'दीवार' पर अनेक यादें, खुला मंचः पी. गोविंद और समूह के साथ मुराल, सारांश और दल के साथ 'नेबरहुड' प्रदर्शनी; सानिया और कोनेन के साथ दरीबा कलां से अत्तर वाले; राधिका सेनगुप्ता द्वारा अर्धनारीश्वरः एक भरतनाट्यम प्रदर्शन, जिक्र–ए–जुबान, 'मैनी डायलैक्ट ऑफ पुरानी दिल्ली' पर सनेया के साथ फौजिया दास्तांगो की विशेषता, छात्र प्रदर्शनः लोक परंपराओं की एक शाम।

2.12. वोकेशनल स्टडीज स्कूल

दिल्ली की बदलती जनसांख्यिकी और परिणामतः पहली पीढ़ी के ऐसे हाई स्कूल स्नातकों का बड़ी संख्या में उभरना, जो गुणवत्ता वाले आजीविका कौशल प्राप्त करके तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में प्रभावी रूप से भाग लेने के लिए तैयार होने के लिए पूर्णकालिक या अंशकालिक तृतीयक शिक्षा में अध्ययन करने के इच्छुक हैं, वोकेशनल स्टडीज स्कूल (एसवीएस) की स्थापना के लिए व्यापक तर्क है। यह स्कूल 2017 में शुरू किया गया था। इसमें यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है और वर्तमान में बहु–प्रवेश और निर्गमन विकल्पों वाले तीन व्यावसायिक कार्यक्रमों का प्रस्ताव करता है जिनसे करमपुरा परिसर में (1) प्रारंभिक बाल केंद्र प्रबंधन और उद्यमिता (अर्ली चाइल्डहुड सेंटर मैनेजमेंट एंड आंत्रप्रेन्योरशिप), (2) खुदरा प्रबंधन (रीटेल मैनेजमेंट) और (3) पर्यटन और आतिथ्य (टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी) में प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा और बैचलर ऑफ वोकेशन (बी. वोक) की डिग्री प्राप्त होती है। इसके अलावा, यह परिकल्पना की गई है कि स्कूल कार्यबल की तत्काल आवश्यकता को पूरा करने के लिए कौशल विकास संबंधी विभिन्न अन्य बैचलर ऑफ वोकेशन कार्यक्रमों और अल्पावधिक प्रमाण पत्र कार्यक्रमों का प्रस्ताव करेगा।

बैचलर ऑफ वोकेशन कार्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम उद्योग विशेषज्ञों, उद्योग संघों, सेक्टर कौशल परिषदों, विभिन्न विश्वविद्यालय के स्कूलों और केंद्रों और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के साथ–साथ पेशेवरों और शिक्षाविदों के साथ मिलकर बनाया गया है। इससे छात्रों को स्नातक के बाद अर्थपूर्ण रोजगार के लिए आवश्यक कौशल और शैक्षणिक पृष्ठभूमि मिलेगी और वे उन्हें स्व–नियोजित उद्यमी, निर्माता और स्वयं एवं समाज के कई अन्य अधिक शिक्षित युवाओं के लिए नौकरी देने में सक्षम बनेंगे।

बी. वोक, अर्ली चाइल्डहुड सेंटर मैनेजमेंट एंड आंत्रप्रेन्योरशिप (ईसीसीएमई)

ईसीसीएमई कार्यक्रम में बी. वोक. कार्यक्रम की परिकल्पना, विश्वविद्यालय प्रणाली में दिवा–देखभाल पेशेवरों की तैयारी का पता लगाने के साथ ही डिग्री प्रणाली के रूप में एक संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए की गई है। यह नोट किया जाए कि यह कार्यक्रम प्री–स्कूल शिक्षकों की तैयारी के लिए नहीं है। जबकि दिवा–देखभाल में छह माह से 11 वर्ष तक के बच्चे हो सकते हैं, इस डिग्री कार्यक्रम में विशिष्ट फोकस दोगुना हो सकता है (i) छह माह से तीन वर्ष तक के बच्चों के लिए दिवा–देखभाल सेवाएं और (ii) प्राथमिक स्कूल तक के बच्चों के लिए स्कूल के समय के बाद देखभाल। प्रशिक्षित पेशेवरों से युक्त केंद्र–आधारित दिवा–देखभाल से आमतौर पर न केवल स्वास्थ्य और सुरक्षा के मुद्दों का समाधान होगा, वरन एक ऐसा वातावरण भी सृजित होगा जिससे संज्ञानात्मक और सामाजिक–भावनात्मक विकास का संपोषण होगा। इस कार्यक्रम में औद्योगिक इंटर्नशिप के हिस्से के रूप में विभिन्न संगठनों द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न क्रेच/दिवा–देखभाल केंद्रों का एक्सपोजर देने की संभावना है।

बी. वोक, रीटेल मैनेजमेंट

रीटेल मैनेजमेंट में बी. वोक. का उद्देश्य, छात्रों को अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए रीटेल स्टोर से वांछित सामान खरीदकर आज के उपभोक्ता की जरूरतों को पूरा करने के लिए कौशल प्राप्त करना है। इस कार्यक्रम

से छात्रों को ग्राहकों को स्टोर में लाने और उनकी खरीद की जरूरतों को भुनाने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। प्रत्येक कौशल पाठ्यक्रम में अंतर्निहित सैद्धांतिक और व्यावहारिक घटक हैं। कौशल पाठ्यक्रमों के अलावा, इसमें प्रत्येक सेमेस्टर में औद्योगिक इंटर्नशिप का एक अच्छा घटक भी है जहाँ बी. वोक. रीटेल मैनेजमेंट के छात्रों को विभिन्न खुदरा प्रारूपों में काम करने का अवसर मिलता है।

स्नातक के बाद, छात्रों को खुदरा क्षेत्र के साथ ही किसी खुदरा प्रबंधक, स्टोर मैनेजर, खुदरा खरीदार, व्यापार विश्लेषक, गोदाम प्रबंधक, ब्रांड प्रबंधक, ग्राहक सेवा कार्यकारी, व्यापार प्रबंधक, आदि में विभिन्न पदों पर रखा जा सकता है।

बीवोक, टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी

टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी (आतिथ्य और पर्यटन) उद्योग में आवश्यक श्रमशक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए, स्कूल ने बी. वोक. पाठ्यक्रम अपनाया है, जो पर्यटन और आतिथ्य का संयोजन है। उम्मीद है कि अगले दस वर्षों में खाद्य और पेय क्षेत्र अग्रणी नियोक्ताओं में से एक होगा। इसकी पर्यटन और आतिथ्य के क्षेत्रों में पैठ है। कार्यक्रमों के लिए अभिज्ञात नौकरी की भूमिकाएं परिवर्तनशील हैं और दोनों क्षेत्रों के संगठन और देखरेख के स्तर के साथ–साथ हैं।

यह कार्यक्रम परिसर शिक्षण पर आयोजित सैद्धांतिक पाठ्यक्रमों और अभ्यास दोनों में उद्योग के नवीनतम रुझानों और विकास पर ध्यान केन्द्रित करता है। छात्रों को सेमेस्टर के दौरान अनिवार्य उद्योग प्रशिक्षण (नौकरी प्रशिक्षण पर) के माध्यम से प्रशिक्षण का व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है। प्रत्येक कार्य की भूमिका को इस प्रशिक्षण के एक्सपोजर के अनुरूप ढाला गया है जिससे छात्रों को कामकाजी दुनिया की बेहतर जानकारी में मदद मिलती है।

प्रस्तुतियाँ

अंकुश राठौर ने 15 मार्च, 2018 को एनईएचयू, शिलांग, मेघालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, निरंतर पर्यटन और आतिथ्य विपणनः भविष्य अनुसंधान के लिए एजेंडा स्थापित करना, में 'क्विजीनः ए प्रोस्पेक्टिव सोर्स ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट इन स्मार्ट सिटीज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

फराह सिद्दीकी ने 21 नवंबर, 2017 को एनसीईआरटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परामर्श सम्मेलन, प्रारंभिक बाल शिक्षा में 'लाइफ स्किल इन प्रीस्कूलः ए स्टडी ऑफ ए करिकुलम ऑफ ए प्राइवेट स्कूल' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

निखिल चरक ने 24 फरवरी, 2018 को आतिथ्य और पर्यटन प्रबंधन स्कूल, जम्मू विश्वविद्यालय में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, निरंतर पर्यटन उत्कृष्टता में 'रोल ऑफ सस्टेनेबल टूरिज्म इन लोकल कम्यूनिटी डेवलपमेंट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

उपलब्धियाँ

अखा के. माओ ने 13 सितंबर, 2017 को होटल वेस्टिन, गोरेगांव (ई), मुंबई में रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) द्वारा आयोजित 'मैनिंग मॉडर्न रिटेल लीडरशिप कॉन्क्लेव' में भाग लिया।

—— ने 20, 21 फरवरी, 2018 को रेनैस्संस कन्वेंशन सेंटर, मुंबई, में रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) द्वारा आयोजित रिटेल (खुदरा) नेतृत्व शिखर सम्मेलन आरएलएस के 11वें वार्षिक संस्करण में भाग लिया।

फराह सिद्दीकी ने 29–31 अगस्त, 2017 को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी),दिल्ली द्वारा आयोजित 'वर्कशॉप फॉर द डेवलपमेंट ऑफ क्रेडिट बेस्ड ईसीसीई करकुला लीडिंग टू सर्टिफिकेट, डिप्लोमा एण्ड एडवांस डिप्लोमा' में भाग लिया।

निखिल चरक ने 20, 21 फरवरी, 2018 को रेनैस्संस कन्वेंशन सेंटर, मुंबई, में रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आरएआई) द्वारा आयोजित रिटेल (खुदरा) नेतृत्व शिखर सम्मेलन आरएलएस के 11वें वार्षिक संस्करण में भाग लिया।

कार्यक्रम/गतिविधियाँ

स्कूल को 16 अक्टूबर, 2017 को जीएनसीटी दिल्ली के उप मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा आधिकारिक तौर पर आरम्भ किया गया।

करमपुरा परिसर में 16 अक्टूबर, 2017 को 'ट्रेनिंग रेस्टोरेंट' का उद्घाटन किया गया।

करमपुरा परिसर में 24, 25 अक्टूबर, 2017 को फूड एंड बेवरेज प्रैक्टिकल सेशन को बेहतर बनाने के लिए स्कूल के 'ट्रेनिंग रेस्टोरेंट' में एक 'विशेष व्यावहारिक सत्र' 'का आयोजन किया गया।

निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए करमपुरा परिसर में एक 'मेक शिफ्ट' क्रेच स्थापित किया गया। क्रेच का उपयोग बीवोक (ईसीसीएमई) के छात्रों को युवा बच्चों के साथ खेल की गतिविधियों के लिए किया जाता था।

बीवोक (ईसीसीएमई) ने 'अग्निरहित पाककला' (फायरलेस कुकिंग) पर एक सत्र का आयोजन किया, जिसमें छात्रों को 24 नवंबर, 2017 को युवा बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन तैयार करने का कौशल सिखाया गया।

छात्रों के बुनियादी आतिथ्य शिष्टाचार तथा सेवा प्रदान करने एवं उनके व्यावसायिक विकास के लिए एयूडी मल्टी–टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) हेतु 2 क्रेडिट वाला खाद्य एवं पेय (एफएंडबी) सेवाओं में एक अल्पकालिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (48 घंटे) आयोजित किया गया।

3. विश्वविद्यालय के केंद्र

3.1. सामुदायिक ज्ञान केंद्र

सामुदायिक ज्ञान केंद्र (सीसीके) में अंतर्विषयक अनुसंधान के माध्यम से जीवित समुदायों और उनके विविध मौखिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और व्यवहार–आधारित ज्ञान का अध्ययन किया जाता है। केंद्र का उद्देश्य सामुदायिक ज्ञान की परिपाटी को विलेखित करना, उसका अध्ययन और प्रसार करना है, ताकि हमारी जीवित विरासत की विभिन्न समझ और समुदाय–आधारित ज्ञान को एकीकृत करने में सुधार हो जिससे स्थायी भविष्य के विकल्प उपलब्ध हों।

'हाशिए' (मार्जिन) के समुदायों पर ध्यान देकर, केंद्र ने विश्लेषण और अनुसंधान के प्रखर विद्वानों की सांस्कृतिक विरासत के समुदाय–प्रेरित प्रलेखन को जोड़ा है। केंद्र हाशिये और मुख्यधारा से ज्ञान के बीच एक संवाद बनाने की दिशा में काम करता है, जिसके अभाव में स्थानीय समुदायों के लिए अद्वितीय ज्ञान और सांस्कृतिक पहचान को नजरअंदाज किया जाता रहेगा। एक मौखिक ज्ञान अनुसंधान, प्रलेखन और संग्रह केंद्र के रूप में, केंद्र ने ग्रामीण और शहरी कार्यक्रम शुरु किए हैं, जिनसे ज्ञान और इतिहास एवं सांस्कृतिक रूपांतर के जन–केंद्रित वर्णन विकसित किए जाते हैं।

केंद्र स्वयं शुरू किए गए स्रोतों और जातीय और मानवविज्ञानी शोधकर्ताओं एवं सामुदायिक संगठनों, दोनों से प्राप्त सामुदायिक ज्ञान का डिजिटल अभिलेखागार बनाने में भी लगा हुआ है।

सहकार्यता (सहयोग) / साझेदारियाँ

- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, लाइडेन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड
- टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टीएक्स, यूएसए
- इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली
- भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत न्यास (आईएनटीएसीएच), नई दिल्ली
- इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली
- इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स (आईएफए), बैंगलोरः यह सहयोग दिल्ली की 1880 से 1980 तक की डिजिटलकृत फोटेग्राफ के ऑनलाइन खोज योग्य सार्वजनिक भंडार तैयार करने के लिए है, जिसे दिल्ली विजुअल आर्काइव कहा गया है।
- केरल पर्यटन, केरल सरकार।
- ओआईएल इंडिया लिमिटेड, गुवाहाटी, असम।

अनुसंधान परियोजनाएँ

1. *दिल्ली शहर इंगेजमेंट*

i. *नेबरहुड संग्रहालय कार्यक्रम*

परियोजना, शहर में उत्तर–पूर्व में इस पर विचार किया गया है कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लोग दिल्ली शहर में कैसा अनुभव करते हैं। इसके लिए, पूरे दिल्ली शहर में साक्षात्कार और फील्ड–वर्क किए गए। कुल 23 साक्षात्कार आयोजित किए गए और 11 का लिप्यंतरण किया गया। पूर्वोत्तर के विभिन्न समुदायों द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों का भी विलेखन किया गया था।

त्रिलोकपुरी, एक पुनर्वास कॉलोनी को, जो आपातकाल के वर्षों (1975–76) के दौरान अस्तित्व में आई थी, नेबरहुड संग्रहालय के लिए खोज और तत्संबंधी कार्य करने के लिए चुना गया था। नेबरहुड में अतीत में सांप्रदायिक संघर्ष हुआ है, जिसमें 1984 के सिख विरोधी दंगे और 2014 के हिन्दू–मुस्लिम दंगे शामिल हैं। शोध के लिए त्रिलोकपुरी को चुनने का एक मुख्य कारण यह है कि इसके बहुत–से निवासी औपचारिक और अनौपचारिक सेवा क्षेत्रों में काम करते हैंः नौकरानी, गोल–गप्पे वाले, रिक्शाचालक, आईएएस अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी। मई से अगस्त, 2017 तक त्रिलोकपुरी में साक्षात्कार और फील्ड–वर्क किए गए।

ii. *दिल्ली फोटो अभिलेखागार*

अक्टूबर, 2015 से, केंद्र 19वीं और 20वीं शताब्दी के दिल्ली के एक फोटोग्राफिक अभिलेखागार का निर्माण कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य दिल्ली शहर के लोगों के रोजमर्रा के जीवन और अनुभव को चित्रित करना है। इस परियोजना में जन–स्मृति और सामाजिक रूप से प्रासंगिक इतिहास दोनों के हित में दृश्य और लिखित मीडिया के बीच नया संबंध विकसित करने का प्रयास किया गया है।

इन तस्वीरों के संग्रह, डिजिटलीकरण, एनोटेशन और प्रसार की प्रक्रिया परियोजना की प्रमुख गतिविधियों में से एक रही है। केंद्र ने शौकिया फोटोग्राफरों और अन्य लोगों की व्यक्तिगत होल्डिंग से दिल्ली की लगभग 4000 तस्वीरें एकत्र की हैं। परियोजना का प्रसार कार्य, विश्वविद्यालय और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एनोटेशन कार्यशालाओं, सार्वजनिक प्रदर्शनियों और कार्यक्रमों के रूप में किया गया है।

2. पूर्वोत्तर क्षेत्र

पूर्वोत्तर मंच (एनईएफ) इस क्षेत्र और विश्वविद्यालय समुदाय से जीवन के विभिन्न भागों से आने वाले विद्वानों, संस्थानों और लोगों के बीच परस्पर संवाद के अपने दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय के साथ–साथ के बाहर भी कई कार्यक्रम आयोजित करता है और उनमें भाग लेता है।

i. पूर्वोत्तर मंच ने 19–25 जुलाई, 2017 तक चियांगमई विश्वविद्यालय, थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय एशियाई अध्ययन सम्मेलन (आईसीएएस10) में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। आठ संकायों ने 'रिपॉजिटिंग नॉर्थईस्ट इंडिया' पर दो पैनल चर्चाओं में भाग लिया।

ii. पूर्वोत्तर के छात्रों के साथ 16 अगस्त, 2017 (कश्मीरी गेट परिसर) और 23 अगस्त (करमपुरा परिसर) में विश्वविद्यालय परिसर में बैठक आयोजित हुई। इसके बाद विश्वविद्यालय के संकायों के बीच बैठकें हुईं।

iii. 18 सितंबर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी) में एनईएफ प्रकाशन ऑब्जेक्टिव्स, आईडेंटीटीज एंड मीनिंग पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई थी। एकत्र किए गए निष्कर्षों, साक्षात्कारों और कलाकृतियों के आधार पर आईआईसी में 14 और 29 सितंबर, 2017 के बीच असम, मणिपुर, नागालैंड और मेघालय के आठ समुदायों को कवर करते हुए एयूडी अनुसंधान परियोजनाओं के दौरान एक प्रदर्शनी हुई।

iv. एनईएफ 25 सितंबर और 26 अक्टूबर, 2018 को 'नॉर्थ ईस्ट इंडिया एंड साउथ एशियाः एक्सप्लोरिंग कंटिन्यूटीज' विषय पर एयूडी में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा।

v. 24 जून, 2017 को एनआईएफ से जुड़े संकाय सदस्यों के साथ प्रोफेसर संजय शर्मा, निदेशक और सुरजीत सरकार, समन्वयक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सामाजिक विज्ञान संकाय, चियांगमाई विश्वविद्यालय, थाईलैंड में मुलाकात की। चियांगमाई में बैठक में भारतीय महावाणिज्य दूत उपस्थित थे।

3. मध्य प्रदेश क्षेत्र

ऐसे बसी पिपरिया

मध्य प्रदेश के जिला होशंगाबाद के पिपरिया कस्बे में रहने वाले, काम करने वाले और स्थान बनाने वालों से बातचीत करके आख्यानों को एकत्र करने के लिए कुल 70 साक्षात्कार आयोजित किए गए।

चित्र 1: रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म, पिपरिया (2017); चित्र 2: स्थानीय चुनावी रैली, पिपरिया (लगभग 1960);चित्र 3 एवं 4: स्थानीय शोधकर्ताओं द्वारा लिए गए साक्षात्कार, पिपरिया (2017)

इस कार्य पर आधारित एक प्रकाशन, जिसे *'ऐसे बसी पिपरिया'* कहा जाता है, प्रक्रिया में है।

4. संग्रह एवं अभिलेखागार

संस्थागत स्मृति परियोजना

संस्थागत स्मृति परियोजना (आईएमपी) विश्वविद्यालय परिसर में शैक्षणिक, पाठ्येतर और अनौपचारिक जीवन का विलेखन करती है। इस परियोजना में विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों और घटनाओं का विलेखन किया जाता है। इसमें विश्वविद्यालय के परिसरों में विभिन्न मुद्दों के छात्र–निर्मित प्रलेखन को सम्मिलित हैं और साथ ही जाति और जेंडर मुद्दों के कारण परिसरों में भाषा संबंधी सीखने के मुद्दे और सामाजिक टकराव शामिल हैं।

इस शैक्षणिक वर्ष में इसमें लगभग 5500 फोटोग्राफ के साथ 110 कार्यक्रम दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के साथ साक्षात्कार की सोलह रिकॉर्डिंग की गई। विगत आठ वर्षों में, परियोजना ने 47,456 फोटोग्राफ और 750 दृश्य–श्रव्य रिकॉर्डिंग एकत्र की गई हैं और ऐतिहासिक महत्व के कई दस्तावेजों (फोटोग्राफ्स / पोस्टरों / पैम्फलेट) का डिजिटलीकरण किया गया है।

परियोजना के भाग के रूप में, प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय में 5 से 7 जुलाई, 2017 और 9 से 11 अगस्त, 2017 को कैम्पस कल्वर ओरिएंटेशन और कैम्पस वॉक का आयोजन किया गया। इस परियोजना के लिए, केंद्र ने कार्यक्रमों के प्रलेखन के लिए विश्वविद्यालय के अन्य केंद्रों, प्रभागों के साथ मिलकर भी काम किया है।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

नेशनल सेंटर फॉर बायोलॉजिकल साइंसेज (एनसीबीएस) के वेंकट श्रीनिवासन ने 12 मई, 2017 को एनसीबीएस डिजिटल एक्जिबिट पर एक वार्ता दी।

सामुदायिक ज्ञान केंद्र के अनुसंधान सहायक मेशा मुरली ने नवंबर, 2017 को दिल्ली वॉक महोत्सव के भाग के रूप में ओरल हिस्ट्री वॉक का नेतृत्व किया'महरौली के किस्से' का नेतृत्व किया।

घाना विश्वविद्यालय के अफ्रीकी अध्ययन संस्थान के कोजो ओपुको एडू ने 22 जनवरी, 2018 को 'ग्रास–रूट्स पैन–अफ्रिकनिज्म एंड इंट्रा रीजनल माइग्रेशन्स इन वेस्ट अफ्रीका टुडे' पर वार्ता दी।

स्वर्गीय समुद्र विद्वान, डॉ. लतिका वरदराजन (1934–2017) के सम्मान में, गेटवे होटल, मरीन ड्राइव, कोच्चि में 22–24 मार्च, 2018 को एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय और प्रशांत महासागरों की समुद्री परंपराएं का आयोजित किया गया।

3.2. विकास प्रैक्टिस केंद्र

विकास प्रैक्टिस केंद्र (सीडीपी) को जुलाई, 2013 में स्थापित किया गया। इसमें दो आयामों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है—पहला परिवर्तनकारी सामाजिक कार्य करने हेतु व्यावसायिक संचालक संवर्ग का निर्माण; एवं विकास व्यावसायियों तथा शिक्षाविदों के बीच सहयोगी अनुसंधान के लिए मंच की स्थापना। केंद्र का उद्देश्य मौजूदा विकासात्मक वार्तालाप और व्यवहार में गहनता से प्रतिभागिता करना और इस पर विचार करना, समुदायों ('समूह संदर्भों में—संक्रमण—प्रतिरोध' के प्रश्नों के बारे में जागरूकता सहित) के साथ हमारे काम में मनोवैज्ञानिक—मनोविश्लेषणात्मक संवेदनशीलता की शुरूआत करना और ग्रामीण और वन समुदायों में संबंधित विकासात्मक क्षेत्रीय व्यवहारों और स्वयं और सामाजिक परिवर्तन पर पुनर्विचार करना और पुनः कार्य करना है।

केंद्र, स्कूल ऑफ ह्यूमन स्टडीज के सहयोग से विकास प्रैक्टिस में एम.फिल. कार्यक्रम प्रदान करता है। फेलोशिप समर्थन के अलावा, केंद्र अपने छात्रों के लिए प्लेसमेंट सहायता भी प्रदान करता है।

सहकार्यता (सहयोग)

सीडीपी निम्नलिखित संगठनों के साथ सहयोग कर रहा हैः टाटा ट्रस्ट्स, फोर्ड फाउंडेशन, पीडब्ल्यूसी इंडियन फाउंडेशन, एनएसडीएल ई—गवर्नेंस, हेल्प योर एनजीओ, रोहिणी घडिओक फाउंडेशन एवं भारती रमोला द्वारा व्यक्तिगत योगदान।

अनुसंधान परियोजनाएँ

अनूप धर, परियोजना निदेशक; इमरान अमीन, परियोजना प्रभारी। इंस्टीट्यूशनलाइजिंग सेंटर फॉर डेवलपमेंट प्रैक्टिस। टाटा ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित (रु. 29,900,000; 5 वर्ष; जारी)।

ईशा डे, प्रधान अन्वेषक; विनीषा सिंह बस्नेत एवं अरुणिमा मिश्रा, रिसर्च एसोसिएट्स। अनलॉकिंग द वैल्यू पोटेंशियल ऑफ एनटीएफपी। फोर्ड फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित (रु. 24,445,900; 4 वर्ष; जारी)।

केंद्र, वर्तमान में अन्य फाउंडेशन के सहयोग से एक्शन रिसर्च में तीन अध्येताओं के कार्य का समर्थन कर रहा हैः

1. भाव्या चित्रांसी कोंढा जनजाति में कुंवारी महिलाओं के साथ प्राथमिक रूप से संलग्न होकर दक्षिण ओडिशा के रायगढ़ जनपद में 'सिंगलनेस एंड संगठन' पर शोधकार्य कर रही है। इस शोधकार्य को रोहिणी घाड़ियोक फाउंडेशन द्वारा समर्थन दिया गया है।

2. निशांत चौधरी 'किनारे' परियोजना पर शोधकार्य कर रहे हैं और उन्होंने राजधानी के शहरी स्थल में सामूहिक कृषि सम्बन्धी कार्य में भाग लेने की चुनौती को स्वीकार कर लिया है। वह एक जारी मल्टीमीडिया परियोजना 'द रिवर एंड द सिटी' के मुख्य दल के एक सदस्य हैं। यह विकास प्रैक्टिस केंद्र और सामुदायिक

ज्ञान केंद्र के बीच एक सहयोगात्मक परियोजना है। वह एयूडी उद्भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र (एसीआईआईई) के समर्थन से कम लागत वाले छत के ऊपर खेती के नमूने पर कार्य कर रहे हैं।

3. आशुतोष कुमार रोहिणी घाड़ियोक फाउंडेशन द्वारा समर्थित कृषि के वैकल्पिक स्वरूपों की संभावनाओं को खोजने के लिए गुमला में अपने कार्य को आगे बढ़ाते समय, रायगढ़ में भाव्या चित्रांशी के साथ एक क्रियाशील शोधकर्ता के रूप में कार्य कर रहे हैं।

प्रस्तुतियाँ

अर्पित गैन्ड ने मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा 16 फरवरी, 2018 को आयोजित देउलूजे और गुआटारी इंटरनेशनल कैंप और कॉन्फ्रेंस, कंटेंपररी कम्युनिकेशन कल्चर्स, कंटवैल्स एण्ड बिकमिंग्स में 'ऑन बिकमिंग होः नोट जस्ट ए फिल्म' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

अरुणिमा मिश्रा ने 19 जनवरी, 2018 को बारासात विश्वविद्यालय, कोलकाता में 'स्वदेशी लोग, मानव सुरक्षा, दीर्घस्थायी विकास और वर्तमान वैश्विक संदर्भ में उभरती हुई चुनौतियों' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन में 'हेल्थ एंड न्यूट्रीशनः ए डायलॉग बिटवीन आदीवासी वर्ल्ड व्यू एंड मॉडर्न मेडीसिन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

भाव्या चित्रांशी ने 16 सितम्बर 2017 को जाधवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में सैफो फॉर इक्वालिटी द्वारा 'अभ्यास, राजनीति और संभावनाएँ' पर आयोजित अधिवेशन में 'सिंगल बींग्स एंड कलेक्टिव बीकमिंग्सः रेफ्लेक्शंस फ्रॉम एक नारी संघठन' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

——ने इंडिया इन्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली में 13 जनवरी, 2018 को मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र एवं मानव अध्ययन स्कूल, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा इटालियन साइकोऐनालाइटिक सोसाइटी के सहयोग से 'संस्कृति और क्लीनिक में अंधेरे का मनो–विश्लेषणात्मक खोजः भारत–इटली के बीच एक वार्तालाप' विषय पर आयोजित पंचम अंतर्राष्ट्रीय मनो–विश्लेषणात्मक अधिवेशन में 'लिविंग इन सिंगलनेसः डार्कनेस, डेडनेस एंड स्क्रीम्स ऑफ साइलेंस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

बिशाखा मिश्रा और शशी शिखा ने 26 फरवरी, 2018 को टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई में 'सहयोगात्मक ज्ञान की रचनाः प्रक्रियाएँ और विन्यास' विषय पर आयोजित सीओआरओ कार्यशाला में 'इम्मरसिव रिसर्चः बिल्डिंग ए पर्सपेक्टिव टूवड्र्स द प्रोसेस ऑफ रिलेटिंग–नोइंग–डूइंग' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

निकिता खन्ना ने 14 फरवरी, 2018 को मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में 'पारम्परिक वार्तालाप की संस्कृति, नियंत्रण और प्रतिफल' पर आयोजित डेल्यूज एवं गुआत्री अंतर्राष्ट्रीय शिविर और अधिवेशन में 'दी बॉडी इन देहातः ए थिएट्रिकल बीकमिंग–फ्रॉम एप्लाइड फिलॉसिफी टू प्रैक्टिकल फिलॉसिफी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने 24 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'वूमैन्स वर्क एंड ऑक्यूपेशनल हेल्थ–इमर्जिंग इश्यूज, चैलेंजेस एंड पालिसी मेजर्स इन द अनऑर्गेनाइज्ड सेक्टर' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रतीक ने 2018 को सेंट जैवियर्स कॉलेज, मुंबई में 'नीति सामवेद, रीथिंकिंग पॉलीटिक्सः फ्रॉम गारंटीज टू एम्बिवलन्स' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

—— ने मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में 14 फरवरी, 2018 को 'पारम्परिक वार्तालाप की संस्कृति, नियंत्रण और प्रतिफल' पर आयोजित डेल्यूज एवं गुआत्री अंतर्राष्ट्रीय शिविर और अधिवेशन में 'ट्रांजक्शन्स बिटवीन पर्सनल एंड पॉलिटिकल : प्रोटेस्ट अगेंस्ट नशा इन एन आदिवासी विलेज' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सोहेल गुप्ता ने 14 फरवरी, 2018 को मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई में 'पारम्परिक वार्तालाप की संस्कृति, नियंत्रण और प्रतिफल' पर आयोजित डेल्यूज एवं गुआत्री अंतर्राष्ट्रीय शिविर और अधिवेशन में 'कल्टिवेटिंग एथिक्सः प्रीलिमिनरी थॉट्स ऑन कन्वर्सेशन एंड कास्ट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

स्वर्णिमा कृति ने 26 फरवरी, 2018 को टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, मुंबई में 'सहयोगात्मक ज्ञान की रचनाः प्रक्रियाएँ और स्वरूप' विषय पर आयोजित सीओआरओ कार्यशाला में 'को–लर्निंग जेंडरः फाइंडिंग पॉसिबिलिटीज ऑफ को–परफॉरमेंस इन मद्रापोटि' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

केंद्र ने भुवनेश्वर एवं रायपुर में एनटीएफपी परामर्श कार्यशालाओं का आयोजन किया।

3.3. प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी) की परिकल्पना एक ऐसे संस्थान के रूप में की गई है जिसमें प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास (ईसीईडी) के क्षेत्र में शोध, योजना तथा व्यवहार को एक साथ लाना है। केंद्र की सोच प्रारंभिक शिक्षा पर ध्यान देने के साथ विकास एवं सन्दर्भ की दृष्टि से समुचित एवं समावेशी ईसीईडी की सर्वांगीं शिक्षा को बढ़ावा देना है। केंद्र का लक्ष्य हर बच्चे के जीवन हेतु ईसीईडी के माध्यम से ठोस आधार के अधिकार का समर्थन एवं प्रोत्साहन करते हुए सामाजिक न्याय और समानता के राष्ट्रीय लक्ष्यों में सहयोग करना है। केंद्र शोध, क्षमता निर्माण और समर्थन से ईसीईडी में साक्ष्य आधारित गुणवत्ता के प्रोत्साहन को अपना लक्ष्य मानता है। शोध व मूल्यांकन से संबंधित अपनी परियोजनाओं; ईसीईडी के क्षेत्र में गुणवत्ता के प्रोत्साहन और क्षमता निर्माण तथा समर्थन एवं नेटवर्किंग के लिए केंद्र ने वर्ष 2009 से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों से सक्रियता पूर्वक धन जुटाना जारी रखा है।

सहकार्यता (सहयोग)

केंद्र ने निम्नलिखित संगठनों/संस्थानों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा हैः

1. सेंट्रल स्क्वायर फाउंडेशन (सीएसएफ)
2. चिल्ड्रन्स इन्वेसटमेंट फंड फाउंडेशन (सीआईएफएफ)
3. दिल्ली एनसीटी सरकार
4. दिशा–बीवीएलएफ
5. रिजल्ट फॉर डेवलपमेंट (आर4डी)
6. टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस)
7. यूनिसेफ इंडिया, दिल्ली कार्यालय
8. यूनिसेफ महाराष्ट्र
9. यूनिसेफ वेस्ट बंगाल
10. विश्व बैंक
11. येल विश्वविद्यालय

अनुसंधान परियोजनाएं

शोध एवं मूल्यांकन

मोनीमलिका डे, प्रधान अन्वेषक। अर्ली चाइल्डहुड डेवलपमेंट एंड प्री–स्कूल प्रोग्राम इन ओडीशा, येल विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित। (रु. 5,310,410; दो वर्ष; जारी)।

सुनीता सिंह, प्रधान अन्वेषक। अर्ली लर्निंग इनिशिएटिव्स, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान (टीआईएसएस) द्वारा वित्त पोषित। (रु. 2,021,600; दो वर्ष; जारी)।

वृंदा दत्ता, प्रधान अन्वेषक। अर्ली लर्निंग एंड डेवलपमेंट स्टैंडर्ड्स (ईएलडीएस) फॉर चिल्ड्रन फ्राम 3–6 ईयर्स ओल्ड्स' यूनिसेफ इंडिया द्वारा वित्त पोषित। (रु. 20,425,835; दस माह; जारी)।

इंडियन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इम्पैक्ट (आईईसीईआई) स्टडी बुक पब्लिकेशन, सीईसीईडी रिसोर्स फंड द्वारा वित्त पोषित। (जारी)।

सीईसीईडी क्लीयरिंग हाउसः कम्युनीकेशन, सीईसीईडी रिसोर्स फंड द्वारा वित्त पोषित। (जारी)।

अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली क्रच, सीईसीईडी रिसोर्स फंड द्वारा वित्त पोषित। (जारी)।

इफेक्ट्स ऑफ अर्ली स्टिमुलेशन एंड न्यूट्रीशनः ए स्टडी इन ओडिशा, येल विश्वविद्यालय द्वारा वित्त पोषित। (पूर्ण)।

इम्पैक्ट ऑफ द रीड टू किड्स (आर2के) इंटरवेंशन ऑन केयरगिवर्स बिहेवियर्स एंड एटीट्यूट्स, रिजल्ट्स फॉर डेवलपमेंट (आर4डी) द्वारा वित्त पोषित। (पूर्ण)।

क्षमता निर्माण और गुणवत्ता संवर्धन

मोनीमलिका डे, प्रधान अन्वेषक। 'टेक्निकल असिस्टेंस ऑन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन (ईसीई) टू यूनीसेफ वेस्ट बंगाल' यूनिसेफ पश्चिम बंगाल द्वारा वित्त पोषित। (रु. 1,211,240; पाँच महीने; जारी)।

—— प्रधान अन्वेषक। 'टेक्निकल असिस्टेंस ऑन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन (ईसीई) टू यूनीसेफ वेस्ट बंगाल' यूनिसेफ पश्चिम बंगाल द्वारा वित्त पोषित। (रु. 3,736,708; एक वर्ष; जारी)।

वृंदा दत्ता, प्रधान अन्वेषक। इम्पैक्ट ऑफ अर्ली लर्निंग सोशलाइजेशन एलांग द प्राइमरी–लेवल स्टेज, सीआईएफ द्वारा वित्त पोषित। (रु. 15,213,625; पाँच वर्ष; पूर्ण)।

—— प्रधान अन्वेषक। 'टेक्निकल असिस्टेंस टू स्टेट ऑफ महाराष्ट्र ऑन ईसीई, यूनिसेफ महाराष्ट्र द्वारा वित्त पोषित। (रु. 465,829; अठारह महीने; जारी)।

—— मुख्य अन्वेषक। प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा (ईसीसीई) में गुणवत्ता को सुदृढ़ करनाः दीर्घस्थायी विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के समर्थन में (आकलन के साधनों का मानकीकरण), सेन्ट्रल स्क्वायर फाउंडेशन (सीएसएफ), यूनीसेफ और विश्व बैंक द्वारा अनुदानित (रु. 8,970,720; एक वर्ष; जारी)।

—— मुख्य अन्वेषक। 'डेवलपमेंट ऑफ अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन सेंटर्स इन दिल्ली' दिल्ली एनसीटी सरकार द्वारा वित्त पोषित। (रु. 10,000,000; आठ महीने; जारी)।

एडवोकेसी और नेटवर्किंग

केंद्र की संचार इकाई ने केंद्र के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए अनुसंधान के प्रसार में सहायता करने के लिए अनुसंधान परियोजना समन्वयकों के घनिष्ठ समन्वय में काम किया। पिछले वर्ष (2016—17) में की गई कुछ गतिविधियां इस प्रकार हैंः

अर्लीस्कोप वेब पोर्टल (http://ecceportal.in): यह नीति निर्माताओं, चिकित्सकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, पेशेवरों, माता—पिता और बच्चों पर केंद्रित बातचीत शुरू करने के लिए एक स्थान है।

सीईसीईडी वेबसाइट (www.ceced.net): केंद्र की वेबसाइड नियमित रूप से अपडेट की जाती है एवं परियोजनाओं, कर्मचारियों, कायक्रमों तथा नौकरियों के अवसरों से संबंधित जानकारी प्रदान की जाती है। वेबसाइट केंद्र अध्ययन सामग्री, मुख्या संक्षेपिका, नीति—संक्षेपण और अधिक सहित अपने संसाधन बैंक तक पहुँचने के लिए आंतरिक और बाहरी सदस्यों हेतु इंटरफेस का प्राथमिक प्लेटफॉर्म/मंच के रूप में कार्य करती है। केंद्र इस वर्ष दृश्य अपील को बढ़ाने, नए प्रोजेक्ट विवरण को समायोजित करने, कई उपकरणों के लिए अनुकूलन करने और एन्क्रिप्शन और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी वेबसाइट को फिर से डिजाइन कर रहा है। यह केंद्र दृष्टव्य अपील में वृद्धि करने, नयी परियोजना के विवरणों को समायोजित करने, कई यंत्रों को अनुकूल बनाने और एन्क्रिप्शन और डाटा की सुरक्षा के लिए इस वर्ष अपने वेबसाइट का प्रारूप फिर से तैयार कर रहा है। यह नया प्रारूप वर्तमान में परीक्षण के चरण से गुजर रहा है।

सोशल मीडियाः इस केंद्र ने सोशल मीडिया के क्षेत्र में अपने लिए एक स्थान ढूँढ लिया है। इस केंद्र के आधिकारिक फेसबुक पेज पर वर्तमान में सक्रिय रूप से संलग्न 12000 से अधिक अनुयायी (फॉलोवर्स) हैं और इसका उपयोग एक नीतिगत ऑनलाइन संचार मंच के रूप में किया जाता है। फॉलोवर्स नवीनतम प्रकाशनों के विमोचन, त्रैमासिक घटनाओं, रोजगार के अवसरों और आगामी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशनों के विवरणों के बारे में नियमित आधार पर अपडेट प्राप्त करते हैं। ट्वीटर हैंडल '@सीईसीईडी_एयूडी' ('@CECED_AUD') का उपयोग प्रारंभिक बाल शिक्षा के प्रोत्साहन में केंद्र के कार्य के बारे में जागरूकता के निर्माण के लिए भी सक्रिय रूप से किया जाता है।

सीईसीईडी फिल्म एवं वीडियोः साक्ष्य पर आधारित संस्तुति इस केंद्र के एक मुख्य क्रियाकलाप की रचना करता है। इसके लिए, विडियो और फिल्मों का निर्माण आंतरिक रूप से किया गया था। यह केंद्र, यूनीसेफ पश्चिम बंगाल और विक्रमशिला एजुकेशन रिसोर्स सोसाइटी (वीईआरएस) के सहयोग से ईसीई पाठ्यक्रम के अंतर्गत सम्मिलित किये गये चार विभिन्न विषयों को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षण विडियो के चार सेट के

विकास में संलग्न है। इन प्रशिक्षण विडियो का उपयोग पश्चिम बंगाल राज्य में विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए किया जाना है। इन चार विषयों में व्यापक रूप से निम्नलिखित सम्मिलित हैः पीएसई (स्कूल पूर्व शिक्षा) किट का उपयोग और महत्व; आंगनवाड़ी केंद्र के लिए सामग्री का विकास; आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ बातचीत; आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ कथावाचन।

इसके अतिरिक्त, इस वर्ष के दौरान केंद्र द्वारा जारी की गईं वीडियो की सूची निम्नलिखित हैः

- प्रोफेसर कैथी सिल्वा द्वारा विशेष व्याख्यान – टीचिंग पैरेंट्स ऑफ प्रीस्कूल चिल्ड्रन टू सपोर्ट लर्निंग एट होम। (2017, अंग्रेजी, यूट्यूब रिलीज)
- प्रोफेसर हिरोकाजू योशिकावा द्वारा सार्वजनिक व्याख्यान–डेवलपमेंट फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंटः एड्रेसिंग द चैलेंज ऑफ क्वालिटी एट लार्ज स्केल। (2018, अंग्रेजी, यूट्यूब रिलीज)
- सीईसीईडी राष्ट्रीय सम्मेलन 2017 (2018, अंग्रेजी, यूट्यूब रिलीज)
- प्रोफेसर हिरोकाजु योशिकावा के साथ वार्तालाप (2018, अंग्रेजी, यूट्यूब रिलीज)

उपलब्धियाँ

मीनाक्षी एशिया–पेसिफिक रीजनल नेटवर्क ऑन अर्ली चाइल्डहुड (एआरएनईसी) में ईसीडी की राष्ट्रीय प्रतिनिधि (भारत) है।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

केंद्र ने 28 जुलाई, 2017 को *इंडियन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इम्पैक्ट स्टडी (आईईसीईआइ)* पर रिपोर्ट जारी की।

केंद्र ने 15 सितंबर, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट में फिल्म निर्माता, प्रणब के आइच के साथ बातचीत की उसके बाद फिल्म सिटी'ज स्टेप चाइल्ड की एक सार्वजनिक स्क्रीनिंग का आयोजन किया।

केंद्र ने गुवाहाटी (12 सितंबर, 2017), हैदराबाद (18 सितंबर, 2017), लखनऊ (6 अक्टूबर, 2017) और जयपुर (12 अक्टूबर, 2017) में *इंडियन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन इम्पैक्ट स्टडी (आईईसीईआई)* के क्षेत्रीय प्रसार कार्यशालाओं का आयोजन किया।

लेडी इरविन कॉलेज की प्रोफेसर आशा सिंह ने 15 नवंबर, 2017 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, कश्मीरी गेट में 'कल्चरल कॉनटेक्स्ट एज टूल फॉर चिल्ड्रन्स लिटरेसी' विषय पर व्याख्यान दिया।

कैथी सिल्वा, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, ने 20 नवंबर, 2017 को आईआईसी एनेक्सी, नई दिल्ली में 'टीचिंग पैरेंट्स ऑफ प्रीस्कूल चिल्ड्रन टू सपोर्ट लर्निंग एट होम' विषय पर व्याख्यान दिया।

एक राष्ट्रीय सम्मेलन 'अर्ली लैंग्वेज एंड लिटरेसी' 14, 15 दिसंबर, 2017 को अर्ली लिटरेसी इनीशिएटिव (टीआईएसएस हैदराबाद) एवं चिल्ड्रन्स इन्वेस्टमेंट फंड (सीआईएफ) के सहयोग से आयोजित किया गया।

केंद्र ने 6–14 जनवरी, 2018 को नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2018 में भाग लिया।

हिरोकाजु योशीकावा, प्रोफेसर, एनवाईयू ने 10 जनवरी, 2018 को लैटिन अमेरिका में 'क्वालिटी इन अर्ली चाइल्ड एजुकेशन' वषय पर व्याख्यान दिया।

केंद्र ने अपनी 8वीं वर्षगांठ मनाई और अपनी उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करने के लिए एयूडी, कश्मीरी गेट परिसर में वर्षगांठ के जश्न का कार्यक्रम आयोजित किया।

3.4. अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र

अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र (सीईएलई) की परिकल्पना दिल्ली के विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त अंग्रेजी शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों की क्षमता को विकसित करने हेतु आउटरीच कार्यक्रमों को करने के लिए और भारत में अंग्रेजी भाषा की शिक्षा (ईएलई) में शोध एवं पाठ्यक्रम विकास के एक प्रमुख केंद्र के रूप में कार्य करने के लिए विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के अंग्रेजी भाषा की आवश्यकताओं का समाधान करने हेतु एक संस्थागत अंग के रूप में की गयी है। अंग्रेजी भाषा में कुशलता भारत में उच्चतर शिक्षा की मुख्य आवश्यकताओं में से एक है। यह केंद्र ईएलई में कई शिक्षण और शोध कार्यक्रम प्रस्तुत करने का प्रस्ताव करता है। इस केंद्र की परिकल्पना तीन मुख्य उद्देश्यों की पूर्ति के लिए की गयी हैः

- विश्वविद्यालय के छात्रों के अंग्रेजी संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु उनकी सहायता करना।
- आउटरीच गतिविधियों के रूप में प्री–सर्विस (पूर्व–सेवा) एवं इन–सर्विस (सेवा) कार्यक्रमों के माध्यम से पेशेवरों की आवश्यकताओं के लिए अंग्रेजी भाषा की शिक्षा प्रदान करना।
- अंग्रेजी भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान एवं नवाचार की पहल और सहयोग करना।

इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए विशिष्ट उद्देश्य निम्नानुसार हैंः

क) स्नातक, स्नातकोत्तर और शोधार्थियों को भाषा वृद्धि और संवर्धन में क्रेडिट–आधारित और नॉन–क्रेडिट पाठ्यक्रम प्रदान करना।

ख) डिप्लोमा / स्नातक / स्नातकोत्तर / शोध स्तर पर अंग्रेजी भाषा शिक्षा पाठ्यक्रम प्रदान करना।

ग) नीति निर्माताओं, संगठनों, प्रकाशकों को अंग्रेजी भाषा शिक्षा में विशेषज्ञता की आवश्यकता के लिए सलाहकारी सुविधा प्रदान करना।

घ) एलईएल (शिक्षक प्रशिक्षण, सामग्री डिजाइन, प्रभाव / मूल्यांकन अध्ययन, आदि) के विभिन्न पहलुओं में आवश्यकता–आधारित पाठ्यक्रम और उपक्रमों को व्यवस्थित करना।

अनुसंधान परियोजनाएँ

मोनिशिता एच. पांडे, सह–अन्वेषक। इंडियन फोक एपिक्सः ए साउथ इंडियन पर्सपेक्टिव। जीआईएन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, द्वारा वित्तपोषित (रु. 500,000, पूर्ण)।

नूपुर सैमुअल, प्रधान अन्वेषक। राइटिंग पेडागॉजी इन हायर एजुकेशन। एसजीएमएफ, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्तपोषित (रु. 100,000, जारी)।

प्रस्तुतियाँ

कृष्णा के. दीक्षित ने फरवरी, 2018 को श्री टी. पी. भाटिया कॉलेज, मुंबई के सहयोग से एआईएनईटी द्वारा आयोजित चौथे एआईएनईटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लर्निंग मेंटरिंग थ्रू मेंटरिंग' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान / उपलब्धियाँ

कृष्णा के. दीक्षित ने 17 दिसंबर, 2017 को मुंबई में एक शिक्षक शोध कार्यशाला 1 (एप्टीस एक्शन रिसर्च मेंटरिंग स्कीम के तहत) आयोजित की।

—— ने 25 दिसंबर, 2017 को भंडारा में एक शिक्षक शोध कार्यशाला 2 (एप्टीस एक्शन रिसर्च मेंटरिंग स्कीम के तहत) का आयोजन किया।

—— ने 19, 20 फरवरी, 2018 को स्टर्लिंग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड (यूके) में शिक्षक शिक्षा पर एक अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजना (ईएसआरसी के तहत) के लिए योजना बैठक में भाग लिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

केंद्र ने तीन प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए:

28 जून से 05 जुलाई, 2017 को शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला।

25, 26 सितंबर, 2017 को अंग्रेजी भाषा प्रवीणता की सामग्री विकास कार्यशाला।

11 मार्च, 2018, ब्रिटिश काउंसिल, इंडिया के सहयोग से कक्षा–आधारित शोध मेला का आयोजन किया।

प्रभु, एन.एस. (पूर्व, नेशनल यूनिवर्सिटी सिंगापुर), ने 15 फरवरी, 2018 को 'ट्रेंड्स इन इंगलिश लैंग्वेज लर्निंग एंड पेडागॉजी इन इंडिया एंड रोल ऑफ सीईएलई' पर अभिविन्यास वार्ता दी।

स्मिथ, आर. (सेंटर फॉर एप्लाइड लिंग्विस्टिक्स, वारविक विश्वविद्यालय, यूके) ने 07 मार्च, 2018 को 'द रोल ऑफ हिस्टोरिओग्राफी इन डीसेंटरिंग ईएलटी' पर एक वार्ता दी।

3.5. एयूडी उद्‌भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र

एयूडी का उद्‌भवन, नवोन्मेषन एवं उद्यमिता केंद्र (एसीआईआईई) विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एक गैर–लाभकारी कंपनी है। केंद्र का लक्ष्य नवोन्मेषन, रचनात्मता और उद्यमशीलता के इर्दगिर्द वास्तविक समय पर किये गये अभ्यास में अंतर–अनुशासनिक क्षेत्रों से परे वैचारिक ज्ञान के रूपांतरण को सुगम बनाता है। यह हमारे देश द्वारा सामना किये जा रहे समस्याओं का समाधान करते समय, नवोन्मेषन और उद्यमशीलता के पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करने और रोजगार उत्पन्न करने वाले धन निर्माता बनने के लिए व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है। यह केंद्र दिल्ली के एनसीटी सरकार से समर्थन और आरंभिक निधि के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त करता है।

वर्तमान में, इस केंद्र ने अपनी मुख्य गतिविधियों के हिस्से के रूप में निम्नलिखित पहल की हैः

- अभिनव विचारों को आमंत्रित करना और उन्हें निष्पादन योग्य व्यावसायिक उद्यमों में सहयोग करना।
- उपक्रम विकास (सामाजिक) के पायलट और स्टार्ट अप चरण का समर्थन करना।
- मार्गदर्शन और एंजेल निवेशकों, उद्यमी पूँजीपतियों व अन्य सम्बंधित माध्यमों से वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था करने में सहयोग के माध्यम से तकनीकी और मनोवैज्ञानिक समर्थन का विस्तार करना।
- कार्यशालाओं, संगोष्ठियों के आयोजन और अनुभव साझा करके उद्यमिता और उससे जुड़े मुद्दों को बढ़ावा देना।

वर्तमान में, छः सामाजिक स्टार्टसअप एसीआईआईई में प्रारंभिक अवस्था में हैं। यह केंद्र वर्तमान में 17 अभ्यार्थियों को आरंभिक प्रशिक्षण से पूर्व के स्तर पर परामर्श दे रहा है जिसमें सम्बन्धित विचारों को व्यवहारिक कार्ययोजनाओं और व्यवसाय प्रतिमानों में रूपांतरित किया जा रहा है। इन अभ्यार्थियों की आगे की जाँच और चुनाव, केंद्र में आरंभिक प्रशिक्षण के लिए शीघ्र ही एक विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाएगा।

यह केंद्र डिजाइन स्कूल और व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल के सहयोग से सामाजिक उद्यमशीलता विषय के क्षेत्र में शिक्षण गतिविधियाँ कर रहा है और अगले शैक्षणिक वर्ष में आरंभ किये जाने वाले लघु एवं दीर्घकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों को भी विकसित कर रहा है।

सहकार्यता (सहयोग)

i. प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, जीएनसीटी दिल्ली
ii. द इंडुस एंटरप्राइजेज, दिल्ली
iii. वाटर एड इंडिया
iv. एक गाँव टेक्नोलॉजीज, उत्तर प्रदेश

v. इको टसर सिल्क प्रा. लिमिटेड, नई दिल्ली
vi. स्कूल ऑफ सोशल एंटरप्रेन्योर, भारत
vii. स्टार्ट–अप ओएसिस, जयपुर
viii. क्विक सैंड स्टूडियो, नई दिल्ली

अनुसंधान परियोजनाएँ

इस शैक्षणिक वर्ष में 'प्रारंभिक प्रशिक्षण पूर्व सहायता कार्यक्रम की एक अवधारणा तैयार करना' शीर्षक से एक शोध सम्पन्न किया गया। शोध के एक निष्कर्ष के रूप में केंद्र ने प्रारंभिक प्रशिक्षण पूर्व उस सहायता कार्यक्रम को दृष्टिगोचर करने के लिए ठोस और यथार्थवादी दिशानिर्देशों को मान्यता प्रदान की है जो युवा वयस्कों को एक सामाजिक उद्यम स्थापित करने की दिशा में सभी आवश्यक आधारभूत कार्य को सम्पन्न करने और पूरा करने में सहायता कर सकता है।

सम्मान/उपलब्धियाँ/पुरस्कार

यह केंद्र निम्नलिखित व्यक्तियों को लाभ–उन्मुख सामाजिक उपक्रमों को स्थापित करने के साथ–साथ, उनको नीतिगत एवं संभार तंत्र सम्बन्धी सहायता प्रदान करने में सहायक रहा है। प्रारंभिक प्रशिक्षण से पूर्व, केंद्र ने उनके सम्बन्धित प्रस्तावों को परिष्कृत करने और उनका विस्तृत वर्णन देने के परिपेक्ष्य में इन स्टार्टअपों को सहायता प्रदान की है। प्रत्येक स्टार्टअप को केंद्र द्वारा धारण किये गये 5 प्रतिशत के इक्विटी शेयर के विरुद्ध 10 लाख रुपये की प्रारंभिक निधि प्रदान की जा रही है।

सिद्धांत खुराना ने समाज के अधिकारविहीन वर्गों में मानसिक स्वास्थ देखभाल के सम्बन्ध में जागरूकता प्रदान करने के उद्येश्य के साथ 'माइंड पाइपर' नामक एक फाउंडेशन स्थापित किया है। यह फाउंडेशन अपने लाभ–उन्मुख सामाजिक उपक्रम, टॉक हेल्थकेयर एनालाइटिक प्रा. लिमिटेड के सहयोग से कार्य करता है जो स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को परामर्श एवं अन्य मानसिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करता है।

निशांत चौधरी का 'अर्बन क्यारी' दिल्ली के शहरी क्षेत्रों में छत आधारित खेती की स्थापना करके दिल्ली के यमुना नदी के किनारे बसे हुए गैर–मान्यताप्राप्त कृषक समुदायों के लिए बेहतर जीविका के विकल्पों को खोजने में संलग्न रहा है।

जिज्ञासा लाबरू और गौरव सिंह ने 'स्लैम आउट लाउड' आरंभ किया है जो बच्चों और युवाओं को नेतृत्व एवं वार्तालाप कौशलों के साथ सशक्त करने के लिए नाटक और कविता जैसे कला स्वरूपों की शक्ति का उपयोग करता है। अपने अनोखे जिजीविषा फेलोशिप कार्यक्रम के माध्यम से, यह सामाजिक उपक्रम जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से पेशेवरों को एक साथ लेकर आया है जो बच्चों को अधिकार देने के लिए उनके साथ कार्य करता है।

विशाल सहारण और मीनाक्षी खाद्य आधारित एक उद्यम; 'अर्बन चूल्हा' नामक एक सामाजिक उपक्रम का संचालन करते हैं जो जैविक सब्जियों मँगाते हैं और उनको अपने ग्राहकों को पकाये हुए स्वास्थ्यप्रद भोजन के रूप में परोसते हैं।

अजय कुमार ने एक कंपनी 'टीच फॉर ग्रीन', एक सामाजिक उद्यम की स्थापना की है जिसने स्वयं को एक ग्रामीण स्वच्छ इंक्युबेटर के रूप में स्थापित किया है। यह ग्रामीण युवाओं के साथ कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिसमें उनको सौर बत्तियों जैसे स्वच्छ उत्पादों के निर्माण कौशल के बारे सिखाया जाता है। प्रशिक्षण के पश्चात, यह उद्यम युवाओं को वित्तीय संस्थानों के साथ जोड़ता है और उनको अपना लघु उद्यम स्थापित करने में उनकी सहायता करता है जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में वैकल्पिक जीविका के विकल्पों का निर्माण होता है।

गुरुप्रसाद सावकर ने सृजन निसर्ग; जिसका अर्थ है, प्रकृति का निर्माण करना, की स्थापना की है जो आवासीय स्थलों, कॉर्पोरेट कार्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर बागवानी के आनंद को फिर से उत्पन्न करने पर केन्द्रित है।

3.6. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र (सीपीसीआर) औपचारिक रूप से जुलाई 2013 में अस्तित्व में आया। इससे पूर्व, मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस) ने केंद्र की अवधारणा और निर्माण को एक परियोजना के रूप में स्थापित किया। अन्वेषणात्मक साइकोथेरापी क्लीनिक वर्ष 2011 से ही कार्य कर रहे हैं और एयूडी समुदाय के विद्यार्थियों और सभी अन्य सदस्यों को मानसिक स्वास्थ्य की सहायता प्रदान कर रहे हैं। अपने प्रारंभ से ही, केंद्र के मार्गदर्शी दृष्टिकोण को मनो–विश्लेषणात्मक अनुकूलन पर केन्द्रित किया गया है। यह दृष्टिकोण मानसिक स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक अव्यवसायिक अनुकूलन पर स्थिर होता है, अचेतन मन में एक धारणा जो मानव मामलों में मनोवैज्ञानिक जटिलता को सम्मान देता है, चिंता करने वाले संबंधों के लिए एक मूल्य और करूणा विकसित करने की एक नैतिकता।

केंद्र के लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्नलिखित हैं :

1. अल्पतम शुल्क के साथ उनकी सामाजिक–आर्थिक संभावनाओं के बावजूद, सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण मनोवैज्ञानिक सेवाएँ उपलब्ध कराना।
2. सार्वजनिक मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली में देखभाल के लिए एक गैर–वाणिज्यिक नैतिकता की स्थापना करें।
3. भारतीय संदर्भ में मनोचिकित्सा पद्धति पर पुनर्विचार करें।
4. मनोवैज्ञानिक चिकित्सा में एक गहन एम.फिल कार्यक्रम के माध्यम से मनोविश्लेषी व समाज के प्रति संवेदनशील मनोचिकित्सकों को प्रशिक्षण देना।
5. अंतर–व्यक्ति परक एवं पारस्परिक रूप से परिवर्तनकारी यात्राओं के माध्यम से समुदाय सन्दर्भों में कार्य करना।
6. मानसिक स्वास्थ्य एवं मनोचिकित्सा संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान, प्रकाशन एवं ज्ञान का प्रसार करना।
7. मानसिक स्वास्थ्य एवं संबंधित पेशेवरों को प्रशिक्षित करने के साथ ही मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में व्यक्तिनिष्ठ मूल्यांकन व ग्रहण करने हेतु आदर्श स्थापित करना।
8. भारत में मनोवैज्ञानिक व मनोचिकित्सकों का संगठन तैयार करना।
9. मानसिक स्वास्थ्य नीति को सूचित करने व भारतीय एवं वैश्विक परिदृश्य में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए पेशेवर चिकित्सकों के लिए एक मंच तैयार करना।

वर्ष 2017–2018 में केंद्र निम्नलिखित के माध्यम से इन उद्देश्यों को समेकित करने में सक्षम था:

एहसास– केंद्र की मनोचिकित्सा एवं परामर्श इकाई

विश्वविद्यालय में *एहसास* चिकित्सालय मनोवैज्ञानिक मनोचिकित्सा हेतु प्रशिक्षण, शिक्षण एवं अभ्यास स्थल के रूप में कार्य कर रहा है। यह उपेक्षित लोगों की आवाज और अनुभवों को अभिव्यक्ति प्रदान करने के लिए एक सुग्राही और सुरक्षित स्थान प्रदान कर एयूडी समुदाय और उसके बाहर मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को पूरा करने का महत्वपूर्ण कार्य करता है। यह हमारे विजन और सामाजिक न्याय व समानता के विश्वविद्यालय

के लोकाचार के लिए सत्य है, एहसास एक मामूली शुल्क पर और निःशुल्क परामर्श और मनोचिकित्सा प्रदान करता है, और सभी सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से आए व्यक्तियों की विविध प्रकार की मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का समाधान करता है।

इस वर्ष, अहसास ने अपनी देखभाल को दीर्घ व अल्पावधि के मनोचिकित्सा सत्रों के माध्यम से 224 रोगियों (20 प्रतिशत पुरूष और 80 प्रतिशत महिलाओं) तक पहुँचाया है। अधिसंख्यक रोगी अवसाद, व्यग्रता और भय के आक्रमणों से ग्रस्त थे, जबकि आत्महत्या की धारणा से ग्रस्त बहुत कम रोगी आये थे जिनको तुरंत सहायता की आवश्यकता थी। थोड़े से रोगी मानसिक समस्याओं से प्रभावित थे और उनका उपचार औषधियों और मनोचिकित्सा से किया गया था। यह संभव था क्योंकि हमारे पास एक अतिथि मनोचिकित्सक उपलब्ध था और इसलिए एक मनोचिकित्सीय परामर्श को उन रोगियों तक पहुँचाया जा सकता था जिनको मनोचिकित्सा के साथ, उसकी आवश्यकता थी।

रोगियों में दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और जवाहरलाल विश्वविद्यालय के छात्र भी सम्मिलित थे। बड़ी संख्या में मरीज दिल्ली और एनसीआर के आसपास के क्षेत्रों से आये थे। अधिकतर मरीजों का आयुवर्ग 20 से 28 वर्ष के बीच का था। देखभाल की आवश्यकता वाला एक छोटा सा उपवर्ग 50–65 वर्ष आयु के बीच के वयोवृद्ध व्यक्तियों का था।

सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य

वर्ष 2015 में वयस्क बेघरों के साथ काम करने के लिए अपनी परियोजना 'हौसला' में, अमन बिरादरी के साथ केंद्र और इक्विटी स्टडीज सेंटर के बीच एक अनौपचारिक सहयोग शुरू हुआ। सीपीसीआर ने स्वयं को बेघर और कमजोर लोगों के बीच मानसिक बीमारी के मुद्दे से परिचित कराया, जो उनके जीवन को संदर्भित करता है। अक्टूबर, 2015 के बाद से इस परियोजना के साथ केंद्र की व्यस्तता बहुमुखी हो गई है। एक ओर जहाँ केंद्र तीन सामुदायिक–आधारित स्थलों अर्थात 'शाइन होम फॉर वुमेन', 'किलकारीः द चिल्ड्रन्स होम', और 'गीता घाटः ए शेल्टर फॉर होमलेस मेन' में अपना आधार बना रहा है, वहीं यहाँ आने वाले आश्रय से मानसिक बीमारियों से ग्रसित और सड़कों पर रहने वाले भी एहसास क्लिनिक के मनोचिकित्सक और मनोचिकित्सकों से परामर्श लेने और एहसास आश्रय का अनुभव लेने के आ रहे हैं। इस वर्ष केंद्र ने अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए इस परियोजना के साथ अपने जुड़ाव को और अधिक गहरा किया है।

एम.फिल. मनोवैज्ञानिक चिकित्सा

केंद्र और एसएचएस ने संयुक्त रूप से एम.फिल. मनोवैज्ञानिक चिकित्सा की उपाधि प्रदान करता हैं, जो कि 100–क्रेडिट और 3–वर्षीय पाठ्यक्रम है, और यह मनोचिकित्सा में गहन प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह पाठ्यक्रम सिखाए गए और सिद्धांत–आधारित घटकों के बीच संबंधों और प्रशिक्षण के कई अनुभवात्मक आयामों तथा एक मनोचिकित्सक जैसे कि रिफलेक्टीव इमर्सन, शिशु अवलोकन, नैदानिक और मनोसामाजिक इंटर्नशिप, एहसास क्लिनिक, समुदाय–उन्मुख प्रतिबद्धता, अनुसंधान कार्य में मनोचिकित्सा कार्य के बीच संबंधों आदि को

संतुलित करता और मनोचिकित्सा में गहराई से पेशेवर प्रशिक्षण प्रदान करता है। प्रशिक्षण की एक अन्य विशेष विशेषता व्यक्तिगत चिकित्सा में प्रशिक्षुओं की स्वयं की सीख के प्रति पहल है।

मानसिक स्वास्थ्य एडवोकेसी

वर्ष 2017 में, केंद्र ने जागरूकता पैदा करने और मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम में शामिल नहीं किए गए बिंदुओं का जवाब देने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अभियान शुरू करने हेतु अपना समर्पित प्रयास जारी रखा। 8 अगस्त, 2016 को राज्यसभा द्वारा विधेयक पारित किए जाने के बाद, केंद्र ने विधेयक में कई गंभीर चूक और त्रुटियों को उजागर किया। एक सामूहिक आंदोलन ने इस मोर्चे पर तालमेल कायम रखा। केंद्र ने इस मुद्दे पर काम करने वाले पेशेवरों और समूहों के साथ बैठकों का समन्वय किया। ऑनलाइन याचिका में कुछ मुख्य बिंदु, जो केंद्र ने बनाए थे और जिन पर अपील की गई थी, उन्हें राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों को भेजा गया, साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री को भी जिसमें निम्नलिखित चिंता के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया गया था:

- भारतीय मनोवैज्ञानिक परिषद का गठन हो जो मनोचिकित्सकों, मनोविश्लेषक एवं परामर्शदाताओं को अच्छा प्रशिक्षण दे एवं उन्हें एक पेशेवर पहचान दे। मानसिक स्वास्थ्यकर्मियों को पहचान देने का एकमात्र अधिकार आरसीआई के पास नहीं होना चाहिए।
- मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम के तहत मनोचिकित्सक की परिभाषा को विस्तृत करते हुए एनएएसी (नैक) द्वारा प्रमाणित एवं यूजीसी द्वारा स्वीकृत विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान अथवा मनोचिकित्सा में दो अथवा दो से अधिक वर्ष का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर तथा मास्टर ऑफ फिलॉसफी करने वाले छात्रों को भी मनोचिकित्सक का दर्जा प्रदान किया जाना चाहिए।
- मानसिक स्वास्थ्यकर्मियों की परिभाषा को व्यापक बनाते हुए मनोरोग चिकित्सकों को भी उसमें शामिल किया जाना चाहिए।

इस अनुभव से पता चला कि इसमें समय लगेगा, जिसमें कि देश मनोचिकित्सकों और मनोचिकित्सकों के योगदान को लोग स्वीकार कर सकें। भारतीय संदर्भ में चिकित्सक और विश्लेषकों के लिए सामाजिक दृश्यता और मान्यता बनाने के लिए केंद्र के पक्ष–समर्थन का कार्य वर्ष 2018 में भी जारी रहा। पिछले वर्ष की तरह, सीपीसीआर अपने पक्ष–समर्थन से संबंधित प्रयासों में आगे बढ़ना जारी रखा। हमने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के साथ और मनोचिकित्सा और परामर्श के क्षेत्र में विभिन्न गैर–सरकारी संगठनों और चिकित्सकों के साथ–साथ शिक्षाविदों और प्रशिक्षण संस्थानों के साथ संपर्क कायम किया जो मनोचिकित्सा के इस पेशे पर ध्यान और मान्यता लाने के लिए कार्यरत हैं।

प्रस्तुतियाँ

आशीष रॉय ने 5 मई, 2017 को ताइपे में आईपीए एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस 'एशियन ओडिपस' में आईपीए एनालिस्ट क्लारा नेमास की देखरेख में एक क्लिनिकल केस प्रस्तुत किया।

_______ ने 27 जून, 2017 को कॉलेज ऑफ साइकोएनालिस्ट, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, यूके में इस्लामिक साइकोएनालिसिस/साइकोएनालिस्ट अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अनरैवलिंग ए हिन्दू वूमैन्स डिजायर फॉर ए मुस्लिम मैनः विटनेसिंग ए साइलेंट रिसॉल्व' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

_______ ने 29 जुलाई, 2017 को ब्यूनस आयर्स में 50वें अंतर्राष्ट्रीय साइकोएनालिटिक एसोसिएशन सम्मेलन 'इन्टिमेसी इन एलियनेशनः विटनेसिंग द मेकिंग ऑफ़ द हिंदू मुस्लिम डाइऐड' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शालिनी मसीह ने 20 अक्टूबर, 2017 को न्यू जेरेसी, यूएसए में एसोसिएशन फॉर साइकोएनालिसिस ऑफ कल्चर एंड सोसाइटी, वॉइसः साइकोएनालिटिक, कल्चरल एंड सोशल जस्टिस पर्सपेक्टिव के वार्षिक सम्मेलन में 'ए सस्टेन्ड नोट ऑफ डिस्क्वाइटः रिफलेक्शन्स ऑन बीन्ग अ क्रिश्चियन इन ए प्रीडोमिनेंटली हिन्दू स्टेट' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

_______ ने 13 जनवरी, 2018 को मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित पाँचवे अंतर्राष्ट्रीय साइकोएनालिटिक सम्मेलन 'साइकोएनालिटिक एक्स्प्लरैशन ऑफ डार्कनेस इन कल्चर एण्ड क्लीनिक' में 'डेबल! सिंग मी द ब्लूजः स्टोरी ऑफ ए लाइफ स्ट्रगलिंग टू बी बॉर्न इन बीइंग एंड वर्क' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम/गतिविधियाँ

नील ऑल्टमैन, प्रोफेसर, रिलेशनल मनोविश्लेषक, ने 25–28 अगस्त, 2017 को नैदानिक कार्यशालाओं को सुगम बनाया।

जिलियन स्टाइल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, ने 28 अगस्त, 2017 को 'द ट्रीटमेंट फेल्ड बट द पेशेंट गॉट बैटर' पर एक नैदानिक व्याख्यान दिया।

केंद्र एवं मानव अध्ययन स्कूल ने 9 एवं 10 अक्टूबर, 2017 को *'सेलेब्रटिंग डिसेबिलिटी थ्रू नैरेटिव्स ऑफ होप एंड डेस्पेयर'* विषय पर 'आवाज 2017' नामक वार्षिक मानसिक स्वास्थ्य महोत्सव का आयोजन किया।

आईआईसी, नई दिल्ली में 12–15 जनवरी, 2018 को जियोग्राफिक्स ऑफ साइकोएनालिसिस ग्रुप, द दिल्ली चैप्टर ऑफ इंडियन साइकोएनालिटिक सोसायटी एंड साइकोएनालिसिस के सहयोग से केंद्र एवं मानव अध्ययन स्कूल, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा पाँचवे अंतर्राष्ट्रीय मनोविश्लेषण सम्मेलन 2018, 'साइकोएलालिटिक एक्सप्लोरेशंस ऑफ डार्कनेस इन कल्चर एंड क्लिनिक' का आयोजन किया गया।

ब्रिटिश साइकोएनालिटिक सोसाइटी की साइकोएनालिस्ट सारा नेटलटन ने 30 और 31 अक्टूबर, 2017 को क्रिस्टोफर बोलस के कार्यों पर एक कार्यशाला की और नवंबर, 2017 को दिल्ली में संकाय तथा मनोचिकित्सकों एवं एम.फिल. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन के छात्रों के लिए 'इंट्रोडक्शन टू क्रिस्टोफर बोलस' पर संगोष्ठी प्रस्तुत की तथा 3 नवंबर, 2017 को एमए मनोविज्ञान के छात्रों के लिए 'अंडरस्टैंडिंग ट्रांस्फेरेन्स थ्रू द वर्क्स ऑफ क्रिस्टोफर बोलस' पर वार्ता प्रस्तुत की।

इतालवी मनोविश्लेषक और लेखक एंथोनी मोलिनो ने 15 जनवरी, 2018 को 'साइकोएनालसिस एंड बुद्धिज्म' तथा 16 जनवरी, 2018 को 'डेलिरियम एंड डिजायर' पर व्याख्यान दिया।

सिगमंड फ्रायड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डोमिनिक मिहालिट्स ने 25 जनवरी, 2018 को, 'साइकोएनालसिस एंड कल्चर' पर एक नैदानिक व्याख्यान दिया।

विनीता क्षेत्रपाल, मनोविश्लेषक ने 20 फरवरी, 2018 को 'मसीह एंड द मिसएटेंड मदर' पर वार्ता प्रस्तुत की।

एम.फिल. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन के छात्रों के लिए, और संकाय और मनोचिकित्सकों के लिए 6 मार्च, 2018 को दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय मनोविश्लेषण संघ के पूर्व उपाध्यक्ष, एलेक्जेंड्रा बेलिंगहर्स्ट ने ''द बॉडी इन साइकोएनालिसिस'' विषय पर एक व्याख्यान दिया।

एशिया प्रशांत क्षेत्र के लिए आईपीए समिति के सदस्य एंथनी स्टफकेंस और एड्रियाना पोंजोनी एम.फिल. मनोचिकित्सा एवं नैदानिक चिंतन के छात्रों का अधिवीक्षण करते हैं।

3.7. प्रकाशन केंद्र

दोहरे उद्देश्यों के साथ वर्ष 2013 में प्रकाशन केंद्र शुरू किया गया, जिसका कार्य – (1) प्रकाशन शुरू करना एवं (2) प्रकाशन में शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रावधान करना है। वर्ष 2017 में अकादमिक परिषद द्वारा इसे एक केंन्द्र के रूप में स्थापित करने की अनुमति प्रदान की जा चुकी है।

एयूडी प्रेस

अपनी प्रकाशन गतिविधियों (एयूडी प्रेस के नाम से) द्वारा, केंद्र न केवल शिक्षकों एवं शोधार्थी के लिए बल्कि समाज में बड़े पैमाने पर काम करने वाली संस्थाओं के निर्माण करने के लिए ज्ञान के प्रचार–प्रसार करने की आशा करता है और अपने छात्रों को महत्वपूर्ण कैरियर की दिशा दिखाता है। इस दिशा में प्रथम प्रयास के तौर पर शिक्षण संकाय के सदस्यों को शामिल करते हुए एक संपादकीय बोर्ड का गठन किया गया है, और एक सलाहकार बोर्ड भी बनाया गया है। पंद्रह संपादकीय बोर्ड की बैठकें अब तक आयोजित की जा चुकी हैं। एयूडी प्रेस को आरंभ करने के प्रारंभिक चरण, जैसे कि अन्य विश्वविद्यालय के प्रेसों का सर्वेक्षण करना, आईएसबीएन प्राप्त करना, महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करना, पुस्तक–प्रस्ताव प्ररूपों का निर्माण, लोगो का निर्माण, इत्यादि पूर्ण हो चुके हैं। संपादकीय नीति और संपादकीय नीति के मसौदे पर चर्चा के लिए एक परामर्शी बैठक आयोजित की गई है, और पांडुलिपि प्रस्तुत करने के दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं। परियोजना मोड में कार्य करने का प्रस्ताव अनुमोदन के लिए विश्वविद्यालय को प्रस्तुत किया गया है।

माधवन पलात द्वारा लिखित एक किताब, *'यूटोपिया एंड डिस्टोपिया इन रिवोल्यूशनरी रशिया',* 7 नवंबर, 2017 को प्रकाशित हुई।

अम्बेडकर के साथ बातचीत, अम्बेडकर स्मारक व्याख्यान की पहली श्रृंखला का एक संग्रह *'कन्वर्सेशन विद अम्बेडकर'* प्रकाशन के लिए प्रक्रियाधीन है।

पोस्ट–मास्टर डिप्लोमा, प्रकाशन

केंद्र एक आदर्श प्रकाशन कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है जो पारंपरिक एवं आधुनिक सभी प्रकार के प्रकाशन गतिविधियों को समायोजित कर सके जिसके अंतर्गत प्रकाशन उद्योग में विभिन्न भूमिका निभाने हेतु छात्रों को कुशल प्रशिक्षित एवं पेशेवर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए प्रकाशन उद्योग से संबंधित विभिन्न पेशेवर एवं विशेषज्ञों को बुलाकर अभ्यास आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहा है। इंटर्नशिप कार्यक्रम के अलावा छात्रों को क्षेत्र–अध्ययनों और अन्य व्यावहारिक तरीकों के माध्यम से उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ–साथ प्रकाशन के वर्तमान मुद्दों की अधिकतम जानकारी दी जाएगी।

छात्रों के तीन बैचों ने अब तक डिप्लोमा कार्यक्रम से स्नातक उपाधि प्राप्त की है। केंद्र ने वर्ष 2018–19 को प्रकाशन में डिप्लोमा के लिए 'जीरो वर्ष' घोषित किया है, और प्रकाशन में डिप्लोमा के पाठ्यक्रम को क्षेत्र के

विशेषज्ञों की मदद से संशोधित किया जा रहा है। इसे प्रकाशन में पोस्ट–मास्टर्स डिप्लोमा के रूप में फिर से आरंभ किया जाएगा।

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

विश्वज्योति घोष, ग्राफिक उपन्यासकार और कार्तिका वी के, प्रकाशक ने 19 अप्रैल, 2017 को प्रकाशन के क्षेत्र में एक चर्चा प्रस्तुत की।

पल्लवी नारायण (एक्विजिशन एडिटर, एनयूएस प्रेस, सिंगापुर) ने 25 अक्टूबर, 2017 को 'ओरहान पामुक' पर एक व्याख्यान दिया और प्रकाशन के प्रश्नों पर संकाय और छात्रों के साथ व्यस्त रहीं।

प्रकाशन में डिप्लोमा कार्यक्रम के पुनरीक्षण हेतु 19 जनवरी, 2018 को विचारों पर चर्चा करने के लिए सलाहकार बोर्ड और प्रकाशन के क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों की एक परामर्श बैठक आयोजित की गई।

3.8. सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र

स्कूल, केंद्र, कार्यक्रमों, एवं संस्थाओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ विश्वद्यिालय को शोध–प्राविधि की व्यापक समझ के साथ अकादमिक क्षेत्रों में नित नए शोधों की चुनौतियों का सामना करने हेतु नए–नए केन्द्रों की स्थापना करना आवश्यक है और विश्वविद्यालय इसमें सक्षम भी है। इसी चीज को ध्यान में रखते हुए सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र (सीएसएसआरएम) का गठन हुआ है। सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली केंद्र (सीएसएसआरएम) का विचार दिसंबर, 2010 में आयोजित *'सामाजिक विज्ञान शोध प्रणाली महोत्सव'* के दौरान उत्पन्न हुआ। एयूडी में अनुसंधान विषयों से संबंधित शोध, प्रशिक्षण एवं क्षमता–निर्माण गतिविधियों के लिए सभी संकायों के मध्य संवाद की संभावना बढ़ाने हेतु केन्द्रीय–बिंदु के रूप में की गई।

केंद्र का उद्देश्य ऐसा अकादमिक वातावरण बनाना है, जो वास्तविकता, ज्ञान, तर्क और नैतिकता के प्रश्नों के साथ महत्वपूर्ण जुड़ाव का स्वभाव बढ़ाता हो; जो अग्रिम समझ, शोध पद्धति में गहन अभ्यास को आमंत्रित करता हो; शोध पद्धति के क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाता हो और शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक स्थानों में सामाजिक विज्ञान शोध में नवाचारों और सहयोग को प्रोत्साहित करता हो। विशेषज्ञों की एक अस्थायी सूची को केंद्र की सलाहकार समिति के रूप में चिन्हित किया गया है; और केंद्र पर एक मसौदा परिकल्पना नोट तैयार किया गया तथा इसे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

नंजाप्पन नक्कीरन, सह–अन्वेषक। ए रीडर ऑन पेडागॉजी फॉर सोशल साइंसेज टीचिंग ऑन हेल्थ सिस्टम्स, केईएम हॉस्पिटल रिसर्च सेंटर, पुणे के सहयोग से, शेप्स स्माल ग्रांट्स द्वारा वित्तपोषित (डॉलर 1400, 1 वर्ष, जारी)।

—— प्रधान अन्वेषक। दिल्ली के एनसीटी क्षेत्र में तृतीयक शिक्षा की मांग पर मूल्यांकन की आवश्यकता। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा वित्तपोषित, (पूर्ण एवं रिपोर्ट दिल्ली सरकार को प्रस्तुत)।

प्रस्तुतियाँ

नन्जप्पन नक्कीरण ने 29 मार्च, 2018 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में पीपुल्स हेल्थ मूवमेंट (पीएचएम–ग्लोबल), जन स्वास्थ्य अभियान (पीएचएम–इंडिया), पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क (पीएचआरएन), वर्ल्ड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) और ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (बीपीएनआई) द्वारा आयोजित 'क्लिनिकल पब्लिक हेल्थ कॉन्सेक्वेंसेस ऑफ डबल बर्डन ऑफ मलन्यूट्रीशन एंड द चेंजिंग फूड एन्वायरन्मेंट इन साउथ एंड साउथ–इस्ट एशिया' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'मलन्यूट्रीशन एज नेशनल शेमः न्यूट्रीशन, नेशन एंड डेमोक्रेसी' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

व्याख्यान/उपलब्धियाँ

नन्जप्पन नक्कीरण ने 12 अप्रैल, 2017 को स्वास्थ्य विज्ञान अध्ययन के लिए अच्युत मेनन केंद्र, श्री चित्रा तिरुनल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान से 'क्लोसिंग द गैप फॉर हेल्थ इक्विटी' के हिस्से के रूप

में आयोजित इक्वीलोगस–2017 के हिस्से के रूप में 'रिगर इन क्वालिटेटिव रिसर्चः ए सोशल साइन्स अंडरस्टैंडिंग' पर वेबनैर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—— ने 20 से 21 नवंबर, 2017 को राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान, चेन्नई में मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (फील्ड एपीडेमोलॉजी) कार्यक्रम के हिस्से के रूप में 'सोशल एंड बिहेवियरल साइंसेज' पाठ्यक्रम को एक दल के रूप में, डिजाइन किया और सिखाया।

—— ने 19 जून, 2017 को वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत, गुजरात में आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला अनुसंधान पद्धति और डेटा विश्लेषण, मानव संसाधन विकास विभाग के एक हिस्से के रूप में सॉफ्टवेयर एटलस–टीआई का उपयोग करते हुए विषयवस्तु विश्लेषण पर तीन व्याख्यान दिए।

—— ने अक्टूबर, 2017 को एमए मनोविज्ञान के लिए एसएचएस/एयूडी में 'डिस्कोर्स एनालिसिस' पर चार घंटे का व्याख्यान प्रस्तुत किया।

—— ने जुलाई से नवंबर, 2017 तक गुणात्मक शोध के तरीकों को एसईएस/एयूडी (4 क्रेडिट) के एमए शिक्षा में सामूहिक रूप से पढ़ाया।

—— ने 10 जनवरी, 2018 को केरल के तिरूवनंतपुरम में श्री चित्रा तिरुनल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के स्वास्थ्य विज्ञान अध्ययन के लिए अच्युत मेनन केंद्र द्वारा आयोजित 'हेल्थ इनक्विटीज इन इंडिया : ट्रांस्फॉर्मेशनल रिसर्च फॉर एक्शन' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

—— ने 20 फरवरी से 2 मार्च, 2018 तक अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में आयोजित क्वालिटेटिव रिसर्च एंड एथनोग्राफीः थ्योरी, मैथड एंड एनालिसिस पर 10 दिवसीय आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में क्वालिटेटिव एंड क्वांटिटेटिव रिसर्चः प्राब्लमेटाइजिंग द डिस्टिंक्शन, सेलेक्शन एंड होलिज्म, इम्पॉर्टेन्स ऑफ कॉन्टेक्स्ट, तथा एनालिसिस यूसिंग प्रिंसिपल्स ऑफ ग्राउन्डेउ थ्योरी एंड फ्रेमवर्क बेस्ड ऑन एनालिसिस विषय पर व्याख्यान दिया।

—— 2 फरवरी, 2018 को एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए मुख्य शोध विधियों के पाठ्यक्रम को विकसित करने के लिए एसईएस के साथ सलाहकार बैठक का हिस्सा थे।

—— ने 6 मार्च, 2018 को गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद, में आईसीएसएसआर प्रायोजित 10–दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पीएच.डी. शोधार्थियों और युवा शिक्षकों के लिए अनुसंधान पद्धति में क्षमता निर्माण के भाग के रूप में 'एपिस्टेमोलॉजिकल फॉउंडेशन्स ऑफ क्वालिटेटिव रिसर्च' विषय पर व्याख्यान दिया।

—— ने मार्च, 2018 में एयूडी शोधार्थियों के सहायता समूह की साप्ताहिक बैठकों में भाग लिया और उनका समर्थन किया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

फिल्म निर्माता रमानी, आर.वी. ने 15 मई, 2017 को एम.फिल. और पीएच.डी. शोधार्थियों के लिए 'विजुअल मीडिया एंड रिसर्च' पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

16, 17 मई, 2017 को एयूडी के एम.फिल / पीएच.डी. शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए एक दो दिवसीय लघु पाठ्यक्रम 'फिलासफी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस रिसर्चः भाग 1' का आयोजन किया गया।

01 और 09 सितंबर, 2017 को एयूडी के एम.फिल / पीएच.डी. शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए एक दो दिवसीय लघु पाठ्यक्रम 'फिलासफी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस रिसर्चः भाग 2' का आयोजन किया गया।

06 और 26 अक्टूबर, 2017 को एयूडी के एम.फिल / पीएच.डी. शोधार्थियों और संकाय सदस्यों के लिए एक दो दिवसीय लघु पाठ्यक्रम 'फिलासफी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस रिसर्चः भाग 3' का आयोजन किया गया।

22–24 नवंबर, 2017 को एम.फिल / पीएच.डी. के शोधार्थियों के लिए तीन–दिवसीय लघु पाठ्यक्रम, बुनियादी सांख्यिकी (बेसिक स्टेटिस्टिक्स) की सुविधा।

शीला सरवनन, प्रोफेसर, नृविज्ञान विभाग, साउथ एशिया इंस्टीट्यूट, हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी, ने 25 जनवरी, 2018 को 'सरोगेसी बायो–मार्केट्स इन इंडिया एंड ट्रांसनेशनल फेमिनिज्मः मैथोडोलॉजिकल कॉम्प्लेक्सिटीज एंड चैलेंजेस' विषय पर वार्ता प्रस्तुत की

एक 10–दिवसीय आईसीएसएसआर प्रायोजित रिसर्च मैथडोलॉजीः क्वालिटेटिव रिसर्च एंड एथनोग्राफीः थ्योरी, मैथड एंड एनालिसिस पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन 20 फरवरी से 01 मार्च, 2018 को किया गया।

3.9. शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र

शहरी पारिस्थितिकी एवं संधारणीयता केंद्र (सीयूईएस) की स्थापना स्थायी शहरों के निर्माण की दिशा में कार्य करने एवं दिल्ली शहर से प्राप्त अनुभवों से शहरी जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु की गई थी। केंद्र की परिकल्पना एक केंद्र बिंदु के रूप में की गई जहाँ वैज्ञानिक, स्थानीय, सरकारी एजेंसियाँ और निजी सलाहकार शामिल हैं तथा शहरों में स्थायी पर्यावरणीय परियोजनाओं के नियोजन, कार्यान्वयन व मूल्यांकन में भाग लेते हैं। केंद्र स्कूलों एवं अन्य केन्द्रों के साथ सामान्य हित के क्षेत्रों में सहयोग करता है तथा यह विश्वविद्यालय के उन अकादमिक कार्यक्रमों के साथ भी संबंध बनाता है जो विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देने का अधिक से अधिक अवसर प्रदान करते हैं। केंद्र का संचालन निदेशक करता है, जिनका मार्गदर्शन कुलपति की अध्यक्षता में विधिवत रूप से गठित सलाहकार मण्डल करता है।

सहकार्यता (सहयोग)

दिल्ली विकास प्राधिकरण

धीरपुर आर्द्रभूमि का सुधार दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और विश्वविद्यालय का एक सहयोगी प्रयास है, जहाँ डीडीए से संबंधित आर्द्रभूमि को आर्द्रभूमि सुधार के लिए विश्वविद्यालय को सौंप दिया गया है। सीयूईएस आर्द्रभूमि का सुधार करने के लिए आवश्यक वैज्ञानिक इनपुट प्रदान करता है। डीडीए ने परियोजना शुरू करने के लिए सीमित वित्तीय सहायता प्रदान करने का भी वादा किया है।

अनुसंधान परियोजनाएँ

i. ***धीरपुर आर्द्रभूमि सुधार परियोजना (जारी)***

धीरपुर परियोजना पाँच वर्ष की अवधि में पारिस्थितिकी रूप से सुधार करने की परिकल्पना ले कर चल रही है, डीडीए एवं विश्वविद्यालय के मध्य हेतु समझौते के अनुसार धीरपुर की 25.38 हेक्टेयर भूमि आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए निर्धारित की गई। वेटलैंड पार्क बनने के बाद मुखर्जी नगर, निरंकारी कॉलोनी, गांधी विहार एवं विश्वविद्यालय के आगामी परिसर सहित स्थानीय लोगों को जल विज्ञान, विनियामक, सांस्कृति तथा सौन्दर्य संबंधी लाभ प्राप्त होगा। यह भी माना जाता है कि पार्क का वेटलैंड संसाधन सेंटर प्राकृतिक शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रमों हेतु एक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। इससे भविष्य में आर्द्रभूमि व शहरी संधारणीयता को दीर्घकालिक संरक्षण प्राप्त होगा। इस परियोजना को सुविधा प्रदान करने के लिए, आरंभ की गई प्रमुख गतिविधियों में केंद्रीय रिज का सुधार किया जाना शामिल था।

ऑन–फील्ड गतिविधियों का सर्वेक्षण करने के लिए फील्ड स्टेशन की स्थापना की गई है। यह नमूनों के प्रसंस्करण के लिए एक क्षेत्रीय प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है, और मिट्टी और पानी के बुनियादी विश्लेषण कार्य को पूर्ण करता है। स्टेशन पूरी तरह से सौर ऊर्जा संचालित है और इसमें बैठक के कमरे के साथ–साथ अनुसंधान कर्मचारियों के लिए कार्यक्षेत्र है। पौधों की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए

डीडब्ल्यूपी में एक फील्ड नर्सरी स्थापित की गई थी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से कई सरकारी नर्सरी/विभागों ने देशी वृक्ष प्रजातियों और घास के बीज की खरीद के लिए यहाँ दौरा किया है।
इस वर्ष के दौरान उत्तराखंड के लालकुआँ, वन अनुसंधान केंद्र और अन्य सरकारी नर्सरी से लगभग 45 प्रजातियों के पौधे खरीदे गए। आर्द्रभूमि क्षेत्र में प्रकाश और ध्वनि प्रदूषण जैसी गड़बड़ियों को कम करने के लिए, आर्द्रभूमि की परिधि में चिनार और बाँस जैसे पौधों की लंबी प्रजातियां लगाई गईं हैं। आर्द्रभूमि में घास की 17 प्रजातियाँ भी लगाई गई हैं। पौधों हेतु आत्मनिर्भर और पोषक तत्वों से भरपूर खाद बनाने के प्रयास के तहत इस क्षेत्र में कम्पोस्ट खाद भी बनाया जाता है। छोटे तालाबों में वर्षा–जल को संरक्षित करने के लिए वर्षाजल जलाशय का काम शुरू किया गया, जो आर्द्रभूमि की पुनर्स्थापना प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में उपयोगी होगा।

एक लार्वीवोरोस मछली, गम्बूसिया अफिनिस, जो मच्छरों के प्रसार को नियंत्रित करता है, को मानसून के मौसम में आर्द्रभूमि में डाले गए हैं, यह वह समय होता है जब डेंगू और मलेरिया जैसे मच्छर प्रजनन और वेक्टर जनित रोग व्यापक तौर पर फैलते हैं। डीडीए द्वारा सहायता प्राप्त, केंद्र ने नर्सरी और लगाए गए पौधों के लिए पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु स्थान पर एक बोर–वेल स्थापित किया है।
अध्ययन क्षेत्र, मौजूदा वनस्पति वितरण और मिट्टी के भौतिक–रासायनिक मापदंडों को समझने के लिए नियमित सर्वेक्षण और विश्लेषण, जैसे कि एविफुनल सर्वेक्षण, फ्लोरिस्टिक सर्वेक्षण और मृदा विश्लेषण किए गए हैं।

आवधिक शहरी पारिस्थितिक डेटा के साथ–साथ ऐतिहासिक डेटा के लिए एक संग्रह के रूप में सेवा करने के लिए, केंद्र डीडब्ल्यूपी की वनस्पति और प्राणी–समूह की जाँच–सूची में लगा हुआ है, और इस डेटा का एक डिजिटल संग्रह बना रहा है।

ii. *रेस्टेरेशन ऑफ सेंट्रल रिज*

जीएनसीटीडी की परियोजना का उद्देश्य दिल्ली रिज के मध्य क्षेत्र का सुधार करना है, जहाँ आक्रामक प्रजातियों की व्यापकता, जैसे कि प्रोसोपिस जूलीफ्लोरा यहाँ के पारिस्थितिक प्रणाली के समग्र स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है। प्रोफेसर सी. आर. बाबू के मार्गदर्शन और घर में उपलब्ध विशेषज्ञता के तहत, चरणबद्ध तरीके से केंद्रीय रिज के सुधार हेतु जीएनसीटीडी को एक विस्तृत परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में है। इस पुनर्स्थापना परियोजना के मूल प्रोटोकॉल में इन्वेसिव वनस्पति के व्यवस्थित तौर पर कम करना, और उन्हें देशी प्रजातियों के साथ प्रतिस्थापित करना शामिल होगा। इस पायलट परियोजना के परिणामों के आधार पर, परियोजना को दिल्ली रिज के अन्य भागों में भी विस्तारित किया जा सकता है।

प्रस्तुतियाँ

सुमन वी., सिंह एम. और सुरेश बाबू, ने 27 अगस्त, 2017 को इगौकू, ब्राजील में सातवें वर्ल्ड कांग्रेस ऑन इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन में 'मेथोडोलॉजीकल चैलेंजेस इन इन्क्लूसिव इकोलॉजिकल रेस्टोरेशनः टू कॉन्ट्रास्टिंग केस स्टडिस फ्रॉम इंडिया' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

शशांक भारद्वाज और सोनाली चौहान, अनुसंधान सहायक ने 29 अगस्त, 2017 को फोज दो इगौकू, ब्राजील में सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन (एसईआर), 2017 द्वारा आयोजित इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन पर सातवें विश्व सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुतिकरण किया।

उपलब्धियाँ

सुरेश बाबू ने 29 अगस्त, 2017 को फोज डू इग्यूक्यू, ब्राजील में सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन (एसईआर), 2017 द्वारा आयोजित इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन पर सातवें विश्व सम्मेलन में एक सत्र का संचालन किया।

सुमन, विजयलक्ष्मी ने 1 से 5 मई, 2017 को नेचर कंजरवेशन फाउंडेशन (एनसीएफ), वलपरई, तमिलनाडु में 'इकोलॉजिकल रेस्टोरेशनः प्रिंसिपल्स, प्रैक्टिस, एंड मॉनिटरिंग की कार्यशाला में भाग लिया।

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों के लिए केंद्र द्वारा वृक्ष अपनाओ कार्यक्रम के तहत एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। 19 अगस्त, 2017 को डीडब्ल्यूपी क्षेत्र में बम्बुसा बम्बोस, डेंड्रोकलामस स्ट्रीक्टस और टर्मिनलिया अर्जुना जैसी प्रजातियों के लगभग 150 पौधे लगाए गए थे।

8 जनवरी, 2018 को लोरस कॉलेज, डब्यूक, यूएसए के छात्रों ने अपने 'स्टडी अब्रॉड' पाठ्यक्रम' के भाग के रूप में धीरपुर वेटलैंड पार्क का दौरा किया।

केंद्र ने सभी परिसरों और धीरपुर वेटलैंड पार्क में वार्षिक कैम्पस बर्ड काउंट 2018 का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के कई छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं ने 16 से 19 फरवरी, 2018 के दौरान इस कार्यक्रम में भाग लिया और एक प्रजाति की सूची तैयार की, जिसे www.ebird.org.in पर अपलोड किया गया।

4. प्रकाशन

व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल

अवस्थी, आर., और गुप्ता, आर. के. (2017)। एनसीआर हॉस्पिटलः टर्नअराउंड डिलेमास ऑफ ए लीडर। *एमराल्ड इमर्जिंग मार्केट्स केस स्टडीज,* 7 (3), 1–24।

अवस्थी, आर., कालरा, एस. के., और गुप्ता, आर. के. (2017)। केस स्टडी ऑफ अर्ली सोशियलाइजेशन प्रोसेस इन अमेरिकन एमएनसीः डिलेमा ऑफ ग्लोबल स्ट्रीट ग्लोकल अप्रोच। *इंडियन जर्नल फॉर ट्रैनिंग एंड डेवेलपमेंट,* 47 (4), 43–46।

त्रिपाठी, जी. और **दवे, के.** (2017)। एक्सप्लोरेशन ऑफ सर्विस क्वालिटी फॅक्टर्स इन रेस्टोरेंट इंडस्ट्रीः ए स्टडी ऑफ सेलेक्टेड रेस्टोरेंट्स इन द न्यू देल्ही रीजन। इन जौहरी, वी. (एड.)। *हॉस्पिटालिटी मार्केटिंग एंड कन्ज्यूमर बिहेवियरः क्रियेटिंग मेमोरबल एक्सपीरियेन्सस,* वेयरटाउन, एनजेः एप्पल अकेडेमिक प्रेस।

यादव, एम. और **दवे, के.** (2018)। शॉपिंग मोटिव्स, स्टोर अट्रिब्यूट्स एंड शॉपिंग एंजायमेंटः ए केस स्टडी ऑफ देल्ही एनसीआर। इन भट्ट, एन., बालाकृष्णन, आर.यू. भट्ट, एस. (सं.)। *बिज़नेस ट्रान्स्फर्मेशन थ्रू फंक्शनल स्ट्रॅटजीस।* मैकग्रा हिल एजुकेशएन।

अईय्यर, वी. और **दवे, के.** (2018)। एम्प्लॉयबिलिटी चैलेंजेज इन इंडियन सर्विस सेक्टरः प्रेजेंट एंड फ्यूचर। इन भट्ट, एन., बालाकृष्णन, आर.यू. भट्ट, एस. (सं.)। *बिज़नेस ट्रान्स्फर्मेशन थ्रू फंक्शनल स्ट्रॅटजीस।* मैकग्रा हिल एजुकेशएन।

कौल, ए., अग्रवाल, एस., **गुप्ता, ए.,** दयमा, एन., कृष्णमूर्ती, एम. और झा, पी. सी. (2017)। ऑप्टिमल एड्वर्टाइजिंग ऑन ए टू–डाइमेन्शनल वेब बैनर। *इंटरनैशनल जर्नल ऑफ सिस्टम अश्यूरेन्स इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट,* 9 (1), 306–311।

केकर, एन., कुलकर्णी, वी., और गायहा, आर. (2017, 19 दिसंबर)। इज वैरायटी द स्पाइस ऑफ लाइफ? *बिजनेस स्टैंडर्ड।*

सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल

कात्याल, ए. inuth.com, में 'थ्री पोएट्स रीड आउट देयर हर्ट्स ऑन वर्ल्ड पोएट्री डेः अखिल कात्याल, तिशानी दोषी, अरुंधति सुब्रमण्यम' में कविता 'ही वाज एज अरोगंट एज ए छत्तरपुर फार्महाउस', 21 मार्च, 2018।

________ mensxp.com, में '14 यंग पोएट्स हू आर रीवेंटिंग पोएट्री इन द ब्रेव न्यू वर्ल्ड थ्रू सोशल मीडिया', में कविता 'अर्ली मॉर्निंग', 21 मार्च, 2018।

_______ *quackreview.com*, में 'टॉक अबाउट सीकिंग योरसेल्फ इन पोयम्स ऑन वर्ल्ड पोएट्री डे' में कविता 'व्हेन फरीदा खानुम सिंग्स नाउ' 21 मार्च, 2018।

डिजाइन स्कूल

माद्दीपटी, वी. (2018) वेन लैंडस्केप बिकेम काइंडः ए शॉर्ट नोट ऑन द असेंडेन्सी ऑफ द इम्मीजियेट प्रेजेंट एज द सॉवेरेन ऑफ राजघाट। *जर्नल ऑफ लैंडस्केप अर्किटेक्चर, 53,* 48–63।

—— (2018, 1 मई)। वन्स ओन प्रेजेंट, एंड द 18थ सेंचुरी प्रेजेंटः इंप्रेशन्स ऑफ द बर्लिन वर्कशॉप लैंडस्केप्स ऑफ द लोंग 18थ सेंचुरीः मीडियेटिंग प्लेसेस, पावर्स एंड पेस्ट्स इन साउथ एशिया एंड बियॉड। इन *ट्राफो–ब्लॉग फॉर ट्रांसरिजनल रिसर्च* । https://trafo.hypotheses.org/8494 से लिया गया।

—— (2018)। नथिंगनेस एज सैकफोलडिंग फॉर बींइगः गांधी, मैडलिन स्लेड, आर्किटेक्चर एंड द ह्यूमैनिसिएशन ऑफ सैक्रिफाइसेस मैसिव इकोलॉजिकल एक्जिस्टेंस, सेगाँव, 1936–37। *साउथ एशियाःजर्नल ऑफ साउथ एशियन स्टडीज,41* (2), 259–280।

विकास अध्ययन स्कूल

मोग्गल्लान, बी. (2017)। अंडरस्टैंडिंग दलित सेल्फः पॉलिटिक्स एंड द वर्ल्ड व्यू। *सोशल साइंटिस्ट,45,*33–47।

—— (जनवरी, 2018)। होल्डिंग मिरर टू ए सोशल मैलेज{तृप्ति लाहिरी द्वारा *मैड इन इंडियाः स्टोरीज ऑफ ऑप्चुर्निटीज एंड इनक्वालिटी इनसाइड आवर होम्स* पुस्तक की समीक्षा} *द बुक रिव्यू,* 52। http://thebookreviewindia.org/holding-a-mirror-to-a-social-malaise/ *से लिया गया।*

नायक, एन. (2017)। वर्कर्स और बेनेफिशियर्जः द वरीड पॉलिटिक्स ऑफ नरेगा इम्प्लीमेंटेशन ऑन साउथ–वेस्ट मध्य प्रदेश। आर. नागराज एवं एस. मोतीराम (सं.)। *द पोलिटिकल इकॉनमी ऑफ कंटेम्परारी इंडिया,* (पीपी. 331–361)। नई दिल्लीःकैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

नायक, एन., एंड नेहरा एस. (2017)। *एक्सेस्सिंग द राइट टू फूड इन दिल्ली। इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 52 (23)।* *https://www.epw.in/journal/2017/23/web-exclusives/accessing-right-food-delhi.html. से लिया गया।*

नायक, एन. (2017)। टाइटल ऑफ रिव्यु {विवेक एस. द्वारा *डिलीवरिंग पब्लिक सर्विसेज एफ्फेक्टिवेलीः तमिल नाडु एंड बियॉन्ड* पुस्तक की समीक्षा}। साउथ एशिया जर्नल। http://southasiajournal.net/book-review-delivering-public-services-effectively-tamil-nadu-and-beyond-by-vivek-s/ से लिया गया।

रमेश, बाबू। पी. (2017)। *परमानेंटली टेम्परारी? ऑन इनफॉर्मल जॉब्स इन द फॉर्मल सेक्टर, 36थ पावर्टी रिपोर्ट।* नई दिल्लीः लोकश्रय फाउंडेशन।

—— (2018)। अनपेड वर्कर्स एंड पैड न्यूजः वर्किंग कंडीशन्स ऑफ जर्नलिस्ट्स इन इंडिया। ए. एथिक, वी. पार्थसारथी, और एस. वी. श्रीनिवास (सं.), *द इंडियन मीडीया एकॉनमी* (वॉल. II, मार्केट डाइनमिक्स एंड सोशियल ट्रांजैक्शन्स) (पीपी. 134–151)। नई दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— (2018)। डज एंप्लायमेंट गारंटी सपोर्ट ए सोशल प्रोटेक्शन फ्लोर? ए केस स्टडी ऑफ महात्मा गाँधी नैशनल रूरल एंप्लाय्मेंट गारंटी स्कीम (मनरेगा) इन इंडिया। टी. डीजखोफ्फ और एल. एमपेदी (सं.), *रीकमेंडेशन ऑन सोशियल प्रोटेक्शन फ्लोर्सः बेसिक प्रिन्सिपल्स फॉर इनोवेटिव सल्यूशन्स,* (219–236)। अल्फेन आन देन रिज्न, द नीदरलैण्ड्सः वोल्टर्स क्लूवेर।

सरमा, एम., **साहा,** पी., एवं जयकुमार, एन. (2017)। एसेट इनक्वालिटी इन इंडियाः गोइंग फ्रॉम बैड टू वर्स। *सोशल साइंटिस्ट, 45* (3 एवं 4), 53–67।

साहा, पी., एवं वेरिक, एस. (2017)। कैजुएलाइजेशन एंड शिफ्ट ऑफ रूरल वर्कर्स टू नॉन–फार्म एक्टिविटीज। डी. एन. रेड्डी एवं के. सरप (सं.), *रूरल लेबर मोबिलिटी इन टाइम्स ऑफ स्ट्रक्चरल ट्रांसफॉर्मेशन,* (127–150)। सिंगापुरः स्प्रिंगर।

सेनगुप्ता, ए. (2017)। एटलस.टीआई एंड फार्मुलेशन ऑफ ग्राउंडेड थ्योरीः अंडरस्टैंडिंग एन्ट्रप्रन्यूर्शिप यूजिंग क्वालिटेटिव डाटा। एन. जयराम (सं.), *नोइंग द सोशल वर्ल्ड,* (224–244)। हैदराबादः ओरिएंट ब्लैकस्वान।

शैक्षिक अध्ययन स्कूल

जैन, एम. (2017)। उपनिवेशवाद, औपनिवेशिक शिक्षा और मैकाले (कोलोनिलिज्म, कोलोनियल एजुकेशन एंड मैकाले)। आर. अग्निहोत्री, एच. दीवान, ए. चतुर्वेदी, वी. सुधीर एवं आर. द्विवेदी (सं.), *मैकाले, एल्फिंस्टन और भारतीय शिक्षा,* (235–249)। नई दिल्लीः वाणी प्रकाशन।

नाग, एस. एवं झा, ए. (2017)। *ट्रेनिंग मॉड्यूल फॉर मास्टर ट्रेनर्स, लेडी सुपरवाइजर्स एंड आंगनवाड़ी वर्कर्स फॉर मदर टंग बेस्ड मल्टीलिंग्युएल अर्ली लर्निंग एंड पैरेंट + (एमटीईएलपी)।* नई दिल्लीः प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र।

नाग, एस. (2018)। ट्रांस्फॉर्मेटव पोटेनशिअल्स ऑफ मल्टीलिंगुअल एजुकेशनल मॉडल इन ओडिशा, इंडिया। *यूरोपीय जर्नल ऑफ एजुकेशन स्टडीज, 4* (4), 320–338।

वशिष्ठ, पी., एंड राय, पी. (2018)। {एम. फ्लीर द्वारा थ्योरीसिंग प्ले इन द अर्ली इयर्स पुस्तक की समीक्षा}। *कंटेम्परारी इश्यूज इन अर्ली चाइल्डहुड,* 19 (4)। http://journals.sagepub.com/doi/abs/10.1177/14639491 18764033 से लिया गया।

शर्मा, जी. एजुकेशन इन इंडिया {रिडियो श्रृंखला प्रकरण} (एन.डी.)। रोज, जे. *टॉप ऑफ माइंड विद जूली रोज*। उटाहः बीवाईयू रेडियो।

मानव पारिस्थितिकी स्कूल

काबरा, ए. (2017)। चेंजिंग कॉन्टूर्स ऑफ स्टेकहोल्डर एंगेज्मेंट इन द वेक ऑफ द न्यू लैंड अक्वजिशन लॉ इन इंडियाः ए केस स्टडी ऑफ ए प्रपोज्ड स्माल डैम इन सेंट्रल इंडिया। ई. स्माइथ, के. एडम्स और ए. डे काइजर (सं.), *कमपेन्डियम ऑफ द आईएआईए स्पेशल सिंपोजियम ऑन 'रिसेटल्मेंट एंड लाइवलीहुड्स"* (21–22)। मनीलाः इंटरनैशनल असोसियेशन फॉर इंपॅक्ट असेसमेंट।

—— (2018)। रीविसिटिंग कैनोंस एंड डॉग्मस इन द कन्सर्वेशन–वर्सेस–ह्यूमन राइट्स डिबेट। *इकोलॉजी, इकॉनमी एंड सोसाइटी, 1* (1), 84–87।

—— (2018)। डिस्प्लेसमेंट, रेसेटलमेंट, एंड लिवलीहुड रेस्टोरेशनः सेफगार्ड स्टैंडर्ड्स इन प्रैक्टिस। *डेवलपमेंट इन प्रैक्टिस, 28* (2), 269–279।

नेगी, आर., और तारापोरवला, पी. (2018)। विंडो टू ए साउथ–साउथ वर्ल्डः ऑर्डिनरी जेंट्रीफिकेशन एंड अफ्रिकन माइग्रएंट्स इन देल्ही। एस. कॉर्नेलिसेन और वाई. मिने (सं.), *अफ्रो–एशियन एनटॅगल्मेंट्सः माइग्रेशन एंड एजेन्सी इन ए ग्लोबलिजिंग वर्ल्ड* (1स्ट एड., 209–230)। यूकेः पालग्रेव–मेक्मिलन।

मानव अध्ययन स्कूल

चौधरी, आर. (2018)। थीयोराइजिंग पावर एंड मार्जिनलाईजेशनः पोलीसिंग देल्ही पोलीस। आर. मल्होत्रा–ढींगरा, एन. नाकरा, और आर. मोहन (सं.), *मार्जिनलाइज्ड ग्रूप्स इन इंडिया,* (145–158)। नई दिल्लीः रीगल पब्लिकेशन्स।

हक, एस. (2018)। सीता थ्रू द टाइम रैपः रीविजिटिंग द टिकलिश रिलेशनशिप बिट्वीन रिनन्सियेशन एंड मोरल नार्सीसिस्म इन द लाइव्स ऑफ इंडियन वूमैन। ए. धर, एम. कुमार, और ए. मिश्रा (सं.), *साइकोएनैलिसिस फ्रॉम द इंडियन टेर्राइरः एमर्जिंग थीम्स इन कल्चर, फॅमिली, एंड चाइल्डहुड।* लैनहैमः लेक्सिंगटन बुक्स।

हक, एस. मसीह, एस. (2017)। वेटिंग इन द डार्क।एम. बी. एक्रेचे एवं एम. डब्ल्यू. हैरिस (सं.), *काउंटरड्रीमर्स*। लंदनः कारनैक।

लोवितोली, जे. (2018)। टेक्स्ट, नॉलेज एंढ रीप्रेजेंटेशनः रीडिंग जेंडर इन सुमी मैरिज प्रैक्टिसेज। एल. डीजुविचु एवं एम. बरूआ (सं.) *मॉर्डन प्रैक्टिसेज इन नॉर्थ ईस्ट इंडियाः हिस्ट्री, कल्चर रीप्रेजेंटेशन,* (144–171)। लंदनः रूटलेज।

मेनन, के. (2017)। *रेजिस्टिंग वॉयलेंसः एनोटेटेड बिबिलियोग्राफी एंड डॉक्यूमेंट्स ऑन इनीशिएटिव्स टू चैलेंज वॉयलेंस अगेंस्ट वूमैन*। नई दिल्लीः विस्कॉम्प।

_______ (2017)। अनेकांतवाड़ा। ए. खोखर (सं.) *अटेंडेंस,* (63–66) में। नई दिल्लीः आशीष मोहन खोकर

——— (2017)। डॉक्यूमेंटिंग डांसः ए वर्क इन प्रोग्रेस {ए. ई. चेरियन द्वारा *टिल्ट पॉज शिफ्टः डांस इकोलोजिस इन इंडिया* पुस्तक की समीक्षा} *द बुक रिव्यू,* 52–53।

——— (2017)। एन इंसाडर प्रेस्पेक्टिव {के. के. गोपालकृष्णन द्वारा *कथकली डांस थिएटरः ए विजुएल नैरेटिव ऑफ स्केयर्ड इंडियन माइम* पुस्तक की समीक्षा} *द बुक रिव्यू,* 35–37।

मेनन, के., एवं जोहरी, आर. (2017)। इन द मिडिलः मिडिएटिंग द मॉल, होम एंड द वर्ल्ड आउटसाइड। एम. भाटिया (सं.), *लोकेटिंग जेंडर इन द न्यू मिडिल क्लास इन इंडिया,* (149–171)। शिमलाः आईआईएएस।

पांडे, एस. (2018)। रीइंटरप्रेटिंग जेंडर इन ग्लोबलाइजिंग इंडियाः अफगान सिख रिफ्यूजी इन दिल्ली सिटी'स बिल्ट इनवायनमेंट। ए. स्टाब (सं.), *कम्पेनियन टू मॉडर्निटी, स्पेस एंड जेंडर* (380–390)। न्यूयार्कः रूटलेज।

——— (2017)। न्यू मीनिंग ऑफ मदरहुड इन मिडिल क्लास होम्स इन इंडिया। एम. भाटिया (सं.), *लोकेटिंग जेंडर इन द न्यू मिडिल क्लास इन इंडिया* (59–75)। शिमलाः आईआईएएस।

वहाली, एच. ओ. (2017) आशीष नंदी। बी. भूषण (सं.), *एमिनेंट इंडियन साइकोलॉजिस्ट्सः 100 इयर्स ऑफ साइकोलॉजी इन इंडिया।* नई दिल्लीः सेज।

——— (2017)। {पी. मारकस द्वारा *क्रिएटिंग हैवन ऑन अर्थः द साइकोलॉजी ऑफ एक्सपीरिएंस इम्मोरैलिटी इन एवैरीडे लाइफ* पुस्तक की समीक्षा} *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड साइकोएनालिटिक स्टडीज,* 14 (4), 312–313।

कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल

भुवानिया, ए. (2018)। द केस दैट फेल्ड ए सिटीः एग्जामिन द पॉलिटिक्स ऑफ इंडियन पब्लिक इनट्रस्ट लिटीगेशन थ्रू वन केस। *साउथ एशिया मल्टीडिस्प्लीनरी एकेडमिक जर्नल,* 17।

लियांग, एल। (2017)। पैटर्नल एंड डेफिएंट एक्सेसः कॉपीराइट एंड द पॉलिटिक्स ऑफ एक्सेस टू नॉलेज इन द दिल्ली यूनिवर्सिटी फोटोकॉपी केस। *इंडियन लॉ रिव्यू, 1* (1), 36–55।

——— (2017)। फिल्म एज कमोडिटीः कॉपीराइट, पाइरेसी एंड सर्कुलेशन। ए. एथिक, वी. पार्थसारथी, एवं एस. वी. श्रीनिवास (सं.), *द इंडियन मीडिया इकॉनॉमी* (खंड 2, मार्केट डायनामिक्स एंड सोशल ट्रांजेक्शन्स)। नई दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— (2018)। कॉपीस विद ओरिजिनलः द वर्क ऑफ लव इन द एज ऑफ मैकेनिकल रीप्रोडक्शन। *मार्ग, ए मैगजीन ऑफ द आर्ट्स,* 69 (3), 92–101।

—— (4 नबंवर, 2017)। द नाइटमेयर्स ऑफ पावर। *द हिन्दू।*

—— (24 फरवरी, 2017)। इमेज–मेकिंग मे बी वन ऑफ अवर लास्ट डिफेंस अगेंस्ट द सर्वलाइन्स। *द हिन्दू।*

—— (27 जनवरी, 2017)। मोबाइल फोन्स हैव गिवन बर्थ टू न्यू आइडिया ऑफ स्पेक्टेटरशिप। *द हिन्दू।*

—— (2 दिसंबर, 2017)। ए वर्चुअल रिएलिटी इज मोर दैन जस्ट एन इमरसिव एक्सपीरिएंस। *द हिन्दू।*

—— (29 अगस्त, 2017)। ए राइट फॉर द फ्यूचर। *द हिन्दू।*

—— (12 अक्टूबर, 2017)। जय अमित शाह'स केस अगेंस्ट द वायर इज एन एटैम्प टू सेंसर, इंटीमीडियट मीडिया एट लार्ज, *द वायर।* https://thewire.in/law/jay-amit-shah-the-wire-defamation-media से लिया गया।

—— (6 अक्टूबर 2017)। योर मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर इनसिसटिंग ऑन लिंकिंग आधार? इट्स इल्लेजीटीमेट इफ नॉट इल्लीगल। https://www.indiatoday.in/magazine/up-front/story/20171016-aadhaar-mobile-service-provider-1058108-2017-10-06 से लिया गया।

नरैन, एस. (2017)। डेंजर्स स्पीच इन रियल टाइमः सोशल मीडिया, पुलिसिंग एवं कम्युनल वॉयलेंस। *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली इंगेज, 52* (34)।

—— (28 नवंबर, 2017)। हाउ टू टैकल एलजीबीटीआई डिस्क्रिमिनेशन इन वर्कप्लेसेस एक्रॉस द वर्ल्ड।*द वायर।* https://thewire.in/gender/practices-companies-adopt-promote-lgbti-inclusion-workplace से लिया गया।

—— (4 दिसंबर, 2017)। स्वतंत्रता का गौरवः दस साल पीछे देख रहे हैं। *इन प्लेनस्पीक*। http://www.tarshi.net/inplainspeak/freedoms-pride-looking-back-ten-years/ से लिया गया।

—— (2018)। लॉ, लैंग्वेज एंड कम्यूनिटी सेंटिमेंट्सः बिहाइंड हेट स्पीच डॉक्ट्रिन इन इंडिया। इन जे. लेउंग और ए. डूरांट (एड्स.), *मीनिंग एंड पावर इन द लैंग्वेज ऑफ लॉ* (पीपी. 186–204)। कैम्ब्रिजः कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— (21 फरवरी, 2018)। सेडिशन एंड द क्विक लीप फ्रॉम डिसेंट टू देशद्रोह {रिव्यू ऑफ द बुक *सेडिशन इन लिबरल डेमॉक्रिसिस* बाइ अनुष्का सिंह}, द वायर। https://thewire.in/books/review-sedition-dissent-deshdroh से लिया गया।

—— (11 मार्च, 2018)। इंटरनेट शटडाउन्सः बैकग्राउंड एंड यूज ऑफ सेक्शन 144, कोड ऑफ क्रिमिनल प्रोसीजर 1973{विब लॉग पोस्ट}। http://www.sociolegalreview.com/internet-shutdowns-background-and-use-of-section-144-code-of-criminal-procedure-1973/ से लिया गया।

—— (20 मार्च, 2018)। इंटरनेट शटडाउन्सः अमेंड्मेंट्स टू द टेलिग्राफ एक्ट एंड मोबाइल कंपनी लाइसेन्सेस {विब लॉग पोस्ट}। http://www.sociolegalreview.com/internet-shutdowns-amendment-to-the-telegraph-act-and-mobile-company-licenses/ से लिया गया।

नरैन, एस., और जयश्री, टी. (2018, अप्रैल 2)। क्वियर अर्काइविंगः मेमोरी, लॉ एंड सेक्सुआलिटी. *इन प्लेनस्पीक।* http://www.tarshi.net/inplainspeak/queer-archiving-memory-law-sexuality/ से लिया गया।

सतयोगी, पी. (2018)। {रिव्यू ऑफ द बुक टाइम एंड द फील्ड बाइ एस. डैल्सगार्ड और एन. मॉर्टन (एड्स)}, *सोशियल एंथ्रोपोलोजी,* 26 (1), 136—137।

सिंह, ए. (2018)। *सेडिशन इन लिबरल डेमोक्राइस।* नई दिल्ली, इंडियाः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

उमा एस. (2017)। एट्रोसिटीस एंड डिस्क्रिमिनेशन अगेन्स्ट दलित्सः ए क्रिटिकल एग्जॅमिनेशन ऑफ द रेस्पॉन्स ऑफ द लॉ. इन आर. जारे और एस. काले (एड्स.), *कॉस्ट इन मॉडर्न इंडियाः एट्रोसिटीस अगेन्स्ट दलित्स,* नई दिल्लीः स्टेडियम प्रेस प्रा.।

——— (2017)। वूमैन्स एक्सेस टू प्लेसेस ऑफ रिलीजियस वरशिप इन इंडियाः द कॉन्स्टीट्यूशनल कन्ड्रम ऑफ जेंडर इक्वैलिटी वर्सस फ्रीडम ऑफ रिलिजन। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लॉ, ह्यूमन राइट्स एंड कॉन्स्टीट्यूशनल स्टडीज, 2* (1 एवं 2), 13—22।

—— (1 सितंबर, 2017)। ट्रिपल तलाक जजमेंटः माइल्स टू गो बीफोर वी स्लीप {विब लॉग पोस्ट}। http://www.lawyerscollective.org/the-invisible-lawyer/triple-talaq-judgment-miles-go-sleep से लिया गया।

लिबरल अध्ययन स्कूल

बनर्जी, ए. (2017)। अग्रेरियन क्राइसिस एंड एक्यूम्लेशन इन रूरल इंडियाः लोकेटिंग लैंड क्वेश्चन विदिन द अग्रेरियन क्वेश्चन। ए. पी. डीकोस्टा एवंए. चक्रबर्ती (सं..), द *लैंड क्वेश्चन इन इंडियाः स्टेट, डिस्पोसेशन, एंड गोइंग बियॉन्ड कैपिटलिस्ट ट्रांजीशन,* (101—125)। नई दिल्लीःऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— (2017)। {जी. श्रीनिवासन एवं एन. श्रीनिवासन द्वारा संपादित *स्टेट ऑफ इंडियाज लिवलीहुड्स 2016* रिपोर्ट की समीक्षा}।*साउथ एशिया इकोनॉमिक जर्नल, 18* (2), 331—333।

—— (2017)। मेंकिंग सेंस ऑफ द अग्रेरियन क्वेश्चन इन इंडिया{बी. बी. मोहंती द्वारा संपादित *क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स ऑन अग्रेरियन ट्रांजीशनः इंडिया इन द ग्लोबल डिबेट* पुस्तक की समीक्षा}। *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 52* (29), 34—35।

——— (2017)। स्पेसिफीसीटीएस ऑफ इंडियन कैपिटलिज्म {सी. दासगुप्ता द्वारा *स्टेट एंड कैप्टिल इन इंडीपेंडेंट इंडियाः इंस्टीट्यूशन्स एंड एक्यूमूलेशन* पुस्तक की समीक्षा} *द बुक रिव्यू, 42* (3), 33–34।

बैनर्जिया, एन., ब्राउन, के., मैकग्लिन, एन., बी., एस., बख्शी, एल., बनर्जी, आर., एवं बिश्वास, आर. (2017)। टूवर्ड्स ट्रांसनेशनल फेमिनिस्ट क्वीर मैथोडोलॉजिस *जेंडर, प्लेस एंड कल्चर, 24* (10), 1376–1397।

बैनर्जिया, एन., दासगुप्ता, डी., दासगुप्ता, आर. के., एवं ग्रांट, जे. एम. (सं.)। (2018)। *फ्रेंडशिप एज सोशल जस्टिस एक्टिविज्मः क्रिटिकल सोलिडैरिटीज इन ए ग्लोबल पर्सपेक्टिव।* लंदनः सीगुल बुक्स।

बैनर्जिया, एन., एवं ब्राउन, के. (2018)। लाइवेबल लाइव्सः ए ट्रांसनेशनल क्वीर–फेमिनिस्ट रिफ्लेक्शन ऑफ सेक्सुएलिटी, डेवलपमेंट एंड गवर्नेंस। सी. मेसन (सं.) *क्वीर डेवलपमेंट स्टडीजः ए रीडर, (*169–180)। न्यूयॉर्कः रूटलेज।

बैनर्जिया, एन., दासगुप्ता, डी., दासगुप्ता, आर., दत्ता, ए., राय, ए. एस., एवं क्विंटाना, जे. (2018)। क्वीरिंग डिजिटल कल्चर्सः ए राउंडटेबल कनवरसेशन विद एकेडमीज एंड प्रैक्टिशनर्स। आर. दासगुप्ता एवं डी. दासगुप्ता (सं.), *क्वीरिंग डिजिटल इंडियाः एक्टिविज्म, आइडेंटिटीज एंड सब्जेक्ट्स,* (29–53)। एडिनबर्गः एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी प्रेस।

जस्सल, एस. टी. एवं तुरान, एच. (2018)। *न्यू पर्सपेक्टिव्स ऑन इंडिया एंड टर्कीः कनेक्शंस एंड डिबेट्स*। लंदनः रूटलेज।

कौल, पी. (2018)। {जे. एस. हॉले एवं वी. नारायणन द्वारा *द लाइफ ऑफ हिन्दुज्म* पुस्तक की समीक्षा} *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमनिस्टिक आइडियोलॉजी, 8* (1), 147–150।

मीर, यू. ए. (2017)। मेथोडोलॉजिकल इश्यूज इन असेसमेंट ऑफ एडोलसेंट मेन्टल हेल्थ इन ए कनफ्लिक्ट जोनः ए केस स्टडी ऑफ जम्मू एंड कश्मीर। *इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स (स्पेशल सप्लीमेंट),* 1, 95।

दत्ता, ए., एवं **मीर, यू. ए.** (2017)। एक्सप्लोरिंग जेंडर्ड चैलेंजेज ऑफ डिस्ट्रेस माइग्रेशनः ए क्वालिटेटिव स्टडी ऑन द कम्युनिटी ऑफ माइग्रेंट फार्मर्स इन दिल्ली। *जर्नल ऑफ द एन्थ्रोपोलोजीकल सर्वे ऑफ इंडिया, 66* (1 एवं 2), 83–101।

नाइट, डी. के. (2017)। लेबर, वेजेज एंड लिविंग स्टैंडर्ड ऑफ वर्किंग पीपलः अर्ली मॉर्डन एंड कोलोनियल इंडिया, 1600–1870। के. माईरवोल्ड एवं एस. बिल्लोर (सं.), *इंडियाः रिसर्च ऑन कल्चरल एनकाउंटर्स एंड रीप्रेजेंटेशन* (प्रथम संस्करण, 131–161)। गोटेबोर्गः मकदम प्रकाशक।

नाइट, डी. के. एवं स्टीवर्ट, पी. (2017)। फ्रॉम फैटलिज्म टू मास एक्शन टू इनकारपोरेशन टू नेओलिबेरल इंडिवीजुलिस्मः वर्कर सेफ्टी ऑन साउथ अफ्रीकन माइंस, सी.1955–2016। *रिव्यु ऑफ अफ्रीकन पोलिटिकल इकॉनमी, 44* (152), 252–271।

संपत, पी. (2018)। {जे. ब्रेमेन द्वारा *ऑन प्यूपरिज्म इन प्रेजेंट एंड पास्ट* पुस्तक की समीक्षा} *कंट्रीब्यूशंस टू इंडियन सोशियोलॉजी, 52* (1), 102–105।

सेन, आर. (2017)। रीडिंग द सोशल इन ऑटोबायोग्राफीजः ए ग्लिम्पसे इनटू एवरीडे लाइफ एंड हिस्ट्री। एन. जयराम (सं.), *नोइंग द सोशल वर्ल्डः मैथोडोलोजिज इन सोशियोलॉजिकल रिसर्च* (पीपी. 280–298)। शिमलाः आईआईएएस एवं ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— (2017)। सेक्सुअल हैरसमेंट एंड द लिमिट्स ऑफ फ्री स्पीच। *एकोनामिक एंड पोलिटिकल वीक्ली एंगेज, 42* (50)। http://www.epw.in/or/engage/article/sexual-harassment-limits-speech से 16 दिसंबर, 2017 को लिया गया।

सेन, आर. और चड्ढा, जी. (2017)। पावर एंड रिलेशन्शिप्स इन द अकडीमियाः फेमिनिस्ट डाइलेम्मास बियॉड द लिस्ट–स्टेट्मेंट बाइनरी। *एकोनामिक एंड पोलिटिकल वीक्ली एंगेज, 42* (50)। http://www.epw.in/engage/special-features/power-relationships-academia से 16 दिसंबर, 2017 को लिया गया।

सेन, आर. और मंडल, एस. एडिटोरियल नोटः इंडियन फेमिनिसम्स, लॉ रिफॉर्म एंड लॉ कमिशन ऑफ इंडिया. *जर्नल ऑफ इंडियन लॉ एंड सोसाइटी, 6* (मानसून), XI–XXXVII।

शर्मा, एस. (2018)। मेशरिंग हंगरः डिबेट्स ऑन अन 'एडेक्वेट' डाइट इन कोलोनियल नॉर्थ इंडिया। के. भूषी (एड.), *फार्म टू फिंगर्सः द कल्चर एंड पॉलिटिक्स ऑफ फूड इन कंटेंपोररी इंडिया। (184–214)।* नई दिल्लीः कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

सिंह, एस. के. (2017)। फ्लूड फेथ ऑफ साउथ एशियाः थिकिंग थ्रू रविदासिया इन पंजाब, इंडिया। डी. एन. पाठक (सं.) *एनअदर साउथ एशिया* (100–118)। दिल्लीः प्राइमस बुक्स।

——— (2017)। डेरास एज लिटिल फिइफडूम्सः अंडरस्टैंडिंग द डेरा सच्चा सौदा फेनोमेनन। *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 52* (37), 20–23।

——— (2017)। द कास्ट क्वेंश्चन एंड सांग ऑफ प्रोटेस्ट इन पंजाब। *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 52* (4)।

—— (2017)। व्हाई सम दलित ग्रुप्स प्रेजेंट बी.आर. अम्बेडकर एज एन इनकारनेशन 15थ सेंचुरी भक्ति संत रविदास? *Scroll.in*. https://scroll.in/article/838692/why-some-dalit-groups-present-br-ambedkar-as-an-incarnation-of-15th-century-bhakti-saint-ravidas से लिया गया।

—— (2017)। डिरेस एंड दलित आईडेंटिटी। *फ्रंटलाइन।* https://frontline.thehindu.com/the-nation/deras-amp-dalit-identity/article9855385.ece से लिया गया।

सिन्हा, डी. (28 अगस्त, 2017)। आंगनबाड़ी वर्कर्स हैव बीन शॉर्ट–चेंजेस बाई सिस्टम। *हिंदुस्तान टाइम्स।*

—— (14 अक्टूबर, 2017)। ग्लोबल हंगर इंडेक्सः वी नीड सिग्नीफिकेंट इम्प्रूवमेंटस टू डेंट मलन्यूट्रीशन्स। *नेशनल हेराल्ड।*

—— (2017)। *मोदी गवर्नमेंट्स मॅटर्निटी स्कीम हैस कंडीशन्स दैट डिफीट्स इट्स पर्पस* {टेलिविजन ब्रॉडकास्ट}. (2017, सितंबर 22)। इन *एवरी लाइफ काउंट्स.* नई दिल्ली, दिल्लीः एनडीटीवी।

सिन्हा, डी. (20 सितंबर, 2017)। इंडिया टेक्स इट्स आँगनवाड़ी, फ्रंटलाइन विमेन हेल्थ वर्कर्स फॉर ग्रान्टेड – एट ग्रेट कॉस्ट टू इटसेल्फ। https://scroll.in/article/849800/india-takes-its-anganwadi-frontline-women-health-workers-for-granted-at-great-cost-to-itself से लिया गया।

—— (19 मई, 2017)। मोदी गवर्नमेंट्स मॅटर्निटी बेनेफिट्स स्कीम विल लाइकली एक्सक्लूड वूमैन हू नीड इट द मोस्ट। *द वायर।* https://thewire.in/gender/maternity-benefit-programme से लिया गया।

—— (22, मई, 2017)। विल यूनिवर्सल मैटरनिटी एंटाईटलमेंट्स इन इंडिया रीमेंन ए पाइप ड्रीम? https://scroll.in/pulse/838292/will-universal-maternity-entitlements-in-india-remain-a-pipe-dream से लिया गया।

_______ (9, फरवरी, 2017)। आधार – ए टूल फॉर एक्सक्लूशन। *स्वराज्य पत्रिका।*

_______ (28, जनवरी, 2017)। बजट 2018: इंडियाज हेल्थकेयर सिस्टम नीड्स मोर मनी एंड एल अर्जेंट ओवरहॉल। *द वायर।* https://thewire.in/economy/budget-2018-indias-healthcare-system-needs-more-money-overhaul से लिया गया।

_______ (01, फरवरी, 2018)। व्हाई द पुअर विल नॉट बी द ट्रू बेनेफीशियर्स ऑफ द –'वर्ल्डस लारजेस्ट हेल्थ प्रोग्राम'। *द वायर।* https://thewire.in/economy/poor-will-not-true-beneficiaries-worlds-largest-health-programme से लिया गया।

सिन्हा, डी., प्रसाद, वी., सेनगुप्ता, एस., और शुक्ला, ए. (2017)। इनेप्ट फिस्कल ट्रान्जिशन्स एंड बजटरी डिस्रप्शन्स इन न्यूट्रीशनल सर्विसेस फॉर विमेन एंड चिल्ड्रन। *जर्नल ऑफ द नैशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन, इंडिया 16,* 159–182।

सिन्हा, डी., जोशी, ए., पटनायक, बी. (2017)। डिमॉडिंग अकाउंटेबिलिटी फॉर हंगर इन इंडिया। एन. हुसैन और पी. स्कॉट–विलियर्स (एड्स.)। *फूड राइट्स, फूड राइट्स एंड द पॉलिटिक्स ऑफ प्रोविशन्स,* यूकेः रूटलेज।

सिन्हा, डी., एवं आजाद, आर. (2018)। कैन जन धन योजना एचीव फाइनेंशियल इनक्लूशन? *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 53* (13), 165–171।

सिन्हा, डी., प्रसाद, वी., चटर्जी, पी., एवं गोपी, आर. (2018)। आउटकम्स ऑफ चिल्ड्रन विद सिविर एक्यूट मलन्यूट्रीशन इन ए ट्राइब्ल डे–केयर सेटिंग। *इंडियन पीडियाट्रिक्स 55,* 134–136।

सिन्हा, डी. (22 अक्टूबर, 2017)। एक्ट नाऊ द बैटर न्यूट्रशीन। *द एशियन एज।*

स्नेही, वाई. (15 अप्रैल, 2017)। ऑन द मार्जिन ऑफ रीलिजिएस डिस्कोर्स। *कैफे डिस्सेनसस।* https://cafedissensus.com/2017/04/15/on-the- margins-of-religious-discourse/ से लिया गया।

—— (2018)। रेसिस्टिंग फ्लूइडिटी, टेर्रीटोरिलाइजिंग प्रैक्टिस। *इंटरनेशनल जर्नल ऑन ह्यूमनिस्टिक आइडियोलॉजी,* 8 (1), 15–40।

वेंकटरमन, जी. (2017)। एन ऑटोबायोग्राफिकल अकाउंटः वूमैन मैथमैटिशियन इन इंडिया। *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 52* (17), 61–66।

वेंकटरमन, जी., साहनी, वी., नाइक, एस., रैना, डी., इसआक, के. पी., शर्मा, आर. एस.., गोस्वामी, जी., एवं सक्सेना, एन. (2017)। *एजुकेशन टेक्नोलॉजी रोडमैपः टेक्नोलॉजी विजन 2035, टेक्नोलॉजी इनफार्मेशन, फॉरकास्टिंग एंड असेसमेंट काउंसिल {टीआईएफएसी}।* नई दिल्लीः भारत सरकार।

वेंकटारमन, जी, बागई, एस., एवं हबीब, ए. (2017)। *ए ब्रिज टू मैथमेटिक्स।* नई दिल्ली, इंडियाः सेज प्रकाशन।

अग्रवाल, एन. शाह, आर., एवं **वेंकटरमन, जी. (**2018)। मरियम मिर्जाखानीः द मास्टर आर्टिस्ट ऑफ कर्वड सर्फेस। *रेजोनेंस–जर्नल ऑफ साइंस एजुकेशन, 23* (3), 253–262।

लेटर्स स्कूल

चक्रवर्ती आर. (दिसंबर, 2017)।{एस. चक्रवर्ती द्वारा *टूवड्र्स एन एथिक्स एंड एस्थेटिक्स ऑफ द फ्यूचर* पुस्तक की समीक्षा} *द बुक रिव्यू XLI* (12), 57।

—— (अप्रैल, 2017)। {एच. के. कौल द्वारा *एनकाउंटर्स विद पीपल एंड द एंजल्स ऑफ होप* पुस्तक की समीक्षा} *द बुक रिव्यू XLI* (4)।

—— (2018)। द फॉलेन वुमन इन बेंगाली लिटरेचरः बिनोदिनी दासी एंड टैगोर्स *चोखेर बाली।* डी. दास और सी. मॉरो (एड्स.), *अनवेलिंग डिजाइरः फॉलेन विमेन इन लिटरेचर, कल्चर एंड फिल्म्स ऑफ द ईस्ट।* रूटगर्स यूनिवर्सिटी प्रेस।

—— (फरवरी, 2018)। {बी. सी. चटर्जी द्वारा दुर्गेशानंदिनी पुस्तक की समीक्षा}। *द बुक रिव्यू XLII* (2), 21।

चौधरी, एस. (8 अक्टूबर, 2017)। द फ्लैनूर आउटपेसेज ए ट्राम {*द एपिक सिटीः द वर्ल्ड ऑन द स्ट्रीट्स ऑफ कैलकटा* पुस्तक की समीक्षा} आउटलुक पत्रिका, LVII (42), 69।

—— (09 जून, 2017)। फाइंडिंग फॉरएवर। बिजनेस स्टैंडर्ड।

—— (06 जुलाई, 2017)। व्हाइ इस द बीजेपी कम्यूनेलाईसिंग वेस्ट बेंगाल इनस्टेड ऑफ ऑफरिंग इट गुड गवर्नएन्स? *द वायर*। https://thewire.in/communalism/bjp-west-bengal-communalisation से लिया गया।

—— (24 जुलाई, 2017)। स्टारडस्ट मेमोरीजः द कॉस्मोपोलीटिनिज्म ऑफ उत्तम कुमार एंड हिज ईरा–डिफाइनिंग सिनेमा। *द वायर*। https://thewire.in/film/uttam-kumar-bengali-cinema से लिया गया।

—— (01 सितंबर, 2017)। द पॉलीटिकल इकोनॉमी ऑफ डिसीट। *नेशनल हेराल्ड*।

—— (08 सितंबर, 2017)। दुर्गा पूजा वाज नेवर ओवरटिली रिलीजस। आउटरेज ओवर जावेद हबीब ऐड ए मिसप्लेस्ड। https://www.dailyo.in/politics/jawed-habib-advert-bjp-taliban-durga-pujo-bhakts/story/1/19400.html से लिया गया।

—— (10 मार्च, 2018)। डोंट क्राई फॉर द सीपीआई (एम)। *द वायर*।https://thewire.in/politics/dont-cry-for-the-cpim से लिया गया।

—— (29 मार्च, 2018)। राजनीतिर क्रोमेगोटो इंडहोन, उच्चशिखर नभिशाश, (हाउ राइटिस्ट पॉलीटिक्स इज किलिंग हायर एजुकेशन)। *ईआई सोमोई*।

मुदिगंती, यू. (2017)। वन पार्ट वूर्मनः कंट्रोवर्सियल चैंलेज टू हेजीमोनिक मैसक्यूलीनिटी। *द आईएसीएलएएलएस जर्नल, 3,* 21–28।

—— (14 अगस्त, 2017)। द कंटीन्यूस बैटलफील्ड {ए. नाइक द्वारा *भेद* पुस्तक की समीक्षा} आउटलुक पत्रिका, 58।

—— (27 नवंबर, 2017)। विलजेस बियांड द रेलहैड {एम. कृष्णन द्वारा संपादित *टेल मी ए लॉंग, लॉंग स्टोरी* पुस्तक की समीक्षा} आउटलुक पत्रिका, 73।

—— (19 फरवरी, 2017)। आईडल्स ऑफ द प्रैग्मैटिस्ट{ई. किरे द्वारा *डोंट रन, माई लव* पुस्तक की समीक्षा} आउटलुक पत्रिका, 70।

प्रधान, जी. (2018)। गोरख पांडेः संकलित गद्य रचानाएँ। इलाहाबादः संस्कृत संकुल।

—— (2018)। सत्ता, साहित्य और अवाम। रविकांत (सं.), *आज के आईने में राष्ट्रवाद* (पीपी. 86–90)। नई दिल्लीः राजकमल।

—— (2018)। देशप्रेम, देशभक्ति और राष्ट्रवाद। रविकांत (सं.), *आजादी और राष्ट्रवाद*। (133–141)। नई दिल्लीःअनन्या प्रकाशन।

—— (2018)। *वर्तमान सदी में मार्क्सवाद*। दिल्लीः आकार बुक्स।

—— (2018)। कथा मे महावाक्य। के. जैन (सं.), *असम्भव के विरूद्धः कथाकार स्वयं प्रकाश, (*95–100)। कानपुरः अमन प्रकाशन।

प्रकाश, बी. (2018)। राइटिंग इन फ्रॉम द पेरीफरीः पार्टीशन नैरेटिव्स फ्रॉम अर्बन दिल्ली। *जर्नल ऑफ पोस्टकोलोनियल राइटिंग, 54* (3), 317–319।

—— (2018)। नेशन, नेशनलिज्म एंड द पार्टीशन ऑफ इंडियाः टू मोमेंट्स फ्रॉम हिन्दी फिक्शन। *रेविस्टा कैनारिया डे इस्टुडिओस इंग्लिसेस,* 76,77–89।

संस्कृत, एस. (2017)। साहित्य का सामर्थ्य हिन्दी अलोचना के संदर्भ में। *साहित्य परिक्रमा, 71।*

—— (2017)। आज का युवा कवि। ए. कंधवे (सं.), *आधुनिक साहित्य*। दिल्ली।

—— (2017)। जाकिया जुबैरी का व्यक्तित्व। ए. कंधवे एवं ए. नावरिया (सं.), *जाकिया जुबैरीः परदेस में देस*। दिल्लीः विश्व हिंदी साहित्य परिषद।

—— (2018)। राहुल संस्क्रियायन की कहानियों में सामाजिक यथार्थ। *सेमिनार*।

थॉमस, एस (2017)। टूवर्ड्स ए मोनोलिंगुअल वर्ल्डः इंडियन इंगलिश फिक्शन एंड ट्रांसलेशन इन इंडिया। ओ. आई. सील (सं.), *रीडिफाइनिंग ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रिटेशन इन कल्चरल इवोलुएशन,* यूएसएः आईजीआई ग्लोबल।

—— (2018)। ऑफ बॉन्ड एंड बॉन्डिंग {आर. सत्याल द्वारा नो वन कैन प्रोनाउन्स माई नेम्स पुस्तक की समीक्षा} द बुक रिव्यूए 42 (1), 67।

वहाली, डी. ओ. (2017)। क्रॉसिंगः ए जर्नी विदइन एंड बियांड इन ऐलिस वॉकर्स 'बाय द लाइट ऑफ माई फादर्स स्माइल'। लिटरेरी क्वेस्ट, *3* (3), 1–16।

—— (2018)। द पाथ टू हेल। एम. असदुद्दीन (सं.), *प्रेमचंदः द कम्प्लीट शॉर्ट स्टोरीज* (खंड 1) नई दिल्लीः पेंगुइन बुक्स।

स्नातक अध्ययन स्कूल

सिबिल, के. वी. (2017)। ए दलित राइट ऑफ मोर्निंग। *इकनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली ,* 52 (30)।

—— (2018)। सिनेमा एंड द पॉलिटिकलः द डेलेज एंड द डिजायर ऑफ डॉक्यूमेंटेशन इन द थर्ड वर्ल्ड। *डेल्यूज एंड गुआटारी स्टडीज,* 12 (1), 84–103।

झा, पी. (2018)। सावरकर, विनायक दामोदर ('वीर')। पी. जैन, आर. शर्मा, एवं एम. खन्ना (सं.),*हिन्दुइज्म एंड ट्राइबल रीलिजन्सः इनसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन रीजिएंस*। 1–4– दोरदरेच्टः स्प्रिंगर।

—— (2018)। अनंदा के. कुमारस्वामी। डी. पाठक, एवं एच. एम. संजीव (सं.), *मॉडर्न साउथ एशिएन थिंकर्स*20–27, नई दिल्लीः सेज।

—— (2018)। अंगारिका धर्मपाल। डी. पाठक, एवं एच. एम. संजीव (सं.), *मॉडर्न साउथ एशिएन थिंकर्स* (14–19) नई दिल्लीः सेज।

झा, पी. और नायडू, जी. वी. (2018)। इन्स्टिटट्यूशन्स ऑफ फेथ इन रिसिलियेन्स बिल्डिंग ड्यूरिंग डिजास्टर्सः चर्च एंड कम्यूनिटीस इन लंका विज–ए–विज चुराचांदपुर। ए. सिंग, एम. पूनिया, एन. पी. हराम, और टी. बी. सिंग (एड्स.), *डेवेलपमेंट एंड डिजास्टर मॅनेज्मेंटः ए स्टडी ऑफ नॉर्थईस्टर्न स्टेट्स ऑफ इंडिया* (1 एड., 383–392)। सिंगापुरः पालग्रेव मेक्मिलन।

झा, पी. (2017)। रिलिजन एंड कल्चर इन नेशन बिल्डिंग एंड गवर्नएन्स ऑफ साउथ एशिया। आर. बसु और एम. शमशूर–रहमान (एड्स.), *गवर्नेंस इन साउथ एशिया, (19–32)*। लंदनः रूटलेज।

त्रिपाठी, ए. (2018)। रामविलास शर्माः प्रतिमानों से बहस। रविरंजन (एड.), *भारतीय नवजगरण और रामविलास शर्मा का चिंतन* (214–224)। दिल्लीः हिन्द युग्म प्रकाशन।

—— (2018)। गोरख का वैचारिक पक्ष। प्रधान, एवं आर. रंजन (सं.), *गोरख पांडेः व्यक्तिव और रचना* (241–255)। मुजफ्फरपुर, बिहारः अभिधा प्रकाशन।

—— (2018)। आलोक धन्वाः अपार करुणा का कवि।डी. कुमार (सं.) में, *समकालीन हिन्दी कविता का परिसर* (59–64)। दिल्लीः शब्द संधान प्रकाशन।

—— (जनवरी, 2018)। आजादी का गायक कवि गोरख। परिवेश (गोरख विशेषांक), 18–23।

—— (13 जनवरी, 2018)। अमिय–गरल, शाही–सीकर, रविकर, राग–विराग भारा प्याला। https://www.newslaundry.com/2018/01/13/hindi-writer-doothnath-singh-died-at-81 से लिया गया।

—— (2018)। भोजपुरी कविता और देस–राग। *अपनी माटी, 4* (26)। http://www.apnimaati.com/2018/02/blog-post_4.html. से लिया गया।

—— (जनवरी, 2018)। कविता के सोलह दास्तवेजः गोरखकी भोजपुरी कविताएँ। *परिवेश* (गोरख विशेष अंक)। इलाहाबादः जन संस्कृति मंच।

वैभव। (जुलाई, 2017)। दलित व्यथा की कथा (ओमप्रकाश वाल्मीकि की छोटी कहानियों पर)। *सामवेद*।

—— (2017)। अजेय्या जागरूक आधुनिकता और आलोचक राष्ट्र का संधान। *प्रतिमान (सीएसडीएस जर्नल),* (जनवरी–जून)।

—— (दिसंबर, 2017)। कृत्रिम मेधा के खत्रे (आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस पर)। *वागर्थ (कोलकाता)।*

—— (2018)। हिन्दी उपन्यास, सभ्यता और इक्कीसवीं सदी। *तद्भाव* (36)।

—— (मई, 2017)। हिन्दी कहानियो मे मजदूर के सवाल। *नया ज्ञानोदय।*

—— (2017)। असगर वजाहत द्वारा लिखित यात्रा वृतांत पर अनुच्छेद। *बनास जन,* (21)।

—— (अप्रैल, 2018)। माखनलाल चतुर्वेदीः एक भारतीय आत्मा। *वागर्थ (कोलकाता)।*

वोकेशनल स्टडीज स्कूल

माओ, ए. के. एवं मोहन, आर. (2017)। डेथ एंगजाइटी अमंग अर्बन इंडियन ग्रॅजुयेट स्टूडेंट्स। *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टिडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च, 12* (5), 290–304।

राठौड़, ए. एवं करूनेष, डी. के. (2018)। स्टडी ऑफ फूड ऐस ए कल्चरल हेरिटेज अमंग टूरिस्ट अराइवल एट उत्तराखंड, इंडिया। वाई. जी. थारकन और जी. प्रकाश (एड्स.), *प्रोसीडिंग ऑफ रिसर्च, ससटेनबिलिटी एंड इनोवेशनः इन द डिजिटाइस्ड वर्ल्ड ऑफ हॉस्पिटालिटीः 3र्ड इंटरनैशनल कॉन्फ्रेंस ऑन हॉस्पिटालिटी एंड टूरिसम,* (40–48)। नई दिल्लीः ग्रुप एक्स्सेल इंडिया।

प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र

कौल, वी., एवं डोगरा, एम. (2017)। सोशल पॉलिसी एंड रीसर्च इंटरफेसः चैंलेज एंड प्रासपेक्ट्स। टी.एस. सरस्वती, एस. मेनन, एवं ए. मदन (सं.), *चाइल्डहुड इन इंडियाः ट्रेडेशन्स, ट्राजिशन्स, एंड ट्रांसफॉरमेशन्स।* नई दिल्ली, भारतः रूटलेज।

कौल, वी. एंड शर्मा, एस. (2018)। अर्ली चाइल्डहुड पॉलिसीज इन इंडियाः ए हिस्टोरिकल एनालिसिस।एल. मिलर, सी. कैमरून, सी. दल्ली एवं एन. बारबौर (सं.), *द सेज हैंडबुक ऑफ अर्ली चाइल्डहुड पॉलिसी।* लंदन, यूकेः सेज प्रकाशन।

विकास प्रैक्टिस केंद्र

अमीन, आई (2017, दिसंबर)। {जी. श्रीनिवासन एवं एन. श्रीनिवासन द्वारा *स्टेट ऑफ इंडियाज लिवलीहुड रिपोर्ट 2016* की समीक्षा} *सोशल चेंज, 47* (4) 642–645।

चित्रांशी, बी. (2018)। द स्टोरी रीटोल्डः सिंगलनेस एंड द संगठन। *न्यूज रीच, नेशनल रीसोर्स सेंटर फॉर रूरल लिवलीहुड,* दिल्लीः प्रादन।

—— (05, दिसंबर, 2017)। स्वीट ट्रेडीशन ऑफ बेंगाल। https://www.sahapedia.org/sweet-traditions-of-bengal से लिया गया।

डे, आई. (2018)। हेल्थ, स्टैण्डर्डसेशन एंड बंगाली स्वीट्स। के. भुशी (सं.), *फार्म टू फिंगर्सः द कल्चर एंड पॉलिटिक्स ऑफ फूड इन कंटेम्पररी इंडिया (*103–127)। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।

धार, ए. (2018)। मेलानचोली फिलॉसफीः पोलिस–प्रैक्सिस–फ्रोनेसिसएंड साल्वस नो–हाउ।एस. बी दास (सं), *एबान्डोन्मेंट एंड ऑब्जेक्शनः मेलानचोली इन फिलॉसफी एंड आर्ट।* नई दिल्लीः आकर बुक्स।

धार, ए., श्रीधर, के., एवं तेजस्विनी, एन. (सं.)। (2017)। *ब्रेकिंग द साइलोः इंटीग्रेटेड साइंस एजुकेशन इन इंडिया।* हैदराबादः ओरिएंट ब्लैकस्वान।

धार, ए., एवं चक्रवर्ती, ए. (2017)। ट्रांजीशन। डी. एम. ब्रेनन, डी. क्रिस्टजंसन–गुरल, सी. पी. मुल्डर, एवं ई. के. ओलसेन (सं.), *रूटलेज हैंडबुक ऑफ मार्क्सियन इकोनॉमिक्स।* रूटलेज।

धार, ए., एवं चक्रवर्ती, ए. (2017)। अर्थशास्त्र विकास। डी. एम. ब्रेनन, डी. क्रिस्टजंसन–गुरल, सी. पी. मुल्डर, एवं ई. के. ओलसेन (सं.), *रूटलेज हैंडबुक ऑफ मार्क्सियन इकोनॉमिक्स।* रूटलेज।

अंग्रेजी भाषा शिक्षा केंद्र

देवले, एम. (2017)। व्हाइ जेनेरे–बेस्ड अप्रोच शुड बी यूस्ड टू टीच अकॅडेमिक राइटिंग इन इंडियन कॉटेक्स्ट? *जर्नल ऑफ रिसर्च स्कॉलर्स एंड प्रोफेशनल्स ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग 4* (1)ए 1–9।

—— (2017)। सुटैबिलिटी ऑफ मेटीरियल्स इन रीडिंग कॉम्प्रेहेन्शन ऑफ ग्रेड 3 एंड 5 ईएसएल लर्नर्स। आर. हौजेल और एल. श्रीदेवी (सं.), *इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचरः क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स.* (69–83)। हैदराबादः जीतम यूनिवर्सिटी प्रेस।

पदवाड, ए.. (2018)। एक्शन रिसर्च एंड टीचर इंप्रूव्मेंट। द. हाएस (सं.), *इंग्लिश लैंग्वेज टीचिंग इन नेपालः रिसर्च, रिफलेक्शन एंड प्रैक्टिस,* (59–78)। काठमांडूः ब्रिटिश काउंसिल।

सैमुअल, एन। (2017)। {आर. अग्निहोत्री द्वारा *ट्रेंडस इन लैग्वेंज टीचिंग* पुस्तक की समीक्षा} फोर्टेल, 35, 23।

मनोचिकित्सा एवं नैदानिक अनुसंधान केंद्र

रॉय, ए. (2017)। इमेजिनिंग अडरमट सेल्वेस। एम. बी. एक्रेचे एवं एम. डब्ल्यू. हैरिस (सं.), काउंटरड्रीमर्स, (141–149)। लंदनः कारनैक।

पुस्तकालय सेवाएँ

कर, डी. सी., एट अल (सं.)। (2017)। *बिल्डिंग यूजर ट्रस्टः की टू स्पेशल लाइब्रेरीज रेनैस्संस इन द डिजीटल एरा*। नई दिल्लीः प्रगति प्रकाशन।

विशाखी, पी., जैन, पी. के., कार, डी. सी., और बब्बर, पी. (सं.)। (2017)। *डायनामिक्स ऑफ लाइब्रेरी फॉर एक्सीलेंस इन इलेक्ट्रॉनिक रेवोलुशन*। नई दिल्लीः बुकवेल।

ल्युगु, एन., जैन, एल., जैन, पी. के., **कर, डी. सी.,** और बब्बर, पी. (सं.)। (2017)। *क्यूरेशन एंड मैनेजमेंट ऑफ कल्चरल हेरिटेज थ्रू लाइब्रेरीज*। नई दिल्लीः बी. के. बुक इंटरनेशनल।

कौल., एच. के., जैन, पी. के., **कर, डी. सी.,** और कौल, एस. (सं.)। (2018)। *रीशेपिंग लाइब्रेरीजः इमर्जिंग ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड ट्रेंड्स*। नई दिल्लीः डेलनेट।

कुमार, डी., और मंजू। (2017)। अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली लाइब्रेरी सर्विसेजः रोल ऑफ डेलनेट। *जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, 6* (1), 19–25।

5. अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियाँ

अंतर्राष्ट्रीय साझेदारियों के उद्देश्यों को वहनीय बनाने और उच्च शिक्षा में प्रभावकारी संयोजन तथा विदेशी संस्थानों से सहयोग प्राप्त करने के लिए विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षण सहयोग और बहुत सारे विदेशी संस्थानों के साथ सहमति बनाने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। विश्वविद्यालय लगातार छात्रों और अध्यापकों की अदला–बदली, संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों, शोध सहभागिता और शैक्षिक कार्यक्रम डिजाइन के लिए संस्थानों से बातचीत कर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी सलाहकार समिति (एसीआईपी) इन साझेदारियों की देखरेख करती है। इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय सहयोग गतिविधियों से जुड़े कई अनुदानों के लिए सह–आवेदक रहा है और मौजूदा समझौतों के तहत इसने प्रतिबद्धताओं का कड़ाई से पालन किया है।

नई सलाहकार समिति ने 12.12.2017 से कार्यभार संभाला।

जारी एवं भावी साझेदारियाँ

क्र.सं.	सहयोगी संस्थान / विश्वविद्यालय	उद्देश्य सहयोगी	स्थिति
1	डिपार्टमेंट ऑफ अफ्रीकन एंड एशियन स्टडीज, क्योटो यूनिवर्सिटी, जापान	मानव पारिस्थितिकी स्कूल का डॉक्टरल स्कॉलर एक्सचेंज कार्यक्रम	भावी
2	लुडविग्सबुर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन (एलयूई), जर्मनी, फॉर एन ईआरएएसएमयूएस (2017–19)	यह मुख्य रूप से एक गतिशीलता परियोजना है, जहाँ दोनों संस्थानों के छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों को एक दूसरे से जुड़ने, सहयोग करने और सीखने के अवसर प्रदान किए जाएंगे।	जारी
3	लुडविग्सबुर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन (एलयूई), जर्मनी, फॉर एन ईआरएएसएमयूएस (2017–20)	संयुक्त परियोजना को लागू करने के लिए, स्कूल ऑफ एजुकेशन एज एजेंट्स ऑफ चेंज, कॉपिंग विद डायवरसिटी इन डिजिटल एज।	जारी
4	ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट (जीएसए), यूके, अंडर	डिजाइन स्कूल और ग्लासगो स्कूल ऑफ आर्ट, यूके के बीच संकायों की	जारी

	फंडिंग फ्रॉम इरेस्मसप्लस स्कीम ऑफ ईयू	अदला–बदली के लिए मोब्लिटी / एक्सजेंज (गतिशीलता / विनिमय) कार्यक्रम	
5	शास्त्री इंडो–कैनेडियन इंस्टीट्यूट (एसआईसीआई) के साथ सदस्यता 2017–18 की अवधि के लिए नवीनीकृत की गई है)	संकाय और छात्र कनाडा के विश्वविद्यालयों और शिक्षा एजेंसियों में शामिल अनुदान / कार्यक्रमों / कार्यशाला के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं	जारी
6	एयूडी मेम्बरशिप विद द ग्लोबल कॉम्पैक्ट नेटवर्क इंडिया (जीसीएनआई)	कॉरपोरेट जगत में विश्वविद्यालय की दृश्यता में सुधार लाने और मंच प्राप्त करने के लिए, तथा प्लेसमेंट, गेस्ट लेक्चर, लाइव प्रोजेक्ट, प्रस्तुतियों एवं संगोष्ठियों के लिए वैश्विक कंपनियों और पेशेवरों के साथ जुड़ने के लिए।	जारी

यूनिवर्सिता देगली स्तुदी देल्ला कंपनिया, इटली, हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी, जर्मनी और यूएच दक्षिण एशिया कार्यालय; लुडविग्सबर्ग यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन, जर्मनी; और गेटिंगेन यूनिवर्सिटी, जर्मनी से प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय का दौरा किया और सलाहकार समिति से मुलाकात की।

विदेशी शोधार्थियों की संबद्धता के लिए 'टर्म्स ऑफ रेफरेंस' (2017)

एसीआईपी ने संबद्धता के लिए अनुरोधों में वृद्धि के प्रत्युत्तर में, विश्वविद्यालय आने वाले विदेशी शोधार्थियों से संबद्धता के लिए ''टर्म्स ऑफ रेफरेंस'' (टीओआर) (2017) तैयार किया है। यह तीन प्रकार की स्थितियों में विदेशी शोधार्थियों से संबद्धताओं (संकाय नियुक्तियों या परामर्शों का दौरा नहीं करने वाले) की शुरूआत करने और लागू करने में मार्गदर्शन प्रदान करता हैः (क) जहाँ एयूडी और एक अन्य विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन है; (ख) जहाँ एयूडी और एक सरकारी एजेंसी के बीच एक समझौता है; तथा (ग) जहाँ एयूडी और एक संस्थान के छात्रों के बीच कोई औपचारिक समझौता नहीं है, जो संबद्धता की मांग कर रहे हों। यह उन साधनों को भी स्पष्ट करता है जिनके माध्यम से एक विदेशी शोधार्थी / अध्ययनकर्ता को औपचारिक रूप से भारत में अपने अनुसंधान का संचालन करते हुए और ज्ञान / सहायता / विशेषज्ञता / मार्गदर्शन प्रदान करते हुए एयूडी के किसी स्कूल, केंद्र या अन्य इकाई के साथ निर्दिष्ट समय अवधि के लिए संबद्ध किया जा सकता है।

संबद्ध विदेशी विद्वान

1. अमांडा लैन्जिलो, डॉक्टरेट शोधार्थी, इतिहास विभाग, इंडियाना यूनिवर्सिटी, ब्लूमिंगटन (यूएसआईईएफ द्वारा समर्थित डॉक्टोरल शोध प्रबंध कार्यक्रम के तहत) एयूडी के साथ जुड़े एक शोध परियोजना पर काम करने के लिए शीर्षक, आर्टिसन पेट्रोनेज एंड मोबिलिटी बिटवीन कोलोनियल अवध एंड इडियन नेटिव स्टेट्स।
2. इवा डेजसी, बीबीए—क्लुज (रोमानिया) के साथ इरैस्मस प्लस मोबिलिटी प्रोग्राम के तहत बिजनेस संकाय, बाबस—बोलवाई यूनिवर्सिटी, क्लूज—नेपोका, रोमानिया के व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल (एसबीपीपीएसई) द्वारा 3—18 मार्च, 2018 के दौरान आयोजित किया गया।
3. गियुलिओ सेस्टे, एमए के छात्र, केएडीके, कोपेनहेगन, डेनमार्क मई से जुलाई, 2017 तक एसडीएस और सोशल आंत्रप्रेन्योरशिप सेंटर के साथ जुड़े रहे।
4. कैराइन गगने, पोस्टडॉक्टोरल एसोसिएट, येल विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ ह्यूमन इकोलॉजी से जुड़े हैं।
5. फिलिप हैडली, पीएच.डी. छात्र, विकास अध्ययन विभाग, एसओएएस, लंदन विश्वविद्यालय, दिसंबर, 2017 से दिसंबर, 2018 तक विकास अध्ययन स्कूल के साथ जुड़े रहे।
6. प्रीति रामामूर्ति, छात्रवृत्ति प्राप्त शोधार्थी, एशिंगटन विश्वविद्यालय/यूएसआईईएफः दिसंबर, 2017 से सितंबर, 2018 तक विकास अध्ययन स्कूल के साथ जुड़े रहे।
7. डरहम विश्वविद्यालय, यूके के डॉक्टरल शोधार्थी, रेबेका नेले, मुख्य रूप से अगस्त, 2017 से जून, 2018 तक मानव अध्ययन स्कूल के साथ जुड़े रहे।

दौरे

बिधान चंद्र दास तथा संदीप आर. सिंह ने जून से जुलाई, 2018 तक इरास्मस + उच्च शिक्षा कर्मचारी गतिशीलता कार्यक्रम के तहत बेबेस—बोलयाई विश्वविद्यालय का दौरा किया।

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

1. 11, 12 अगस्त, 2017 को इंडियाना यूनिवर्सिटी, ब्लूमिंगटन, इंडियाना, यूएसए दोनों ने संयुक्त रूप से शोध विचार—गोष्ठी का आयोजन किया।
2. धार इंडिया स्टडीज फंड द्वारा वित्त पोषित एक रचनात्मक लेखन कार्यशाला का आयोजन एयूडी एवं इंडियाना यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया।
3. धार इंडिया स्टडीज फंड द्वारा वित्त पोषित 'अर्बनिज्म' एक कार्यशाला का आयोजन एयूडी एवं इंडियाना यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया।
4. 12 मार्च, 2018 को यूनाइटेड स्टेट्स—इंडिया एजुकेशन फाउंडेशन/फुलब्राइट—नेहरू इंटरनेशनल एजुकेशन एडमिनिस्ट्रेटर्स सेमिनार इंडिया का आयोजन किया गया।

6. अनुसंधान परियोजनाएँ

विश्वविद्यालय ने अनुसंधान और परियोजना प्रबंधन के लिए संरचनाओं और प्रक्रियाओं की सिफारिश करने के लिए,अनुसंधान परियोजनाओं के सुचारू संचालन को सक्षम करने के लिए तथा वित्तीय सहयोग के संचालन और प्रसार के लिए मानक संचालन प्रक्रियाओं को विकसित करना, संकाय के नेतृत्व वाली अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित मुद्दों की जांच करने के लिए शोध एवं परियोजना प्रबंधन सलाहकार समिति (एसीआरपीएम) का गठन किया है।

एसीआरपीएम के निम्नलिखित कार्य हैंः

1. विश्वविद्यालय के लक्ष्य एवं उद्देश्य के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न शोध प्रस्तावों का मूल्यांकन करना।
2. प्रस्तावित परियोजना तथा परियोजना संबंधी किसी भी प्रकार के अनुबंध अथवा सहयोग के कार्यान्वयन हेतु तत्परता दिखाना।
3. वित्तीय समझौतों के प्रभाव का परीक्षण करना।
4. परियोजना की स्वीकृति कार्यान्वयन, साझेदारियाँ तथा अनुदान की स्वीकृति के संबंध में कुलपति को सुझााव देना।
5. स्वीकृत परियोजनाओं के सुगमतापूर्वक संचालन हेतु वित्तीय प्रबंधन तथा सांस्थानिक सहायता प्रदान करना।
6. परियोजना के विकास एवं उसके नतीजे की सावधानी पूर्वक जांच करना तथा उसका मूल्यांकन करना।

पहल / गतिविधियाँ

1. संकाय सदस्यों के बीच अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सीड मनी ग्रान्ट फॉर फैकल्टी रिसर्च (एसएमजीएफआर) योजना का आरंभ किया। यह विश्वविद्यालय के प्रबंधन बोर्ड के अनुमोदन के साथ आरंभ किया गया है। शोध के विशुद्ध रूप से नए क्षेत्रों की खोज करने के अलावा, अनुदान का उपयोग शैक्षणिक सामग्री / बुनियादी पाठ्यपुस्तकों को तैयार करने के लिए भी किया जा सकता है, और अनुसंधान को किसी क्षेत्र / विषय विशेष के नए आयामों के लिए विस्तारित किया जा सकता है, जिस पर संकाय सदस्य पहले ही कार्य कर चुके हैं।

   वर्ष 2017—18 की अवधि के दौरान एसएमजी योजना के तहत निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी गईः

क्र. सं.	परियोजनाएं	परियोजना प्रभारी
1	हिन्दी उपन्यासों (20वीं शताब्दी के अंतिम दशक से लेकर 21वीं सदी के आरंभिक दशकों के विषेश संदर्भ में) परिसर जीवन का चित्रण	प्रो.सत्यकेतु सांकृत

क्र. सं.	परियोजनाएं	परियोजना प्रभारी
2	कॉन्टेक्स्टचुलाइसिंग जेंडर एंड पोलिसिंग इन कंटेम्परारी दिल्ली	रचना चौधरी
3	लोकेटिंग लाइव्स ऑफ रिफ्यूजी थ्रू इंफॉरमेशन कम्यूनिकेशन टेक्नॉलाजीजः दिल्ली शहर में अफगान सिख शरणार्थियों का एक अध्ययन	शैली पाण्डेय
4	रिमोट सेंसिंग – दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शहरी विस्तार के उपाय के रूप में निर्मित क्षेत्र की गतिशीलता का अध्ययन	पुलक दास
5	पेरियार, जाति और भारतीय लोकतंत्र	राजन कृष्णन
6	लैंडस्केप और फॉल	शेफाली जैन
7	सामाजिक आंदोलन के रूप में लोकप्रिय धर्मः एन एथनोग्राफिक स्टडी ऑफ महिमा अलेख धर्मा इन ओडीशा एंड द इमैन्सीपेशन ऑफ दलित	बिधान चंद्र दास
8	स्टैंडर्डाइजिंग लोकल टेस्टः पॉलीटिक्स ऑफ जियोग्राफीकल इंडीकेशन	इशिता डे
9	थ्रेटेंड लाफ्टर? नंबुदिरी जोक्स, मालाबार, दक्षिण भारत में आधुनिकता और हास्य	बिंदु के. सी...
10	माइंडफुलनेस–बेस्ड कॉग्निटिव बिहेवियर ट्रीटमेंट (एमसीबीटी) फॉर जुवेनाइल डेलीक्वेंट्स	अनूप कुमार कोइलेरी वी.
11	मानव स्वास्थ्य पर यातायात शोर के प्रभावों पर अध्ययन	क्रांति कुमार
12	आधुनिक भारत के बौद्ध विचारक	प्रियंका झा
13	मेकिंग एंड अनमेकिंग ऑफ कम्यूनिटी फॉरेस्ट गवर्नेंसः ए केस स्टडी ऑफ रेड्ड+ इन इंडिया	सुमना दत्ता
14	कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेजेस एंड वेलबीइंग : एक भारतीय क्षेत्र (महाराष्ट्र) 1860–1868	धीरज कुमार नाइट

क्र. सं.	परियोजनाएं	परियोजना प्रभारी
15	राइटिंग पेडागॉजी एंड हायर एजुकेशनः एक केस स्टडी	नूपुर सैमुएल
16	भारत के पूर्वोत्तर में लोकतंत्र और संघर्ष–मणिपुर फेज	माइकल ल्यूमिंथांग
17	डिजिटल फाइनेंशियल इन्क्लूसिव इन इंडियाः एन इनिशिएशन टूवर्ड्स रेस्पोंसिबल फाइनेंस	कंवल अनिल
18	कन्फ्लिक्टिंग रोल ऑफ द स्टेट एज ए कस्टोडियन एंड वॉयलेटर ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑफ आदिवासीसः सिंगरेनी कोलियरीज लिमिटेड (एससीसीएल) तेलंगाना का एक अनुभवजन्य अध्ययन	वेलेंटीना के.
19	ए स्टडी ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन एंड प्रोडक्शन रिलेशन्स इन रूरल पंजाब	पार्था साहा
20	डिनायल एंड डेप्रिवेशनः हेल्थ इनक्वॉलिटीज अमंग द दार्जीलिंग टी प्लांटेशन लेबर	रिंजू रसाइली
21	सिटी स्टेटस ऑफ इन्फैट एंड यंग चाइल्ड फीडिंग (आईवाईसीएफ) इन दिल्ली स्लम्सः एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी	दीपा सिन्हा
22	कास्ट एंड अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चरः वेस्ट–वर्क एंड मीट बुचरिंग ऑन द मार्जिन ऑफ बॉम्बे	शिरीन मिर्जा
23	दक्षिण एशिया में विकलांगता अध्ययन के लिए मुख्य शब्द	अनीता घई

2. फैकल्टी सेमिनार और पेपर प्रेजेंटेशन (एफएसीएसएएपी) के हिस्से के रूप में, सात प्रस्तुतियाँ (प्रेजेंटेशन)/संगोष्ठियाँ (सेमिनार) आयोजित किए गए। एफएसीएसएएपी के साथ, एसीआरपीएम ने संकाय हेतु एक वर्किंग पेपर सीरीज आरंभ करने की भी योजना बनाई है।

परियोजनाएँ

इस शैक्षणिक वर्ष में, निम्नलिखित परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई हैः

i. गति डांस फोरम, दिल्ली के सहयोग से एससीसीईई, डांस प्रैक्टिस में एमए कार्यक्रम, सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा वित्त पोषित (रु. 214 लाख)।

ii. सीईसीईडी, दिल्ली में 10 मॉडल प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा केंद्रों का विकास– एक पायलट परियोजना, जीएनसीटीडी द्वारा वित्तपोषित (रु. 1 करोड़)।

iii. उरफत अंजुम मीर, एसएलएस, इम्पैक्ट ऑफ प्रोट्रेक्टेड कनफ्लिक्ट सिचुएशन एंड वायलेंस ऑन मेन्टल हेल्थ ऑफ एडोलैसैंट्स इन जम्मू एंड कश्मीरः एक एथनोग्राफिक अध्ययन आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित, (रु. 650,000)।

iv. बाबू पी. रेमेश, एसडीएस, मीडिया में श्रम और रोजगार, आईसीएसएसआर द्वारा वित्त पोषित (रु. 800,000)।

v. सीईसीईडी, इफेक्ट ऑफ अर्ली स्टेमूलेशन एंड न्यूट्रीशनः येल विश्वविद्यालय, द यूनिवर्सिटी फॉर फिस्कल स्टडीज, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन एवं यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया के सहयोग से ओडिशा में एक अध्ययन, इंस्टीट्यूट ऑफ फिस्कल स्टडीज द्वारा वित्त पोषित।

vi. सीडीपी की परियोजना का नवीनीकरण, इन्क्यूबेटिंग कम्युनिटी–बेस्ड सोशल इनिशिएटिव–किन्नर, प्राइसवाटरहाउस कूपर्स (पीडब्ल्यूसी) इंडिया फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित।

vii. जीएनसीटीडी द्वारा सोशल इम्पैक्ट असेसमेंट (एसआईए) के लिए एक राज्य इकाई के रूप में मानव पारिस्थितिकी स्कूल का मनोनयन।

viii. सीसीके, इंस्टीट्यूशनल मेमोरी प्रोजेक्ट, एयूडी द्वारा वित्त पोषित, (रु. 863,000) ।

7. विश्वविद्यालय के प्रभाग

7.1. पुस्तकालय सेवाएँ

विश्वविद्यालय के तीन परिसरों में तीन सुसज्जित आधुनिक पुस्तकालय हैं। पुस्तकालय तीन राष्ट्रीय अवकाशों को छोड़कर पूरे वर्ष सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहता है। पुस्तकालय के अधिकांश संचालन कम्प्यूटरीकृत किए जा चुके हैं, और शेष संचालन स्वचालित किए जा रहे हैं। पुस्तकालय में सभी परिसरों के लिए एक ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर, कोहा पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली (एलएमएस) पर एक केंद्रीकृत डेटाबेस है। इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों का उपयोग करने के लिए दस निजी कंप्यूटर स्थापित किए गए हैं और तीनों परिसरों में लाइब्रेरी कैटलॉग को खोजने के लिए विशेष रूप से ''ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग'' (ओपीएसी) के उपयोग के लिए तीन कंप्यूटर स्थापित किए गए हैं। प्रोफेसर अनीता घई पुस्तकालय समिति की अध्यक्ष हैं और इस समिति में 24 सदस्य हैं।

विश्वविद्यालय के छात्रों, संकायों और कर्मचारियों के पास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ई–पत्रिकाओं, ई–पुस्तकों और जर्नल डेटाबेसों के लिए ऑन–कैंपस और ऑफ–कैंपस पहुँच सुविधा उपलब्ध है, जो सामाजिक विज्ञान और मानविकी के क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं।

संसाधन वितरण

पुस्तकालय अंतर–पुस्तकालय आदान–प्रदान के साथ–साथ दस्तावेज वितरण सेवाओं के लिए डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क (डेलनेट) का सदस्य है। पुस्तकालय ने उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के एक संघ ई–शोध सिंधु एवं भारत के शोधों एवं शोध ग्रन्थों का विशाल संग्रह, शोध गंगा के साथ–साथ इनफ्लिबनेट एसोसिएट सदस्यता कार्यक्रम की भी सदस्यता ली है।

संसाधन वितरण के भाग के रूप में पुस्तकालय ने उपयोगकर्ताओं के लिए 60 पुस्तकालयों से 151 शोध ग्रंथों का ऑर्डर दिया है साथ ही डेलनेट के माध्यम से देश भर के 66 अलग–अलग विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों से 172 शोध सामग्री प्राप्त की है। पुस्तकालय ने विभिन्न पुस्तकालयों एवं प्रकाशकों से 150 आलेख एवं पुस्तक अध्याय का प्रबंधन किया है।

सेवाएँ

विश्वविद्यालय के तीन पुस्तकालयों का इस वर्ष के दौरान लगभग 65,421 लोगों ने दौरा किया और 35,341 पुस्तकों को जारी किया गया। ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) में 16,243 लॉगिन दर्ज किए गए। पुस्तकालय ने सुगम्य पुस्तकालय, और जेएडब्ल्यूएस सॉफ्टवेयर की सदस्यता ली है, जो दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए इसके उपयोग को आसान बनाता है। पुस्तकालय और उसके संसाधनों तक पहुँच के लिए पुस्तकालय नए छात्रों हेतु उपयोगकर्ता उन्मुखीकरण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

पुस्तकालय संग्रह

विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के क्षेत्र में पुस्तकों, पत्रिकाओं, ई–पत्रिका, ई–पुस्तकों का विशाल संग्रह है। 31 मार्च, 2018 तक पुस्तकालय में पुस्तकों का कुल संग्रह 49,954 है जिसमें 4267 उपहार स्वरूप पुस्तकें शामिल हैं। तीनों परिसरों में 5414 नई किताबें जिन्हें 10,496,784 रु. की कीमत पर खरीदा गया; कश्मीरी गेट परिसर में 2847, लोधी रोड परिसर में 100 और करमपुरा परिसर में 2467 किताबें हैं। इस वर्ष कुल 453 पुस्तकें पुस्तकालय को उपहार में दी गईं। नामांकित छात्रों की संख्या में पुस्तकों का अनुपात प्रति छात्र 21 किताबें हैं।

पुस्तकों के अलावा, पुस्तकालय ने 170 शोध प्रबंधों और शोधों को सूचीबद्ध किया है, तथा 254 सीडी / डीवीडी की खरीद की है, और 19 प्रतिस्पर्धी पत्रिकाओं, 11 समाचार पत्रों, 66 प्रिंट पत्रिकाओं और 19,165 ई–पत्रिकाओं तक पहुँच की सुविधा प्रदान करती है। पत्रिकाओं और अन्य ई–संसाधनों पर कुल खर्च 20,746,988 रु. था। इस वर्ष कुल पुस्तकालय का व्यय 31,243,772 रु. था।

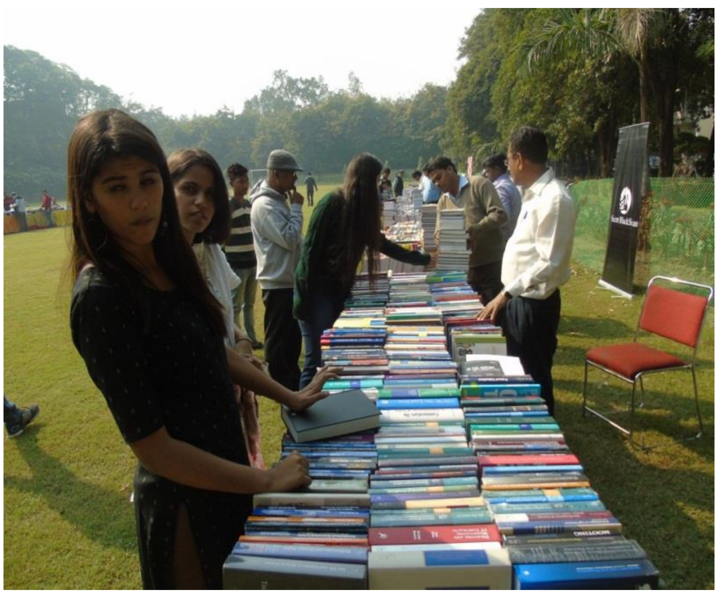

प्रस्तुतियाँ

मंजू ने 26–28 अक्टूबर, 2017 को इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशंस एंड इंस्टीट्यूशंस (आईएफएलए) एशिया और ओशिनिया सेक्शन, दिल्ली के सहयोग से डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एशियाई पुस्तकालयों के

दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'एक्सपेंडिंग डिजिटल फुटप्रिंट्सः रोल ऑफ लाइब्रेरीस और इन्फर्मेशन सेंटर्स' में ऑर्गनाइजेशन एंड मॅनेजमेंट ऑफ मल्टिमीडिया रिसोर्सस इन लाइब्रेरीज विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सम्मान / पुरस्कार / उपलब्धियाँ

अलका राय, 8–10 अगस्त, 2018 को बैंकॉक, थाईलैंड में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन समिति एलआईएस 2018 की सदस्य रहीं।

_______ ने अंतर्राष्ट्रीय समिति के भाग के रूप में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पर 2018 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने योगदान तथा 2015 से सम्मेलन में उत्कृष्ट सहयोग प्रदान करने के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

देबल सी. कर स्पेशल लायब्रेरीज एसोसिएशन द्वारा एसएलए पुरस्कार 2017 के फेलो हैं, जो फीनिक्स, एरिजोना, यूएसए, जून, 2017 को प्रदान किया गया है।

मंजू 26–28 अक्टूबर, 2017 को इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशंस एंड इंस्टीट्यूशंस (आईएफएलए) एशिया और ओशिनिया सेक्शन, दिल्ली के सहयोग से डॉ. जाकिर हुसैन पुस्तकालय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, एशियन लाइब्रेरी एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एशियाई पुस्तकालयों के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'एक्सपेंडिंग डिजिटल फुटप्रिंट्सः रोल ऑफ लाइब्रेरीस और इन्फर्मेशन सेंटर्स' की स्थानीय आयोजन समिति की सदस्य थीं।

उपलब्धियाँ

अलका राय ने 22 मई, 2017 से 19 जून, 2017 को जामिया मिल्लिया इस्लामिया में 'ए' ग्रेड प्रमाण पत्र सहित कैरियर उन्नति योजना के भाग के रूप में 4 सप्ताह का उन्मुखीकरण कार्यक्रम पूरा किया।

_______ ने 4, दिसंबर, 2017 को स्टाफ ट्रेनिंग मोबिलिटी सप्ताह में भाग लेने के लिए ईआरएएसएमयूएस+ कार्यक्रम के तहत जर्मनी की लुडविग्स यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशन, जर्मनी का दौरा किया।

_______ ने 21–23 फरवरी, 2018 को बेनेट विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, भारत में इमर्जिंग ट्रेंड्स एंड टेक्नॉलजीस इन लाइब्रेरीस एंड इन्फर्मेशन सर्विसेस (ईटीटीएलआईएस 2018) पर आईईईई पाँचवीं अंतर्राष्ट्रीय विचार–गोष्ठी के दौरान एक तकनीकी सत्र की सह–अध्यक्षता की।

देबल सी. कर ने 5 अप्रैल, 2017 को आईईजी, सोसाइटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स (एसएलपी) तथा एसएलए एशियन चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से नई दिल्ली में आयोजित 'इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ (आईईजी), में बेस्ट प्रैक्टिसेस एंड ट्रेंड्स इन ग्लोबल लाइब्रेरीज' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

_______ ने 6, 7 अप्रैल, 2017 को आईआईएसईआर, मोहाली में सोसाइटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल (एसएलपी), एसएलए–एशियन चैप्टर तथा आईआईएसईआर मोहाली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित डाइनैमिक्स ऑफ लाइबेरी फॉर एक्सीलेन्स इन इलेक्ट्रॉनिक रेवोल्यूशन पर अंतर्राष्ट्रीय लाइब्रेरी एंड इन्फर्मेशन प्रोफेशनल समिट (एलआईपीएस 2017) में उद्घाटन उद्बोधन दिया।

_______ ने 10–12 मई, 2017 को स्टेट इस्लामिक यूनिवर्सिटी सुनन कालीजागा, योग्यकर्ता, इंडोनेशिया में स्टेट इस्लामिक यूनिवर्सिटी सुनन कालीजागा, योग्यकर्ता, इंडोनेशिया और स्पेशल लाइब्रेरीज एसोसियेशन–एशियन चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित क्यूरेशन एंड मॅनेजमेंट ऑफ कल्चरल हेरिटेज थ्रू लाइब्रेरीस पर इंटरनैशनल कॉन्फ्रेंस ऑन एशियन स्पेशल लाइब्रेरीस (आईसीओएएसएल 2017) में उद्घाटन उद्बोधन दिया एक वार्ता की तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।

_______ ने 19 जून, 2017 को फीनिक्स, एरिजोना, यूएसए में द स्पेशल लाइब्रेरीस एसोसियेशन 2017 अन्यूअल कॉन्फ्रेंस एंड इन्फो–एक्स्पो (एसएलए 2017) में एशियन चैप्टर बिजनेस मीटिंग सेशन में डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडियाः इनिशियेटिव बाइ गवर्नमेंट ऑफ इंडिया पर वार्ता प्रस्तुत की।

_______ ने 28–30 नवंबर को 2017 आईआईसी, नई दिल्ली में डेलनेट द्वारा आयोजित बीसवें नॉलेज, लाइब्रेरीज एंड इंफॉर्मैशन नेटवर्किंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनएसीएलआईएन 2017) में तकनीकी सत्र 'V: सोशल मीडिया एप्लीकेशन इन लाइब्रेरीज' की अध्यक्षता की।

_______ ने 1–3 फरवरी, 2018 को होटेल रॉयल ऑर्किड, जयपुर, भारत में डेलनेट, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, स्पेशल लाइब्रेरीस एसोसियेशन (एसएलए)–एशियन चैप्टर एंड सोसाइटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल

(एसएलपी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित रिशेपिंग लाइब्रेरीसः एमर्जिंग ग्लोबल टेक्नॉलजीस एंड ट्रेंड्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआरएल 2017) में उद्घाटन उद्बोधन दिया।

_______ ने 5 फरवरी, 2018 को अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली द्वारा आयोजित प्रबंध मुक्त शैक्षिक संसाधनों में पुस्तकालयों की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन उद्बोधन दिया।

कार्यक्रम / गतिविधियाँ

पिछले एक वर्ष में पुस्तकालय ने अपने उपयोगकर्ताओं हेतु संसाधनों के उपयोग को बढ़ाने के लिए 20 से अधिक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

राजस्थान के होटल रॉयल ऑर्चिड, जयपुर में 1 से 3 फरवरी, 2018 को डेलनेट, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, स्पेशल लाइब्रेरीज एसोसिएशन (एसएलए) – एशियन चैप्टर एंड सोसाइटी फॉर लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के साथ संयुक्त रूप से आयोजित 'रीशेपिंग लाइब्रेरीजः इमर्जिंग ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड ट्रेंड्स (आईसीआरएल 2018)' अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कश्मीरी गेट परिसर में 5 फरवरी, 2018 को पुस्तकालय द्वारा 'रोल ऑफ लाइब्रेरीज इन मैनेजिंग ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज' अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई।

7.2. सूचना एवं तकनीकी सेवाएँ

आईटी सेवा प्रभाग सभी तीन परिसरों में आईटी से संबंधित गतिविधियों के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है। इसके द्वारा इंटरनेट एक्सेस, ईमेल, ईआरपी (वर्तमान में विद्यार्थी लाइफ सर्कल, एचआर, वित्त, खरीद / प्राप्ति, भंडार रजिस्टर), वाई–फाई कनेक्टिविटी, इंट्रानेट, ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क एक्सेस और लाइब्रेरी सेवा प्रदान की गई सेवाएँ हैं। प्रभाग आईटी सुरक्षा, केंद्रीकृत बैकअप भंडारण, विश्वविद्यालय वेबसाइट और जॉब पोर्टल भी संभालता है। नेटवर्क में 700 से अधिक नोड्स शामिल हैं। प्रभाग ऑनलाइन अधिगम सामग्री उपलब्ध कराने हेतु नेशनल नॉलेज नेटवर्क को 100 एमबीपीएस लिंक की सेवा देता है तथा परिसर एमपीएलएस–वीपीएन तकनीक के माध्यम से जुड़े हैं।

अपग्रेडेड सेवाएँ / तकनीकी

प्रभाग पहले से सेवारत तकनीकी को नई एवं अपग्रेड (उन्नत) तकनीकी से परिनियोजित किया है। जो इस प्रकार हैः

- सभी तीन परिसरों में बायोमेट्रिक एटेंडेंस सिस्टम का समावेशन।
- एंडप्वाइंट एंटरप्राइज एंटीवायरस सर्वर का उन्नयन।
- ऑनलाइन कोर्स प्रबंधन सेवा हेतु ऑनलाइन लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, मोडल 3.3.1 का उन्नयन एवं टर्निटिन द्वारा ऑटो प्लेगीयरिज्म चेक का समावेशन।
- लोधी रोड परिसर के लिए वीएलएएन की शुरूआत।
- कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसर में निगरानी हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाना।
- इंट्रानेट सेवाओं का उन्नयन।
- स्नातक / स्नातकोत्तर / शोध पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के लिए एक नए एडमिशन पोर्टल का विकास।
- लाइनेक्स एवं विंडो सर्वर का उन्नयन।

ईआरपी निर्माण / विस्तार

ईआरपी निर्माण / विस्तार इस प्रकार से हैंः

- विभिन्न बैंक खातों में शुल्क जमा करने के लिए पेटीएम और बिलडेस्क पेमेंट गेटवे के साथ डबल एमआईडी मैपिंग।
- ऑनलाइन प्रवेश के आवेदन फार्म को नियंत्रित करना।
- स्नातक प्रवेश कट–ऑफ की नई सुविधा 'ऑफर–सीट रेशियो' का समावेशन।
- प्लास्टिक कार्ड प्रिंटर से विद्यार्थी एवं कर्मचारी आईडी कार्ड का मुद्रण।

डोमेन नाम

नई डोमेन सेवाओं http://admissions.aud.ac.in को जोड़ा गया है।

लोधी रोड परिसर

इस वर्ष, प्रभाग ने लोधी रोड परिसर में अपनी सभी सेवाएँ बढ़ा दी हैं। आईटी अवसंरचना में शामिल हैं:

- कंप्यूटर प्रयोगशाला 1
- कर्मचारी / संकाय के लिए डेस्कटॉप 20
- संकाय के लिए लैपटॉप 05
- प्रिंटर 05
- वाई–फाई नियंत्रक बिन्दु 05
- कक्षा में स्क्रीन के साथ दृश्य–श्रव्य प्रक्षेपक (प्रोजेक्टर) और ध्वनि यंत्र 05
- 24 घंटे ऊर्जा सेवा देने वाले दो मध्यम श्रेणी के बैरा (सर्वर)
- 100 एमबीपीएस ब्रॉडबैंड कनेक्शन। परिसरों के बीच एमपीएलएस–वीपीएन कनेक्टिविटी प्रक्रिया में है।
- दो 05 केवीए, एक 10 केवीए ऑनलाइन यूपीएस और 20 ऑफलाइन यूपीएस

सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण

दोनों परिसरों में सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों की सूची इस सारिणी में दी गई है।

क्र.सं.	उपकरण	वर्तमान वर्ष 2017–18
1	सर्वर	10
2	डेस्कटॉप	507
3	लैपटॉप	150
4	स्विच (प्रबंधनीय और अप्रबंधनीय)	83
5	वाई–फाई नियंत्रक बिन्दु	50

क्र.सं.	उपकरण	वर्तमान वर्ष 2017–18
1	सर्वर	10
2	डेस्कटॉप	507
3	लैपटॉप	150
4	स्विच (प्रबंधनीय और अप्रबंधनीय)	83
6	प्रिंटर / स्कैनर / छाया–प्रति मशीन / (डेस्कटॉप / बहुक्रियाशील)	105
7	यूपीएस (ऑनलाइन / ऑफलाइन)	148
8	प्रक्षेपक	84
9	कक्षा के लिए ध्वनि यंत्र	48

सॉफ्टवेयर

जोड़े गए नए / अपग्रेड सॉफ्टवेयर प्रोप्रायटरी सॉफ्टवेयर (ऑटोकैड 225 उपयोगकर्ता) एवं ओपन–सोर्स सॉफ्टवेयर (उबंटू, सेंटोस, डेबियन, सिट्रिक्स एक्सन सेवर) हैं।

7.3. छात्र सेवा प्रभाग

डीन, छात्र सेवा, छात्र सेवा प्रभाग का नेतृत्व करता है। प्रभाग छात्र प्रकोष्ठ के साथ समन्वय करता है, विश्वविद्यालय विकास निधि प्रबंध समिति (यूडीएफएमसी) के साथ समन्वय करता है, समितियों के रिकॉर्ड को बनाए रखता है और साथ ही निम्नलिखित की देखरेख करता हैः

- नामांकन से जुड़े विज्ञापन एवं प्रचार संबंधी मुद्दे, प्रवेश प्रक्रियाओं का समन्वयन करना, नामांकन से संबंधित बैठकों का आयोजन, आवेदन/प्रवेश फॉर्म एवं शुल्क के संग्रह अभिलेख का रखरखाव करना।
- फीस में छूट, छात्रवृत्ति, छात्र यात्रा अनुदान, छात्र कल्याण कोष का संवितरण, अधिगम संवर्धन निधि, अनुसंधान अध्येताओं को स्टाइपंड, कॉशन मनी की वापसी इत्यादि।
- बोनाफाइड प्रमाण पत्र, छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र और अन्य प्रासंगिक दस्तावेज जारी करना।
- उच्च शिक्षा निदेशालय व राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार से संपर्क स्थापित करना तथा शैक्षिक मेलों में भागीदारी करना एवं विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन समस्या निवारण प्रणाली (ओपीआरएसएस) को संचालित करना।

नामांकन प्रक्रिया

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में नामांकन प्रक्रिया मई–जून, 2017 में तथा एम.फिल. व पीएच.डी. कार्यक्रमों की जून–अगस्त, 2017 में आरंभ हुई।

आरक्षण

नामांकन उच्चतर शिक्षा संस्थानों हेतु लागू विभिन्न सामाजिक समूहों एवं अन्य श्रेणियों संबंधित राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली सरकार की आरक्षण नीतियों के अनुसार किया गया। इसके अंतर्गत एनसीटी, दिल्ली के छात्रों के लिए 85 प्रतिशत एवं एनसीटी, दिल्ली से बाहर के विद्यार्थियों हेतु 15 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था है।

विदेशी छात्र

प्रत्येक कार्यक्रम में विदेशी छात्रों के लिए एक सीट आरक्षित हैं। विदेशी नागरिकों की डिग्री को एसोसिएशन ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटीज द्वारा मान्यता दी जानी चाहिए। विदेशी नागरिक, जो भारत के नहीं हैं उन्हें अपने वाणिज्यदूत या दूतावास के माध्यम से आवेदन करने की आवश्यकता है। सभी विदेशी नागरिकों के विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा समर्थित अध्ययन की सम्पूर्ण अवधि के लिए छात्र वीजा मान्य होना चाहिए। विदेशी छात्रों का शुल्क, भारतीय विद्यार्थियों से प्रत्येक सत्र में दुगना है इसके अतिरिक्त उन्हें 500 रुपया प्रति सत्र छात्र कल्याण कोष में तथा 10,000 रुपया जमानती राशि के रूप में देना पड़ता है।

चयन मानदंड

अवरस्नातक कार्यक्रम में छात्रों का नामांकन, योग्यता (सभी बीए कार्यक्रमों के लिए बारहवीं कक्षा की परीक्षाओं में प्राप्त किए गए अंक तथा सभी बी. वोकेशनल कार्यक्रमों में योग्यता और साक्षात्कार के आधार पर चयन किया गया था) पर एवं स्नातकोत्तर व शोध (एम.फिल. व पीएच.डी.) कार्यक्रमों में लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार द्वारा हुआ।

अवरस्नातक कार्यक्रमः कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए पात्रता मानदंड दिए गए भिन्न होते हैं, जो निम्नानुसार हैं:

- गणित में बीए आनर्सः अभ्यार्थी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में गणित विषय में न्यूनतम अंक 65 प्रतिशत होने आवश्यक थे।
- अर्थशास्त्र में बीए आनर्सः अभ्यर्थी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में गणित विषय में प्राप्त अंक को अनिवार्य रूप से 'श्रेष्ठ चार विषयों' की गणना में जोड़ा गया।
- बीए अंग्रेजीः अभ्यार्थी के 12वीं बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी विषय में न्यूनतम 65 प्रतिशत अंक होने आवश्यक हैं।
- विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी के अभ्यार्थियों को प्रवेश मानदंड में 5 प्रतिशत की छूट दी गई थी।
- बीवॉक कार्यक्रमः उम्मीदवारों का चयन बारहवीं बोर्ड परीक्षा और साक्षात्कार के अंकों के आधार पर किया गया था। स्कूल में व्यावसायिक विषयों वाले उम्मीदवारों को अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं।

स्नातकोत्तर कार्यक्रमः किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि में 45 प्रतिशत या इसके समान ग्रेड होने आवश्यक थे। परंतु एम.ए. शिक्षा, एम.ए. सामाजिक उद्यमिता एवं प्रकाशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक अथवा इसके समान ग्रेड होने आवश्यक थे। एससीसीईई हेतु किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि में 40 प्रतिशत या इसके समान ग्रेड होने आवश्यक थे। विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों में अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी के अभ्यार्थियों को पात्रता मानदंड में 5 प्रतिशत की छूट दी गई थी।

एम.फिल. कार्यक्रमः मान्यता प्राप्त संस्थान से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के किसी भी क्षेत्र में स्नातकोत्तर की उपाधि में 55 प्रतिशत से अधिक अंक या समकक्ष सीजीए (एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी आवेदकों हेतु न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक या इससे अधिक)।

पीएच.डी. कार्यक्रमः मान्यता प्राप्त संस्थान से सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के किसी भी क्षेत्र में एम.फिल. (शोध प्रबंध के साथ) से ऊपर विशेष मामलों में, आवेदक जो एमए (उदाहरण के लिए, एम.फिल. पाठ्यक्रम लेकिन बिना थीसिस) के अतिरिक्त पाठ्यक्रम पूरा कर चुके हैं, वे प्रवेश के लिए पात्र हो सकते हैं।

पार्श्विक प्रवेश समितिः पार्श्विक प्रवेश समिति अध्ययन के किसी भी विशेष कार्यक्रम में पार्श्विक प्रविष्टियों की प्रक्रिया को सुगम बनाती है। इस श्रेणी के माध्यम से नामांकन हेतु सभी संबंधित दस्तावेजो (पहले सत्र/वर्ष

आदि का परिणाम) को प्रस्तुत करना तथा शैक्षणिक कार्यक्रम की निर्धारित न्यूनतम योग्यता (यदि अतिरिक्त कोई हो) को पूरा करना आवश्यक है।

शुल्क संरचना

कार्यक्रम की विश्वविद्यालय शुल्क संरचना प्रति क्रेडिट 500 रु. से 2320 रु. तक है। इसके अलावा अधिनियम के अनुसार 500 रु. प्रति सत्र 'छात्र कल्याण कोष' में तथा नामांकन के समय 5000 रुपया वापसी योग्य सावधि जमानत राशि के रूप में एक बार देने होते हैं।

शुल्क वापसी

नामांकन होने के बाद यदि कोई छात्र अपना नामांकन रद्द कराता है तो उसे छूट के नियमानुसार शुल्क की राशि वापस की जाती है। उन्मुखीकरण कार्यक्रम से पूर्व, 1000 रुपए की कटौती की जाएगी तथा उन्मुखीकरण कार्यक्रम के बाद, केवल सावधि जमानत राशि वापस की जाती है।

शुल्क माफी

विश्वविद्यालय सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं दिव्यांग श्रेणी के छात्रों का पूरा शुल्क माफ करता है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/दिव्यांग श्रेणी की श्रेणी के अतिरिक्त आर्थिक रूप से कमजोर छात्र भी प्रासंगिक प्राधिकारियों द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर अपनी ट्यूशन–शुल्क में छूट पा सकते हैं। परिवार की कुल वार्षिक पारिवारिक आय के आधार पर स्लैब–वार रियायत इस प्रकार है :

श्रेणी	**शिक्षा शुल्क माफ (प्रतिशत में)**	**पारिवारिक कुल वार्षिक आय**
श्रेणी–1	100%	₹ 3 लाख या उससे कम
श्रेणी–2	75%	₹ 3 लाख से अधिक किन्तु ₹ 4 लाख या उससे कम
श्रेणी–3	50%	₹ 4 लाख से अधिक किन्तु ₹ 5 लाख या उससे कम
श्रेणी–4	25%	₹ 5 लाख से अधिक किन्तु ₹ 6 लाख या उससे कम

इस वर्ष कुल 875 छात्रों का शुल्क माफ किया गया तथा शुल्क माफ किए गए छात्रों की संख्या (स्कूल–वार) नीचे दी गई है :

स्कूल	**छात्रों की संख्या**
एसबीपीपीएसई	27

एससीसीई	37
एसडीएस	31
एसडीईएस	06
एसईएस	46
एसएचई	18
एसएचएस	118
एसएलएस	146
एसओएल	29
एसएलजीसी	14
एसयूएस	372
एसवीएस	31
कुल	**875**

छात्रवृत्ति

संग्रहित किये गये शिक्षण शुल्क का दस प्रतिशत छात्रवृत्ति के रूप में चुकाया जाता है। विश्वविद्यालय में प्रदान की गयी छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की होती हैः योग्यता आधारित और शैक्षणिक प्रगति के लिए। योग्यता आधारित छात्रवृत्तियाँ सीजीपीए के अनुसार प्रदान की जाती है और शैक्षणिक प्रगति वाली छात्रवृत्तियाँ उन छात्रों को प्रदान की जाती है जिसके सीजीपीए में पिछले सत्र की तुलना में सुधार हुआ है। यह छात्रवृत्ति छात्रों के लिए कुल मिलाकर अपने ग्रेडों को सुधारने हेतु एक प्रोत्साहन के रूप में कार्य करता है।

इस वर्ष कुल 187 छात्रों ने प्रतिभा आधारित छात्रवृत्ति प्राप्त की तथा तीन छात्रों ने शैक्षणिक प्रगति छात्रवृत्ति प्राप्त की। छात्रवृत्ति लाभा लेने वाले छात्रों की संख्या नीचे दी गई है।

स्कूल	**प्रतिभा आधारित छात्रवृत्ति**	**शैक्षणिक प्रगति छात्रवृत्ति**
एसबीपीपीएसई	16	01
एससीसीई	22	.

एसडीएस	16	02
एसडीईएस	08	.
एसईएस	25	.
एसएचई	10	.
एसएलएस	62	.
एसओएल	10	.
एसयूएस	201	6
एसवीएस	18	.
कुल	**388**	**09**

छात्र कल्याण कोष

विश्वविद्यालय ने छात्र कल्याण कोष का निर्माण जरूरतमन्द विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता देने हेतु किया है जैसे कि छात्रों को आकस्मिक चिकित्सा सहायता, पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री की खरीद, एयूडी की छात्रावास सुविधाओं की राशि के समतुल्य भोजन व आवास व्यय तथा उनकी अन्य आवश्यकताओं से संबन्धित सहायता प्रदान की जाती है।

छात्र कल्याण कोष हेतु सभी विद्यार्थियों से प्रत्येक सत्र में 500 रु. की राशि ली जाती है एवं इतनी ही राशि का योगदान विश्वविद्यालय की ओर से भी दिया जाता है। कोष का प्रबंधन एवं निगरानी एक समिति करती है, जिसमें छात्र समुदाय द्वारा नामित विद्यार्थी भी शामिल होता है।

इस वर्ष इस निधि से 271 विद्यार्थियों का भुगतान किया गया तथा उनका विवरण नीचे दिया गया है।

स्कूल का नाम	**छात्रों की संख्या**
एससीसीई	19
एसडीएस	18

एसडीईएस	01
एसईएस	20
एसएचई	01
एसएचएस	46
एसएलएस	51
एसयूएस	98
एसवीएस	03
एसओएल	14
कुल	**271**

अध्ययन वृद्धि कोष

अध्ययन वृद्धि कोष (संग्रहित फीस का 25 प्रतिशत) छात्रों के विभिन्न क्षेत्र यात्राओं के खर्च के लिए वितरित किया जाता है। इस वर्ष में यह धनराशि स्कूलों द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार की क्षेत्र–यात्रा, वर्कशॉप, इन्टर्नशिप में उपयोग की गई। विवरण निम्नानुसार हैंः

स्कूल	उद्देश्य
एसडीईएस	जून–जुलाई के दौरान आठ सप्ताह की अवधि के लिए एक संगठन में छात्रों की ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप। 8 छात्र; रुपये 148,225 / –
एसएचई	एसएचई की पीएच.डी. स्कॉलर सुश्री रश्मि सिंह द्वारा फील्ड वर्क के लिए अनुसंधान अनुदान प्रस्ताव; कुल रु. 50,000 / –
एसयूएस	नवंबर, 2017 में एयूडी के छात्रों के लिए कलाकृती द्वारा कार्यशाला आयोजित की जा रही है; रुपये 6000 / –

छात्र यात्रा ग्रांट

इस कोष का निर्माण भारत के अंदर या बाहर शोधपत्र की प्रस्तुतियों या अधिवेशनों से सम्बन्धित छात्रों की यात्रा और अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए किया गया है। इस वर्ष, छात्रों के यात्रा अनुदानों का विवरण निम्नानुसार हैंः

स्कूल	छात्रों की संख्या	वार्षिक अधिवेशन और शोध पत्र प्रस्तुति के शीर्षक के संबंध में यात्रा का स्थान और राशि ।
एससीसीईई	01	लाइमरिक, आयरलैंड, रु. 57884 / – 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉरमेंसः द डेक्लाइन ऑफ सिरिएक चैट्स'
	01	अगरतला, त्रिपुरा, रु. 24909 / – 'वॉमेन क्वेश्चन इन ट्राइबल पोएट्रीः यूनिटी फॉर सबसमप्टीव रीडक्शनिज्म और रेलशनलिटी ऑफ नॉन–रिलेशनल'
	01	हैदराबाद, रु. 8560 / – "द 'थ्री मोमेंट्स ऑफ आर्ट' एवं ट्रुथ–इवेंटः रिफ्लेक्शन ऑन मुक्तिबोडिअन क्रिएटिव प्रोसेस"
	01	डबलिन, आयरलैंड, 161,666 / – रुपये 'द एसेंस एंड अप्पीअरेंस ऑफ इंडिगेनिटीः प्रोब्लेमैटिक ऑफ ट्राइबल आइडेंटिटी पॉलिटिक्स एंड सबाल्टर्न कोंशिअसनेस ऑफ वॉमेन ट्राइबल पोएट्री ऑफ निर्मला पुतुल'
एसडीएस	01	न्यू ऑरलियन्स, यूएसए, 151,454 / – 'डाईंग इन दिल्ली इज टेरिबल, बट इट इज नाइस टू लाइव हिअर'
	01	त्रिवेंद्रम, केरल, रु. 5295 / – 'स्पेसेस ऑफ वर्क स्पेसेस ऑफ स्ट्रगलः केस स्टडी ऑफ नोएडा डोमेस्टिक वर्कर्स'
	01	काठमांडू, नेपाल, रु. 19,099 / – 'सोशल कॉम्प्लेक्सिटी ऑफ पार्टिसिपेटरी इरीगेशन मैनेजमेंट'
एसएचई	01	त्रिशूर, केरल, रु. 10,940 / – 'डायवर्सिफिकेशन एंड डिपेंडेंसः लिवलीहुड्स स्टडी ऑफ एन आदिवासी कोहोर्ट इन ड्राइलैण्ड सेंट्रल इंडिया'
	01	मॉन्ट्रियल, कनाडा, रु. 101,283 / – 'ट्रेड इन इकोलॉजिकल प्रोड्यूस इन द निकोबार इजलैंड्स (17थ–18 थ संचुरी एडी)'
	01	कोच्चि, केरल, रु. 14,234 / – 'इंटरलिंक्ड एंड डाइवर्सिफाइड स्ट्रेटेजीज ऑफ ए ट्रांस हिमालयन विलेज'
एसएचएस	01	मिनियापोलिस, मिन्नेसोटा, अमेरिका, रु. 113,212 / – 'बियॉन्ड 'डेवलपमेंट' थ्रो (द) साइलेंस (डी): फ्रॉम यंग टू व्रिंकल्ड, फ्रॉम ग्रोथ टू केयर"

स्कूल	छात्रों की संख्या	वार्षिक अधिवेशन और शोध पत्र प्रस्तुति के शीर्षक के संबंध में यात्रा का स्थान और राशि ।
	01	ट्यूरिन, इटली, रु. 119,861 /– 'सर्चिंग फॉर द गर्ल इन द इंडियन मदर'
	01	अगरतला, त्रिपुरा, रु. 24,909/– 'द स्पेसिफिसिटी ऑफ दलित वॉमेन एक्सपीरियंसः ऑटोबायोग्राफी एज पोलिटिकल अस्सेरशन ऑफ दलित वुमेनहुड'
	01	मणिपाल, कर्नाटक, रु. 1730/– 'सिनेमा एज आइडिओलॉजिकल स्टेट एपरेटसः क्रिटिकल एनालाइजिस ऑफ आइडियोलॉजी ऑफ कंटेम्परेरी वॉमेन–सेंट्रिक हिन्दी फिल्मस'
	01	इंडियानपोलिस, यूएसए, रु. 47,486/– 'अपॉन द हीथ, अंडर (द) वुडः एनालाइजिंग द इन्फ्लुएंस ऑफ शेक्सपीअर'स मैकबेथ ऑन द पोलिटिकल थिएटर ऑफ हाउस ऑफ कार्ड्स'
	02	श्रीलंका, रु. 35,144 /– 'रिथिंकिंग वायलेंस, अंडरस्टैंडिंग डोमेस्टिसिटी'
	01	मुम्बई, रु. 6705/– 'नर्सेज एंड पब्लिक सेक्टर हॉस्पिटल्स इन पंजाबः इमर्जिंग प्रीकैरिटी एंड स्ट्रगल्स'
	01	जादवपुर, कोलकाता, रु. 1709/– '20वीं सदी में कला और संघर्ष'
एसओएल	06	मिनियापोलिस, मिनेसोटा, अमेरिका, रु. 712,890 /– 'अमेरिकन फोकलोर सोसायटी'
एसएलएस	01	मुंबई, रु. 4970/– 'इकोएस ऑफ द अनहीयर्डः स्टूडेंट पॉलिटिक्स इन द 21स्ट सेंचुरी'

छात्र नामांकन

विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रों के दाखिले में लगातार वृद्धि हुई है और निम्न सारणी पिछले कुछ वर्षों में छात्रों के दाखिले में हुई वृद्धि को दर्शाती है।

कार्यक्रम	2009–10	2010–11	2011–12	2012–13	2013–14	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18
स्नातक / बी वोक	–	68	208	399	546	650	670	836	1125
स्नातकोत्तर	100	118	306	651	795	885	882	922	1075
एम.फिल.	–	–	32	73	77	135	142	120	150
पीएच.डी.	–	–	14	33	39	57	63	71	115
कुल	**100**	**186**	**560**	**1156**	**1457**	**1727**	**1757**	**1949**	**2465**

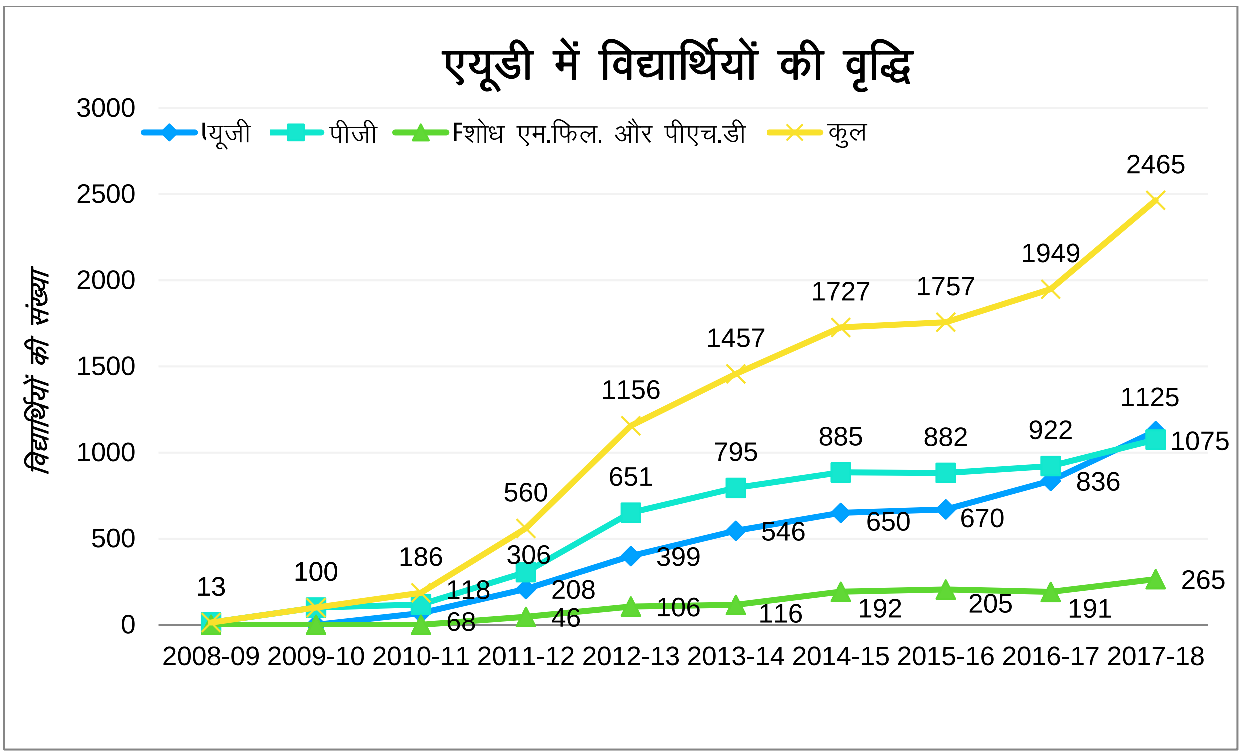

इस वर्ष विभिन्न कार्यक्रमों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर में दाखिला लिए कुल छात्रों की संख्या निम्न तालिका में दी गई है:

कार्यक्रम	कुल छात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा / सी डब्ल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
स्नातक अध्ययन स्कूल										
कश्मीरी गेट परिसर										
स्नातक, अर्थशास्त्र	68	47	21	10	0	19	0	2	0	37
स्नातक, मनोविज्ञान	94	11	83	13	9	21	1	5	0	46
स्नातक, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी	85	38	47	18	4	19	0	0	1	43
स्नातक, अंग्रेजी	81	19	62	11	7	17	0	1	0	45
स्नातक, अंक शास्त्र	27	15	12	0	0	6	0	0	0	21
स्नातक, इतिहास	30	16	14	2	5	8	0	0	0	15
स्नातक, समाजशास्त्र	31	14	17	7	1	9	0	1	0	13
कुल छात्र, स्नातक	416	160	256	61	26	99	1	9	1	220
विकास अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, स्नातकोत्तर, विकास अध्ययन	40	17	23	7	6	2	1	2	0	23
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
स्नातकोत्तर, पर्यावरण एवं विकास	35	15	20	4	4	4	0	2	0	21
लिबरल अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, अर्थशास्त्र	40	13	27	6	0	8	0	0	0	26
स्नातकोत्तर, इतिहास	50	23	27	13	9	11	0	3	1	13

कार्यक्रम	कुल छात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा/सी डब्ल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
स्नातकोत्तर, समाजशास्त्र	60	14	46	13	14	7	0	0	0	26
मानव अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, मनोविज्ञान	45	6	39	7	5	9	2	4	2	18
स्नातकोत्तर, जेंडर अध्ययन	46	6	40	5	7	9	1	0	1	23
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, फिल्म अध्ययन	16	7	9	2	1	3	0	0	0	10
स्नातकोत्तर, साहित्य कला	12	2	10	1	2	0	0	1	0	8
स्नातकोत्तर, दृश्य कला	10	5	5	2	1	1	0	0	0	6
स्नातकोत्तर, प्रदर्शन कला अध्ययन	12	5	7	0	0	1	0	0	0	11
शैक्षिक अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, शिक्षा	37	4	33	7	3	6	0	2	0	19
स्नातकोत्तर, प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा	37	4	33	7	3	3	0	0	0	24
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, व्यवसाय प्रबंधन	42	22	20	6	4	11	2	0	0	21
डिजाइन स्कूल										

कार्यक्रम	कुल छात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा/सी डब्ल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
एमडीज (समाज डिजाइन)	14	4	10	0	0	1	1	1	0	12
लेटर्स स्कूल										
स्नातकोत्तर, अंग्रेजी	41	9	32	5	5	12	2	1	1	17
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल										
स्नातकोत्तर, कानून, राजनीति एवं समाज	34	21	13	4	4	6	0	0	0	20
वोकेशनल स्टडीज स्कूल										
बीवोक, टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी	40	29	11	5	1	11	0	0	0	23
बीवोक, रीटेल मैनेजमेंट	36	24	12	7	1	6	0	0	0	22
बीवोक, अर्ली चाइल्डहुड सेंटर मैनेजमेंट एंड आंत्रप्रेन्योरशिप	17	5	12	4	0	2	0	1	0	10

स्नातक और स्नातकोत्तर अध्ययन कर रहे छात्रों की संख्या निम्न तालिका में दी गई है

कार्यक्रम	कुल छात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा/सी डब्ल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
स्नातक अध्ययन स्कूल										
स्नातक, अर्थशास्त्र	181	111	70	38	3	50	1	2	0	88

कार्यक्रम	कुल छात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा/सी डब्ल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
स्नातक, मनोविज्ञान	213	36	177	32	15	46	1	5	0	115
स्नातक, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी	187	91	96	38	7	45	0	0	1	96
स्नातक, अंग्रेजी	177	44	133	32	12	47	0	1	0	85
स्नातक, अंक शास्त्र	69	45	24	6	0	16	0	0	0	47
स्नातक, इतिहास	106	64	42	18	10	25	0	0	0	53
स्नातक, समाजशास्त्र	96	39	57	19	8	24	1	1	0	47
कुल छात्र, स्नातक	1029	430	599	183	55	253	3	9	1	531
विकास अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, विकास अध्ययन	81	36	45	12	9	9	1	2	0	49
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
स्नातकोत्तर, पर्यावरण एवं विकास	66	28	38	11	7	8	0	2	0	38
लिबरल अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, अर्थशास्त्र	80	25	55	12	0	12	0	0	0	56
स्नातकोत्तर, इतिहास	96	45	51	21	18	15	0	3	1	38
स्नातकोत्तर, समाजशास्त्र	103	28	75	20	18	11	0	0	0	54
मानव अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, मनोविज्ञान	88	15	73	13	12	15	2	4	2	42

कार्यक्रम	कुल छात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा / सी डब्ल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
स्नातकोत्तर, जेंडर अध्ययन	90	11	79	12	10	18	1	0	1	49
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, फिल्म अध्ययन	33	20	13	5	2	6	0	0	0	20
स्नातकोत्तर, साहित्य कला	21	7	14	2	3	1	0	1	0	14
स्नातकोत्तर, दृश्य कला	20	11	9	2	3	1	0	0	0	14
स्नातकोत्तर, प्रदर्शन कला अध्ययन	27	16	11	3	0	1	0	0	0	23
शैक्षिक अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, शिक्षा	58	8	50	7	6	10	0	2	0	31
स्नातकोत्तर, प्रारंभिक बाल संरक्षण एवं शिक्षा	61	8	53	10	5	5	0	0	0	41
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल										
स्नातकोत्तर, व्यवसाय प्रबंधन	80	44	36	14	8	19	3	0	0	39
डिजाइन स्कूल										
एमडीज (समाज डिजाइन)	43	17	26	3	1	1	1	1	0	37
लेटर्स स्कूल										
स्नातकोत्तर, अंग्रेजी	84	17	67	11	8	19	2	1	1	44

कार्यक्रम	कुल छात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा/सी डब्ल्यू ए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल										
स्नातकोत्तर, कानून, राजनीति एवं समाज	34	21	13	4	4	6	0	0	0	20
वोकेशनल स्टडीज स्कूल										
बीवोक, टूरिज्म एंड हॉस्पिटेलिटी	40	29	11	5	1	11	0	0	0	23
बीवोक,रीटेल मैनेजमेंट	36	24	12	7	1	6	0	0	0	22
बीवोक, अर्ली चाइल्डहुड सेंटर मैनेजमेंट एंड आंत्रप्रेन्योरशिप	17	5	12	4	0	2	0	1	0	10

इस वर्ष दाखिला लेने वाले शोधार्थियों की संख्या निम्न तालिका में दी गई है:

कार्यक्रम	कुलछात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	रक्षा/सी डब्ल्यू एपी	विदेशी छात्र	सामान्य
विकास अध्ययन स्कूल										
पीएच.डी., विकास अध्ययन	3	1	2	1	0	0	0	0	0	2
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
पीएच.डी., मानव परिस्थितिकी	3	2	1	0	0	0	0	0	0	3
लिबरल अध्ययन स्कूल										
एम.फिल., इतिहास	7	5	2	0	2	2	0	0	0	3

कार्यक्रम	कुलछात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	रक्षा/सी डब्ल्यू एपी	विदेशी छात्र	सामान्य
एम.फिल., अंक शास्त्र	3	0	3	0	0	0	0	0	0	3
पीएच.डी., इतिहास	2	2	0	0	0	0	0	0	0	2
पीएच.डी., अंक शास्त्र	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1
पीएच.डी., समाजशास्त्र	6	4	2	2	0	0	0	0	0	4
मानव अध्ययन स्कूल										
एम.फिल., मनोविश्लेषिकी मनोचिकित्सा	19	4	15	3	2	1	0	0	0	13
एम.फिल. विकास कार्यक्रम	18	7	11	3	3	3	0	0	0	9
एम.फिल., स्त्री एवं जेंडर अध्ययन	9	0	9	2	1	2	0	0	0	4
पीएच.डी., मनोविज्ञान	8	1	7	1	0	0	0	0	0	7
पीएच.डी., स्त्री एवं जेंडर अध्ययन	6	2	4	3	1	0	0	0	0	2
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल										
पीएच.डी., फिल्म अध्ययन	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच.डी., साहित्य कला	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
पीएच.डी., दृश्य कला	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
लेटर्स स्कूल										
एम.फिल., हिन्दी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

कार्यक्रम	कुलछात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग	रक्षा/सी डब्ल्यू एपी	विदेशी छात्र	सामान्य
एम.फिल., तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन	4	3	1	0	1	1	0	0	0	2
पीएच.डी., तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन	4	1	3	1	1	1	0	0	0	1
पीएच.डी., अंग्रेजी	8	2	6	1	2	1	0	0	0	4
पीएच.डी., हिन्दी	3	2	1	1	0	1	1	0	0	1

प्रवेश लेने वाले शोधार्थियों की कुल संख्या निम्नलिखित सारणी में नीचे दी गई है:

कार्यक्रम	कुलछात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा/सी डब्ल्यूए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
विकास अध्ययन स्कूल										
पीएच.डी., विकास अध्ययन	13	6	7	3	1	1	0	0	0	8
मानव पारिस्थितिकी स्कूल										
पीएच.डी., मानव परिस्थितिकी	16	8	8	1	0	2	0	0	0	13
लिबरल अध्ययन स्कूल										
एम.फिल., इतिहास	25	11	14	3	2	4	0	0	0	16
एम.फिल., गणित	3	0	3	0	0	0	0	0	0	3
पीएच.डी., इतिहास	8	5	3	0	1	0	0	0	0	7
पीएच.डी., गणित	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1

कार्यक्रम	कुलछात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा/सी डब्ल्यूए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
पीएच.डी., समाजशास्त्र	6	4	2	2	0	0	0	0	0	4
मानव अध्ययन स्कूल										
एम.फिल., मनोविश्लेषिकी मनोचिकित्सा	28	5	23	3	2	2	0	0	0	21
एम.फिल., विकास कार्यक्रम	52	27	25	7	6	9	0	0	0	30
एम.फिल., स्त्री एवं जेंडर अध्ययन	31	5	26	6	3	6	0	0	0	16
पीएच.डी., मनोविज्ञान	21	5	16	3	1	2	0	0	0	15
पीएच.डी., स्त्री एवं जेंडर अध्ययन	12	3	9	3	1	1	0	0	0	7
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल										
पीएच.डी., फिल्म अध्ययन	2	1	1	0	0	0	0	0	0	2
पीएच.डी., साहित्य कला	2	1	1	1	0	0	0	0	0	1
पीएच.डी., दृश्य कला	3	2	1	0	0	1	0	0	0	2
लेटर्स स्कूल										
एम.फिल., हिन्दी	7	2	5	2	0	1	0	0	0	4
एम.फिल., तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन	4	3	1	0	1	1	0	0	0	2
पीएच.डी.,	4	1	3	1	1	1	0	0	0	1

कार्यक्रम	कुलछात्रों की संख्या	छात्र	छात्रा	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	दिव्यांग छात्र	रक्षा/सी डब्ल्यूए पी श्रेणी	विदेशी छात्र	सामान्य श्रेणी
तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन										
पीएच.डी., अंग्रेजी	8	2	6	1	2	1	0	0	0	4
पीएच.डी., हिन्दी	18	6	12	5	0	3	1	0	0	10

छात्रावास सुविधा

छात्राओं के लिए अम्बेडकर विश्वविद्यालय को इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, (आईजीडीटीयूडब्ल्यू) के कावेरी छात्रावास का 45 छात्राओं की क्षमता वाला ऊपरी तल आवंटित किया गया है। सीटें निम्ननुसार आवंटित की गई थीं। आवेदन करने वाले सभी योग्य अनुसूचित जाति/जनजाति छात्राओं को छात्रावास में प्रवेश मिला। सीट आवंटन आरक्षण नीति पर आधारित थीं और प्रवेशित छात्रों का श्रेणी–वार ब्रेक–अप हैं:

श्रेणी	छात्रों की संख्या
सामान्य	28
अनुसूचित जाति	05
अनुसूचित जनजाति	11
अन्य पिछड़ा वर्ग	00
दिव्यांग छात्र	01

कैरियर सेल

एयूडी कैरियर सेल (एयूडीसीसी) की स्थापना छात्रों एवं बाहरी विश्व में मौजूद अवसरों के बीच अन्योन्य क्रिया हेतु की गई है। यह प्रकोष्ठ संगठनों की पहचान करता है जो छात्रों के लिए प्रशिक्षण प्रस्तुत करने में रूचि

रखते हैं और उनके रूचि के मुख्य क्षेत्रों के साथ छात्रों के करिकुलम वाइटे (जीवन–वृत्त) को संकलित करते समय छात्रों एवं उन संगठनों के बीच सम्पर्क स्थापित करते हैं।

छात्र–कल्याणकारी उपाय

विश्वविद्यालय ने छात्रों की सहायता एवं जरूरत के अनुसार मदद करने हेतु विभिन्न उपाय किए हैं। इनमें से कुछ में शामिल हैं:

भाषा प्रकोष्ठः हालाँकि विश्वविद्यालय में निर्देश का माध्यम अंग्रेजी है, फिर भी भाषा प्रकोष्ठ विभिन्न भाषागत पृष्ठभूमि के छात्रों को अंग्रेजी मे उनके पठन, लेखन एवं समझ कौशल को विकसित करने में सहायता करता है।

छात्र प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय ने छात्र प्रकोष्ठ का गठन विद्यार्थियों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए किया है। ऐसे छात्र जो आर्थिक, अकादमिक, सामाजिक या भावनात्मक कमजोरियों का सामना कर रहे हैं, छात्र प्रकोष्ठ उनकी हर संभव सहायता करता है। यह एक अर्द्ध–आधिकारिक संस्था है जो विद्यार्थी सेवाओं एवं छात्रों के बीच एक संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करता है। प्रकोष्ठ विद्यार्थी एवं प्रशासन के बीच मध्यवर्ती भूमिका निभाता है।

छात्र संकाय समिति (एसएफसी) एसएफसी एक ऐसा मंच है जहां छात्र एवं शिक्षक एक साथ बैठकर अकादमिक मुद्दों और समस्याओं मसलन कक्षा में होने वाली पढ़ाई, उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन, उपस्थिती, परीक्षा संचालन, फीडबैक आदि पर बातचीत करते हैं तथा उन्हें सुलझानें का प्रयास करते हैं। यह दो स्तरीय संरचना है जिसमें क्रमशः छात्रों और संकायों के लिए कार्यक्रम–स्तरीय एसएफसी कार्यकारी और एसएफसी शासी निकाय शामिल है जो एक वर्ष के लिए निर्वाचित/नामित प्रतिनिधि हैं।

एहसास – **मनोचिकित्सा और परामर्श क्लिनिक** विश्वविद्यालय ने अपने छात्रों, संकाय और शहर के बड़े सामाजिक परिवेश की भावनात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक मनोचिकित्सा और परामर्श क्लिनिक, ***एहसास*** की स्थापना की है। क्लिनिक मुफ्त परामर्श और मनोचिकित्सा प्रदान करता है।

मनोचिकित्सा एवं परामर्श सेवा विश्वविद्यालय प्रत्येक छात्र/छात्राओं के किसी भी प्रकार के अकादमिक अथवा सामाजिक बंधनों से मुक्ति के लिए किए जाने वाले संघर्ष में उसकी सहायता का प्रयास करता है। इस सुविधा हेतु विश्वविद्यालय में परामर्श एवं मनोचिकित्सा सेवा की व्यवस्था की गई है।

शिकायत निपटारा प्रक्रिया ऑनलाइन प्रॉब्लम रिड्रेसल सिस्टम फॉर स्टूडेंट (ओपीआरएसएस) का गठन छात्रों की शिकायतों और समस्याओं को देखने एवं उसको सुलझाने हेतु किया गया है। इस प्रकार दर्ज आंकड़ों का विश्लेषण प्रबंधन निर्णयों के लिए किया जाता है।

छात्र संघ छात्र संघ का गठन अप्रैल, 2016 में हुआ। लिंगदोह समिति की अुनशंसा को ध्यान में रखते हुए पहला छात्र संघ चुनाव 18 अप्रैल 2016 को संपन्न हुआ। छात्र संघ के इकाई के रूप में कुल 28 छात्र

निर्वाचित हुए। निर्वाचित छात्रों को छात्र संघ अधिनियम बनाने की जिम्मेदारी दी गई। कई बैठकों एवं विचार–विमर्श के बाद छात्र संघ ने मसौदा तैयार कर विश्वविद्यालय को उस पर विचार करने हेतु सौंप दिया।

रैगिंग विरोधी समितिः यूजीसी विनियम, 2009 के अनुसार, उच्च शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की घटना को नियंत्रित करने हेतु, विश्वविद्यालय ने एक रैगिंग–विरोधी समिति के साथ रैगिंग–विरोधी दस्ते का गठन किया है। समिति विश्वविद्यालय में रैगिंग मुक्त वातावरण की योजना बनाने और इसकी एक संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए प्रयासरत है। रैगिंग विरोधी समिति की देखरेख में कार्य करने के लिए रैगिंग विरोधी दस्ते की स्थापना की गयी है और यह छात्रावासों, कैंटीनों, अध्ययनकक्षों और अन्य स्थानों जहाँ पर छात्र एकत्रित होते हैं, पर रैगिंग की घटनाओं की जाँच करने और रोकने में जुटा हुआ है। इसके अतिरिक्त, इसे रैगिंग की घटनाओं एवं दंड के सम्बन्धित प्रावधानों के बारे में विश्वविद्यालय के छात्रों को शिक्षित करने और संवेदनशील बनाने का कार्य सौंपा गया है।

अनुशासकीय समिति यह अनुशासकीय समिति से संबन्धित शिकायतों/झगड़ों को निपटाने हेतु इस समिति का गठन किया गया है।

सलाहकार समिति विश्वविद्यालय में नामांकन तथा नियुक्ति के संबंध में आरक्षण व्यवस्था को प्रभावकारी ढंग से लागू करने हेतु एक सलाहकार समिति का गठन किया गया है।

समिति की अध्यक्षता या तो डीन, अकादमिक सेवा या डीन, छात्र सेवा द्वारा की जाती है।

छात्र कल्याण कोष प्रबंधन समितिः छात्र कल्याण कोष प्रबंधन समिति (एसडब्लूएफएमसी) की पुनर्स्थापना प्रत्येक सत्र में विभिन्न स्कूलों द्वारा अग्रसारित छात्र कल्याण निधि की संस्तुतियों पर विचार करने के लिए निम्नलिखित सदस्यों के साथ की गयी। छात्र प्रतिनिधियों को छोड़कर, समिति के सदस्यों का कार्यकाल दो वर्षों का है। छात्र प्रतिनिधियों का कार्यकाल एक वर्ष की अवधि के लिए है।

छात्र नीति स्थाई समितिः छात्र नीति स्थाई समिति (एससीएसए) छात्रों की सेवाओं से सम्बन्धित सभी विषयों के लिए उत्तरदायी होती है और यह अपने प्रतिवेदन/संस्तुतियों को शैक्षणिक परिषद को समय–समय पर प्रस्तुत करती है। एससीएसए के उपरोक्त सदस्यों का कार्यकाल, पदेन अध्यक्ष को छोड़कर, दो वर्षों की अवधि के लिए या उनके कार्यकाल तक होगा जो भी शीघ्र हो।

सह–पाठ्यक्रम गतिविधियाँ (सीसीए)

परिसर में विद्यार्थियों के सांस्कृतिक एवं पाठ्येतर जीवन को समृद्ध करने के ध्येय से विश्वविद्यालय में विविध छात्र सभाओं/मंचों का गठन किया गया है। छात्रों रंगमंच सभा, क्रीड़ा–समिति, वाद–विवाद सभा तथा साहित्यिक सभा में सक्रियता से भाग लेते हैं। अर्थशास्त्र सभा एवं दृश्य संस्कृति के लिए समिति को भी सक्रिय है। परिसरों में नियमित वार्ता, व्याख्यान, स्क्रीनिंग और प्रदर्शन होते हैं और छात्रों को कार्यक्रम आयोजित करने और उनमें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

पूर्व छात्र–संघ

हालाँकि, कुछ स्कूलों / कार्यक्रमों ने स्नातकों के लिए कार्यक्रम–स्तर के छात्र संघ तंत्रों को पहले ही आरंभ कर दिया है, तथापि विश्वविद्यालय औपचारिक स्तर का पूर्व–छात्र संघ पंजीकृत किये जाने की प्रक्रिया के लिए कार्य कर रहा है। पूर्व–छात्र संघ की प्रगति का पता कार्यक्रम / स्कूल स्तर पर लगाया जाता है और उनको स्कूलों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों या समारोहों में भी आमंत्रित किया जाता है।

कार्यक्रम

एयूडी@सिटी 2017–18 करमपुरा परिसर ने फरवरी, 2018 में एयूडी@सिटी के छठें संस्करण की मेजबानी की। कुलपति द्वारा इस उत्सव का उद्घाटन किया। सह–पाठ्यक्रम सभा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों जैसे वाद–विवाद (अंग्रेजी टर्नकोट डिबेट), वाद–संवाद (हिंदी टर्नकोट डिबेट), कैलिडोस्क्रिप्ट 3.0, सिम्फनी और पेक्यूसन, फेस पेंटिंग, एडी–एमएडी (फोटोग्राफी प्रतियोगिता), हल्ला बोल (नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता) तथा खाद्य और पेय क्विज और दो दिनों की अवधि में कई और अधिक का आयोजन करवाया। एयूडी क्वीयर कलेक्टिव एंड नॉर्थ–ईस्टर्न फोरम ने इस महोत्सव में कई आयोजनों को शामिल किया जैसे कि विश्वविद्यालय के स्थानों में क्वीयर की सक्रियता को समझने पर पैनल चर्चा, और पूर्वोत्तर क्षेत्र के व्यंजनों को प्रदर्शित करने वाले फूड स्टॉल इत्यादि।

उत्सव के मुख्य अंशों में सम्मिलित था, स्टैंड अप कमेडियन, कुणाल कामरा और सांस्कृतिक प्रदर्शक, निजामी बंधु द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन; छात्रों द्वारा आयोजित एवं प्रदर्शित प्रस्तुतियों की एक श्रृंखला और साइनर्जी–नृत्य समिति द्वारा आयोजित अंतर–कॉलेज सम्बन्धित नृत्य प्रतियोगिता। देश और बाहर के विभिन्न भागों से खाद्य पदार्थों के स्टॉलों के विविध चयन ने समारोहों के अनुभव में वृद्धि की।

खेलकूद @एयूडीः क्रीड़ा समिति उन छात्रों के साथ तालमेल बनाकर कार्य करती है जो खेल–कूद कार्यक्रमों की योजना बनाने और उसके आयोजन में सक्रिय रहता है। विभिन्न स्कूलों से निर्वाचित छात्र सदस्य क्रीड़ा परिषद का प्रतिनिधित्व करता है जो क्रीड़ा समिति की एक सामान्य इकाई है। विश्वविद्यालय ने राज्य और राष्ट्रीय कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए खेल–कूद की गतिविधियों को सरलीकृत करने, छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान करने और छात्रों को पहचानने और / या चयनित करने के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षकों की एक श्रृंखला का भी मनोनयन किया है। यह समिति एक बहु–क्रिया व्यायामशाला की स्थापना में भी संलग्न है।

इस वर्ष, खेल गतिविधियों में शिक्षकों और छात्रों की समान सहभागिता देखी गई। वार्षिक खेल उत्सव के अलावा खेल–प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई जिसमें संकाय, कर्मचारी एवं छात्रों ने भाग लिया। करमपुरा परिसर में पहली बार छात्र और संकाय–कर्मचारियों के बीच क्रिकेट प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। मानसून एवं शीतकालीन सत्र में दो क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फुटबॉल एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया।

सर्दी के सत्र में मिश्रित दलों सहित, एक अंतर–परिसर बास्केटबॉल प्रतियोगिता का भी अवलोकन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले टीमों में से एक टीम के सभी सदस्य आईजीडीटीयूडब्ल्यू द्वारा प्रतिनिधित्व की गयी लड़कियाँ थी। इन गतिविधियों के अतिरिक्त, क्रीड़ा समिति ने परिसर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करके राष्ट्रीय क्रीड़ा दिवस भी मनाया।

कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसरों के एयूडी क्रीड़ा समिति के सदस्य करमपुरा के अपने नये परिसर में खेल–कूद गतिविधियों को प्रोत्साहित करने में संयुक्त रूप से संलग्न थे। यह समिति अभिव्यक्ति के रूप में खेलों को विकसित करने के लिए अपने छात्रों को आवश्यक मंच प्रदान करने एवं उसे विस्तारित करने की अपेक्षा रखता है।

प्रथम पूर्व छात्र सम्मेलनः प्रथम पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन 18 फरवरी, 2018 को कश्मीरी गेट परिसर में किया गया। लगभग पाँच सौ पूर्व छात्रों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ उप–कुलपति द्वारा किया गया था। संगीत एवं नृत्य समितियों के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रस्तुत किये।

7.4. आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति (एईएस)

आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति (एईएस) प्रभाग आकलन, मूल्यांकन और विद्यार्थी की उन्नति से सम्बन्धित विषयों को संभालता है। इसका नेतृत्व विश्वविद्यालय के 7ए नियम के अंतर्गत, एक डीन द्वारा किया जाता है। वर्तमान में, इस प्रभाग के कर्मचारियों में प्रशासन को निरीक्षण करने वाला एक सहायक कुलसचिव, एक कार्यालय सहायक और एक डाटा एन्ट्री संचालक है। इस वर्ष, ईआरपी से सम्बन्धित विषयों को संभालने के लिए एक उप–डीन की नियुक्ति की गयी है।

प्रभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी छात्रों को स्नातक में प्रवेश के लिए ट्रैक करना है। प्रभाग इसके लिए कार्यप्रणाली एवं नियम बनाकर करता हैः

(क) छात्रों का कोर्स पंजीकरण करना

(ख) उपस्थिति का रेकॉर्ड रखना

(ग) मूल्यांकन एवं ग्रेड देना

(घ) प्रोत्साहन और डिग्री/प्रमाणपत्र देना।

यह प्रभाग छात्र सेवा प्रभाग के सहयोग और समन्वय से कार्य करता है। यह प्रभाग विश्वविद्यालय के सभी छात्रों के मूल्यांकन अभिलेखों का एक कोष है। यह ईआरपी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से किया जाता है। यह प्रभाग विश्वविद्यालय में छात्रों के प्रतिपुष्टि के प्रति भी जिम्मेदार है।

प्रभाग के मुख्य वार्षिक कार्यों में से एक है, दीक्षांत समारोह के आयोजन का निरीक्षण करना। इस प्रभाग को अंतिम प्रतिलिपि, अस्थायी, प्रवासन एवं स्थानांतरण प्रमाणपत्रों और डिग्री प्रमाणपत्रों के विषय के दायित्व भी सौंपे गये हैं। विश्वविद्यालय के सभी स्कूल के साथ मिलकर कार्य करना होता है जिसमें समय पर कोर्स पूरा करना, मूल्यांकन पद्धति का अनुसरण करना, अंतिम तिथि से पूर्व उपस्थिती पंजी सौंपना, ग्रेड प्रदान करना, तथा विहित समयावधि में स्नातक एवं पदोन्नत छात्रों की सूची सौंपना आदि शामिल है।

कार्यक्रम/गतिविधियाँ

- एक एईएस कैलेंडर का निर्माण किया गया जो उपस्थिति, मूल्यांकन, ग्रेड प्रस्तुतिकरण, पाठ्यक्रम अनुमोदन, समय सारिणी और शैक्षणिक आवश्यकताओं से सम्बन्धित स्कूलों द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए समयसीमा निर्धारित करता है। स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोधर्थियों के कार्यक्रमों के लिए अलग–अलग कैलेंडर बनाये गये हैं।
- विश्वविद्यालय के कंप्यूटर लैब में स्नातक अध्ययन स्कूल के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम के पंजीकरण का पर्यवेक्षण किया।

- ईआरपी विक्रेताओं के साथ बैठकों का आयोजन किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शैक्षणिक मॉड्यूल के लिए अनुकूलन, साथ ही बैक–एंड ईआरपी संबंधित समस्याओं के लिए समाधान खोजा जा सके।
- ईआरपी के अकादमिक मापदंडों में परिवर्तनों को प्रभाग द्वारा समाविष्ट किया गया है, जैसे कि द्वितीय वर्ष से तृतीय वर्ष में स्वतः पदोन्नति, एसयूएस उपस्थिति नियमानुसार, स्वतः श्रेणी की कटौती, क्यूआर कोड के साथ डिग्री का निर्माण, क्यूआर कोड के साथ अंतिम प्रमाणपत्र का निर्माण।
- प्रत्येक सत्र में आयोजित ईआरपी अभिविन्यास कार्यक्रम ताकि ईआरपी पर संकाय के सदस्यों को अनुकूल बनाया और वर्तमान में प्रभावी नवाचारों से उनको परिचित करवाया जा सके।
- ईआरपी पर अकादमिक मापदंडों के सम्बन्ध में सामना की जा रही दिन–प्रतिदिन की समस्याओं को ई–मेल के माध्यम से सूचित करने हेतु, संकाय एवं स्कूल के कर्मचारियों के लिए प्रणालियों को स्थापित किया गया है। सामना की गई किसी भी ईआरपी की समस्या को रखने के लिए आईटी प्रभाग के साथ नियमित साप्ताहिक बैठक का आयोजन किया जाता है।
- प्रशासनिक कर्मचारियों के लिए ईआरपी प्रणाली प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना।
- आगामी सेमेस्टर के लिए शिक्षण आवश्यकताओं के साथ–साथ समय सारणी की योजना।
- वेबसाइट के माध्यम से छात्रों के बीच आगामी सत्र के लिए प्रसार हेतु सभी पाठ्यक्रमों के विवरणों का संकलन करना।
- यह प्रभाग राष्ट्रीय अकादमिक कोष से सम्बन्धित कार्य भी करता है। उससे सम्बन्धित अनुबंध पर सरकारी नियमों के अनुसार, सीडीएसएल वेन्चर लिमिटेड के साथ पहले ही हस्ताक्षर किया जा चुका है। वर्तमान एवं पूर्व बैचों के सभी आँकड़ों; अर्थात् डिग्री और प्रमाणपत्रों को एनएडी पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

परीक्षा रिफार्म

विभाग ने ईआरपी में मूल्यांकन एवं ग्रेड प्रदान करने हेतु एक ढांचा तैयार किया है। विभाग ने स्कूल के डीन, कार्यक्रम समन्वयक एवं पाठ्यक्रम समन्वयक के साथ मिलकर निरीक्षण प्रक्रिया का भी विकास किया है।

सभी पाठ्यक्रम समन्वयक के लिए समय से ईआरपी में विषयवार ग्रेड प्रदान करना आवश्यक है। ईआरपी प्रणाली अंतिम ग्रेड की गणना करता है। इस प्रकार विश्वविद्यालय में किसी भी पाठ्यक्रम के मूल्यांकन का पूरा ब्यौरा ईआरपी में दर्ज किए जाते है, जिससे छात्रों के सभी मूल्यांकन रिकॉर्ड को एक कोष के रूप में विकसित किया गया है।

दीक्षांत समारोह 2017

विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह का आयोजन 8 दिसम्बर 2017 को मुख्य अतिथि के रूप में श्री सोनम वांगचुक की उपस्थिति में किया गया। 2017 के दीक्षांत समारोह के दौरान, कुल 568 छात्रों ने स्नातक किया। 568 छात्रों में से, लगभग 65 प्रतिशत छात्राएं थीं। छात्रों से सम्बन्धित विवरण जिन्होंने 2017 में स्नातक किया, नीचे प्रस्तुत किये गये हैं:

	छात्र	**छात्रा**	**अनुसूचित जाति**	**अनुसूचित जनजाति**	**अन्य पिछड़ा वर्ग**	**सामान्य**	**कुल**
स्नातक	84	77	17	1	28	113+1*+1^	**161**
स्नातकोत्तर	105	275	47	45	53	233+1*+1#	**380**
पीजी डिप्लोमा	3	4	1	1	0	5	**7**
एम.फिल.	5	8	1	0	2	10	**13**
पीएच.डी.	3	4	0	0	0	7	**7**
कुल	**200**	**368**	**66**	**47**	**83**	**368**	**568**

* विशेष आवश्यकता वाले छात्र, ^ कश्मीरी प्रवासी #विदेशी छात्र

7.5. शैक्षिक सेवा प्रभाग

शैक्षणिक सेवा (एएस) प्रभाग, मानव संसाधन सेवाएं प्रदान करके विश्वविद्यालय के स्कूलों, केंद्रों और परिसरों को सहायता प्रदान करता है। यह डीन/कुलपति के सांविधिक कार्यों के निष्पादन में सहायता करने के अतिरिक्त, सेवा से संबंधित सभी मामलों, भर्ती और स्टाफिंग, विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के कल्याणार्थ विकास और पहलों की देखरेख भी करता है। इनमें उपयुक्त कार्मिक नीतियों और प्रक्रियाओं का विकसित करना और उन्हें लागू करना, संबंधित हितधारकों को उचित सहायता और जानकारी प्रदान करना और शिक्षण स्टाफ और स्टाफ–आधारित आँकड़ों के रिकॉर्ड को बनाए रखना शामिल है।

कार्य

इस विभाग के अंतर्गत संकाय से जुड़ी सारी गतिविधियां जैसे भर्तियाँ, नियुक्तियाँ, वेतन–निर्धारण, वार्षिक अनुदान, विभागीय पदोन्नति समिति का प्रबंधन, परिवीक्षा अवधि की प्रक्रिया, अनुबंधित कर्मचारियों के समीक्षा, अनौपचारिक नियुक्तियाँ, दीर्घ एवं लघु अवधि के अनुबंधित कर्मचारियों के अनुबंध की विस्तारण/समाप्ति, कार्यों एवं निजी फाइलों क रेकार्ड, कर्मचारियों के एलटीसी/एचटीसी की जिम्मेदारी, आरक्षण प्रणाली का प्रबंधन, नियामक इकाइयों की बैठकों के रेकॉर्ड का डिजिटलीकरण, संकायों (अनुबंधित कर्मचारियों समेत) के लिए गुप इंश्योरेंस योजना की देख–रेख, अनापत्ति एवं अदेयता प्रमाण पत्र जारी करना, अवकाश की अवधि एवं दिवस की सूची को अंतिम रूप देना, प्राप्ति एवं निर्गम अनुभाग (आर एंड आई) तथा कोर्ट केसों का निपटारा आदि शामिल हैं।

भर्तियाँ

विभिन्न समाचार पत्रों में शिक्षण पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने वाले प्रमुख समाचार पत्रों में सूचना का विज्ञापन देकर की जाती है। सक्षम अधिकारियों द्वारा गठित जांच समितियां प्राप्त आवेदन की जाँच करती है। इसके बाद संक्षिप्त सूची में आए प्रतिभागियों में से योग्य अभ्यर्थियों के चयन हेतु सक्षम अधिकारी एक चयन समिति गठित करती है जिसमें कम से कम तीन बाह्य विशेषज्ञ शामिल होते हैं। इसके अनुसार चयन समिति की अनुशंसाओं को सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित किया जाता है एवं चयनित प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र जारी किया जाता है। चयन समिति द्वारा प्रस्तावित सूची को अगली बैठक में प्रबंधन मण्डल के सामने पुष्टीकरण हेतु रखा जाता है।

अप्रैल, 2017 और मार्च, 2018 की अवधि के बीच विश्वविद्यालय में विभिन्न श्रेणियों में भर्ती किए गए संकाय (असिस्टेंट प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/प्रोफेसर) का विवरण नीचे दिया गया हैः

संकाय (स्थायी/सावधिक/आंगतुक/अनुबंधित)	संख्या
सहायक प्रोफेसर	12
एसोसिएट प्रोफेसर,	8

प्रोफेसर	5
सावधिक	6
आंगतुक	1
अनुबंधित	69
कुल	**101**

कैरियर पदोन्नति योजना

विश्वविद्यालय ने श्रेणी 1 से श्रेणी 4 (अर्थात असिस्टेंट प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर तथा एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर में पदोन्नति की योजना) में प्राध्यापक की पदोन्नति के लिए कैरियर पदोन्नति योजना का पालन करती है। श्रेणी 1 से श्रेणी 2 तथा श्रेणी 2 से श्रेणी 3 में पदोन्नति हेतु एक जांच समिति का गठन किया जाता है जिसमें एक बाहर के विशेषज्ञ शामिल होते हैं, जो संबन्धित प्राध्यापकों की जांच एवं उनके सीएएस दस्तावेज का मूल्यांकन करती है। जांच समिति की सिफारिशों पर, सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद, संकाय को अगले चरण में पदोन्नत किया जाता है। मामला तब अनुसमर्थन के लिए प्रबंधन बोर्ड के समक्ष रखा जाता है। ऐसे मामलों में जहां चरण 3 से चरण 4 तक की पदोन्नति, और चरण 4 से चरण 5 तक के पदोन्नति के मामलों में, जांच समिति द्वारा प्रस्तावों की जांच की जाती है, इसके बाद संकाय सदस्य द्वारा एक प्रस्तुति के उपरान्त चयन समिति द्वारा एक साक्षात्कार लिया जाता है, जिसमें तीन बाहरी विशेषज्ञ शामिल होते हैं। जांच/चयन समिति की अनुशंसा पर प्राध्यापकों की पदोन्नति की जाती है।

इस वर्ष के दौरान उच्च चरणों में पदोन्नत किए गए फैकल्टी की संख्या नीचे दी गई है:

श्रेणी	संख्या
चरण 1 से चरण 2 (सहायक प्रोफेसर)	6
चरण 2 से चरण 3 (सहायक प्रोफेसर)	0
चरण 3 से चरण 4 (सहायक प्रोफेसर से एसोसिएट प्रोफेसर)	3
चरण 5 (एसोसिएट प्रोफेसर से प्रोफेसर)	2

व्यावसायिक एवं यात्रा भत्ता

प्रभाग, यात्रा और पेशेवर विकास अनुदान के लिए उनके प्रस्तावों को संसाधित करने के माध्यम से, संकाय को पेशेवर विकास की सुविधा प्रदान करता है। इस वर्ष कुल 68 प्राध्यापकों ने पत्र प्रस्तुति/शोध कार्य के लिए विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/संगोष्ठी में हिस्सा लेने हेतु व्यावसायिक एवं यात्रा भत्ता का लाभ उठाया।

7.6. मानव संसाधन प्रभाग

मानव संसाधन (एचआर) विभाग ने मानव संसाधन सेवाओं के माध्यम से विश्वविद्यालय के स्कूल, विभाग, केंद्र एवं परिसरों को सहायता प्रदान करता है। यह मुख्य रूप से सभी सेवा संबंधी मामलों, भर्ती व कर्मचारियों की पूर्ति, प्रशिक्षण एवं विकास का ध्यान रखने तथा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कर्मचारियों के कल्याण हेतु पहल करने के साथ–साथ कुल सचिव के वैधानिक कर्तव्यों का पालन करने में उनकी सहायता करता है। इसमें उपयुक्त कर्मचारी नीतियों व प्रक्रियाओं को विकसित तथा कार्यान्वित करना, संबन्धित सहयोगियों को उचित सहायता और जानकारी प्रदान करना एवं कर्मचारी रिकॉर्ड व कर्मचारियों से संबंधित आंकड़ों की देख–रेख करना शामिल है।

कार्य

मानव संसाधन विभाग द्वारा भर्ती, चयन स्टाफिंग, नियुक्ति, वेतन–निर्धारण, वार्षिक अनुदानों में बढ़ोत्तरी, अकादमिक पदोन्नति हेतु समिति का गठन, प्रतिनियुक्ति का कार्यभार, अनुबंधित कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा, नैमित्तिक कार्य, लघु एवं दीर्घ अवधि के अनुबंधित कर्मचारियों के कार्यावधि का विस्तारण अथवा समापन करना, आईसीएसआईएल संस्था के द्वारा कर्मचारियों की भर्ती, सेवा कार्य एवं व्यक्तिगत फाइलों का रख–रखाव, नियमित प्रतिनियुक्त अधिकारियों के एलटीसी/एचटीसी, आरक्षण प्रणाली लागू करवाना, इस्टैब्लिशमेंट समिति के मुद्दे को देखना, नए परिसर की स्थापना करना, यात्रा मामला, पदों का सृजन, अधिकृत इकाइयों के बैठकों के रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करना, अवकाश रिकॉर्ड मूल्यांकन की देख–रेख, बायो मेट्रिक उपस्थिति प्रणाली (बीएएस), अनुपस्थिति वक्तव्य, शिक्षक एवं शिक्षाकेत्तर कर्मचारियों (अनुबंधित समेत) का समूह बीमा योजना, अदेय प्रमाणपत्र जारी करना, अवकाश की सूची बनाना, शिक्षाकेत्तर कर्मचारियों का प्रशिक्षण, एपीएआर का रख–रखाव एवं शिक्षाकेत्तर अधिकारियों एवं कर्मचारी (नियमित/प्रतिनियुक्ति पर) की अचल संपत्ति रिटर्न, *डाक* एवं जारी की रसीद (आर एंड आई) की प्राप्ति जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं।

मानव संसाधन प्रभाग वित्तीय वर्ष 2017–18 की शुरुआत में एक उप रजिस्ट्रार, एक सहायक रजिस्ट्रार, एक सलाहकार, तीन सहायक और एक एमटीएस के कर्मचारियों द्वारा समर्थित है। हालांकि जनवरी, 2018 के महीने में, उप रजिस्ट्रार (एचआर) को एचआर डिवीजन के प्रभार से कार्यमुक्त कर दिया गया था, और शेष कर्मचारियों द्वारा वित्त वर्ष के अंत तक डिवीजन के प्रबंधन की देखरेख की गई।

भर्ती

वर्ष 2017–18 में, विश्वविद्यालय ने पांच (05) पदों के लिए विज्ञापन जारी किया, जिसमें ओबीसी–दिल्ली के लिए एक विशेष भर्ती अभियान शामिल भी था। इन विज्ञापनों में आठ स्थायी पदों, और विभिन्न स्तरों पर दो संविदात्मक पदों को विज्ञापित किया गया था। नियमित आधार पर विज्ञापित पदों में निदेशक आईटी सेवा (01), उप रजिस्ट्रार (04), सहायक रजिस्ट्रार (02) और सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर (01) शामिल थे। संविदा के आधार पर विज्ञापित पदों में सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर सिविल (01), और सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर

इलेक्ट्रिकल (01) शामिल थे। इनमें से, एक वरिष्ठ परियोजना अभियंता सिविल ने विश्वविद्यालय में कार्यभार ग्रहण कर लिया है, और अन्य पदों के लिए भर्ती की प्रक्रिया जारी है। इस अवधि में, 30 नए कर्मचारी विश्वविद्यालय में शामिल हुए, जिसमें 26 संविदा/आउटसोर्स, 03 नियमित और 01 प्रतिनियुक्ति पर शामिल हैं।

प्रशिक्षण एवं व्यावसायिक विकास

गैर–शिक्षण कर्मचारियों का प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास मानव संसाधन विभाग द्वारा संचालित अन्य महत्वपूर्ण जिम्मेदारी थी, जिसने विश्वविद्यालय प्रणाली को कुशलतापूर्वक काम करने और विकसित करने में सक्षम बनाया। इस वर्ष के दौरान, प्रभाग ने अपने पेशेवर विकास को बढ़ाने के लिए विभिन्न संगठनों में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने हेतु कई कर्मचारियों को भेजा। जिसमें ग्यारह (11) समूह 'ए' अधिकारियों और सात (07) समूह 'बी' और 'सी' कर्मचारियों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे कि जेएमआई, आईआईएम और प्रशिक्षण निदेशालय, यूटीसीएस, जीएनसीटीडी जैसे विषयों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था, जिसमें शामिल थे कॉन्ट्रैक्ट मैनेजमेंट एंड आर्बिट्रेशन, डेवलपिंग इंटरनल टैलेंट एंड लीडरशिप, राइट्स ऑफ पर्सन्स विद डिसेबिलिटीज एक्ट 2016, और रिजर्वेशन, ई–गवर्नेंस, आरटीआई–एक्ट–कैपेसिटी बिल्डिंग फॉर गवर्नमेंट एंप्लॉयीज, जनरल अवेयरनेस, और अभिमुखीकरण इत्यादि। जनवरी, 2018 के महीने के दौरान, विश्वविद्यालय द्वारा एक अलग प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास प्रकोष्ठ बनाया गया था, जिसने मानव संसाधन प्रभाग से प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास के कार्यों को अपने हाथ में लिया।

31–03–2018 को प्रशासनिक कर्मचारियों के स्वीकृत एवं खाली पदों का ब्यौरा

कश्मीरी गेट परिसर

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	कुलसचिव	ए	पीबी–4 + जीपी 10000 रु.	1	0	1
2	वित्त नियंत्रक	ए	पीबी–4 + जीपी 10000 रु.	1	1	0
3	निदेशक (आईटी सेवा)	ए	पीबी–4 + जीपी 10000 रु.	1	0	1
4	प्रति कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	5	4	1
5	कार्यपालक अभियंता (सिविल)	ए	पीबी–3. जीपी 6600	1	1	0
6	सहायक कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	15	14	1
7	सहायक कुलसचिव (योजना)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
8	सहायक कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
	(जनसंपर्क)					
9	सहायक कुलसचिव (प्रकाशन)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	0	1
10	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	2	2	0
11	उद्यान विशेषज्ञ	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	0	1
12	चिकित्सा अधिकारी	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
13	कनिष्ठ कार्यकारी प्रशासक (आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	1	0	1
14	कार्यपालक	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	18	0	18
15	कनिष्ठ कार्यपालक (पुस्तकालय)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	3	2	1
16	कनिष्ठ कार्यपालक (आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	1	0	1
17	कनिष्ठ कार्यपालक	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	30	8	22
18	सुरक्षा पर्यवेक्षक	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	2	2	0
19	कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल / सिविल)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	2	2	0
20	स्टाफ नर्स (महिला)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	1	0	1
21	तकनीकी सहायक (आईटी)	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	3	3	0
22	स्टूडियो सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	0	1
23	पुस्तकालय सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	2	0	2
24	उद्यान–निरीक्षक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	0	1
25	सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	34	31	3
26	सहायक–सह–कार्यवाहक	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	2	1	1
27	कनिष्ठ सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 1900 रु.	3	2	1

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
28	कनिष्ठ सहायक–सह–सहायक कार्यवाहक	सी	पीबी–1+जीपी 1900 रु.	2	0	2
29	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	22	19	3
30	एमटीएस (पुस्तकालय)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	3	3	0
31	एमटीएस (आईटी प्रयोगशाला)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	2	2	0
32	एमटीएस (माली)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	6	5	1
33	एमटीएस (इलेक्ट्रीशियन)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	2	1	1
34	एमटीएस (नलसाज)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
35	प्रयोगशाला तकनीशियन–मैकेनिकल एवं मैटेरियल वर्कशॉप	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
36	प्रयोगशाला तकनीशियन–लैदर एवं सॉफ्ट मैटेरियल वर्कशॉप	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
			कुल	**175**	**106**	**69**

करमपुरा परिसर

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	प्रति कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	0	1
2	सहायक कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	3	2	1
3	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
4	कनिष्ठ कार्यकारी प्रशासक (आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	1	0	1

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
5	सुरक्षा अधिकारी	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	1	0	1
6	कार्यपालक	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	2	0	2
7	कनिष्ठ कार्यपालक (आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	1	0	1
8	कनिष्ठ कार्यपालक	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	5	2	3
9	तकनीकी सहायक (आईटी)	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	1	0
10	पुस्तकालय सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	1	0
11	सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	4	4	0
12	सहायक–सह–कार्यवाहक	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	1	0	1
13	सहायक (सचिवीय सेवा)	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	1	1	0
14	कनिष्ठ पुस्तकालय सहायक	सी	पीबी–1. जीपी 2000	1	1	0
15	कनिष्ठ सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 1900 रु.	4	2	2
16	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	4	4	0
17	एमटीएस (माली)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
			कुल	**32**	**19**	**13**

लोधी रोड परिसर

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	प्रति कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	0	1
2	सहायक कुलसचिव	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	2	1	1
3	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	0	1
4	सहायक लेखा अधिकारी	बी	पीबी–2. जीपी 4800	1	0	1

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
5	कनिष्ठ कार्यकारी प्रशासक (आईटी)	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	1	0	1
6	सुरक्षा अधिकारी	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	1	0	1
7	कार्यपालक	बी	पीबी–2+जीपी 4600 रु.	5	0	5
8	कनिष्ठ कार्यपालक	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	4	1	3
9	कनिष्ठ कार्यपालक (सचिवीय)	बी	पीबी–2+जीपी 4200 रु.	2	0	2
10	तकनीकी सहायक (आईटी)	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	1	0
11	पुस्तकालय–सह–प्रलेखन सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	1	0	1
12	खेल का कोच (पुरुष 1 और महिला 1)	सी	पीबी–1+जीपी 2800 रु.	2	0	2
13	सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	6	2	4
14	सहायक ;वित्तद्ध	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	2	0	2
15	सहायक (सचिवीय)	सी	पीबी–1+जीपी 2400 रु.	2	0	2
16	कनिष्ठ पुस्तकालय सहायक	सी	पीबी–1. जीपी 2000	1	0	1
17	कनिष्ठ सहायक	सी	पीबी–1+जीपी 1900 रु.	7	0	7
18	एमटीएस (आईटी परिचारक)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
19	एमटीएस (पुस्तकालय परिचारक)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
20	एमटीएस (माली)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	1	0	1
21	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	सी	पीबी–1+जीपी 1800 रु.	7	2	5
			कुल	**50**	**7**	**43**

परिसर विकास (अस्थायी पद)

क्र. सं.	पद का नाम	श्रेणी	पे बैंड + ग्रेड पे	स्वीकृत पद	नियुक्त पद	रिक्त पद
1	सह निदेशक (तकनीकी)	I	पीबी–4 + जीपी 10000 रु.	1	1	0
2	उप निदेशक (प्रशासन/वित्त)	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	2	0	2
3	शिल्पकार	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	1	0
4	वरिष्ठ परियोजना अभियंता (सिविल)	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	1	0
5	वरिष्ठ परियोजना अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	ए	पीबी–3+जीपी 7600 रु.	1	0	1
6	परियोजना अभियंता (सिविल)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
7	परियोजना अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	ए	पीबी–3+जीपी 5400 रु.	1	1	0
8	सहायक परियोजना अभियंता (सिविल/इलेक्ट्रिकल)	बी	समेकित	.	2	.
10	कनिष्ठ कार्यपालक (तकनीकी)	बी	पीबी–2 + जीपी 4200 रु.	1	1	0
11	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)	सी	पीबी–1 + जीपी 1800 रु.	1	1	0
			कुल	**10**	**9**	**3**

7.7. योजना प्रभाग

योजना प्रभाग विश्वविद्यालय के समग्र विकास हेतु कार्य करता है। इसमें विश्वविद्यालय के विकास कार्यक्रमों को स्कूल एवं केंद्र के परामर्श द्वारा तैयार करना, बजट के आवंटन को ध्यान में रखते हुए बजटीय आवंटन के साथ योजना तैयार करना, विश्वविद्यालय संबंधी सूचनाओं के प्रकाशन का आयोजन एवं नियोजन करना, विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे के विकास की योजना बनाना तथा उसका निरीक्षण करना, सभी महत्वपूर्ण वित्त पोषित उपक्रमों हेतु योजना तैयार व प्रस्तुत करना और इन प्रस्तावों के लिए जीएनसीटीडी एवं यूजीसी जैसे निधि निकायों से सहायता प्राप्त करना शामिल है। इसके अतिरिक्त यह समय–समय पर विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट एवं अन्य सूचना बुलेटिन की तैयारी व प्रकाशन का भी प्रबंधन करता है। यह प्रभाग विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों और घटकों पर सर्वेक्षण, कार्यक्रम मूल्यांकन और अन्य अध्ययन भी करता है।

प्रमुख गतिविधियाँ

एकाधिक परिसर एकात्मक विश्वविद्यालय की स्थापना विश्वविद्यालय ने व्यावसायिक/सामुदायिक महाविद्यालय आधारित कार्यक्रमों पर अतिरिक्त ध्यान केन्द्रित करने हेतु एकाधिक–परिसर एकात्मक विश्वविद्यालय बनाने का निश्चय किया है। हालांकि अब यह कश्मीरी गेट परिसर, करमपुरा परिसर तथा लोधी रोड परिसर से संचालित किया जा रहा है, नए परिसरों के निर्माण हेतु रोहिणी एवं धीरपुर में दो भूखंड आवंटित किए गए हैं। विभाग कश्मीरी गेट, करमपुरा परिसर तथा लोधी रोड़ की अवधारणा, योजना और विस्तारण हेतु संसाधन उपलब्ध कराता है। विश्वविद्यालय के विकेंद्रीकृत एवं सुचारु कार्य–प्रणाली को जारी रखने हेतु विभाग सेवा एवं संसाधन प्रदान करने के साथ–साथ विभिन्न परिसर की स्थापित संस्थाओं, प्रशासनिक संरचना एवं कार्य प्रणाली से जुड़े मुद्दों को सुलझाता है।

वित्तीय योजना एवं संसाधन वितरण तथा प्रबंधन यह विभाग विश्वविद्यालय को वित्तीय योजना बनाने में मदद करता है जिसके तहत तय लक्ष्य को ध्यान में रख कर बजट का निर्माण किया जाता है। यह विश्वविद्यालय के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए कार्य योजना एवं सामरिक महत्व की योजना भी बनाता है और उस अनुसार संसाधन का वितरण एवं प्रबंधन करता है।

नए स्कूल, केंद्र एवं कार्यक्रम प्रभाग ने नए स्कूल एवं केंद्रों के निर्माण की सुविधा प्रदान की। दोनों परिसर में स्नातक अध्ययन स्कूल के विस्तार एवं पुनरसंरचना हेतु सम्यक बैठक का भी आयोजन किया गया। इस प्रभाग ने शहरी अध्ययन और वैश्विक अध्ययन और नए अंतःविषय स्नातक कार्यक्रमों में कार्यक्रमों की अवधारणा से संबंधित प्रक्रिया को गति दी है। यह स्कूल ऑफ एजुकेशन के विस्तार की योजना बनाने की प्रक्रिया में भी शामिल था जिसमें शिक्षक प्रशिक्षण और सेवा शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ शामिल है। विभाग ने सेंटर फॉर इंग्लिश लैंग्वेज एंड एजुकेशन (सीईएलई) को प्रशासनिक सहायता भी प्रदान की।

दस वर्षीय समीक्षा गौरतलब है कि विश्वविद्यालय अपने स्थापना के 10वें वर्ष में पहुँच गया है, विश्वविद्यालय व्यापक स्तर पर अपने दस वर्षीय कार्यों की समीक्षा करने की योजना बना रहा है। प्रभाग प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न कार्यों में सहायता प्रदान कर रहा है जैसे कि हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित करना, आदि।

अवरस्नातक कार्यक्रम की समीक्षा विश्वविद्यालय स्नातक पाठ्यक्रमों की व्यापक समीक्षा आयोजित करता है, जो विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए जाते हैं। प्रभाग इस प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न कार्यों में सहायता प्रदान करता है, जैसे कि हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित करना इत्यादि।

राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए) के माध्यम से अनुदान प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार को अपने संस्थानिक विकास की योजना सौंप दी है।

राष्ट्रीय सांस्थानिक श्रेणी संरचना (एनआईआरएफ) विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा संस्थान क्रम–सूची में हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय की वरीयता सूची में 151–200 श्रेणी के अंतर्गत विश्वविद्यालय का स्थान आया।

जीआईएएन विश्वविद्यालय को ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर एकेडमिक नेटवर्क्स (जीआईएएन) प्रोग्राम का हिस्सा बनने के लिए चुना गया। विभाग ने परियोजना को चलाने के लिए संस्थागत सहायता प्रदान की और निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए:

1. क्रिटिकल एग्रेरियन स्टडीजः एक ऐतिहासिक और बहुविषयक परिप्रेक्ष्य, प्रीति संपत द्वारा समन्वित, स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, एयूडी, 18–23 सितंबर, 2017.
2. इंडियन फोल्क एपिक्सः एक दक्षिण भारतीय परिप्रेक्ष्य, अमित सिंह द्वारा समन्वित, स्कूल ऑफ लेटर्स, एयूडी, 2–8 नवंबर, 2017.
3. जियोग्राफी ऑफ वेस्टः सरप्लस वैल्यू, सरप्लस मैटर, सरप्लस ह्यूमैनिटी, दिव्या चोपड़ा द्वारा समन्वित, स्कूल ऑफ डिजाइन, एयूडी, 18–23 दिसंबर, 2017.

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने इस वर्ष एनएएसी को अपनी तीसरी वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रपट (एक्यूएआर) प्रस्तुत की। आईक्यूएसी ने विश्वविद्यालय के संकायों हेतु विभिन्न अकादमिक विकास कार्यशाला आयोजित की। प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कर्मचारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यशाला का भी आयोजन किया। योजना प्रभाग आईक्यूएसी के लिए सेक्रेटेरियट है।

प्रोटो–प्लानिंग बोर्ड

विश्वविद्यालय ने 26 सितंबर, 2017 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली में विश्वविद्यालय के प्रोटो–प्लानिंग बोर्ड की पहली बैठक आयोजित की। प्लानिंग बोर्ड इसके सचिवालय के रूप में कार्य करता है।

7.8. अभिशासन प्रभाग

विभाग विश्वविद्यालय के अधिकृत विभागों जैसे न्यायालय, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, योजना बोर्ड, (अब प्रोटो–प्लानिंग बोर्ड के स्थान पर है), वित्त विभाग, स्कूल अध्ययन आदि से जुड़े मुद्दों को देखता है। विभाग से विश्वविद्यालय के अन्य घोषित अधिकृत इकाइयों के मुद्दों को भी सुलझाने की अपेक्षा की जाती है। सभी अधिकृत निकायों के संवैधानिक सभा का आयोजन, उन सभाओं के लिए मुद्दों को तैयार करना, उन सभाओं में होने वाली घटनाओं का लिखित ब्यौरा तैयार करना तथा उन्हें सभी सदस्यों में वितरित करना, अधिकारियों द्वारा लिए गए निर्णयों को सूचित करना, तथा समय–समय पर उन निर्णयों के क्रियान्वयन का निरीक्षण करना ही इस विभाग का कार्य है। यह विभाग स्थापित समिति, स्थायी प्रबंधन मण्डल के मुद्दों को निपटाने के साथ–साथ अधिकृत इकाइयों के निर्माण कार्य इत्यादि की भी जिम्मेदारी लेता है।

इस वर्ष प्राधिकरण निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की सूची नीचे दी गई है:

प्राधिकरण निकाय	**बैठक**
विश्वविद्यालय कोर्ट	17.11.2017 को 7वीं बैठक
बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट	02.08.2017 को 22वीं बैठक
	02.11.2017 को 23वीं बैठक
अकादमिक परिषद	17.07.2017 को 10वीं बैठक
	04.08.2017 को 11वीं बैठक
	11.10.2017 को 12वीं बैठक
	30.10.2017 को 13वीं बैठक
	05.12.2017 को 14वीं बैठक
	12.02.2018 को 15वीं बैठक
वित्त समिति	07.07.2017 को 17वीं बैठक
	02.08.2017 को 18वीं बैठक
	04.10.2017 को 19वीं बैठक
इस्टैब्लिशमेंट समिति	19.07.2017 को 17वीं बैठक
	05.02.2018 को 18वीं बैठक

7.9. परिसर विकास प्रभाग

धीरपुर परिसर

शहरी विकास मंत्रालय (दिल्ली प्रभाग, भारत सरकार) ने धीरपुर फेस–I, दिल्ली–110009 में विश्वविद्यालय परिसर की स्थापना हेतु 20 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। आवंटित भूमि के चारों तरफ चाहरदीवारी बनाने का कार्य सम्पन्न हो चुका है। इसके अलावा, सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्लाट पर हाई मास्ट लाइट टावर लगाए गए हैं। प्लाट (भूखंड) पर चौबीस घंटे सुरक्षा गार्ड तैनात करके सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

विद्युत तार का स्थानांतरण भूखंड में ओवरहेड 33/11केवी एचटी–एलटी बिजली लाइन एक बाधा बनी हुई थी, और इस मामले को जीएनसीटीडी के साथ लिया गया था। मेसर्स टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड प्लॉट के बाहर इन बिजली लाइनों को शिफ्ट करने के कार्य में संलग्न था। शिफ्टिंग का कार्य अप्रैल, 2017 में पूरा किया गया।

रोहिणी परिसर

वर्ष 2010 में, डीडीए ने रोहिणी में नए विश्वविद्यालय परिसर के लिए 2.98 हेक्टेयर और 4.03 हेक्टेयर भूमि के दो भूखंड आवंटित किए, इनके समामेलन के बाद 7.03 हेक्टेयर के एक एकीकृत भूखंड में इन भूखंडों के बीच 13.5 मीटर की सड़क बनाई गई है। डीडीए ने पहले, सड़क को स्थानांतरित करने के लिए सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी थी, ताकि विश्वविद्यालय का रोहिणी में एक समग्र परिसर हो सके। हालांकि, डीडीए द्वारा संप्रेषित बाद के फैसले में, दो भूखंडों के बीच एक अंडरपास के उपयोग को एक विकल्प के रूप में अनुमोदित किया गया है।

रोहिणी में विश्वविद्यालय को आवंटित भूखंड में पहले से ही एक चारदीवारी थी, जो कई स्थानों पर पुरानी और क्षतिग्रस्त थी। सीमा की दीवार को बाद में पीडब्ल्यूडी द्वारा मरम्मत की गई थी, और कॉन्सेर्टिना कॉइल को दीवार पर बिछाया गया है, ताकि अवैध तौर पर घुसपैठ को रोका जा सके। क्षेत्र को रोशन करने और अतिक्रमण को रोकने के लिए भूखंड में हाई मास्ट लाइट टॉवर लगाए गए हैं। रोहिणी भूखंड की सुरक्षा को विश्वविद्यालय ने अपने हाथों ले ली है।

नए परिसरों के विकास के एक हिस्से के रूप में स्थल पर बागवानी करना शुरू हो गया है।

करमपुरा परिसर

डीएचई ने अपने नए पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा खाली करमपुरा में एक नया परिसर आवंटित किया। परिसर में 6.3 एकड़ का भूखंड है। परिसर में नए एक्सटेंशन ब्लॉक को जीर्णोद्धार के बाद कार्यात्मक बनाया गया है। परिसर में अधिक सुविधाएं प्रदान करने हेतु और शैक्षणिक गतिविधियों को

सुविधाजनक बनाने के लिए, बैरेक की दो पंक्तियों को जिसमें 24 कमरे थे, दो महीने के भीतर ध्वस्त कर दिए गए और इन्हें शैक्षणिक गतिविधियों को सुविधा देने के लिए जुलाई, 2017 से पुनर्निर्मित किया गया।

पीडब्ल्यूडी द्वारा रु. 6.6 करोड़ की लागत से मुख्य शैक्षणिक ब्लॉक, कन्या छात्रावास, बैरक का नवीनीकरण और 250 लोगों की क्षमता वाली एक ऑडिटोरियम और सभागार के निर्माण की शुरुआत मार्च, 2018 में की गई थी। करमपुरा परिसर की चारदीवारी को मजबूत किया गया है। इसकी ऊंचाई को दो फीट बढ़ाते हुए लगभग 800 मीटर की लंबाई के माध्यम से कॉन्सर्टिना कॉइल को लगाकर इसे मजबूत किया गया है। बाउंड्रीवॉल की दीवार को मजबूत करने का काम फरवरी, 2018 में पूरा किया गया। इसके अलावा, पुनर्निर्मित मुख्य शैक्षणिक ब्लॉक अगले शैक्षणिक सत्र से उपलब्ध होने की संभावना है। 32 छात्राओं के लिए एक कन्या छात्रावास, अगले शैक्षणिक सत्र से कार्यात्मक हो जाएगा। सितंबर, 2018 तक ऑडिटोरियम का नवीनीकरण कार्य पूरा होने की संभावना है।

करमपुरा परिसर में डे–केयर और आवासीय सुविधाओं में सुधार के लिए, एक बहुमंजिला इमारत का निर्माण प्रस्तावित है। करमपुरा में इस बहु–मंजिला इमारत के लिए रु. 5.80 करोड़ का अनुमान स्वीकृत किया गया है, जिसे दिनांक 02.05.2018 को डीएचई द्वारा अनुमोदित किया गया था। तदनुसार, पीडब्ल्यूडी को निविदाएं आमंत्रित करने और काम को सौंपने के लिए कहा जाएगा। नवीन इमारत का निर्माण दिसंबर, 2018 तक पूर्ण होने की संभावना है।

लोधी रोड परिसर

दो एकड़ क्षेत्र में निर्मित चार मंजिला भवन और एक पृथक एक मंजिला भवन के साथ, लोधी रोड पर स्थित लोधी रोड परिसर डीएचई द्वारा 7 अप्रैल, 2017 को विश्वविद्यालय को आवंटित किया गया था। इस भवन को शैक्षणिक कार्यक्रम आरंभ करने के लिए व्यापक नवीनीकरण की आवश्यकता थी। भवन के भूमितल का नवीनीकरण परिसर विकास विभाग द्वारा आरंभ किया गया था और रू. 60 लाख के खर्चे से इसे अगस्त, 2017 में पूरा किया गया। इस भूमितल का शुभारंभ दिल्ली के माननीय उप–मुख्यमंत्री द्वारा 5 सितम्बर 2017 को किया गया।

इसके अतिरिक्त, शेष तीन तलों के नवीनीकरण की योजना और आरेखन की तैयारी विभाग द्वारा की गयी थी और रु. 3.46 करोड़ का अनुमान डीएचई को अनुमोदन एवं स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया गया। इस कार्य को आरंभ करने के लिए जीएनसीटीडी का अनुमोदन प्रतीक्षित है।

मदरसा रोड बिल्डिंग

डीएचई ने मदरसा रोड भवन आवंटित किया था जिसे प्रारंभ में इंदिरा गाँधी दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी फॉर वूमेन (आईजीडीटीयूडब्लू) द्वारा वाचनालय (लाइब्रेरी) के रूप में उपयोग किया जाता था। यह भवन संकुल 1.92 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। परिसर विकास विभाग ने भवन के संरचनात्मक स्थिरता के परीक्षण के लिए दिल्ली टेक्नालॉजिकल यूनिवर्सिटी को अनुरोध किया है क्योंकि वर्तमान में यह भवन जीर्णशीर्ण अवस्था

में है। इसके अतिरिक्त, मदरसा रोड पर स्थित प्रस्तावित भवन की रूपरेखा बनाने हेतु, समावेशी परामर्शदात्री सेवाएँ प्रदान करने के लिए एक वास्तुकार/परामर्शदाता नियुक्त किया जाना प्रस्तावित है।

परियोजनाओं का कार्यान्वयन

जीएनसीटीडी द्वारा यह निर्णय लिया गया कि जमा–कार्य के आधार पर धीरपुर एवं रोहिणी के परियोजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु पीडब्ल्यूडी परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) के रूप में कार्य करेगा। इस संबंध में 2 मार्च, 2017 को विश्वविद्यालय एवं पीडब्ल्यूडी के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया। विश्वविद्यालय ने अपने आंतरिक संसाधनों के द्वारा तैयार अनिवार्य परियोजना विवरण को पीडब्ल्यूडी के पास आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया है। लोक निर्माण विभाग ने धीरपुर और रोहिणी परिसरों के निर्माण के लिए अनुमानित लागत और बजट अनुमान प्रमाणित किए हैं। लोक निर्माण विभाग ने खुली संविदा के माध्यम से एक डिजाइन प्रतियोगिता के आधार पर परियोजनाओं की व्यापक नियोजन और डिजाइन के लिए परामर्शदाताओं के चयन के लिए भी कार्रवाई शुरू की है। धीरपुर और रोहिणी में नए परिसरों का निर्माण समझौते के अनुसार अप्रैल, 2022 और जून, 2022 तक पूरा होने की संभावना है।

7.10. प्रशासन प्रभाग

प्रशासन विभाग विश्वविद्यालय–संचालन की सम्पूर्ण व्यवस्था को प्रशासनिक एवं रसद सहायता प्रदान करता है। यह स्कूल, केंद्र तथा प्रभागों के लिए सामग्री एवं सेवाओं का उपार्जन करता है। विभाग वार्षिक खरीद योजना तैयार करने और कार्यान्वित करने हेतु उत्तरदायी है। इसके अलावा यह वस्तुसुची का प्रबंधन भी करता है, जिसमें सम्पत्तियों की रसीद संबन्धित मुद्दे तथा लेखा–जोखा शामिल है।

खरीद प्रक्रियाः सम्बन्धित स्कूलों/केन्द्रों/विभागों की माँग, विस्तृत विशिष्टताओं की पुष्टि करना, संविदा/स्थानीय क्रय के प्रलेखों को जड़ना, संविदा का निर्गमन, तकनीकी एवं वित्तीय बोलियों का मूल्यांकन, कार्य आवंटन, बयाना राशि और प्रदर्शन प्रतिभूति को सँभालना, अनुबंध समझौता सम्बन्धित विषय, भुगतान के लिए हुंडियों का प्रसंस्करण आदि पर आधारित।

प्रचार, विज्ञापन और मुद्रणः प्रिंट और इलेक्ट्रोनिक मीडिया के माध्यम से विज्ञापन/प्रचार; सूचीबद्ध प्रिंटरों के माध्यम से पुस्तको, पत्रिकाओं, प्रलेखों आदि का प्रकाशन।

कार्यक्रम प्रबंधनः संगोष्ठी, कार्यशालाओं, आदि के लिए स्थानों की बुकिंग; संगोष्ठी, बैठकों, सेमिनारों, दीक्षांत समारोह आदि के लिए सामान और सेवाओं की खरीद।

अस्पतालों का मनोनयन (इम्पैनलमेंट): विश्वविद्यालय चिकित्सा उपस्थिति एवं उपचार (एमएटी) विनियमों में निहित प्रावधानों के तहत अस्पतालों/नैदानिक केंद्रों/प्रयोगशालाओं का मनोनयन।

दावेः नियमित और साथ ही साथ संविदात्मक कर्मचारी के विभिन्न दावे जिनमें चिकित्सा दावे, बच्चों की शिक्षा भत्ता, टेलीफोन और समाचार पत्र प्रतिपूर्ति दावे आदि शामिल हैं, का सत्यापन और प्रसंस्करण।

भंडारण एवं माल सूची का प्रबंधनः प्राप्तियों का प्रबंधन, रखरखाव, रिकॉर्ड रखना; आस्तियाँ और उपभोज्य वस्तुएँ जारी करना।

सूचनाएं/आदेशः प्रशासन से संबंधित मामलों पर कार्यालय के आदेश एवं अधिसूचना जारी करना।

अन्य प्रशासनिक कार्यः पहचान पत्र, मेडिकल पहचान पत्र, प्रतीक चिन्ह, मुहर, विजिटिंग कार्ड इत्यादि का प्रसंस्करण और निर्माण।

उपलब्धियाँ

प्राप्ति की प्रक्रिया में पारदर्शिता, स्पष्टता, प्रतियोगिता, अर्थव्यवस्था, क्षमता और उत्तरदायित्व को सुनिश्चित करने के लिए ई–टेंडरिंग और संविदाओं का ई–प्रकाशन आरंभ किया गया है और प्राप्ति की पूरी प्रक्रिया दिल्ली सरकार के ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल के माध्यम से किया जा रहा है। वर्ष 2017 में, प्रशासन विभाग द्वारा प्रथम ई–संविदा जारी किया गया था।

सेनेटरी नैपकिनों की सहज उपलब्धता को सुनिश्चित करने और माहवारी स्वच्छता को बनाये रखने के लिए, प्रथम प्रकार के एक पहल को महिलाओं के प्रक्षालनकक्षों में इन्सिनरेटरों के साथ, सेनेटरी नैपकिन मशीनों को स्थापित करके लागू किया गया था।

सभी व्यक्तिगत अभिलेखों का सत्यापन सम्बन्धित एचआर/एएस से किया गया है और लगभग 350 कर्मचारियों को मेडिकल कार्ड जारी किया गया है। अप्रैल 2017 से लगभग 400 बिल प्रसंस्कृत किये गये हैं।

कर्मचारियों को चिकित्सा उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय में ग्यारह अतिरिक्त अस्पतालों को सूची में सम्मिलित किया है।

लगभग 1500 प्रतिभागियों को पूर्ण रसद सहयोग प्रदान करके सफलतापूर्वक छठे दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया।

पहली बार आधार कार्ड पंजीकरण/नवीनीकरण के लिए आधार कार्ड पंजीकरण शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया था।

खरीद

क्रय की गई वस्तुओं की सूची (एक लाख रुपये से अधिक मूल्य की) नीचे दी गई है:

मद	मूल्य (रु. में)
सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद	7,295,519
अवसंरचना	579,812
फर्नीचर तथा उपस्कर	2,871,711
टोनर्स तथा कार्ट्रेज	940,521
कार्यक्रम (उद्घाटन, दीक्षांत समारोह, आदि)	1,862,178
प्रकाशन एवं विज्ञापन	2,829,412
लेखन सामग्री	791,551

कार्य अनुबंध एवं रखरखाव

इस वर्ष दिए गए कार्य–अनुबंधों और वार्षिक रखरखाव अनुबंधों की सूची नीचे दी गई है:

क्र.सं.	अनुबंध	तिथि
1	आईमैक कंप्यूटर*	01.09.2017
2	लैपटॉप*	22.08.2017
3	कंप्यूटर*	21.08.2017
4	सर्वर एवं एनएएस उपकरण*	31.08.2017
5	ईआरपी*	30.11.2017
6	प्रोजेक्टर*	10.07.2017
7	जल शोधक प्रणाली*	16.03.2018
8	यूपीएस बैटरी*	11.05.2017
9	जॉब पोर्टल*	25.05.2017
10	विश्वविद्यालय की वेबसाइट*	04.05.2017
11	प्रिंटर और स्कैनर*	02.02.2018
12	ईपीएबीएक्स प्रणाली*	30.05.2017
13	ऑडियो उपकरण*	01.02.2018
14	प्रिंटर और स्कैनर*	16.02.2017
15	इवोलिस प्रिंटर*	24.04.2017
16	स्वच्छता सेवाएँ	31.10.2017
17	सुरक्षा सेवाएँ	29.01.2018
18	कैंटीन, कश्मीरी गेट परिसर	14.07.2017
19	कैंटीन, करमपुरा परिसर	07.07.2017

20	कीओस्क,कश्मीरी गेट परिसर	01.04.2017
21	लेखन–सामग्री आपूर्ति	14.12.2017
22	टोनर / कार्टेज आपूर्ति	30.05.2017
23	प्रिंटर का पैनल	23.01.2018
24	पुस्तकालय में पुस्तकों की आपूर्ति के लिए प्रकाशकों / वितरकों का पैनल	21.08.2017 14.12.2017
25	मंकी हैंडलर	30.11.2017
* वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)		

7.11. सम्पदा प्रभाग

सम्पदा विभाग लगभग 2500 विद्यार्थियों, 200 संकाय सदस्यों और 500 प्रशासनिक कर्मचारियों को सुविधाएँप्रदान करता है। यह विभाग कुलसचिव के निरीक्षण एवं निर्देशों के अंतर्गत कार्य करता है। जल आपूर्ति, टेलिफोन्स, ईपीएबीएक्स एक्सचेंज, परिवहन, स्थान का समन्वय, नगरीय अभिकरणों के साथ सम्पर्क, सम्पत्ति कर आदि सहित, सभी भौतिक सुविधाओं का रखरखाव एस्टेट विभाग द्वारा किया जाता है। यह विभाग नियमित रूप से सम्पूर्ण परिसर में धूम्रीकरण और दीमक प्रतिरोधी उपचार करता है। यह विभाग सुरक्षा, साफ–सफाई, स्वास्थय रक्षा, बंदर को संभालने वाली सेवाएँ आदि का प्रबंधन बाहरी अभिकरणों के माध्यम से करता है। यह विभाग परिसरों के अंदर एवं बाहर आयोजित विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के दौरान, मूलभूत सुविधाएँ एवं संभार तंत्र सम्बन्धी सहायता प्रदान करता है। नागरिक एवं विद्युतीय रखरखाव से सम्बन्धित अधिसंख्यक कार्यों को अभियांत्रिकी एवं अनुरक्षण इकाई (ईएमयू) में इसकी स्थापना होने पर स्थानांतरित किया गया है।

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान, इस विभाग ने कई नये कदम उठाये हैं, जैसे कि नयी सुरक्षा सेवाओं को भाड़े पर लेना, सुरक्षा पोस्टों के बीच त्वरित संचार के लिए सभी परिसरों में 'वाकी–टॉकी' का उपयोग, करमपुरा और कश्मीरी गेट परिसरों में सीसीटीवी की स्थापना, रोहिणी एवं धीरपुर परिसर स्थलों में बायोमेट्रिक मशीनों और खिड़की एक्सटेंशन में एक स्टूडियो की स्थापना, पेयजल सुविधाएँप्रदान करना, शिकायत पंजीकरण एवं निवारण प्रणाली को उन्नत बनाना आदि।

मौजूदा परिसर

क्र.सं.	परिसर
	अकादमिक परिसर
1.	कश्मीरी गेट परिसर, लोथियन रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली 110006
4.	करमपुरा परिसर, अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली, शिवाजी मार्ग, करमपुरा, नई दिल्ली–110015
5.	लोधी रोड परिसर, अलीगंज, बीके दत्त कॉलोनी, लोधी रोड नई दिल्ली–110003
	आवासीय
7.	एयूडी ट्रांजिट हॉस्टल, करमपुरा
8.	कश्मीरी गेट में गर्ल्स हॉस्टल
9.	पीवीसी I, पंचशील पार्क के लिए आवास
10	पीवीसी II, करमपुरा के लिए आवास

अवसंरचना

	केजी परिसर	**करमपुरा परिसर**	**लोधी रोड परिसर**
कक्ष (प्रशासनिक)	29	07	02
कक्ष (अकादमिक)	50	05	02
कक्षा	36	08	02
दीर्घ कक्षा	04	03	-
पुस्तकालय	01 (अध्ययन की सुविधाओं के साथ)	01	01 (अध्ययन कक्ष सह पुस्तकालय)
अध्ययन कक्ष	01	02	
समिति कक्ष	04	02	-
शैक्षणिक कक्ष	01	-	-
संगोष्ठी कक्ष	01	-	01
रेसाई खाना	03	01	-
प्रयोगशाला	कंप्यूटर प्रयोगशाला – 1, 2, 3 और 4	02 (कंप्यूटर कक्ष), 01 (सर्वर कक्ष)	01 (कंप्यूटर) 01 (आईटी सेवा / सर्वर कक्ष)
	पारिस्थितिकी प्रयोगशाला 03	-	-
कार्यशाला	04	-	01 (बिजली आपूर्ति कक्ष)
प्रसार कक्ष	02	-	-
छात्र मनोरंजन कक्ष	01	01	-
जिम (व्यायामशाला)	01	01 (खेल कक्ष)	-
कैफेटेरिया	02 (01 किओस्क)	02 (01 किओस्क)	01 (किओस्क)

छायाप्रति कक्ष/सुविधाएं		01	01	01
स्वास्थ्य केंद्र		01	01	-
क्लीनिक– *एहसास*		05	02	-
छात्रावास		22 कक्ष (क्षमता : 45)	-	-
भंडार गृह		03	02	03
चालक कक्ष		01	02	-
सुरक्षा कक्ष		03	01	01
सेनेटरी स्टाफ कक्ष		03	02	-
शौचालय	छात्र	21	04	01
	छात्रा	29	03	01
	सार्वजनिक	05	-	-
	दिव्यांग	03	02	01
पेय जल केंद्र		10	01	02
बीवोकेशनल – रेस्तरां		-	01	01

दिव्यांग जन हेतु विशेष व्यवस्था

सभी परिसरों में सभी प्रमुख स्थानों पर संकेत बोर्ड लगाए गए हैं। सड़कें और रास्ते चौड़े एवं बाधा मुक्त हैं। दिव्यांग व्यक्तियों के आवागमन को सुविधाजनक बनाने के लिए बहुत सारी जगहों पर ढलान वाले रास्तों का निर्माण किया गया है एवं आवश्यकतानुसार उसके दोनों तरफ सहारा देने वाली रेलिंग का निर्माण किया गया है। केजी परिसर में दिव्यांग व्यक्तियों की सुविधा हेतु विश्वविद्यालय के प्रवेश द्वार पर व्हीलचेयर रखी गई है, जल्द ही इसे अन्य परिसरों में भी लागू किया जाएगा। सभी सीढ़ियों पर नॉन–स्लिप (फिसलन रहित) फ्लोर मटीरियल चिपकाया गया है। सुरक्षित रास्तों और चलने के लिए बाधामुक्त पैदल चलने की जगह उपलब्ध हो इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है। तीनों परिसरों में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए दो कार पार्किंग स्थल

आरक्षित हैं। तीनों परिसरों में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए शौचालय हैं।

वर्ष 2017–18 के दौरान नए स्थान लिए गए।

1. **मदरसा रोड,** कश्मीरी गेट पर दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के पुस्तकालय/बॉयज हॉस्टल का एक पुराना जीर्ण–शीर्ण भवन विश्वविद्यालय को आवंटित किया गया।

2. **एनसीसी ब्लॉक, पुराना डीसीई भवनः** एनसीसी भवन की पहली मंजिल, कश्मीरी गेट, जिसे 5 दिल्ली बीएन एनसीसी इकाई से लिया गया विश्वविद्यालय को आवंटित की गई।

3. **खिड़की एक्सटेंशनः** यह स्टूडियो टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा वित्त पोषित परियोजना के तहत किराए पर लिया गया। इस परिसर में संस्कृति एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति स्कूल के लिए सुविधाएं बनाई गई हैं।

कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ

11 अप्रैल, 2017 को लोधी रोड परिसर को सौंपना/अधिकार में लेना।

दिनाँक 7 से 13 मई, 2017 को सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया।

दिनाँक 19 मई, 2017 को आपदा प्रबंधन पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

दिनाँक 24 मई, 2017 को कश्मीरी गेट में डीसीपी (जतिन नरवाल, आईपीएस) ने दौरा किया।

दिनाँक 26 मई, 2017 को अग्नि सुरक्षा एवं आग बुझाने की मशीन का उपयोग पर व्याख्यान/प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

दिनाँक 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

दिनाँक 9 अगस्त, 2017 को सदभावना दिवस का आयोजन किया गया।

दिनाँक 15 अगस्त, 2017 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

दिनाँक 25 सितंबर, 2017 को कश्मीरी गेट परिसर में दानिक्स का दौरा।

दिनाँक 24 अक्टूबर, 2017 और 15 मार्च, 2018 को फायर ड्रिल का आयोजन किया गया।

7.12. वित्त प्रभाग

वित्त प्रभाग कुलपति की अध्यक्षता वाली वित्त समिति के निर्देशानुसार कार्य करता है और अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली अधिनियम, 2007 के तहत दिये गए अधिदेश का पालन करता है। वर्तमान में इस प्रभाग की अध्यक्षता वित्त नियंत्रक और प्रति कुलसचिव, सहायक कुलसचिव और कर्मचारियों का दल कर रहा है। कर्मचारी। यह कोष प्रबंधन संबंधी आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु कार्य करता है जिसमें नियमों के अनुसार समय–समय पर धन की उपलब्धता एवं उसका उचित उपयोग शामिल है।

बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के अनुमोदन हेतु वित्त समिति द्वारा विश्वविद्यालय के वार्षिक खाते तदर्थ विचारित एवं संस्तुत किए जाते हैं। बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के अनुमोदन के बाद, वार्षिक खातों को विश्वविद्यालय के निर्णायक मण्डल द्वारा अपनाया जाता है।

वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान प्रभाग ने निर्धारित समय के भीतर 2017–18 वर्ष हेतु वार्षिक खातों को अंतिम रूप देने का वैधानिक कार्य पूर्ण किया। इसके अलावा विभाग ने निरीक्षण के उचित संचालन को सुनिश्चित करने हेतु राज्य व केंद्र सरकारों दोनों के वैधानिक लेखा परीक्षा दलों के साथ सहयोग किया।

वित्त प्रभाग ने डिजिटल माध्यमों से छात्रों की फीस भुगतान सेवा को सरल करने हेतु कारगर उपाय किया है। विभाग ने प्रत्यक्ष भुगतान सेवा के अलावा सीधे छात्रों के बैंक खाते में सभी बकाया राशि एवं छात्रवृत्ति वितरण संबंधी सेवाएं समय पर सुनिश्चित की है।

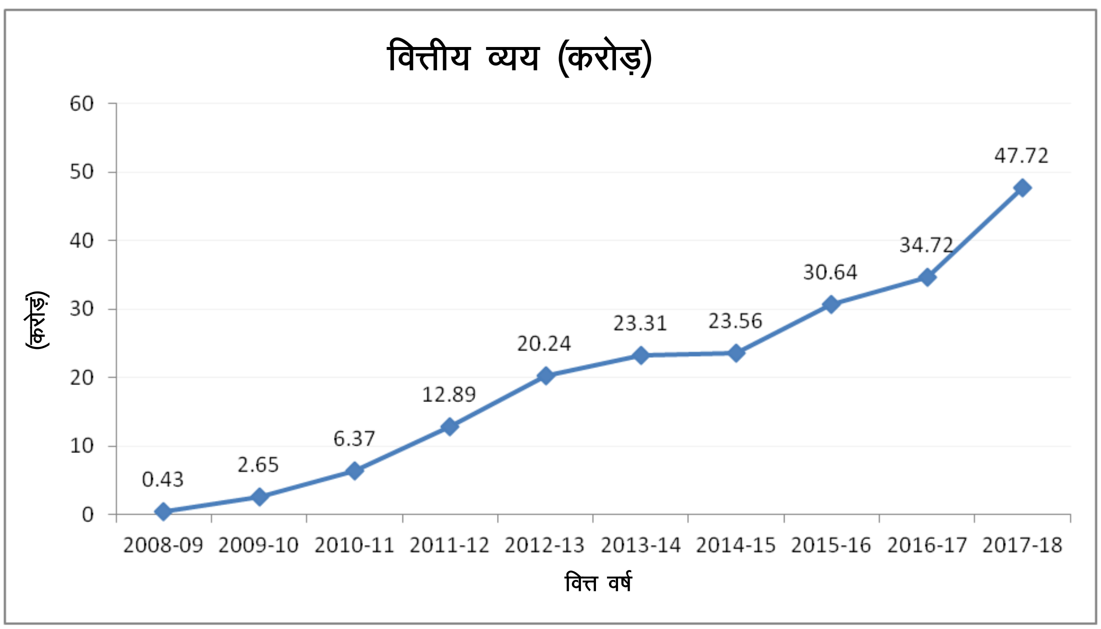

Ambedkar University Delhi

BALANCE SHEET AS AT 31st MARCH 2018

(Amount in Rs.)

SOURCES OF FUNDS	Schedule	2017-18	2016-17
CORPUS/CAPITAL FUND	1	1,72,65,68,718	1,61,64,08,744
DESIGNATED/ EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	2	30,48,69,828	37,13,64,353
CURRENT LIABILITIES & PROVISIONS	3	69,38,00,598	49,51,97,548
TOTAL		2,72,52,39,144	2,48,29,70,645
APPLICATION OF FUNDS			
FIXED ASSETS	4		
Tangible Assets		1,58,59,69,395	1,54,65,44,841
Intangible Assets		1,11,63,667	96,59,238
Capital Works-In-Progress		10,38,94,508	-
INVESTMENTS FROM EARMARKED / ENDOWMENT FUNDS	5		
Long Term		-	-
Short Term		18,75,34,195	24,21,34,194
INVESTMENTS - OTHERS	6	-	4,29,78,548
CURRENT ASSETS	7	49,72,10,240	37,16,13,568
LOANS, ADVANCES & DEPOSITS	8	33,94,67,139	27,00,40,256
TOTAL		2,72,52,39,144	2,48,29,70,645
PRINCIPLE ACCOUNTING POLICIES	23		
NOTES TO ACCOUNTS	24		

Controller of Finance

Pro- Vice Chancellor

Vice Chancellor

New Delhi

5.07.2018

GAMS & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS NEW DELHI

7.13. अभियांत्रिकी एवं रखरखाव इकाई

अभियांत्रिकी और रखरखाव (ईएंडएम) इकाई मरम्मत और नवीकरण सहित इसके भवन के बुनियादी ढांचे और रखरखाव सेवाओं की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय को तकनीकी सहायता प्रदान करती है। इकाई की भूमिका कार्यों की योजना बनाना, आकलन करना, निविदा जारी करना और क्रियान्वयन करना है। इकाई कुछ कार्यों की भी शुरुआत करता है, जो कि आवश्यकता के आधार पर पीडब्ल्यूडी के माध्यम से किए जाते हैं।

इकाई का उद्देश्य भवन का इष्टतम उपयोग करना और विश्वविद्यालय की अपनी सेवाएं सुनिश्चित करके एक बेहतर व सुरक्षित वातावरण प्रदान करना है।

निष्पादित कार्य

1. कावेरी हॉस्टल, केजी कैंपस की आंतरिक पेंटिंग
2. 6वें दीक्षांत समारोह, केजी कैम्पस के लिए बाहरी पेंटिंग और सड़क का रखरखाव
4. मुख्य कैंटीन, केजी कैंपस का नवीनीकरण
5. कक्ष सं. 47 और 26, केजी कैंपस का नवीनीकरण

निविदा जारी/स्वीकृत

1. कक्ष सं. 60, केजी कैंपस का नवीनीकरण
2. पुरानी लाइब्रेरी बिल्डिंग, केजी कैंपस की बाउंड्री वॉल का नवीनीकरण/सुदृढ़ीकरण

योजना के तहत कार्य

1. एन4, एन5, एन6, केजी कैंपस का नवीनीकरण और प्रतिस्थापन
2. कक्ष सं. 402 और एडमिन ब्लॉक, केजी कैंपस में सीईसीईडी का नवीनीकरण
3. शौचालय ब्लॉक, केजी कैम्पस का नवीनीकरण
4. एनएल–1 (लाइब्रेरी एक्सटेंशन), केजी कैंपस का नवीनीकरण

7.14 प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक विकास प्रकोष्ठ (टीपीडीसी)

प्रशिक्षण एवं व्यवसायिक विकास प्रकोष्ठ (टीपीडीसी) का निर्माण जनवरी, 2018 को किया गया। इस प्रकोष्ठ की उत्पत्ति प्रशासनिक स्टाफ का व्यवसायिक विकास–नीति एवं दिशानिर्देश 2018 के अंतर्गत हुई है। इस नीति का वक्तव्य हैः साझेदारों के रूप में सभी प्रशासनिक स्टाफ के सदस्यों को साधनसंपन्न, ज्ञानवर्धक, सुविज्ञ और सुगम बनाने वाले प्रशासन को सक्षम बनाकर समानता, सामाजिक न्याय और व्यवसायिक उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए व्यवसायिक विकास के अवसर प्रदान करना। यह प्रकोष्ठ कुलसचिव के संपूर्ण प्रभार के अंतर्गत प्रशासन में अवस्थित है। वर्तमान में, प्रकोष्ठ के अतिरिक्त प्रभार के साथ, एक उप–कुलसचिव और एचआर विभाग का एक साझा सहायक प्रकोष्ठ का कार्य सँभालता है।

सभी नियमित और अनुबंधकीय प्रशासनिक कर्मचारीगण इस नीति के अंतर्गत व्यवसायिक विकास हेतु सहायता माँगने के लिए सक्षम हैं। व्यवसायिक विकास के लिए नामांकन और वित्तीय सहायता आवश्यकता के सिद्धांतों और समान अवसर पर आधारित है। प्रशिक्षण के लिए अनुरोधों का अनुमोदन धनराशियों की उपलब्धता के शर्त पर क्रम परिवर्तन के आधार पर और प्रशासनिक आवश्यकता को मन में रखकर किया जाता है। भारत के बाहर प्रशिक्षण के लिए, विश्वविद्यालय में कम से कम तीन वर्षों की लगातार सेवा के साथ नियमित नियुक्ति वाले स्टाफ के सदस्यों को योग्य समझा जाता है। इसमें किसी अपवाद के लिए सक्षम अधिकारी से उचित अनुमोदन की आवश्यकता होती है। प्रशासनिक स्टाफ के प्रशिक्षण आवश्यकताओ को (अ) प्रशासनिक स्टाफ द्वारा स्व–पहचान, (ब) प्रदर्शन की समीक्षा प्रक्रिया और (स) रिपोर्टिंग अधिकारी या सक्षम प्राधिकारी द्वारा पहचान के माध्यम से उनके वर्तमान या प्रस्तावित नौकरी की रूपरेखा और विश्वविद्यालय की आवश्यकताओं के आधार पर चिन्हित किया जाता है।

व्यवसायिक विकास कार्यक्रम लघु, मध्यम या दीर्घावधि का होता है; अधिष्ठापन प्रशिक्षण के उद्देश्यों के लिए आवासीय या गैर–आवासीय कार्यक्रम (आंतरिक / विदेश में), सेवा काल प्रशिक्षण और अनिवार्य प्रशिक्षण सहित। ये कार्यक्रम कर्मचारियों के प्रबंधन, तकनीकी और प्रशासनिक विषयों के व्यापक क्षेत्रों में विस्तृत श्रृंखला वाले विषयों पर होते हैं। कार्यशालाओं, अधिवेशनों, विनिमय कार्यक्रमों, रिफ्रेशर पाठ्यक्रमों, अध्ययन यात्राओं और अन्य गतिविधियों सहित, प्रकोष्ठ द्वारा सरलीकृत व्यवसायिक विकास की गतिविधियों का अनुमोदन समय समय पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया जाता है।

इस वित्तीय वर्ष में प्रशिक्षण / व्यावसायिक विकास के लिए निम्नलिखित कर्मचारियों को नामित किया गया।

बिंदू नायर, सहायक कुलसचिव, ने 1–3 फरवरी, 2018 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम, डेवलपिंग इंटरनल टैलेंट एंड लीडरशिप में भाग लिया।

मनीष कुमार, प्रति कुलसचिव, ने 12–16 फरवरी, 2018 को भारतीय प्रबंधन संस्थान, कलकत्ता में आयोजित अनुबंध प्रबंधन एवं मध्यस्थता पर प्रबंधन विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

नीलिमा घिल्डियाल, सहायक, ने 22–24 फरवरी, 2018 को एकीकृत प्रशिक्षण और नीति अनुसंधान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक तकनीकी कार्यशाला, ऑफिस प्रोसीज़र एंड ऑफिस एटिकेट में भाग लिया।

8. यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति

16 सितंबर, 2015 को आधिकारिक रूप से चुनी गयी पहली यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति (सीपीएसएच) की सूचना दी गई। इसमें नौ सदस्य हैं – जिसमें तीन संकाय सदस्य, चार विद्यार्थी और दो प्रशासनिक कर्मचारी सदस्य शामिल हैं। कार्यकाल के समापन पर, मार्च, 2017 में नए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए एक चुनाव हुआ। जेंडर पहचान और जेंडर अभिविन्यास के आधार पर होने वाले यौन उत्पीड़न और भेदभाव से बचाव, निषेध और निवारण पर एयूडी नीति के रूप में शिकायतों पर कार्यवाही की त्वरित प्रक्रिया को तय किया गया। शिकायतों की बढ़ोतरी से निपटने के लिए समिति के सदस्यों की संख्या बढ़ाने के आग्रह किया गया है।

समिति ने जेंडर जागरूकता पर पहले से काम कर रहे तंत्र में शामिल होने का प्रयास किया है और गैर सरकारी संगठनों जैसे – ब्रेक थ्रू, पार्टनर्स इन लॉ एंड डेवलपमेंट साथ ही साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों के केंद्रों जैसे, एडवांस सेंटर फॉर विमेंस स्टडीज, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि उनके अनुभव और विशेषज्ञता से परिसर में जागरूकता को बढ़ाया जा सके।

समिति के विद्यार्थी सदस्यगण साइबर बुलिंग, बॉडी शेमिंग और लिंग सम्बन्धित अन्य समस्याओं से सम्बन्धित विषयों को चर्चा के लिए समिति के संज्ञान में लाने में सक्रिय रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, विभिन्न परिसरों में विद्यार्थियों एवं संकाय के सदस्यों के साथ इस बात पर विचारविमर्श का मार्ग प्रशस्त हुआ कि ऐसे विषयों को कैसे निपटाया जा सकता है जब ऐसे प्रकरणों को सूचित ही नहीं किया जाता।

नीतियों में संशोधन

वास्तविकता यह है कि यह विश्वविद्यालय अब एक बहु–परिसर वाला विश्वविद्यालय बन गया है और सीपीएसएच के अन्तरिम विस्तार का अनुसरण करते हुए नीतियों में संशोधन किया जाना आवश्यक है। तदानुसार, समिति ने अपना सुझाव आगे रखा है और अधिवक्ता जो वास्तविक आलेखन समिति का एक भाग था, ने इनका परीक्षण किया है। ये सुझाव विश्वविद्यालय के निकायों के अनुमोदन के लिए अंतिम जाँच के पश्चात प्रस्तुति के लिए तैयार है।

कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसर में सीपीएसएच का विस्तार किया

19 अप्रैल 2017 को, समिति का विस्तार दस अतिरिक्त विद्यार्थी सदस्यों (कश्मीरी गेट परिसर से पाँच और करमपुरा परिसर से तीन), कश्मीरी गेट परिसर के शोधार्थियों और छात्रावास के निवासियों में से एक–एक प्रतिनिधि को सम्मिलित करके किया गया। सात अतिरिक्त संकाय सदस्यों (कश्मीरी गेट परिसर से चार और करमपुरा परिसर से तीन) और गैर–शिक्षण स्टाफ से चार अतिरिक्त प्रतिनिधियों को (कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसरों से दो–दो) समिति में सम्मिलित किया गया था। अतिरिक्त फैकल्टी और स्टाफ प्रतिनिधियों को पीएसएच नीति में संशोधनों को निलंबित रखते हुए एक अंतरिम उपाय के रूप में मनोनीत किया गया जो

औपचारिक चुनावों के लिए रास्ता तैयार करेगा। लोधी रोड परिसर के लिए, यह निर्णय लिया गया था कि जब तक पीएसएच में संशोधन नहीं किया जाता, कश्मीरी गेट परिसर का वर्तमान सीपीएसएच लोधी परिसर का भी देखभाल करेगा। समिति ने प्रबंधन परिषद से अनुमोदन प्राप्त होने के पश्चात विशेषज्ञों के पैनल का विस्तार भी आठ से सोलह कर दिया था।

कार्यक्रम/गतिविधियाँ

लिंग जागरूकता के तीन कार्यशालाओं का आयोजन पूरे विश्वविद्यालय से गैर–शिक्षण स्टाफ के साथ किया गया। इन कार्यशालाओं का आयोजन कश्मीरी गेट परिसर में 23 जून, 2017, 20 सितम्बर 2017 और 27 सितम्बर 2017 को किया गया और इसमें उपस्थिति अनिवार्य थी। नंदिनी राव; महिला अधिकार प्रशिक्षक, परामर्शदाता और लेखक ने प्रथम और द्वितीय कार्यशाला का आयोजन किया। तृतीय कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर्सः कृष्णा मेनन और अस्मिता काबरा की सहायता से किया गया।

लिंग जागरूकता के लिए विशेष सत्रों का भी आयोजन कश्मीरी गेट और करमपुरा परिसरों, दोनों में नये प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अनुकूलन सप्ताह के दौरान किया गया जो स्कूल ऑफ अंडरग्रेजुएट स्टडीज के विद्यार्थियों पर विशेष रूप से केन्द्रित था। नये परा–स्नातक विद्यार्थियों के प्रकरण में, सम्बन्धित कार्यक्रमों के सीपीएसएच के स्वयंसेवकों और फैकल्टी ने समिति और इसके कार्यकलाप के बारे में नये प्रवेश लेने वालों को संक्षेप में बताया।

दिनांक 13 सितंबर, 2017 को कश्मीरी गेट कैंपस में युवा संसद के संयुक्त तत्ववाधान में लैंगिकता और कामुकता पर कार्यशाला आयोजित की गई जो अधिकार–आधारित, नारीवादी और युवा–केंद्रित संगठन के साथ स्नातक छात्रों को पावर, लिंग, प्यार पर आधारित था।

9. शिकायत निवारण समिति

यूजीसी अधिसूचना का अनुसरण करते हुए, उप–कुलपति ने 4 अक्टूबर, 2017 को (अ) विश्वविद्यालय या इसके किसी घटक के विरूद्ध किसी विद्यार्थी से, (ब) विश्वविद्यालय या इसके किसी घटक के विद्यार्थी के रूप में किसी आवेदक से कोई शिकायत सुनने के लिए शिकायत निवारण समिति का गठन किया जिसके सदस्य निम्नलिखित हैंः राजेन्द्र पी. कुंडु (अध्यक्ष), रूक्मिणी सेन, के. वैलेंटिना, संदीप आर. सिंह और स्कूल को प्रतिनिधित्व करने वाला एक विद्यार्थी (एक विशेष अतिथि के रूप में)।

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान, विद्यार्थियों के शिकायतों का समाधान समिति के माध्यम से किया गया। समिति ने सम्बन्धित पक्षों की सुनवाई विश्वविद्यालय को प्रस्तुत किये गये प्रतिवेदनों के सभी तथ्यों पर विचार करने के पश्चात की। इन प्रतिवेदनों में ना केवल विशिष्ट शिकायतों की विशेषताओं पर चर्चा की गयी, अपितु इसमें कई महत्त्वपूर्ण संस्तुतियाँ की गयी जो व्यापक चिंताओं का समाधान करने के लिए विश्वविद्यालय को सहायता कर सकता था जो शिकायत से सम्बन्धित विचार विमर्शों के दौरान आया था।

10. परिशिष्ट

I. संकाय

क्र. सं.	डिस्टिंगविश्ड प्रोफेसर	स्कूल
1	सी. आर. बाबू	एसएचई
2	विजय शंकर वर्मा	
क्र. सं.	**एमेरिटस प्रोफेसर**	**स्कूल**
1.	कुरियाकोस मामकुट्टम	एसबीपीएसएसई
2.	विनीता कौल	एसईएस

क्र. सं.	प्रोफेसर	विषय	स्कूल
1	अमोल पदवाड	अंग्रेजी भाषा	सीईएलई
2	अनीता घई	विकलांगता अध्ययन	एसएचएस
3	अनूप कुमार धर	दर्शन	एसएचएस
4	अशोक नागपाल	मनोविज्ञान	एसएचएस
5	अस्मिता काबरा	अर्थशास्त्र (ईएवंडी*)	एसएचई
6	बाबू पी. रमेश	विकास अध्ययन	एसडीएस
7	चंदन मुखर्जी	अर्थशास्त्र	सीएसएसआरएम
8	देबल सी. कर	पुस्तकालय	पुस्तकालय
9	डेनिस पी लेटन	इतिहास	एसएलएस
10	धीरेंद्र दत्त डंगवाल	इतिहास	एसएलएस
11	गीता वेंकटरमन	अंक शास्त्र	एसयूएस
12	गोपालजी प्रधान	हिन्दी	एसओएल
13	हनी ओबेरॉय वहाली	मनोविज्ञान	एसएचएस
14	जतिन भट्ट	डिजाइन	एसडीईएस

15	कार्तिक दवे	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
16	कृष्णा मेनन	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
17	लॉरेंस लिआंग	कानून	एसएलजीसी
18	मो. शारीक फरूकी	डिजाइन	एसडीईएस
19	प्रवीण सिंह	वैश्विक अध्ययन	एसएचई
20	रचना जौहरी	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
21	राधारानी चक्रवर्ती	सीएलटीएस**	एसओएल
22	राजेंद्र पी. कुंडू	अर्थशास्त्र	एसएलएस
23	सत्यकेतु सांकृत	हिन्दी	एसओएल
24	सलिल मिश्रा	इतिहास	एसएलएस
25	संजय कुमार शर्मा	इतिहास	एसएलएस
26	शिवाजी के. पणिक्कर	दृश्य कला	एससीसीई
27	सुमंगला दामोदरन	विकास अध्ययन	एसडीएस
28	सुचित्रा बालासुब्रह्मण्यन	डिजाइन	एसडीईएस
29	स्मिता तिवारी जस्सल	समाजशास्त्र	एसएलएस
30	तनुजा कोठियाल	इतिहास	एसएलएस
क्र. सं.	**एसोसिएट प्रोफेसर**	**विषय**	**स्कूल**
1	आखा काइहरि माओ	शिक्षाशास्त्र	एसवीएस
2	अलका राय	पुस्तकालय	पुस्तकालय
3	अनीता ई. चेरियान	साहित्य कला	एससीसीई
4	अनुज भुवानिया	कानून	एसएलजीसी
5	अरिंदम बनर्जी	अर्थशास्त्र	एसएलएस
6	बोध प्रकाश	अंग्रेजी	एसओएल

7	दीपिता चक्रवर्ती	विकास अध्ययन	एसडीएस
8	डायमंड ओबेरॉय वहाली	अंग्रेजी	एसओएल
9	दीपन शिवरमन	प्रदर्शन कला	एससीसीई
10	ज्योतिर्मय भट्टाचार्य	अर्थशास्त्र	एसएलएस
11	कंवल अनिल	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
12	कृष्ण कल्याण दीक्षित	अंग्रेजी भाषा	सीईएलई
13	मनीष जैन	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
14	मोनीमलिका डे	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
15	निहारिका बनर्जी	समाजशास्त्र	एसएलएस
16	पराग वाकनीस	अर्थशास्त्र	एसएलएस
17	रचना चौधरी	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
18	राजन कृष्णन	चलचित्र कला	एससीसीई
19	ऋचा अवस्थी	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
20	रुक्मिणी सेन	समाजशास्त्र	एसएलएस
21	संतोष कुमार सिंह	समाजशास्त्र	एसएलएस
22	सुनीता सिंह	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
23	सुरेश बाबू	परिस्थितिकी विज्ञान	एसएचई
क्र. सं.	**सहायक प्रोफेसर**	**विषय**	**स्कूल**
1	अबीर गुप्ता	डिजाइन	एसडीईएस
2	अखिल कात्याल	साहित्य कला	एससीसीई
3	अमित सिंह	अंग्रेजीसाहित्य	एसयूएस
4	आनंदिनी दर	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
5	अनिल परसौड	इतिहास	एसएलएस

6	अनिरबान बिसवास	अर्थशास्त्र	एसएलएस
7	अनिरबान सेनगुप्ता	विकास अध्ययन	एसडीएस
8	अनूप कुमार कोइलेरी वी.	मनोविज्ञान	एसयूएस
9	अंशु गुप्ता	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
10	अंशुमिता पाण्डेय	मनोविज्ञान	एसएचएस
11	अनुष्का सिंह	कानूनएवं विधिक अध्ययन	एसएलजीसी
12	बालचंद प्रजापति	अंक शास्त्र	एसएलएस
13	बेनिल बिस्वास	प्रदर्शन कला अध्ययन	एससीसीई
14	भूमिका मेलिंग	अंग्रेजी	एसओएल
15	बिधान चंद्र दास	समाजशास्त्र	एसएलएस
16	बिन्दु के. कोविलकाम	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
17	दीप्ति सचदेव	मनोविज्ञान	एसएचएस
18	दिनेश कुमार	पुस्तकालय	पुस्तकालय
19	दीपा सिन्हा	अर्थशास्त्र	एसएलएस
20	दिव्या चोपड़ा	डिजाइन	एसडीईएस
21	धरित्री चक्रवर्ती	इतिहास	एसएलएस
22	धीरज कुमार नाइट	इतिहास	एसएलएस
23	गङ्ग्मूमेई कामे	मनोविज्ञान	एसएचएस
24	गुंजन शर्मा	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
25	गुंजीत अरोड़ा	अंग्रेजी	एसओएल
26	आइवी धर	विकास अध्ययन	एसडीएस
27	जावेद इकबाल वानी	कानूनएवं विधिक अध्ययन	एसएलजीसी

28	कालिंदी माहेश्वरी	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
29	कांचरला वैलेंटिना	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
30	कनिका महाजन	अर्थशास्त्र	एसएलएस
31	कोपल	अंग्रेजीसाहित्य	एसयूएस
32	क्रांति कुमार	अंक शास्त्र	एसएलएस
33	कृष्ण राम	अर्थशास्त्र	एसएलएस
34	कृतिका माथुर	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
35	लोवितोली जिमो	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
36	ममता कैरोल्लिल	मनोविज्ञान	एसएचएस
37	मानसी थपलियाल नवानी	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
38	मोग्गल्लन भारती	विकास अध्ययन	एसडीएस
39	मोनल माणिक देवले	अंग्रेजी भाषा	सीईएलई
40	मृदुल वीर सिंह	अंक शास्त्र	एसएलएस
41	नंदिनी नायक	विकास अध्ययन	एसडीएस
42	नीतू सरीन	मनोविज्ञान	एसएचएस
43	नागोरु निक्सन	कानूनएवं विधिक अध्ययन	एसएलजीसी
44	निधि केकर	प्रबंधन	एसबीपीपीएसई
45	निवेदिता सरकार	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
46	ओइनम हेमलता देवी	नृविज्ञान (ईएवंडी*)	एसएचई
47	पल्लवी बनर्जी	मनोचिकित्सा विज्ञान	एसएचएस
48	पल्लवी चक्रवर्ती	इतिहास	एसएलएस
49	पार्था साहा	विकास अध्ययन	एसडीएस

50	पूजा सतयोगी	कानूनएवं विधिक अध्ययन	एसएलजीसी
51	प्रभाकरन एस.आर.	कानूनएवं विधिक अध्ययन	एसएलजीसी
52	प्रणय गोस्वामी	अंक शास्त्र	एसएलएस
53	प्रीति सम्पत	समाजशास्त्र	एसएलएस
54	प्रियशा कौल	समाजशास्त्र	एसएलएस
55	पुलक दास	परिस्थितिकी विज्ञान	एसएचई
56	राजश्री चंचल	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
57	रमणीक खासा	अंक शास्त्र	एसएलएस
58	रिंजू रसाइली	समाजशास्त्र	एसएलएस
59	रोहित नेगी	भूगोल (ईएवंडी*)	एसएचई
60	संदीप आर. सिंह	सीएलटीएस**	एसओएल
61	संजू थॉमस	अंग्रेजी	एसओएल
62	संतोष एस.	दृश्य कला	एससीसीई
63	सरणिका सरकार	अर्थशास्त्र	एसएलएस
64	सौम्या उमा	कानूनएवं विधिक अध्ययन	एसएलजीसी
65	सायनदेब चौधरी	अंग्रेजी	एसओएल
66	शाद नवेद	सीएलटीएस**	एसओएल
67	शैलजा मेनन	इतिहास	एसएलएस
68	शेफाली जैन	दृश्य कला	एससीसीई
60	शेलमी सांखिल	सीएलटीएस**	एसओएल
70	शिफा हक	मनोविज्ञान	एसएचएस

71	शिवानी नाग	शिक्षाशास्त्र	एसईएस
72	शुभ्रा नगलिया	जेंडर अध्ययन	एसएचएस
73	तापसिक बनर्जी	अर्थशास्त्र	एसएलएस
74	थोकचोम बीबीनाज देवी	मनोविज्ञान	एसएचएस
75	उरफत अंजुम मीर	समाजशास्त्र	एसएलएस
76	उषा मुदिगंती	अंग्रेजी	एसओएल
77	वत्सला सक्सेना	मनोविज्ञान	एसयूएस
78	विभूति दुग्गल	फिल्म अध्ययन	एससीसीई
79	वेणुगोपाल मड्डीपति	डिजाइन	एसडीईएस
80	विक्रम सिंह ठाकुर	अंग्रेजी	एसओएल
81	विनोद आर.	मनोविज्ञान	एसएचएस
82	ऋक मित्रा	मनोविज्ञान	एसएचएस
83	योगेश स्नेही	इतिहास	एसएलएस
क्र. सं.	**अतिथि संकाय**	**पद, विषय**	**स्कूल**
1	अनुराधा कपूर	प्रोफेसर	एससीसीई
2	बलिंदर धनोआ	एसोसिएट प्रोफेसर	एससीसीई
3	बुधादित्य दास	सहायक प्रोफेसर	एसएचई
4	गीतांजलि त्यागी	सहायक प्रोफेसर,इतिहास	एसएलएस
5	हरीश नारंग	प्रोफेसर	एसएलएस
6	मेखोला गोम्स	सहायक प्रोफेसर,इतिहास	एसएलएस
7	नवजीत कौर	सहायक प्रोफेसर,जेंडर अध्ययन	एसएलएस

8	प्रणव त्रिगुणायत	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसएलएस
9	आर.वी. रमानी	प्रोफेसर	एससीसीई
10	सिद्धार्थ नरेन	सहायक प्रोफेसर	एसएलजीसी
11	श्रमण मजूमदार	सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान	एसएलएस
12	सुभाष चंद्र	सहायक प्रोफेसर, अंक शास्त्र	एसएलएस
13	सुगंधा गुप्ता	मनोचिकित्सक	सीपीसीआर
14	तान्या सलूजा	सहायक प्रोफेसर, अंक शास्त्र	एसएलएस
15	वेलेरियन रोड्रिग्स	प्रोफेसर	एसएलएस
16	विकास दीपक	सहायक प्रोफेसर, मनोविज्ञान	एसएलएस
17	वृंदा दत्ता	प्रोफेसर	सीईसीईडी
क्र. सं.	**अस्थायी संकाय**	**पद, विषय**	**स्कूल**
1	देविका शर्मा	सहायक प्रोफेसर, प्रारंभिक बाल शिक्षा	एसईएस
2	प्रभात राय	सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र	एसईएस
3	रॉबिन सिंघल	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसएलएस
4	शीतल नागपाल	सहायक प्रोफेसर, प्रारंभिक बाल शिक्षा	एसईएस
5	शेफाली सिंह	मनोचिकित्सक	एसयूएस

6	शैली पाण्डेय	सहायक प्रोफेसर, जेंडर अध्ययन	एसएचएस
क्र. सं.	**कार्यकाल / संविदात्मक संकाय**	**पद, विषय**	**स्कूल**
1	अनु	सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र	एसयूएस
2	अंकुश राठौड़	सहायक प्रोफेसर के स्तर पर कार्यक्रम प्रबंधक	एसवीएस
3	आशीष रॉय	सहायक प्रोफेसर के स्तर पर मनोचिकित्सक	सीपीसीआर
4	अवधेश कुमार त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर, हिन्दी	एसयूएस
5	शेरिल आर. जैकब	सहायक प्रोफेसर के स्तर पर कार्यक्रम प्रबंधक	एसवीएस
6	सीबिल के. विनोदन	सहायक प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान	एसयूएस
7	डीएमएल हाओकिप	सहायक प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान	एसयूएस
8	फरिहा सिद्दीकी	सहायक प्रोफेसर के स्तर पर कार्यक्रम प्रबंधक	एसवीएस
9	गुलशन बानो	सहायक प्रोफेसर,हिन्दी	एसयूएस
10	इमरान अमीन	सहायक प्रोफेसर, विकास प्रैक्टिस	सीडीपी
11	इष्शिता हाजरा सस्मल	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा	एसयूएस
12	इशिता डे	सहायक प्रोफेसर, विकास प्रैक्टिस	सीडीपी

13	इशिता मेहरोत्रा	सहायक प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान	एसयूएस
14	जेनी सी. एलेक्स	परियोजना अधिकारी	सीईएलई
15	मोनिशिता हाजरा पांडे	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा	एसयूएस
16	मृत्युंजय त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर, हिन्दी	एसयूएस
17	नक्कीरन नंजप्पन	एसोसिएट प्रोफेसर	सीएसएसआरएम
18	निकिता जैन	सहायक प्रोफेसर के स्तर पर मनोचिकित्सक	सीपीसीआर
19	निखिल सिंह चरक	सहायक प्रोफेसर के स्तर पर कार्यक्रम प्रबंधक	एसवीएस
20	नूपुर सैमुएल	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा	एसयूएस
21	प्रियंका	सहायक प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान	एसयूएस
22	रचना शोखंदा	सहायक प्रोफेसर, अंक शास्त्र	एसयूएस
23	रचना मेहरा	सहायक प्रोफेसर, इतिहास	एसयूएस
24	राजिंदर सिंह	सहायक प्रोफेसर के स्तर पर मनोचिकित्सक	सीपीसीआर
25	सजीश कुमार सी.	एसोसिएट प्रोफेसर, प्रकाशन	सीपी
26	शालिनी मसीह	सहायक प्रोफेसर के स्तर पर मनोचिकित्सक	सीपीसीआर

27	शिरीन मिर्जा	सहायक प्रोफेसर, समाजशास्त्र	एसयूएस
28	शिव कुमार	सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी भाषा	एसयूएस
29	सुमना दत्ता	सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण अध्ययन	एसयूएस
30	सुरजीत सरकार	एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर पर समन्वयक (कार्यक्रम)	सीसीके
31	स्वाति श्रेष्ठ	सहायक प्रोफेसर, पर्यावरण अध्ययन	एसयूएस
32	वैभव	सहायक प्रोफेसर, हिन्दी	एसयूएस
* पर्यावरण एवं विकास ** तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन			

II. शिक्षकेतर कर्मचारी

क्र. सं.	**नाम**	**पद**
कुलपति कार्यालय एवं अभिशासन		
1.	मल्लेशा बी.	सहायक कुलसचिव
2.	ममता असवाल	सहायक
3.	महेश कुमार	सहायक
4.	रुद्रेश सिंह नेगी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
5.	संदीप	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
प्रति कुलपति कार्यालय		
6.	सुनीता त्यागी	सहायक कुलसचिव

क्र. सं.	नाम	पद
7.	अमित कुमार	कार्यालय सहायक
8.	हरदेश कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
कुलसचिव कार्यालय		
9.	नीलिमा घिल्डियाल	सहायक
10.	रोहित कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
एचआर प्रभाग		
11.	पुनीत गोयल	सहायक कुलसचिव
12.	उर्मिल शेखावत	सलाहकार
13.	भूपेन्द्र सिंह	सहायक
14.	नीरू पांडे	सहायक
15.	आदेश कुमार	कार्यालय सहायक
16.	सुशीला देवी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
प्रशासन प्रभाग		
17.	मनीष कुमार	प्रति कुलसचिव
18.	उपेंद्र नाथ सिंह	सहायक कुलसचिव
19.	डिहंग एन.टी.	सहायक कुलसचिव
20.	सतीश कुमार	कनिष्ठ सलाहकार
21.	धीरज सिंह	कनिष्ठ सलाहकार
22.	सुभाष	कनिष्ठ कार्यपालक
23.	सौरभ	सहायक
24.	रितिका कटारमल	सहायक
25.	सनी कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)

क्र. सं.	नाम	पद
सम्पदा प्रभाग		
26.	लोकेश गर्ग	प्रति कुलसचिव
27.	राजीव कुमार	सहायक कुलसचिव
28.	मोहम्मद हसीन	सुरक्षा पर्यवेक्षक
29.	धर्मेन्द्र कुमार	सुरक्षा पर्यवेक्षक
30.	यतीन्द्र सिंह	सहायक–सह–कार्यवाहक
योजना प्रभाग		
31.	अंशु सिंह	सहायक कुलसचिव
32.	पंकज कुमार	तकनीकी अधिकारी
33.	समीर खान	कनिष्ठ कार्यपालक
34.	शिव चरण	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
वित्त प्रभाग		
35.	एर्नेस्ट सैम्यूएल रतनाकुमार, जे.	वित्त नियंत्रक
36.	ए.के. आहूजा	वरिष्ठ सलाहकार
37.	राज कुमार भारद्वाज	सहायक कुलसचिव
38.	सुमर पाल	सलाहकार
39.	अजय कुमार ठाकुर	कनिष्ठ कार्यपालक
40.	प्रभात कुमार	कनिष्ठ कार्यपालक
41.	ब्रजेश कुमार गुप्ता	सहायक
42.	मोहित जगोटा	सहायक
43.	अंजना कुमारी	सहायक
44.	सुमन नेगी	सहायक

क्र. सं.	नाम	पद
45.	केशव ठाकुर	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
शैक्षिक सेवा प्रभाग		
46.	प्रसाद टी.एस.वी.के.	प्रति कुलसचिव
47.	मनजीत सिंह राणा	सहायक कुलसचिव
48.	यूसुफ रजा नकवी	सहायक
49.	मोनिका रंजन	लेखा प्रविष्टि संचालक
50.	अशोक कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
छात्र सेवा प्रभाग		
51.	बिन्दु नायर	सहायक कुलसचिव
52.	अरुणिमा पॉल	सहायक
53.	नितिन चौधरी	सहायक
54.	अजय कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
55.	सुमित सोलंकी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
आकलन, मूल्यांकन एवं छात्र प्रगति (एईएस) प्रभाग		
56.	हर्ष कपूर	सहायक कुलसचिव
57.	मनमोहन असवाल	सहायक
58.	संदीप कुमार	लेखा प्रविष्टि संचालक
59.	अलीमुद्दीन	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
पुस्तकालय		
60.	रविंदर रावत	कनिष्ठ कार्यपालक (पुस्तकालय)
61.	मंजू	कनिष्ठ कार्यपालक (पुस्तकालय)
62.	संजय सिंह रावत	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)

क्र. सं.	नाम	पद
63.	नेक्सोन	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
64.	पिंकी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
आईटी सेवा प्रभाग		
65.	दीपक बिशला	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)
66.	आशुतोष कुमार	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)
67.	मुकेश सिंह डांगी	तकनीकी सहायक (आईटी)
68.	रमीज काज़मी	तकनीकी सहायक (आईटी)
69.	मानस रंजन डाकुआ	तकनीकी सहायक (आईटी)
70.	आशु मान	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
71.	अजय सिंह डांगी	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
अभियांत्रिकी एवं रखरखाव इकाई		
72.	मिथिलेश कुमार सिंह	कार्यपालक अभियंता (सिविल)
73.	युधिष्ठर के.	कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
74.	उदय सिंह पाल	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
75.	मेवा लाल	एमटीएस (इलेक्ट्रीशियन)
76.	नवीन कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
पर्यावरण प्रबंधन		
77.	राज कुमार मौर्य	एमटीएस (माली)
78.	नरेश कुमार	एमटीएस (माली)
79.	रिज़वान	एमटीएस (माली)
80. ए?	रंजीत भुईमाली	एमटीएस (माली)

क्र. सं.	नाम	पद
81.	फिदा हुसैन	एमटीएस (माली)
स्कूल एवं केंद्र		
स्नातक अध्ययन स्कूल (एसयूएस)		
82.	आशीष पाटीदार	सहायक कुलसचिव
83.	प्रियंका अलघ	कनिष्ठ कार्यपालक
84.	आशा देवी डी.	सहायक
85.	सुरेश प्रसाद	कार्यालय सहायक
86.	संदीप कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
लिबरल अध्ययन स्कूल (एसएलएस)		
87.	पूनम पेटवाल	सहायक
88.	हरीश कुमार तोमर	कार्यालय सहायक
89.	अशोक कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
मानव अध्ययन स्कूल (एसएचएस)		
90.	संतोष थॉमस	सहायक
91.	मीनाक्षी सिंह जुगरान	सहायक
92.	संदीप कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
विकास अध्ययन स्कूल (एसडीएस)		
93.	संगीता	सहायक
मानव पारिस्थितिकी स्कूल (एसएचई)		
94.	राज कुमार	सहायक
95.	तिलक राज	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
व्यापार, लोकनीति एवं सामाजिक उद्यमिता अध्ययन स्कूल (एसबीपीपीएसई)		

क्र. सं.	नाम	पद
96.	दीपक कुमार	सहायक
97.	शिवम कौशिक	सहायक
सांस्कृतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्ति अध्ययन स्कूल (एससीसीई)		
98.	रामकृष्णन पोट्टी एस.	सलाहकार
शैक्षिक अध्ययन स्कूल (एसईएस)		
99.	सना खान	सहायक
100.	विजय कुमार	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
डिजाइन स्कूल (एसडीज)		
101.	निशांत सोलोमन	सहायक
102.	रुद्र पाल	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
लेटर्स स्कूल (एसओएल)		
103.	प्रेमा कुमारी	कार्यालय सहायक
104.	मिमो	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
कानून, शासन एवं नागरिकता स्कूल (एसएलजीसी)		
105.	सुनील	कार्यालय सहायक
वोकेशनल स्टडीज स्कूल (एसवीएस)		
106.	प्रवीण कुमार नायक	कार्यालय सहायक
प्रारंभिक बाल शिक्षा एवं विकास केंद्र (सीईसीईडी)		
107.	अनिल सिंह रावत	सहायक
स्वास्थ्य केंद्र		
108.	अर्चना गुप्ता	चिकित्सा अधिकारी
करमपुरा परिसर		

क्र. सं.	नाम	पद
109.	नरेंद्र मिश्रा	सहायक कुलसचिव
110.	हरीश गुरनानी	सलाहकार
111.	प्रवीण भट्ट	कार्यकारी प्रशासक (आईटी)
112.	शिव कुमार	कनिष्ठ सलाहकार
113.	जगेश कुमार त्यागी	भंडार रक्षक
114.	शंभू शरण सिंह	तकनीकी सहायक (आईटी)
115.	आशुतोष त्यागी	आईटी सहायक
116.	ओमप्रकाश मिश्रा	पुस्तकालय सहायक
117.	मोहन सिंह यादव	सहायक
118.	भावना सदन	कार्यालय सहायक
119.	मीनाक्षी	कनिष्ठ पुस्तकालय सहायक
120.	आयुषी वर्मा	लेखा प्रविष्टि संचालक
121.	सुनीता महार	लेखा प्रविष्टि संचालक
122.	शफीक अहमद	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
123.	स्वामी नाथ	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
124.	दीपक शर्मा	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
125.	तस्लीम	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
लोधी रोड परिसर		
126.	केशर सिंह बिष्ट	सलाहकार
127.	शिव कांत अवस्थी	भंडार रक्षक
128.	रोहित उज्जैनवाल	आईटी सहायक
129.	राम कुमार	कार्यालय सहायक

क्र. सं.	नाम	पद
130.	बलराम	एमटीएस (कार्यालय परिचारक)
परिसर विकास प्रभाग		
131.	एन. के. वर्मा	सह निदेशक (तकनीकी)
132.	मंजुला खान	शिल्पकार
133.	अनिल कुमार अरोड़ा	वरिष्ठ परियोजना अभियंता (सिविल)
134.	दीपक कपूर	सहायक कुलसचिव
135.	अभिषेक अग्रवाल	परियोजना अभियंता (सिविल)
136.	गौरव सक्सेना	परियोजना अभियंता (इलेक्ट्रिकल)
137.	पुनीत सिंह	सहायक परियोजना अभियंता (सिविल)
138.	ललित कुमार	सहायक परियोजना अभियंता (सिविल)
139.	विकास दलाल	सलाहकार
140.	भूपेंद्र सिंह चौहान	सहायक
141.	अजय	एमटीएस

III. वर्ष 2017–18 में निम्न शिक्षकेतर कर्मचारी सीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति/अनुबंध के आधार पर विश्वविद्यालय में शामिल हुएः

1. मनजीत सिंह राणा, सहायक कुलसचिव (नियमित 03.04.2017 से प्रभावी)
2. धीरज सिंह, कनिष्ठ सलाहकार (अनुबंध पर 03.04.2017 से प्रभावी)
3. धर्मेंद्र कुमार, सुरक्षा पर्यवेक्षक (अनुबंध पर 05.04.2017 से प्रभावी)
4. पंकज कुमार, तकनीकी अधिकारी (अनुबंध पर 19.04.2017 से प्रभावी)
5. प्रवीण कुमार नायक, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड (भर्ती)16.05.2017 से प्रभावी)
6. प्रेमा कुमारी, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड 16.05.2017 से प्रभावी)
7. आशुतोष कुमार, कार्यकारी प्रशासक (आउटसोर्स्ड 30.05.2017 से प्रभावी)

8. पुनीत सिंह, सहायक परियोजना अभियंता सिविल (अनुबंध पर 30.06.2017 से प्रभावी)
9. ललित कुमार, सहायक परियोजना अभियंता सिविल (अनुबंध पर 05.07.2017 से प्रभावी)
10. राम कुमार, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड 26.07.2017 से प्रभावी)
11. मिमोह, एमटीएस (आउटसोर्स्ड 26.07.2017 से प्रभावी)
12. बलराम, एमटीएस (आउटसोर्स्ड 26.07.2017 से प्रभावी)
13. रोहित उज्जैनवाल, आईटी सहायक (आउटसोर्स्ड 02.08.2017 से प्रभावी)
14. मिथिलेश कुमार सिंह, कार्यकारी अभियंता सिविल (नियमित पर 11.08.2017 से प्रभावी)
15. शिव कांत अवस्थी, भंडार रक्षक (आउटसोर्स्ड 04.09.2017 से प्रभावी)
16. अमित कुमार, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड 06.09.2017 से प्रभावी)
17. सुरेश प्रसाद, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड 06.09.2017 से प्रभावी)
18. अलीमुनद्दीन, एमटीएस (आउटसोर्स्ड 06.09.2017 से प्रभावी)
19. दीपक शर्मा, एमटीएस (आउटसोर्स्ड 06.09.2017 से प्रभावी)
20. अजय, एमटीएस (03.11.2017 से प्रभावी)
21. सन्नी कुमार, एमटीएस (आउटसोर्स्ड 22.11.2017 से प्रभावी)
22. हरदेश कुमार, एमटीएस (आउटसोर्स्ड 22.11.2017 से प्रभावी)
23. तसलीम, एमटीएस (आउटसोर्स्ड 22.11.2017 से प्रभावी)
24. सुनील, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड 11.01.2018 से प्रभावी)
25. हरीश कुमार तोमर, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड 11.01.2018 से प्रभावी)
26. भावना सदन, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड 12.01.2018 से प्रभावी)
27. अनिल कुमार अरोड़ा, वरिष्ठ परियोजना अभियंता सिविल (प्रतिनियुक्ति पर 02.02.2018 से प्रभावी)
28. आदेश कुमार, कार्यालय सहायक (आउटसोर्स्ड 05.02.2018 से प्रभावी)
29. उदय पालसिंह, कनिष्ठ अभियंता सिविल (आउटसोर्स्ड 06.02.2018 से प्रभावी)
30. जागेश कुमार त्यागी, भंडार रक्षक (अनुबंध पर 28.02.2018 से प्रभावी)

IV. वर्ष 2017–18 में निम्न शिक्षकेतर कर्मचारियों ने अनुबंध कार्यकाल पूरा होने पर विश्वविद्यालय छोडा/इस्तीफा दिया

1. कटारमल, पी.के. वरिष्ठ सलाहकार, शैक्षिक सेवाएँ (अनुबंध पर 31.05.2017 से प्रभावी)
2. दया चंद, उद्यान–निरीक्षक, ईएमसी (अनुबंध पर 29.06.2017 से प्रभावी)
3. सिकंदर, एम.ए., कुलसचिव (कार्यकाल 31.08.2017 से प्रभावी)
4. शर्मा, आर.पी., वरिष्ठ सलाहकार, परिसर विकास (अनुबंध पर 05.03.2018 से प्रभावी)
5. सुंदर लाल सेठी, सलाहकार, शैक्षिक सेवाएँ (अनुबंध पर 16.03.2018 से प्रभावी)

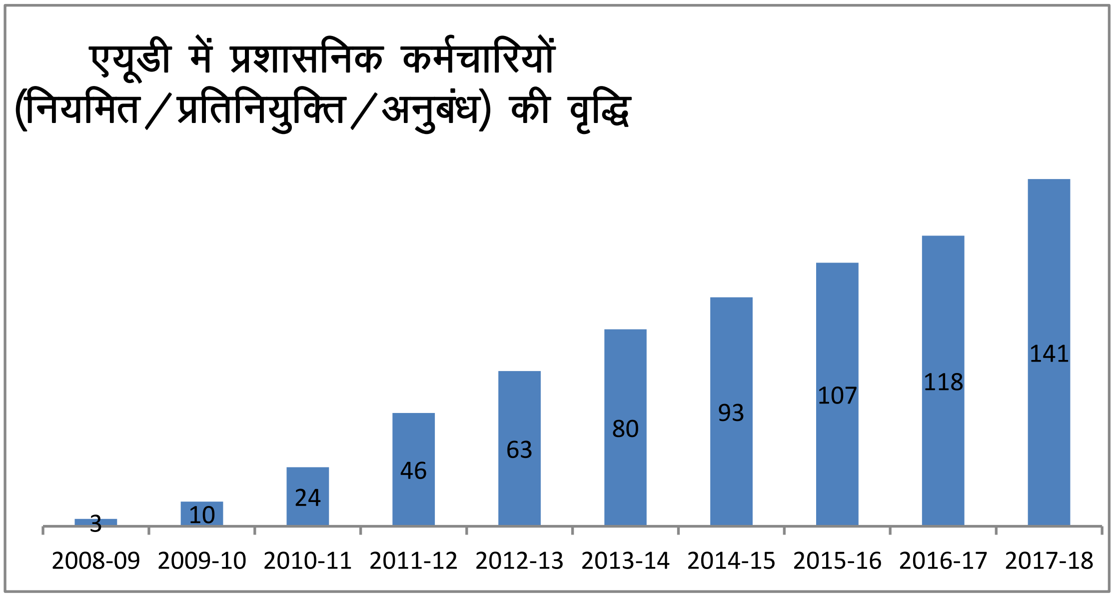

V. अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी सलाहकार समिति (एसीआईपी) के सदस्य

- डेनिस पी लेटन, निदेशक (सीसीके) तथा लिबरल अध्ययन स्कूल –अध्यक्ष
- प्रवीण सिंह, अधिष्ठाता (योजना)–सदस्य
- संजय कुमार शर्मा, अधिष्ठाता (छात्र सेवा)–सदस्य
- अरिंदम बनर्जी, अधिष्ठाता (शैक्षिक सेवाएँ)–सदस्य
- सुमंगला दामोदरन, अधिष्ठाता (एसडीएस)–सदस्य
- कृष्णा मेनन, अधिष्ठाता (एसएचएस) –सदस्य
- हनी ओबेरॉय वहाली, निदेशक (सीपीसीआर) तथा बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य
- कृष्ण कल्याण दीक्षित, एसोसिएट प्रोफेसर (सीईएलई) तथा नामित कुलपति
- रोहित नेगी, एसोसिएट प्रोफेसर (एसएचई) तथा कुलपति नामित
- अस्मिता काबरा, कुलसचिव
- कार्तिक दवे, अधिष्ठाता (एसबीपीएसएसई), संयोजक
- सुनीता त्यागी, सहायक कुलसचिव (पीवीसीओ–1 तथा समन्वय)

VI. शोध एवं परियोजना प्रबंधन सलाहकार समिति के सदस्य

अनूप कुमार धर	अध्यक्ष

बाबू पी. रमेश	संयोजक
सलिल मिश्रा	सदस्य (01.08.2017 तक)
प्रवीण सिंह	सदस्य
सिकंदर, एम. ए.	सदस्य (30.08.2017 तक)
अस्मिता काबरा	सदस्य (31.08.2017 से)
एर्नेस्ट सैम्यूएल रतनाकुमार, जे.	सदस्य
राजन कृष्णन	सदस्य
सुरेश बाबू	सदस्य
अरिंदम बनर्जी	सदस्य
रुक्मिणी सेन	सदस्य
सुचित्रा बालासुब्रह्मण्यन	सदस्य
योगेश स्नेही	सदस्य
रचना मेहरा	सदस्य
सुनीता त्यागी	सचिव

VII. कश्मीरी गेट परिसर के लिए यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति (सीपीएसएच)

नाम	**श्रेणी**
गीता वेंकटरमन	संकाय एवं अध्यक्ष, निर्वाचित / नामित, सितंबर, 2015 में
सुचित्रा बालासुब्रह्मण्यन	संकाय, निर्वाचित / नामित, सितंबर, 2015 में
मनीष जैन	संकाय, निर्वाचित / नामित, सितंबर, 2015 में
तनुजा कोठियाल	संकाय / नामित, अप्रैल, 2017
अलका राय	संकाय / नामित, अप्रैल, 2017
ममता कैरोल्लिल	संकाय / नामित, अप्रैल, 2017
सुरजीत सरकार	संकाय / नामित, अप्रैल, 2017
नेहा त्रिपाठी	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
आभा मुरलीधरन	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
अकुंठ	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
प्रिया त्यागी	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
आँचल खुल्बे	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
फरहाना यूनुस	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
कुंजजंग अंगमो	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
सुमन नेगी	प्रशासनए निर्वाचित / नामित, सितंबर, 2015 में
यतीन्द्र सिंह	प्रशासनए निर्वाचित / नामित, सितंबर, 2015 में
रिंकू बोरा	प्रशासन / नामित, अप्रैल, 2017
पायल साहू	प्रशासन / नामित, अप्रैल, 2017

VIII. करमपुरा परिसर के लिए यौन उत्पीड़न रोकथाम समिति (सीपीएसएच)

नाम	**श्रेणी**
शिरीन मिर्जा	संकाय / नामित, अप्रैल, 2017
रचना मेहरा	संकाय / नामित, अप्रैल, 2017
अमित सिंह	संकाय / नामित, अप्रैल, 2017
आदित्य शंकर	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
श्रेया कालरा	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
काव्या जॉली	छात्र, निर्वाचित / नामित, अप्रैल, 2017
शंभु शरण सिंह	प्रशासन / नामित अप्रैल, 2017
मीनाक्षी	प्रशासन / नामित अप्रैल, 2017

IX. बीओएम द्वारा अनुमोदित बाहरी विशेषज्ञों के पैनल (02 नवंबर, 2017 से 1 वर्ष के लिए)

क्र.सं.	**नाम और विवरण**	**क्र.सं.**	**नाम और विवरण**
1.	मुदिता मोहिले, गार्गी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय	2.	जानकी अब्राहम समाजशास्त्र विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय
3.	दीप्ति शर्मा सहेली: महिला संसाधन केंद्र	4.	परनल चिरमुले जर्मनिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू
5.	कल्याणी मेनन–सेन, एसोसिएट, जेंडर एट वर्क फेमिनिस्ट लर्निंग पार्टनरशिप	6.	सुमिता हजारिका एडवोकेट–ऑन–रिकॉर्ड, भारत सर्वोच्च न्यायालय
7.	दिप्ता भोग, महिला और शिक्षा कार्यकर्ता	8.	शहाना भट्टाचार्य किरोड़ीमल कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय

क्र.सं.	नाम और विवरण	क्र.सं.	नाम और विवरण
9.	साधना सक्सेना शिक्षा विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय	10.	सुश्री इंदु जैन जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय
11.	कावेरी शर्मा वकील	12.	रुखसाना चौधरी वकील
13.	रितुपर्णा बोराह सलाहकार–लिंग और कामुकता, नजरिया–क्वीर फेमिनिस्ट रिसोर्स ग्रुप	14.	अशोक अग्रवाल, सामाजिक विधिवेत्ता
15.	स्मिता एम. पाटिल स्कूल ऑफ जेंडर एंड डेवलपमेंट स्टडीज इग्नू	16.	शुक्ला सावंत कला और सौंदर्यशास्त्र जेएनयू

X.रैगिंग विरोधी समिति

नाम	पद	ईमेल आईडी	संपर्क
कुलसचिव	अध्यक्ष	registrar@aud.ac.in	011–23865075
सत्यकेतु सांकृत	ओएसडी, करमपुरा	satyaketu@aud.ac.in	011–23863740
धीरेंद्र दत्त डंगवाल	प्रोफेसर, एसएलएस	dhirendra@aud.ac.in	
अनीता चेरियन	एसोसिएट प्रोफेसर, एससीसीई	anitacherian@aud.ac.in	
साबित्री दत्ता	सहायक प्रोफेसर, एसयूएस	sabitri@aud.ac.in	
ओइनम हेमलता देवी	सहायक प्रोफेसर, एसएचई एवंवार्डन	hemlata@aud.ac.in	

XI. रैगिंग विरोधी दस्ता

नाम	पद	ईमेल आईडी	संपर्क
बिधान चंद्र दास	सहायक प्रोफेसर, एसएलएस	bidhan@aud.ac.in	011–23863740
पुलक दास	सहायक प्रोफेसर, एसएचई	pulak@aud.ac.in	
संतोष एस.	सहायक प्रोफेसर, एससीसीई	santhoshs@aud.ac.in	
आनंदिनी दर	सहायक प्रोफेसर, एसईएस	anandini@aud.ac.in	
गङ्ग्मूमेई कामे	सहायक प्रोफेसर, एसएचएस	gangmumei@aud.ac.in	
कालिंदी माहेश्वरी	सहायक प्रोफेसर, एसबीपीपीएसई	kalindi@aud.ac.in	
आइवी धर	सहायक प्रोफेसर, एसडीएस	ivy@aud.ac.in	
रचना मेहरा	सहायक प्रोफेसर, एसयूएस	rmehra@aud.ac.in	
मृत्युंजय त्रिपाठी	सहायक प्रोफेसर, एसयूएस	mrityunjay@aud.ac.in	
दिव्या चोपड़ा	सहायक प्रोफेसर, एस डीईएस	divyachopra@aud.ac.in	
अमित सिंह	सहायक प्रोफेसर, एसयूएस	amit@aud.ac.in	
अनूप कुमार कोइलेरी वी.	सहायक प्रोफेसर, एसयूएस	anoop@aud.ac.in	
ओइनम हेमलता देवी	सहायक प्रोफेसर, एसएचई एवं वार्डन	hemlata@aud.ac.in	

XII. सलाहकार समिति

अधिष्ठाता (शैक्षिक सेवाएँ)	अध्यक्ष
अधिष्ठाता (छात्र सेवा)	अध्यक्ष
कुलसचिव	सदस्य
रिंजू रसाइली सहायक प्रोफेसर, एसएलएस	सदस्य, संपर्क अधिकारी (एससी)
आखा काइहरि माओ सहायक प्रोफेसर, एसईएस	सदस्य, संपर्क अधिकारी (एसटी)
संदीप आर सिंह सहायक प्रोफेसर, एसएलएस	सदस्य, संपर्क अधिकारी (पीडब्ल्यूडी)
मनजीत सिंह राणा	सदस्य, संपर्क अधिकारी (ओबीसी)

सहायक कुलसचिव	
सुनीता त्यागी सहायक कुलसचिव (समन्वय)	अतिरिक्त सदस्य

XIII. छात्र कल्याण कोष प्रबंधन समिति

संजय कुमार शर्मा	अधिष्ठाता, छात्र सेवा (अध्यक्ष)
राजन कृष्णन	अधिष्ठाता, एससीसीईई
सुमंगला दामोदरन	अधिष्ठाता, एसडीएस
हनी ओबेरॉय वहाली	निदेशक, सीपीसीआर
सुचित्रा बालासुब्रह्मण्यन	प्रोफेसर, एसडीईएस
राजेंद्र पी. कुंडू	प्रोफेसर, एसएलएस
पुलक दास	सहायक प्रोफेसर, एसएचई
विनोद आर.	सहायक प्रोफेसर, एसएचएस
अमित सिंह	सहायक प्रोफेसर, एसयूएस
सैम जैकब	शोध छात्र, एसएचएस (एम.फिल. विकास अध्ययन, प्रथम वर्ष)
प्रशांत कुमार	छात्र प्रतिनिधि, एसबीपीपीएसई (स्नातकोत्तर प्रबंधन, प्रथम वर्ष)
शैलेंद्र जैन	छात्र प्रतिनिधि, एसयूएस (स्नातक, अर्थशास्त्र, द्वितीय वर्ष)
वर्षा मोहन	छात्र प्रतिनिधि, एसयूएस (स्नातक, अंग्रेजी, तृतीय वर्ष)
राजित अरोड़ा	छात्र प्रतिनिधि, एसईएस (स्नातकोत्तर, शिक्षा, द्वितीय वर्ष)
विनोद आर.	वित्त नियंत्रक अथवा उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति
बिन्दु नायर	सहायक कुलसचिव, एसएस (सदस्य सचिव)

XIV. छात्र नीति स्थाई समिति

अधिष्ठाता, छात्र सेवा	अध्यक्ष (पदेन)
सहायक कुलसचिव, एसएस	सदस्य सचिव
हनी ओबेरॉय वहाली	सदस्य
राधारानी चक्रवर्ती	सदस्य
राजन कृष्णन	सदस्य
ओइनम हेमलता देवी	सदस्य